शिल्पमाला

बुनाई सीखने की अनुपम पुस्तक
१२० चित्रों सहित

लेखिका—
श्रीमती विद्याधरी जौहरी 'विशारद'

प्रकाशक—
हिन्दी भवन
लाहौर

प्रकाशक—
श्री धर्मचन्द्र विशारद
हिन्दी भवन
लाहौर

प्रथमसंस्करण
१९३३

मुद्रक—
श्री देवचन्द्र विशारद
हिन्दी भवन प्रेस,
लाहौर



तपस्विनी पावती देवी

—

समर्पण

जिनकी गोद में मैंने अनेकों लाड-प्यार और नानाविध खेल किये हैं—

जिनके हाथों पलकर आज इतनी बड़ी और इस योग्य हुई हूँ—

जिनके परिश्रम और उद्योग से मै कुछ पढ़ना-लिखना सीख पाई हूँ—

नको साँसारिक माया-बन्धन में बाँधने की मैं ही एक-मात्र कारण हूँ—

उन्हीं पूज्य-जननी तपस्विनी पार्वती देवी जी के

श्रीचरणों मे अपना यह प्रथम प्रयास

सादर समर्पित करती हूँ



श्रीमती विद्याधरी जौहरी

अपनी बात—

आज अपनी यह प्रथम रचना लेकर हिन्दी लेखिका-मंडल में बरबस प्रवेश करने लगी हूँ। यह प्रयत्न कितना उपयोगी है, मैं इसको उपयोगी बनाने में कहाँ तक सफल हुई हूँ, भारतीय बहनें इससे कितना लाभ उठा सकेंगी, इसका विवेचन तो पाठिकाएँ और आलोचिकाएँ ही करेंगी। मैं तो केवल इतना ही लिखना चाहती हूँ कि जहाँ अंगरेज़ी और अन्य पाश्चात्य भाषाओं में बुनाई, क्रोशिया तथा दस्तकारी के अन्य कामों को सिखाने के लिए छोटी बड़ी अनेकों पुस्तकें मिलती हैं, जहाँ इन विषयों पर उन भाषाओं में कई पत्र तथा पत्रिकाएँ निकलती हैं, वहाँ हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी में इनी गिनी दो चार छोटी मोटी पुस्तकों को छोड़ कर इतनी बड़ी पुस्तक कोई नहीं थी। इसी अभाव को अनुभव करके आज से ठीक दो वर्ष पहले जुलाई सन् १९३१ में मैंने इस पुस्तक को लिखना प्रारम्भ किया था और मेरी हार्दिक इच्छा थी कि शीघ्र ही इसे प्रकाशित करवा कर किसी हद तक इस अभाव की पूर्ति कर सकूँ किन्तु दुर्भाग्यवश महीनों तक अपनी छोटी बच्ची की बीमारी में व्यस्त रहने और उसकी मृत्यु के बाद अन्य झंझटों में फँसे रहने के कारण इसके प्रकाशन में इतना समय लग गया।

पहाड़ों पर या नगरों में टहलते हुए मैंने कई बार देखा है कि सम्भ्रान्त घरों की यूरोपियन बहनें जब कहीं आराम कर रही होती हैं तो उनके हाथ में सलाइयाँ मौजूद रहती हैं और वे अपने लिए तथा अपने बच्चों के लिए स्वयं ही कई तरह के सुन्दर सुन्दर कपड़े बुन लेती हैं, उन्हें महँगे दामों पर हल्के बाज़ार कपड़े लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। परन्तु खेद से लिखना पड़ता है कि चौके-चूल्हे से निवृत्त होने के पश्चात् हमारी भारतीय बहिनों का अधिकांश समय इधर उधर की गप्पों और पारस्परिक झगड़ों में ही बीतता है। क्या ही अच्छा हो कि वे भी पाश्चात्य बहनों का अनुकरण कर अपने समय का सदुपयोग करें।

प्रकाशक तथा मुद्रक महोदयों ने पुस्तक को सुन्दर रूप से जनता के सामने लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हर्ष का विषय है कि पुस्तक की छपाई अत्यन्त मनोहर की गई है और इतने अधिक चित्र देकर पुस्तक को पर्याप्त उपयोगी बनाने का प्रयत्न किया गया है।

पुस्तक के पृष्ठ ८ पर 'कुछ ध्यान देने योग्य बातें' तथा पृष्ठ ९ पर 'सांकेतिक चिह्न' दिये गये हैं, पाठिकाओं को चाहिये कि पुस्तक प्रारम्भ करने से पहले उनको अच्छी तरह देख लें।

इस पुस्तक के लिखने में मुझे कई अंगरेज़ी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं से सहायता मिली है, कई चित्र उन पुस्तकों तथा पत्रिकाओं से लिए गये हैं। मैं हृदय से उन सब पुस्तक के लेखकों तथा पत्रिकाओं के सम्पादकों की कृतज्ञ हूँ।

छत्ताघाट, आगरा — विद्याधरी जौहरी

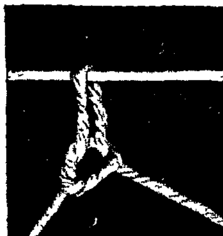
२–८–३३

विषय-सूची



बुनने की विधि

बुनाई
सदा एक सी
होनी चाहिए



फंदे बड़ी
सवधानी से
चढ़ाने चाहिएँ

चि० स० १

सलाई पर पहला फंदा चढाना—प्रत्येक बुनाई सलाई पर फंदे चढ़ा कर आरम्भ की जाती है। पहले सलाई पर एक सरकने वाली गाँठ बाँधो, तब बुनाई शुरू करो। सरकने वाली गाँठ या पहला फंदा बाँधने के लिए जितने फंदे चढ़ाने हो उस हिसाब से कुछ लम्बा तागे का सिरा बायें हाथ के नीचे लटकता हुआ छोड़कर तागे को बायें हाथ के अँगूठे और पहली अँगुली से पकड़ो। फिर दाहिने हाथ से तागा मोड़ कर एक घुडी बनाओ और उसे ठीक ढग से बायें अँगूठे से, जहाँ कि तागा पकड़ा है, पकड़ लो। तागे का गोला घुडी के पीछे की ओर दाहिने हाथ के नीचे रहने दो। अब दाहिने हाथ की पहली अँगुली और अँगूठे से उस घुडी में से कुछ तागा ऊपर को खींच लो, यही पहली सरकने वाली गाँठ बनेगी, इसे एक सलाई पर चढालो और कस दो।

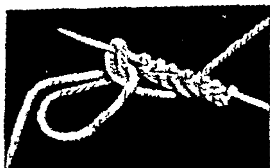
एक सलाई से फंदे चढ़ाना—फंदे एक सलाई से भी चढ़ाये जा सकते हैं और दो से भी। जैसा कि ऊपर बताया गया है, सरकने वाली गाँठ चढ़ाने के बाद सलाई को दाहिने हाथ के अँगूठे और पहली अँगुली से पकड़ो और गाँठ से जाते हुए तागे को पहली अँगुली के ऊपर और बीच की अँगुली के नीचे तथा शेष सब अँगुलियों के ऊपर से ढीला-ढाला रखकर गोले को दाहिने हाथ की ओर छोड़ दो।

फंदों पर ही बुनाई निर्भर है



चि०सं० २

फंदे कहीं ढीले कहीं कसे नहीं होने चाहिएँ।



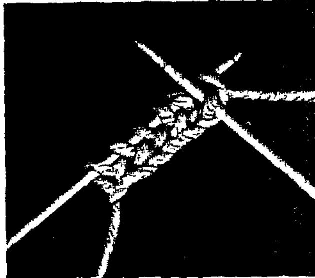
चि० सं० ३

तागेका लम्बा सिरा जो सरकने वाली गाँठ चढ़ाते समय छोड़ा गया था, बायें हाथ के अँगूठे के ऊपर बाईं से दाहिनी ओर को होता हुआ और अँगूठे के नीचे दाहिनी से बाईं ओर को होता हुआ, अँगूठे के चारो ओर एक घुंडी सी बनाता हुआ शेष हाथ के अन्दर और सब से छोटी अँगुली के नीचे होता हुआ जाना चाहिए। जैसा कि चित्र सं० २ में दिखाया गया है। अब सलाई की नोक को सामने की ओर से इस घुंडी की दोनो तारों के नीचे ले जाकर ऊपर से लाते हुए दोनों तारों के बीच में से निकालो और दाहिने हाथ का तागा पीछे से सलाई और अँगूठे के बीच में लाकर सलाई की नोक पर डाल दो, फिर इस तागे सहित सलाई की नोक को सलाई पर जो घुंडी सी बन गई है उसमें से आगे को (अपनी ओर को) निकाल लो, इधर बायाँ अँगूठा घुंडी में से निकाल कर तागा खींच लो। अब सलाई पर एक फंदा बन जायगा। इसी प्रकार आवश्यकतानुसार फंदे बनालो।

दो सलाइयों से फंदे चढ़ाना—एक सलाई से ऊपर बताई गई विधि द्वारा बनाये हुए फंदे दो सलाइयों से बनाये गये फंदों की अपेक्षा अधिक सुन्दर और मजबूत होते हैं और जल्दी नहीं खुलते। किन्तु कहीं कहीं दो सलाइयों द्वारा बनाये हुए फंदे भी प्रयोग में लाये जाते हैं। इसलिए उसकी विधि भी यहाँ

बताई जाती है। एक सलाई पर पहले की भाँति (बिना लम्बा डोरा छोड़े सिरे के पास ही) एक सरकने वाली गाँठ बाँधो, और उसे बायें हाथ में पकड़ लो। दूसरी सलाई को दाहिने हाथ में अँगूठे और पहली अँगुली से पकड़ कर उसकी नोक नीचे से ऊपर की ओर बायें हाथवाली सलाई की गाँठ में डालो। इधर तागे को दाहिने हाथ की पहली अँगुली के ऊपर और शेष अँगुलियो के नीचे से होकर

फंदे चढ़ाने की दो विधियाँ हैं



पाठिकाओं को दोनों सीखनी चाहिये

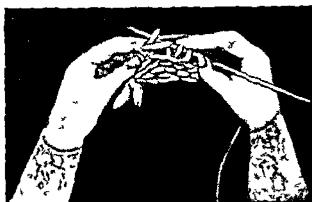
चि० स० ४

लटकने दो। सलाई की नोक को गाँठ में से गुजार लेने के बाद पहली अँगुली ऊपर उठा कर उसके ऊपर वाले तागे को उस नोक पर डाल दो। यह तागा दोनो सलाइयो की नोकों के बीच मे आजायगा। तब जिस नोक पर यह डाला गया था उसे तागे सहित उस गाँठ मे से आगे को निकाल लो। इस प्रकार दाहिनी सलाई पर एक फंदा बन जायगा। पहली गाँठ तो बाई सलाई पर है ही और नया फंदा दाहिनी पर। अब बाई सलाई की नोक को इस नये फंदे में डालकर इसे भी बाई सलाई पर उतार लो। इसी प्रकार जितनी आवश्यकता हो फंदे बना बना कर बाई सलाई पर उतार लो।

बुनाई का आरम्भ—फंदे बनाने के बाद बुनाई शुरू होती है। फंदो वाली सलाई को बायें हाथ में और खाली को दाहिने में पकड़ कर दाहिनी सलाई की नोक को बाई सलाई के पहले फंदे मे नीचे से ऊपर को डालो और दाहिने हाथ की अँगुली से तागा ऊपर को करके दोनों सलाइयो की नोकों के बीच मे डाल कर दाहिनी सलाई से धीरे से आगे को निकाल लो। इससे दाहिनी सलाई पर एक नया फंदा बन जायगा। अब बाई सलाई के जिस फंदे में से यह फंदा बनाया गया है उसे बाई सलाई पर से उतार दो। इसी प्रकार बाई सलाई पर प्रत्येक फंदे से दाहिनी सलाई पर एक-एक नया फंदा

बनाओ। अब सब फदे दाहिनी सलाई पर आ जायँगे और बाईं खाली हो जायगी। इसे दाहिने हाथ मे ले लो और फदोवाली को बायें हाथ में। बार बार इसी प्रकार बुनती जाओ जिससे बुनने का खूब अभ्यास हो जाय। बुनते समय इस बात का सदा ध्यान रखो कि बुनाई कहीं से कसी हुई और कही से ढीली न हो। तागे को बहुत सँभाल कर अन्दाज से खींचना चाहिए जिससे फदा न तो बहुत

सलाइयाँ ठीक तरह पकड़ने से

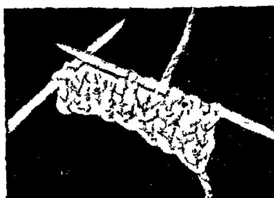


बुनाई सुन्दर आती है

चि० सं० ५ सलाइयाँ पकड़ने की विधि

ढीला हो और न कसा हुआ। बुनाई ढीली होने से जाली की तरह दिखाई देने लगती है और जल्दी ही फट जाती है तथा अधिक कस जाने से बहुत कड़ी हो जाती है और देखने में भी अच्छी नही लगती।

जालीदार बुनाई में प्राय इसी प्रकार



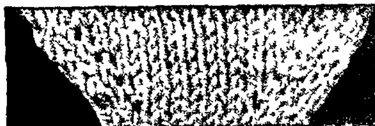
फदे सरका कर गिनती पूरी की जाती है

चि० सं० ६

फदा सरकाने की विधि—जो फदा सरकाना हो उसको बिना बुने दाहिने हाथ की सलाई पर ले लो और अगला फदा बुन लो। फिर जो फदा बिना बुने सलाई पर लिया था उसमें बायें हाथ की सलाई की नोक डाल कर बुने हुए फदे के ऊपर से उसे नीचे उतार दो इस प्रकार तुम्हारे पास दो फदों के बदले एक ही फदा रह जायगा, एक उतर या सरक जायगा।

फंदे बढाना—एक फंदा सीधा बुन लो और जिस फंदे में से एक सीधा बुना है उस फंदे को बाईं सलाई

फंदे बड़ी सावधानी से

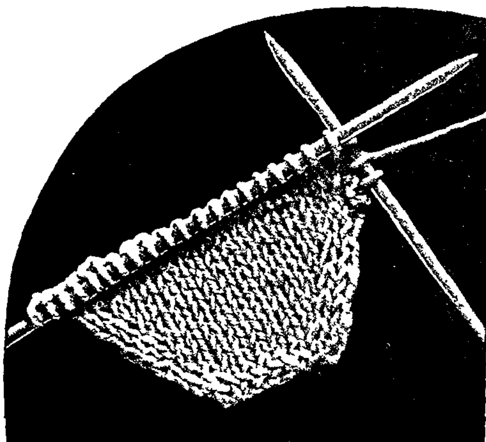


बढ़ाने चाहिएँ

चि० स० ७

पर से उतारने से पहले उसी फंदे मे सलाई के पीछे की ओर के तागे मे एक और फंदा बुनो तब पुराने फंदे को उतारो, इस प्रकार एक फंदे से दो फंदे बन जायँगे।

फंदे बढ़ाने का



एक और तरीक़ा

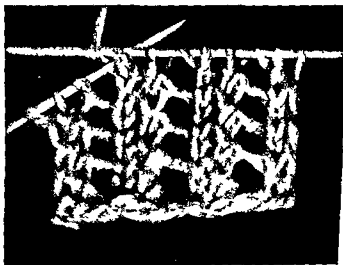
चि० स० ८

फंदे बढाने की दूसरी विधि—बायें हाथ की सलाई पर जो फंदा बुनने को है पहले उसके ठीक नीचे के छेद मे एक फंदा बुन लो (यह फंदा बढ जायगा), तब उस अगले फंदे को बुनो जो बाईं सलाई पर बुनने को था। इस प्रकार एक फंदे से दो फंदे बन जायँगे।

सीधा और उलटा बुनना—इन दोनो विधियोका वर्णन पृष्ठ ९ और १० पर 'भिन्न भिन्न प्रकार की बुनाइयाँ' में देखो।

छेद द्वारा फंदे बढाना—जहॉ कही छेद बना कर फंदे बढाना या नया फंदा बनाना हो वहाँ तागे को सलाई के पीछे से आगे को ले जाओ और फिर ऊपर से पीछे ले जाते हुए (अर्थात् सलाई पर एक

इस प्रकार फंदे बढाने से



सुन्दर जाली बन जायगी

चि० स० ९

चक्कर सा देते हुए) सीधा फंदा बुनो और लौटती हुई उलटी सलाई में और फंदो की तरह इस आगे बढे हुए तागे को भी उल्टा बुन लो। इस तरह एक फंदा बढ जायगा और यहाँ एक छेद बन जायगा। आगे जाकर जालीदार बुनाई मे अधिकतर इसी प्रकार फंदे बढाये जायँगे।

जालीदार सुन्दर बुनाइयों में



दोनों विधियों से फंदे घटाये जाते है

चि० स० १०

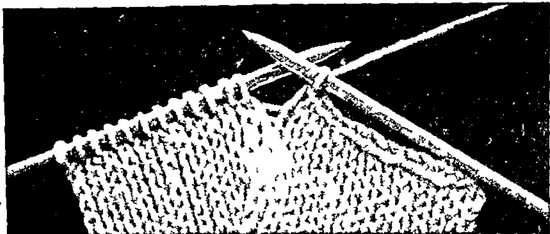
फंदे घटाना—फंदे दो प्रकार से घटाये जाते है। एक तरीका तो यह है कि दो फंदे इकट्ठे बुन लिये जायँ। इसमे दो फंदो का एक फंदा बन जायगा। जैसा कि ऊपर के चित्र से प्रगट होता है।

फंदा घटाने की दूसरी विधि—दूसरा तरीका चित्र न० ६ की भाँति फंदा सरकाने का है। इसमें एक फंदा बिना बुने सरका लो और दूसरा बुन कर उस पर से इसे उतार दो। इस प्रकार दो फंदों का एक बन जायगा।

फंदे छुटना—किसी बुनी हुई चीज के समाप्त हो जाने पर उसे सलाइयो पर से उतारने की दो विधि है। पहले दो फंदे बुनो तब बायें हाथ की सलाई की नोक को, दाहिने हाथ की सलाई पर जो

पहला फदा बना हुआ है, उसमें बाई से दाहिनी ओर को डालो और दूसरे फदे के ऊपर से लाते हुए सलाई से नीचे उतार दो। अब अगला फदा बुनो, दाहिनी सलाई पर के दूसरे फदे (जो

फदे बुटने की चि० स० ११



यह विधि बहुत सुगम

पहला उतर जाने से वास्तव में अब उस ओर से पहला ही दिखाई देता है) को इस पर से उसी प्रकार बाई सलाई में लेकर खीचकर उतार दो। इस क्रिया को अन्त तक (जब तक कि अंतिम फदा दाहिनी सलाई पर न आजाय) जारी रखो। अब तागे को तोड लो और उसके सिरे को इस अन्तिम फदे में से निकाल लो और सलाई को भी निकाल कर अन्तिम फदे को कस लो।

फदे बुटने की दूसरी विधि—फदे बुटने का दूसरा तरीका यह है कि पहले दो फदों को इकट्ठा बुनो, अब दाहिने हाथ पर इन दोनो को बुनने से जो फदा आ गया है उसे बाई सलाई पर लेलो और उसको तीसरे फदे के साथ मिलाकर बुनो,फिर इस बुने हुए फदे को बाई सलाई पर ले लो और इसे चौथे फदे के साथ मिलाकर बुनो। इसी प्रकार सब फदे बुनकर उतार लो। अन्तिम एक फदे को पहले की भाँति तागा तोड़ कर फदे में से निकाल कर खींच लो।

फदों का सीना (Graft करना)—कुछ एक चीजे ऐसी हैं जो समाप्त हो जाने पर (चित्र स० ११ की तरह) बुट कर उतार ली जाती हैं और कुछ जब आपस में जोडनी होती हैं (जैसे जाकट या स्वैटर के आगे और पीछे के कधे) तो वहाँ बुटने की अपेक्षा कधों को सामने दिखाये गये चित्र की



चित्र स० १२

भाँति सी लेने से चीज सुन्दर लगती है। ऐसी जगह पर चित्र में दिखाये गये तरीके से रख कर सी लो। काम समाप्त हो जाने पर जब फदे सीने के लिए रखने हो तो तागे को सलाई के पास से ही न तोड़ कर सीने के लिए कुछ लम्बा रख कर तोड़ो (जिसमें फदे पूरे मिल सकें)। अब एक मोटी सुई में इस तागे को पिरो लो तथा सलाइयो की नोकों को दाहिनी ओर रखते हुए, जिससे तागे वाली सुई दाहिने हाथ में पकड़ी जा सके, आमने सामने रख कर धीरे से सलाइयों को खींच कर बुनी हुई चीज को उलटी तरफ को दबाओ ताकि फदे खिसक न जायँ और फिर फदो को सी लो।

कुछ ध्यान देने योग्य बातें

१. बुनाई में समता—बुनते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि बुनाई सदा एक सी हो, कहीं ढीली और कहीं कसी हुई न हो। बुनाई में समता (Evenness) लगातार बुनने से प्राप्त हो सकती है। ध्यान रहे कि धीमी चाल से बुनने से बुनाई में समता आनी आवश्यक नहीं, बल्कि यह अक्सर देखा जाता है कि जल्दी और एक चाल मे बुनने वाले के लिए बुनाई मे समता लाना धीरे बुनने वाले की अपेक्षा सुगम होता है।

२. अधूरी सलाई—कुछ बुनते बुनते छोड कर जाने से पहले सदा सलाई पूरी बुन कर उठना चाहिए, अन्यथा सलाइयाँ इधर उधर खिंच जाने से बीच का फदा, जहाँ से बुनाई छोड कर उठोगी ढीला हो जायगा।

३. चिह्न का तागा—बुनते समय जिस सलाई से घटाना बढाना शुरू करना हो वहाँ चिह्न डालने के लिये कोई एक छोटा सा दूसरे रग के तागे का टुकडा सलाई मे बुन लो। घटाने बढाने की जगह यह चिह्न डाल लेने से गिनने मे बहुत सहायता मिलती है। बाद मे जब काम समाप्त हो जाय तब इस तागे को धीरे से खींच कर बडी सुगमता से निकाला जा सकता है।

४. इस्तिरी करना—चीज बुनकर जब समाप्त हो जाती है तब उस पर इस्तिरी (लोहा) कर देने से उसकी शोभा दुगुनी हो जाती है। इस्तिरी करने से पहले बुनी हुई चीज को उसकी असली शक्ल मे पिन कर लो या उस पर कच्चा टाँका लगा लो। फिर बुनी हुई चीज की सीधी तरफ को नीचे की ओर करके उसे एक लोहे की चादर या किसी सख्त समतल चीज पर बिछा दो। उस पर एक गीला कपडा बिछाकर खूब गरम इस्तिरी से उसे अच्छी तरह सब जगह दबाती जाओ। जहाँ आवश्यकता समझो वहाँ उस गीले कपडे पर थोडे थोडे पानी के छींटे देती जाओ। दोनों ओर से सीधी बुनाई (Garter Stitch) धनिये की बुनाई (Moss Stitch) तथा अन्य इसी प्रकार की उभरी हुई बुनाई की चीजों को इस्तिरी से इतना अधिक दबाने की आवश्यकता नहीं होती जितना कि गुलूबन्द की बुनाई या खुली बुनाई की चीजों को। फलियोंदार बुनाई को यदि इस्तिरी से बहुत अधिक दबाया जाय तो उसकी लचक मारी जाती है और कभी कभी तो वह बिना इस्तिरी किये अधिक अच्छी रहती है।

साकेतिक चिह्न

पुस्तक में सक्षेप के लिए निम्नलिखित चिह्न उनके सामने दिये गये शब्दों की जगह काम मे लाये गये हैं।

सी०—सीधा फदा। इ० सी०—इकट्ठे सीधे।

उ०—उलटा फदा। इ० उ०—इकट्ठे उल्टे।

ब०—बनाओ या बढाओ अर्थात् सलाई के आगे तागा लाकर ऊपर लेजाते हुए एक नया फदा बनाओ जैसा कि चित्र स० ९ मे दिखाया गया है।

स०—सरकाओ, अर्थात् फदे को बिना बुने दाहिनी सलाई पर ले लो। देखो चित्र स० ६।

स० फ० इस पर डालो—सरकाया हुआ फदा इस पर डालो, अर्थात् जो फदा बिना बुने दाहिनी सलाई पर सरकाया था उसमे बाईं सलाई की नोक डाल कर उसके बाद मे सीधे बुने हुए फदे के ऊपर से उसे उतार दो। देखो चित्र स० ६।

सीधी बुनाई—दोनों ओर से सब सलाइयाँ सीधी, देखो चित्र स० १३।

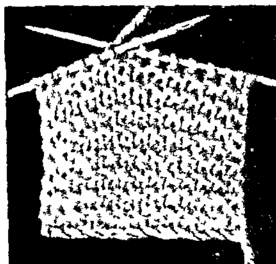
गुलूबन्द की बुनाई—एक सलाई सीधी एक उलटी, देखो चित्र स० १४।

❀ चिह्न से बुनो—का मतलब यह है कि ❀ इस सितारे से लेकर दूसरे ❀ सितारे या चिह्न के बीच में जिस प्रकार लिखा गया है उसी प्रकार बार-बार बुनो।

भिन्न भिन्न प्रकार की बुनाई

दोनों ओर से सीधी बुनाई (Garter stitch)—जितनी आवश्यकता हो सलाई पर फदे चढा कर चित्र स० ९ की भाँति सलाइयाँ पकड लो। फदेवाली सलाई बाये हाथ मे रहे और खाली दाहिने में।

किनारा मज़बूत बनाने के लिए



पहली सलाई म फदो को सदा पिछली ओर से बुनो

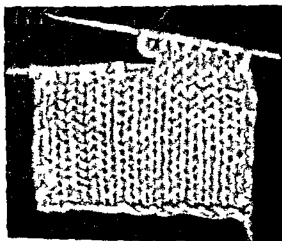
चि० स० १३

(सीधी बुनाई)

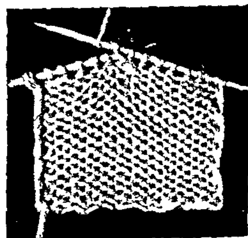
अब दाहिनी सलाई की नोक को बाईं सलाई के सबसे ऊपर के फदे में नीचे से ऊपर को डालो।

दाहिने हाथ की पहिली अँगुली को तागे सहित ऊपर उठाकर तागे को सलाई की नोक पर डालो (ध्यान रखो कि यह बुनाई बुनते समय तागा सदा पीछे की तरफ अर्थात् सलाई के बाहर की तरफ रहना चाहिए) और दोनो सलाइयों की नोकों के बीच में लाकर धीरे से आगे को निकाल लो। इस प्रकार दाहिनी सलाई पर एक फदा बन जायगा। अब बाईं पर जो पुराना फदा है (जिसमें से यह नया फदा बनाया था) उसे बाईं सलाई खीच कर नीचे उतार दो। इसी प्रकार प्रत्येक फदे को बुनकर दाहिनी सलाई पर लेती जाओ और बाईं पर से उतारती जाओ। जब बाईं सलाई खाली हो जाय तो उसे पहले की भाँति दाहिने हाथ में और फदो वाली सलाई को बाएँ हाथ में पकड़ लो, और इस प्रकार जितनी आवश्यकता हो सलाइयाँ (पंक्तियाँ) बुनलो। यह बुनाई दोनो तरफ से एक सी होती है इसलिए इसे सीधी बुनाई (Plain Knitting या Garter Stitch) कहते हैं। बुनाई की यह विधि सुगम है। प्रत्येक सलाई शुरू करते समय पहला घर बिना बुने दाहिनी सलाई पर उतार लिया करो, तब शेष घर बुना करो। बिना बुने पहला घर उठाने से बुनाई अच्छी आती है, और इसी प्रकार पहली सलाई बुनते समय फदों को पिछली ओर से (अर्थात् बाईं सलाई के फदे में पिछली ओर जो तागा है उसमें दाहिनी सलाई डाल कर) बुनने से बुनाई मजबूत रहती है।

एक ओर से सीधी दूसरी ओर से उलटी—इसे गुलूबन्द की बुनाई या *Stocking Stitch* भी कहते हैं। आवश्यकतानुसार फदे चढाओ। एक सलाई सीधी बुनो। अब फदो वाली सलाई बाएँ हाथ मे ले लो और तागे को सलाइयों के आगे की ओर रखो (सीधी बुनाई में तागा सलाइयों के पिछली ओर रखा था, पर इसमे उससे ठीक उलटा होना चाहिए) और खाली सलाई को दाहिने हाथ में पकड़ो। अब दाहिनी सलाई



गुलूबद की बुनाइ

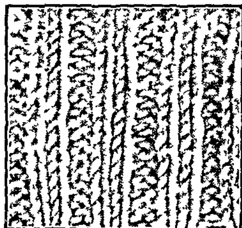


चि०सं० १४ (सीधी ओर का नमूना) (उलटी ओर का नमूना) चि०सं १५

की नोक पहले फदे में ऊपर से नीचे को डालो और दाहिनी अँगुली उठाकर उस पर का तागा सलाई पर डालो जो कि दोनों सलाइयों के बीच में फदे के ऊपर चला जाय तब सलाई को तागे सहित धीरे से फदे में से पीछे की ओर निकाल लो। इस प्रकार दाहिनी सलाई पर एक नया फदा बन

जायगा। अब बाईं सलाई पर जो पुराना फंदा है, जिसमें से नया बनाया था उसे गिरा दो और शेष सलाई सब इसी प्रकार बुनलो। इसे उलटी सलाई कहते हैं। अब तीसरी सलाई सीधी और चौथी उलटी बुनो। इसी तरह एक सीधी और एक उलटी बुनते जाने से चित्र सं० १४ की भाँति नमूना बन जायगा। गुद्धबन्द की बुनाई का काम सामने की ओर से चिकना तथा दूसरी ओर से खुरदरा होता है।

२ सीधे २ उलटे फंदेवाली फलियोंकी बुनाई—सदा सम (Even) संख्या में (अर्थात् ४,६,८,१०,१२आदि) फंदे लेकर २ सीधे, २ उलटे, २ सीधे, २ उलटे, बार-बार पूरी सलाई तक बुनो। इसी प्रकार और

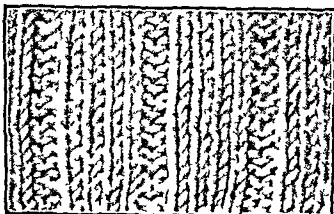


लचकदार सुन्दर बुनाइ किनारों के लिए सर्वप्रिय है

चि०सं० १६

सलाइयो में सीधे फंदों पर सीधे और उलटे फंदों पर उलटे फंदे बुनती जाओ और जितनी आवश्यकता हो लम्बा बुनलो। मोजे, बनियाइन, निकर आदि के शुरू में किनारे पर इस बुनाई की आवश्यकता होती है।

४ सीधे २ उलटे फंदों वाली चौड़ी फलियों की बुनाई—इसके लिए सदा इतने फंदे चढ़ाओ जो ६ से पूरे-पूरे बँटे जा सकें। फिर ४ सीधे २ उलटे पूरी सलाई तक बार-बार बुनती जाओ। अगली सब



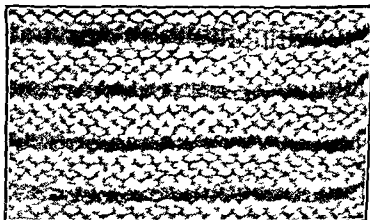
यह लचकदार सुन्दर बुनाइ जम्परों के लिए सर्वप्रिय है

चि०सं० १७

सलाइयों में भी सीधे फंदो पर सीधे और उलटे फंदों पर उलटे फंदे बुनती जाओ। इस तरह एक बड़ा सुन्दर नमूना बन जायगा। जम्पर या फ्रॉक में यह बुनाई अधिकतर उपयोग में लाई जाती है।

लेटी हुई फलियों की बुनाई—जितनी चौडाई की आवश्यकता हो उतने फंदे सलाई पर चढालो।

१ ली सलाई—सीधी बुनो।
२ री ,, —उलटी बुनो।
३ री ,, —सीधी बुनो।
४ थी ,, — ,, ,,।
५ वी , —उलटी बुनो।
६ ठी ,, —सीधी बुनो।

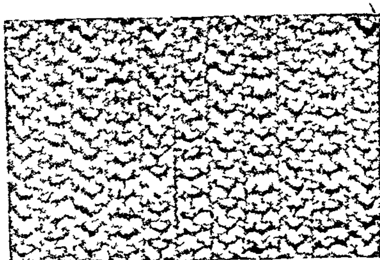


चि० स० १८

अब इन ६ सलाइयों को जितनी लम्बाई तक जरूरत हो बार-बार दुहराओ।

टूटने वाली फलियोंदार बुनाई—सम सख्या में फंदे चढाओ।

यह बुनाई देखने में जितनी सुदर है



बुनने में उतनी ही सुगम है

चि०स० १९

१ ली सलाई—सारी सीधी।

२ री सलाई—❀ १ सी०, १ उ०, ❀ चिह्न से अत तक दोहराओ। इन्हीं २ सलाइयों को जितनी आवश्यकता हो दोहरा लो।

२ फंदों वाले चेक की बुनाई—यह बुनाई भी बड़ी प्रसिद्ध तथा उपयोगी है और जम्पर या फ्रॉक के लिए बहुत ही अच्छी है। इतने फंदे चढ़ाओ जो ४ से पूरे-पूरे बँट सकें और इस प्रकार बुनो—

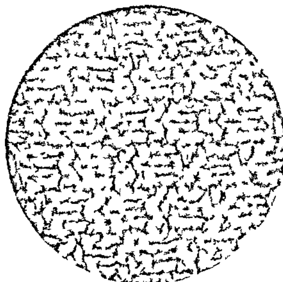
१ ली सलाई—२ सीधे, २ उल्टे, २ सीधे, २ उल्टे बार-बार अन्त तक।

२ री सलाई—१ ली सलाई की तरह।

३ री सलाई—२ उ०, २ सी०, २ उ०, २ सी० बार बार।

४ थी ,, —३ री सलाई की तरह।

यह बुनाइ बड़ी प्रसिद्ध तथा उपयोगी है



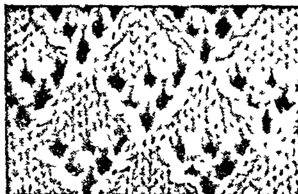
जम्पर या फ्रॉक के लिए अत्युत्तम है

चि०सं० २०

अब इन ४ सलाइयों की जितनी लम्बाई तक आवश्यकता हो बार-बार बुनलो। इसी प्रकार ३ फदो वाले चेक की बुनाई भी हो सकती है। उसमें २ फदो के बदले सब जगह ३ फदे एक से बुनो और जब सलाइयाँ भी ३ एक सी बन जायँ तब टुकड़ी बदलो।

बरफी की बुनाई—इतने फदे चढ़ाओ जिनको ८ से भाग देने पर १ शेष बचे।

यह मनोहर बुनाई आज कल बहुत प्रचलित है



जम्परों तथा फ्रॉकों म इसका काम बहुत सुन्दर मालूम होता है

चि०सं० २१

१ ली सलाई—३ सी०, ❀ २ इ० सी०, १ ब०, ६ सी० ❀ चिह्न से बार-बार दोहराओ अत में जब ६ फदे रह जायँ तब २ इ० सी०, १ ब०, ४ सी० बुनो।

२ री सलाई—सारी उल्टी।

३ री सलाई—२ सी०, ❀ २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ३ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ। अंत मे जब ७ फंदे रह जायँ तब २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, म० फ० इस पर डालो, २ सी०।

४ थी सलाई—सारी उलटी।

५ वी सलाई—१ सी०, ❀ २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, १ ब०, १ म०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ।

६ ठी सलाई—सारी उलटी।

७ वीं सलाई—७ सी०, * २ इ० सी० १ ब०, ६ सी०, * चिह्न से दोहराओ अन्त के २ सी०।

८ वी सलाई—सारी उलटी।

९ वीं सलाई—६ सी०, * २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, म० फ० इस पर डालो, ३ सी०, * चिह्न से दोहराओ अन्त के ३ सीधे।

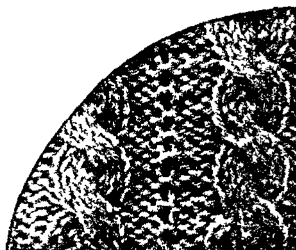
१० वीं सलाई—सारी उलटी।

११ वीं सलाई—५ सी०, *२ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त के ४ सीधे।

१२वी सलाई—सारी उलटी। अब जितनी लंबाई तक आवश्यकता हो इन सलाइयो को बार-बार दोहराओ।

मछली की बुनाई—इतने फंदे चढाओ जिन्हे ११ से भाग देने पर १ शेष बचे।

पुरुषो की जरसी और कोट स्वैटर के लिए



बहुत ही अच्छी तथा सुगम है

चि०सं० २२

१ ली सलाई—१ सी०, ❀ २ उ०, ६ सी०, २ उ०, १ सी०, ❀ चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२ री सलाई—३ सी०, ❀ ६ उ०, ५ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ फंदे रह जायँ तब ६ उ०, ३ सी०।

३ री सलाई—१ ली सलाई की तरह।

४ थी सलाई—२ री सलाई की तरह।

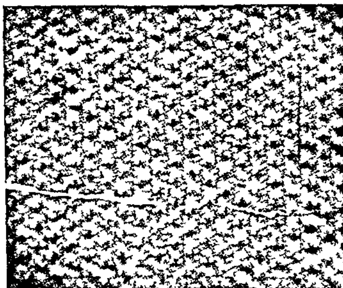
५ वीं सलाई—१ सी०, ❀२ उ०, अगले तीन फंदे किसी एक खाली सलाई पर बिना बुने उतार लो और इस सलाई को बुनी जाने वाली चीज़ की अगली ओर अर्थात् अपने सामने रखो, अब अगले ३ फंदे सीधे बुनलो। तब सामने वाली सलाई को उठा कर बिना बुने उतारे हुए तीनो फंदे सीधे बुनो। अब २ उ०, १ सी०, ❀ चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६ ठी सलाई—२ री की तरह।

इन ६ सलाइयों को जितनी जरूरत हो दोहरा लो।

धनिये की बुनाई—जितनी चौडाई की आवश्यकता हो फंदे चढ़ा लो और निम्नलिखित तरीके से बुनो —

देखने में अत्यन्त सुन्दर



तथा मनमोहक है

चि०स० २३

१ ली सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ० इस प्रकार सारी सलाई बुनो।

२ री सलाई—१ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी० इस प्रकार सारी सलाई बुनो।

इन दोनों सलाइयों को जितनी लम्बाई तक आवश्यकता हो बार-बार दुहराती जाओ। ध्यान रखो कि सदा सीधे फंदे पर उलटा तथा उल्टे पर सीधा आवे।

नीबू की बुनाई—इतने फंदे चढ़ाओ जिनको ६ से भाग देने पर ३ शेष बचे।

१ ली सलाई—३ उ०, ३ सी०, ३ उ० ३ सी० इस क्रम से अन्त तक बुनो।

२ री सलाई—३ सी०, ३ उ०, इस तरह अन्त तक बुनो।

३ री सलाई—१ ली सलाई की तरह

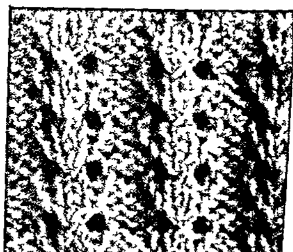
४ थी सलाई—२ री सलाई की तरह

५वीं सलाई—३ उ०, * १ व०, ३ इ० सी०, १ व०, ३उ०, * चिह्न से अंत तक बार-बार दोहराओ।

६ ठी सलाई—२ री सलाई की तरह

७ वी सलाई—१ ली सलाई की तरह

८ वी सलाई—२ री सलाई की तरह

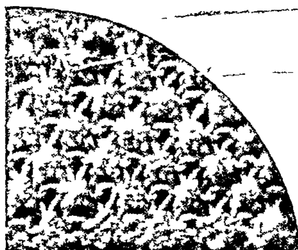


चि०स० २४

अब ५ वी, ६ ठी, ७ वी, और ८ वी सलाई क्रम से जितनी लम्बाई की आवश्यकता हो उतनी दूर तक दुहराती जाओ।

रेवडी की बुनाई—इतने फंदे चढाओ जिनको ४ से भाग देकर २ शेष बच सके।

बुनाई की केवल चार सलाइयों से



असाधारण सुन्दर नमूना बनता है

चि०स० २५

१ ली सलाई—३ सी०, * अगले फंदे में १ सी०, १ उ०, और १ सी० इस प्रकार ३ फंदे बुनो (अर्थात् एक फंदे में ३ फंदे बुनो) अब तागे को बुनी जाने वाली चीज के अगली ओर करके ३ फंदे इकट्ठे उल्टे बुनो फिर तागे को पीछे की तरफ ले जाओ और *चिह्न से बार-बार दोहराओ। अन्त में जब ३ रह जायँ तो इनको सीधे बुनो।

10/04/2010

२री सलाई—सारी उल्टी।

३री सलाई—३ सी०, ❀ अगले २ फंदे इ० उ० बुनो, अगले फंदे में १ सी०, १ उ०, १ सी० (अर्थात् १ फंदे में ३ बुनो, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्तिम ३ फंदो को सीधा बुनो।

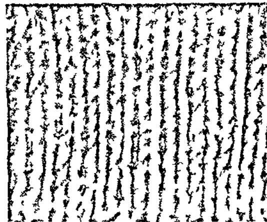
४थी सलाई—सारी उल्टी।

इन चार सलाइयो को आवश्यकतानुसार दुहराओ। यह असाधारण सुंदर बुनाई बन जायगी।

दुहरी बुनाई (Double Knitting)—इतने फंदे चढ़ाओ जिन्हे २ से भाग दिया जा सके।

१ली सलाई—❀तागे को सलाई के आगे को लाओ और एक फंदा जैसे उल्टा बुना जाता है उस तरह से ऊपर से नीचे को सलाई डाल कर बिना बुने सरका लो। अब तागे को पीछे की ओर ले जाओ और अगला फंदा सीधा बुनो। ❀ चिह्न से बारबार अन्त तक

यह बुनाई दो तहों के कारण मोटी बन जाती है



अत गुलूबन्द के लिए बहुत उपयोगी है

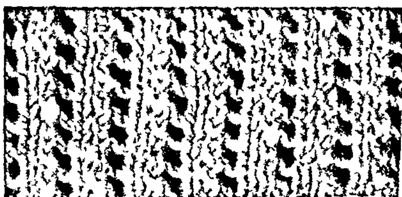
चि० स० २६

दोहराओ। और सब सलाइयाँ इसी प्रकार बुनो पर इस बात का ध्यान रखो कि वह फंदा जो पहली सलाई में सरकाया गया है दूसरी में अवश्य बुना जाय और जो पहली में बुना गया है वह दूसरी में अवश्य सरकाया जाय। यह बुनाई गुलूबन्द में बहुत काम आती है। ऐसी बुनाई वाली चीज को अगली तथा पिछली दोनों ओर से पकड़ कर खींचो तो तुम्हे साफ मालूम होगा कि इसकी दो तहें बन गई है और चीज खूब मोटी तथा सुंदर बनी है। इसका गुलूबन्द मोटा होने से गले के लिए बहुत आराम-दायक होता है।

कुछ बढ़िया नमूने

जालीदार नमूना—इतने फंदे सलाई पर चढ़ाओ जो ३ से पूरे-पूरे बँट जायँ।

इस नमूने के अनुसार बड़ी सुंदरता से



छेद छेद या जाली बन जाती है

चि० सं० २७

१ ली सलाई—सारी सीधी

२ री ,, —सारी उलटी

३ री ,, —*१ सी०, १ उ० अगले दो फंदों को इकट्ठा बुनो, * चिह्न से बार-बार अन्त तक दोहराओ।

४ थी सलाई—सारी उलटी

इस प्रकार जितनी लम्बाई की आवश्यकता हो उतनी लम्बाई तक ३ री और ४ थी सलाई को बार-बार दोहराओ।

यह तरीका आम तौर पर बढ़िया नमूनों में काम आता है। क्योंकि इस ढंग से जहाँ फंदा बनाया जाता है वहाँ बुनावट में एक छेद दिखाई देने लगता है, और फंदों की गिनती पूरी रखने के लिये फंदा बढ़ाने से पहले या बढ़ाने के बाद तुरन्त एक फंदा घटा दिया जाता है। इस प्रकार से फंदे बढ़ाने से चीज़ नाप में नहीं बढ़ती पर उसमें छेद-छेद बन जाने से अधिक सुंदर प्रतीत होने लगती है। चित्र सं० २७ इस बात को स्पष्टतया दिखाता है।

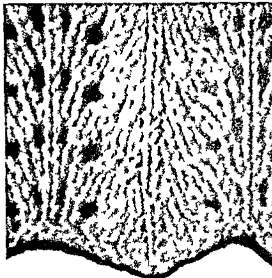
पहला कटावदार नमूना—इतने फंदे चढ़ाओ जो १२ से पूरे-पूरे बँट सकें।

१ ली सलाई—सारी सीधी।

२ री सलाई—सारी उल्टी।

३ री सलाई—२ इ० सी०, २ इ० सी०, * अब १ व०, १ सी०, एक के बाद एक चार बार बुनो तब चार बार २ इ० सी बुनो, * चिह्न से बार-बार दोहराओ अन्त में जब ८ फंदे रह जायँ तब १ न०, १ सी०, एक के बाद एक चार बार, २ इ० सी०, २ इ० सी०।

यह नमूना पुराना है किन्तु बहुत सुंदर



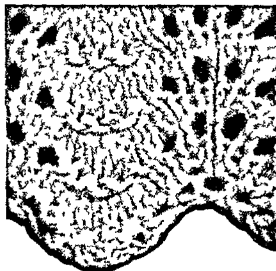
मालूम होता है और बड़ा प्रसिद्ध है

चि० सं० २८

४ थी सलाई—सारी उल्टी।

दूसरा कटावदार सुन्दर नमूना—इतने फंदे चढाओ कि जिनको १२ से भाग देने पर ४ शेष बचें।

इस सुन्दर नमूने की झालर



जम्परों तथा फ्राकों के नीचे बहुत ही सुन्दर मालूम होती है

चि० सं० २९

१ ली सलाई—सारी सीधी
२ री सलाई—सारी उल्टी

३ री सलाई—२ सी०, ❋ २ इ० उ०, २ इ० उ०, तब १ न०, १ सी०, इस प्रकार ४ बार बुनो, अब २ इ० उ०, २ इ० उ०, ❋ चिह्न से दोहराओ अन्त के २ सीधे।

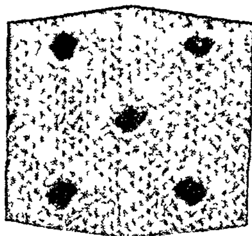
४ थी सलाई—सारी उल्टी।

५ वी सलाई—सारी सीधी ।

६ ठी सलाई—सारी उल्टी ।

अब इन अंतिम ४ सलाइयों को जितनी जरूरत हो बार-बार दोहरा लो ।

लोचन-ललित नमूना—इतने फंदे चढाओ कि जिनको ८ मे भाग देने पर ४ शेष बचें। चार सलाइयो तक गुलूबन्द की बुनाई बुनो ।



चि० स० ३०

५ वी सलाई—४ सी०,* २ इ० सी०, १ ब०, २ इ० सी०, ४ सी०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ । इस प्रकार बुनने से एक छेद पीछे १ घर इस सलाई में कम हो जायगा जिसे अगली सलाई में बढा कर फंदो को गिनती पूरी की जाती है ।

६ ठी सलाई—५ उ० * अब जो फंदा ५वी सलाई मे बनाया था उसमे १ सीधा बुनो और उसे बाईं सलाई पर मे उतारने से पहले ही उसी फंदे मे से १ उल्टा बुन लो। इस प्रकार बनाये हुए १ फंदे में दो बुनने से पॉचवी सलाई मे १ छेद पीछे जो १ फंदा कम हो गया था वह बढ जायगा और फंदो की गिनती पूरी हो जायगी, ६ उ०, * चिह्न मे दोहराओ । जब अन्त में सलाई पर ६ फंदे रह जायँ तब १ सी०, १ उ० बनाए हुए फंदे मे, और अन्तिम ५ उलटे बुनो ।

अब चार सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की बुनो ।

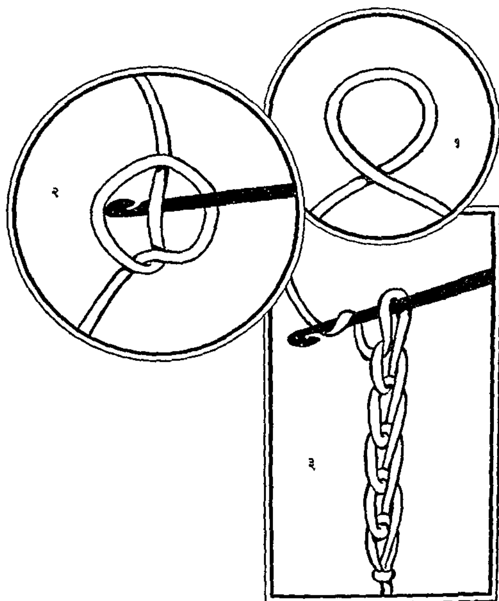
११ वी सलाई—* २ इ० सी०, १ ब०, २ इ० सी०, ४ सी०, * चिह्न मे दोहराओ । अन्त में जब चार रह जायँ तब २ इ० सी०, १ ब०, २ इ० सी० ।

१२ वीं सलाई—१ उ०, * १ सी० १ उ० बनाए हुए फंदे में, ६ उ०, * चिह्न से दोहराओ जब २ रह जायँ तब १ सी०, १ उ० बनाए हुए फंदे में, अन्तिम १ उल्टा ।

अब यह १२ सलाइयाँ जितनी लम्बाई तक आवश्यकता हो बार-बार दोहराओ ।

किरोशिये की प्रारम्भिक विधि

वास्तव में यह पुस्तक पाठिकाओ को सलाइयो का काम सिखाने के लिए लिखी गई है। किरोशिये के लिए यदि हो सका तो एक अलग पुस्तक लिखी जायगी, किन्तु सलाइयो द्वारा बुनी गई कुछ एक चीजों के किनारे पर सुन्दरता के लिए किरोशिये से जाली या किनारा बनाया जाता है, अत उसकी जानकारी के लिए आवश्यकतानुसार किरोशिये की प्रारम्भिक विधि यहाँ बताई जाती है।



चि० स० ३१

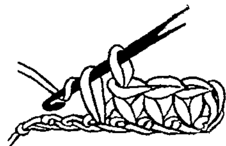
जजीर या चेन—जैसे बुनाई फदो पर निर्भर है वैसे ही किरोशिये का काम जजीर पर निर्भर है अर्थात्

जैसे बुनाई के लिए सबसे पहले सलाई पर फंदे चढ़ाना आवश्यक है वैसे ही क्रिोशिये के लिए सबसे पहले कुछ लम्बी जंजीर या चेन बनाना आवश्यक है। जंजीर बनाने के लिए ध्यान से चित्र सं० ३१ को देखो, इसमें तीन चित्र एक साथ ही दिये गये हैं। काम शुरू करने के लिए क्रिोशिये की नोक पर एक घुंडी होनी चाहिए, इसलिए थोड़ा सा सिरा छोड दो और सूत को मोड़ कर पहले चित्र की तरह घुंडी बनाओ। अब घुंडी के आधार को (अर्थात् जहाँ सूत एक दूसरे के ऊपर से गुजरता है उस जगह को) बाएँ हाथ के अँगूठे और पहली अँगुली से पकडो और शेष तागे को पहली और दूसरी अँगुली के ऊपर, तीसरी के नीचे तथा चौथी के ऊपर से गुजारते हुए गोले को बाएँ हाथ के नीचे लटकने दो। अब क्रिोशिये को दाहने हाथ में पकड़ कर उसकी नोक को इस घुंडी में डाल कर सूत को नोक में लेकर दूसरे चित्र की भाँति बाहर खींच लो और बाएँ हाथ की पहली घुंडी को ढीला छोड दो, पर तागे का सिरा पकडे रखो जिससे कि घुंडी खिंच कर नोक के पास आजाय। अब नोक पर जो घुंडी आगई है उसके निचले हिस्से (Base) को अँगूठे और अँगुली से पकडो और * नोक पर सूत लेकर तीसरे चित्र की तरह नोक पर की घुंडी में से खींच कर आगे को निकालो इससे चेन का फंदा बन जायगा। चिह्न से बार-बार दोहराओ। तीसरे चित्र की तरह जंजीर बन जायगी। जहाँ तक सम्भव हो जंजीर सारी एक सी बनाओ जिससे उसके ऊपर बुनी गई चीज एक सी आवे। यदि चेन कहीं से ढीली और कहीं से कसी हुई होगी तो चीज में झोल पड जायगा। पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि नोक पर की घुंडी इतनी ढीली अवश्य हो कि उस में से क्रिोशिये की नोक सुगमता से जल्दी-जल्दी निकल सके।

इकहरा फंदा (Slip Stitch)—यह इकहरा फंदा प्राय जंजीर को मोटी या दुहरी बनाने के तथा कोई चीज बनाते हुए एक हिस्से से दूसरे हिस्से पर जाने के लिए एक अदृश्य सा फंदा (जो स्पष्ट रूप से दिखाई न दे) बनाने के काम में आता है। कुछ लम्बी जंजीर बना लो। अब जंजीर का आखिरी फंदा क्रिोशिये की नोक पर ही रख कर उसके पास का दूसरा फंदा बीच में छोड़ कर तीसरे फंदे में क्रिोशिये की नोक डालो और उस पर सूत लेकर जिसमें नोक डाली थी उस फंदे में से तथा जो नोक पर पहले से मौजूद है उसमें से एक साथ खींच कर निकाल लो। इस तरह इकहरा फंदा बन जायगा। फिर अगले फंदे में नोक डाल कर बुनो और इसी प्रकार क्रम से सब फंदों में क्रिोशिये की नोक डाल कर बुनलो।

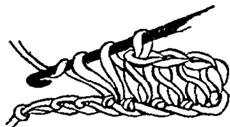

(इकहरा फंदा) चि०सं० ३२

दुहरा फदा (Double Crochet)—यह प्राय सभी चीज़ों में काम आता है। कुछ लबी जजीर बना कर इकहरे फदे की तरह एक फदा नोक पर लिये हुए नोक को तीसरे फदे में डालो और नोक पर सूत लेकर उस फदे में से निकाल लो। अब नोक पर दो फदे हो गये। फिर सूत लेकर इन दोनो फदों में से निकाल लो। अब नोक पर केवल एक फदा रह गया। फिर अगले फदे में बुनो और इसी प्रकार अन्त तक बार-बार बुनती जाओ। इसे दुहरा फदा या डबल क्रिोशिया कहते है।



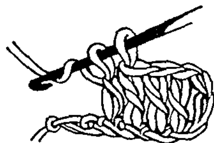
(दुहरा फदा) चित्र स० ३३

छोटी डडी (Short Treble) कुछ लबी जजीर बनालो। क्रिोशिये की नोक पर सूत लेकर ३ फदे बीच में छोडकर नोक को चौथे फदे में डालो तथा सूत लेकर खींच कर निकाल लो। इससे नोक पर कुल तीन फदे हो गये। फिर सूत लेकर इन तीनो फदो में से एक साथ खींच कर निकाल लो, नोक पर एक ही फदा रह गया। अब फिर सूत लेकर नोक अगले फदे में डालो और पहले की भाँति तीनो फदों मे से एक साथ निकाल लो। बार-बार इसी प्रकार बुन कर सारी लाइन पूरी कर लो। इसे छोटी डडी कहते हैं क्योंकि तीन फदों में से एक साथ सूत निकाल लेने से डडी की लम्बाई अधिक नहीं बढती।



(छोटी डडी) चित्र स० ३४

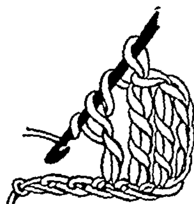
पूरी डडी (Treble)—पूरी डडी बनाने के लिए छोटी डडी की तरह बुनना शुरू करो और जब नोक पर तीन फदे हो जायँ तब सूत लेकर पहले दो फदों में से एक साथ निकाल लो, फिर दुबारा सूत लेकर शेष दो फदों में से निकाले। डडी बन गई। इसी प्रकार अगले फदे में बुनो और जितनी लम्बाई तक आवश्यकता हो बुनती जाओ।



(पूरी डडी) चित्र स० ३५

लम्बी डडी (Long Treble)—पूरी डडी की तरह कुछ लम्बी जजीर बनाकर ३ फदे बीच में छोड़ दो और नोक पर दो बार सूत लेकर (पूरी डडी में एक ही बार लिया था) नोक को फदे में डालो और

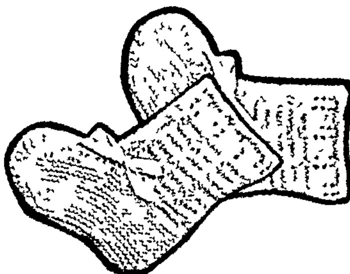
सूत लेकर खींचकर निकाल लो, इस तरह नोक पर चार फंदे हो जायँगे। सूत लेकर पहले दो फंदों में से निकालो, फिर सूत लेकर अगले दो फंदों में से निकालो, फिर तीसरी बार सूत लेकर शेष दोनों फंदों में से निकाल लो, इस प्रकार लम्बी डंडी बन जायगी। इसी तरह जितनी आवश्यकता हो बुनती जाओ। यदि बहुत लम्बी डंडी बनानी हो तो नोक पर दो बार की बजाय आवश्यकतानुसार तीन, चार या पाँच बार सूत लेकर फंदे में से नोक को निकाल लो और बार-बार सूत लेकर दो-दो फंदों में से निकालती जाओ जब तक कि नोक पर केवल एक फंदा न रह जाय।



(लम्बी डंडी) चित्र सं० ३६

बच्चों के भाँति भाँति के कपड़े

सरला बूट



पैर का नाप
४ इंच

आवश्यक सामान
½ छटाँक ३ तार की ऊन
१४ नं० की २ सलाइयाँ
१ गज स्वदेशी
रेशमी फीता

चित्र सं० ३७

इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पहली सलाई पूरी और प्रत्येक सलाई के पहले और अन्तिम फंदे में पिछली ओर की बुनन से चीज सुन्दर तथा मजबूत बनती है अतः पिछली ओर को बुनना चाहिये।

सलाई पर ४९ फंदे चढ़ाकर पैर के तले के ठीक बीच से बुनना शुरू करो।

१ली सलाई—सारी सीधी।

२री सलाई—पहले १ फंदे मे २ फंदे बुनो, २२ सी०, अगले १ फंदे में २ सी०, १ सी०, अगले फंदे में २ सी०, २२ सी०, अन्तिम फंदे में २ सी०।

३री सलाई—सारी सीधी।

४थी सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २३ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ३ सी०, अगले फंदे में २ सी०, २३ सी०, अन्तिम फंदे मे २ सी०।

५वीं सलाई—सारी सीधी।

६ठी सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २४ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, ५ सी०, अगले फंदे में २ सी० २४ सी०, अन्तिम फंदे में २ सी०।

७वीं सलाई—सारी सीधी।

८वीं सलाई—२७ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, ५ सी०, अगले फंदे में २ सीधे, २७ सी०।

९वां सलाई—सारी सीधी।

१०वीं सलाई—२८ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, ५ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, २८ सी०।

११वीं सलाई—सारी सीधी।

१२वीं सलाई—२९ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ५ सी०, अगले फंदे में २ सी०, २९ सी०।

१३वीं सलाई—सारी सीधी।

१४वीं सलाई—३० सी०, अगले फंदे में २ सी०, ५ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, ३० सी०।

१५वीं सलाई—सारी सीधी।

१६वां सलाई—३१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ५ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, ३१ सी०। (कुल ७१ फंदे हो जायँगे)

१७वीं से २५वीं सलाई तक—सारी सीधी।

२६वीं सलाई—३८ सी०, २ इ० सी०, चीज को उलटाओ ※ ६ सी०, २ इ० सी०, चीज को उलटाओ, ※ चिह्न से २६ बार दोहराओ। अब २५ सी० बुनो (४३ फंदे रह जायँगे)।

२७वीं तथा २८वीं सलाई—सारी सीधी।

२९वां सलाई—१ सी०, * १ बनाओ, २ इ० सी०, १ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३०वीं तथा ३१वां सलाई—सारी उलटी।

३२वीं सलाई—१ उ०, * ५, सी० १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३३वीं सलाई—१ सी०, * १ उ०, ३ सी०, २ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३४वीं सलाई—१ उ०, * १सी०, २उ०, १सी०, १उ०, * चिह्न से अंत तक बार-बार दोहराओ।

३५वीं सलाई—सारी उल्टी।

अब इन अंतिम ४ सलाइयों को २ बार और दोहराओ, फिर ३२वीं ३३वीं और ३४वीं को क्रम से एक बार फिर दोहराओ। इस तरह कुल ४६ सलाइयाँ हो गईं।

४७वीं सलाई—पहले फंदे में२सी०, अंतिम १ फंदे के सिवाय सारी उल्टी, अंतिम फंदे में २ सी०।

४८वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, * ५ सी०, १ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में एक सीधा।

४९वीं सलाई—१ सी०, २ उ० * ३ सी०, ३ उ०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

५०वीं सलाई—१सी०, १उ०, १सी०, * ३उ०, १सी०, १उ०, १सी०, *चिह्न से अंत तक दोहराओ।

५१वीं सलाई—४७ वीं सलाई की भाँति (४७ फंदे)

५२वीं सलाई—२ सी०, १ उ०, * ५ सी०, १ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में २ सीधे।

५३वीं सलाई—१ सी०, * ३ उ०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ४ रह जायँ तब ३ उ०, १ सी०।

५४वीं सलाई—२ सी०, * १ उ०, १ सी०, ३ उ०, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ, जब अंत में ३ रह जायें तब १ उ०, २ सी०।

५५वीं सलाई—सारी उल्टी।

५६वीं सलाई—५२ वीं सलाई की भाँति।

५७वीं सलाई—२ सी०, * १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १सी०, १ स०, १ सी०, स०फं० इस पर डालो, *चिह्न से ६ बार दोहराओ १ ब०, १सी०, १ ब०, २सी० (४९ फंदे)

५८वीं सलाई—सारी उल्टी।

५९वीं सलाई—१सी०,२ इ०सी०, * १ ब०, १सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १सी०, १ स० १ सी०, स०फं० इस पर डालो, *चिह्न से ६ बार दोहराओ, १ ब०,१सी०, १ब०, २इ०सी०, १सी०।

६०वीं सलाई—सारी उल्टी।

६१वीं सलाई—५९ वीं सलाई की भाँति।

६२वीं सलाई—सारी सीधी।

अब चित्र सं० ११ की तरह बुटकर उतार लो और खूब अच्छी तरह इस्तिरी करके टाँग और पैर की सीवन को सी लो और टखने पर जो छेद है उसमें फीता डालकर आगे को फूल सा बाँध लो और इसी प्रकार दूसरे पैर के लिए बूट तैयार करो।

बटनवाले छोटे सुन्दर जूते

नाप

जूते के तले की

लबाइ

४½ इच



आवश्यक सामान

लगभग १ औंस ऊन

१४न० की

२ सलाइयाँ

चि०स० ३८

२२ फदे सलाई पर चढा कर तले के एक ओर से शुरू करो।

पहली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

३री सलाई—१ सी०, अगले फदे में २ सीधे बुनो, १८ सी०, अगले फदे में २ सी०, १ सी०।

४थी सलाई—सारी सीधी।

अब इन अतिम २ सलाइयो को ८ बार दोहराओ। (४० फदे हो जायँगे)

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

२३वी सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, अत में जब तक ३ न रह जायँ तब तक सारे सीधे बुनो, तब २ इ० सी०, १ सी०।

२४वी सलाई—सारी सीधी।

अब अतिम २ सलाइयो को ८ बार दोहराओ। (२२ फदे रहेंगे)

४१वीं सलाई—१२ फदे नये चढ़ाओ। अब अत मे केवल २ फदो को छोड़कर शेष सब सीधे बुनो। इन २ में से पहले फदे मे २ सी०, दूसरा फदा सीधा।

४२वीं सलाई—सारी सीधी।

४३वीं सलाई—अंत में जब तक २ न रह जायँ तब तक सारे सीधे, अगले १ फंदे में २सी०,१सी०।

४४वीं सलाई—सारी सीधी।

अब इन दो सलाइयों को ७ बार दोहराओ। (४३ फंदे रहेंगे)

५९वीं सलाई—१२ सीधे, बुनी जाती हुई चीज को उल्टाओ, १२ सीधे।

६०वीं सलाई—९ सीधे, बुनी जाती हुई चीज को उल्टाओ, ९ सीधे।

६१वीं सलाई—६ सीधे, बुनी जाती हुई चीज को उल्टाओ, ६ सी०।

६२वीं सलाई—चित्र सं० ११ की तरह २३ फंदे बुट कर उतार लो, २० सी०।

अगली १५ सलाइयाँ—सारी सीधी।

७७वीं सलाई—२३ नये फंदे चढाओ, ६ सी०, बुनी हुई चीज को उल्टाओ, ६ सी०।

७८वीं सलाई—९ सी०, उलटाओ, ९ सी०।

७९वीं सलाई—१२ सी०, उलटाओ १२ सी०।

८०वीं सलाई—अंत में जब तक २ न रह जायँ तब तक सारे सीधे, २ इ० सी०, १ सी०।

८१वीं सलाई—सारी सीधी।

इन सलाइयों को ८ बार दोहराओ (३४ फंदे) अब बुट कर उतार लो।

बटनों की पट्टी—४८ फंदे चढाओ और पहली २ सलाइयाँ सीधी बुनो।

३री सलाई—३ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, शेष सारे अंत तक सीधे।

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

अब चित्र सं० ११ की तरह बुट कर उतार लो।

सी कर तैयार करना—पिन लगा कर किसी सख्त समतल चीज पर रख दो और ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर इस्तिरी कर लो। अब बूट का पिछला हिस्सा सी कर निचला तला सी लो। छेद के सामने पट्टी के दूसरे किनारे पर बटन टाँक लो। अब पट्टी को बूट की पीठ पर जोड़ लो और यदि चाहो तो सामने की तरफ चित्र की भाँति छोटे-छोटे फूल काढ लो, अन्यथा साफ ही रहने दो। इसी प्रकार दूसरा जूता तैयार कर लो।

मनमोहक बूट

माप

पैर की

लंबाई

४½ इंच



आवश्यक सामान

१ औंस ऊन

१४ नं० की

२ सलाइयाँ

१ इंच चौड़ा

१ गज़ फीता

चि० सं० ३९

टाँग के ऊपर से ५२ फंदे चढाकर शुरू करो और ६ सलाइयाँ २सीधी २ उलटी फलियोंवाली बुनो।

७वीं सलाई—एक सरकाओ, अत तक सीधी।

८वीं सलाई—एक सरकाओ अत तक उलटी।

९वीं सलाई—१ सरकाओ, तब २ इ० सी० सारी सलाई में बुनो जब तक कि अत मे केवल १ न रह जाय, १ सी०।

१०वीं सलाई—१ स०, १ उ०, * १ व०, १ उ०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

११वीं सलाई—१ स०, अत तक सीधी।

१२वीं सलाई—१ स०, अत तक उलटी।

अन्तिम चार सलाइयों को एक बार फिर दोहराओ तब ११वीं और १२वीं सलाई ९ बार दोहराओ। अब ९वीं से लेकर १२वीं सलाई तक की सब सलाइयों को ४ बार दोहराओ।

५१वीं सलाई—१ स०, २ इ० सी०, ११ सी०, २ इ० सी०, २० सी०, २ इ० सी०, ११ सी०, २ इ० सी०, १ सी०।

५२वीं सलाई—१ स०, अत तक सीधी।

५३वीं सलाई—१ स०, २ इ० सी०, अन्तिम ३ को छोड़कर शेष सीधे बुनो, अन्तिम ३ मे से २ इ० सी०, १ सी० (४६ फंदे)

५४वीं सलाई—५२ वीं सलाई की भाँति।

ब की पहली सलाई—१ स०, ३० सी०, अगले १५ फदे एक तागे के टुकड़े पर लेकर बिना बुने उतार कर रख दो और इन ३० सीधे फदो को बुनने के बाद चीज को उलटा लो फिर १स०,१५उ०, चीज को उलटाओ। अब इस किनारे के १५ फदे भी बिना बुने सलाई पर पड़े रहने दो और केवल बीच के १६ फदो पर ९वीं सलाई से लेकर १२वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ ४ बार दोहराओ।

१८वीं सलाई—१ स०, २ इ० सी०, तब २ सी०, २ इ० सी० एक के बाद एक ३ बार बुनो, १ सी० (१२ फदे)

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

अब इन्हें बुटकर उतार लो और तागे को तोड़ लो। अब सलाई पर जो १५ फदे हैं तागे को उनके अन्दर वाले किनारे पर जोड लो और पत्र की ढाल पर से १३ फदे एक सलाई पर उठाकर सीधे बुन लो। अब अँगुलियो वाले हिस्से के लिए ८ फदे नये चढ़ाओ (३६ फदे)

रैर का पहला आधा हिस्सा—१४ सलाइयाँ सीधी बुनाई (गार्टरस्टिच) की बुनो।

१५वी सलाई—१ स०, २ इ० सी०, अत तक सीधी।

१६वी सलाई—१ स०, अत तक सीधी।

इन दो सलाइयो को एक बार फिर दोहराओ।

१९वी सलाई—१ स०, २ इ० सी०, २ इ० सी०, २६ सी०, २ इ० सी०, १ सी०।

२०वी सलाई—१६वीं सलाई की तरह।

२१वीं सलाई—१ स०, २ इ०सी०, २इ०सी०, २१सी०, २ इ०सी०, २इ०सी०, १सी० (२७ फदे)

२२वीं सलाई—१६वीं की तरह।

अब बुट कर उतार लो और चीज की सीधी तरफ को सामने करके तागे को अँगुलियों वाली जगह पर जोड़ लो और वह ८ फदे जो अँगुलियों वाली जगह के लिए चढ़ाये थे उन पर से ८ फदे उठा लो और सीधे बुनो।

पजे की पहली सलाई—सारी सीधी।

पजे की २ री सलाई—पहले फदे में २ सीधे बुनो, शेष अत तक सीधी।

पजे की ३ री सलाई—सारी सीधी।

इन २ सलाइयों को चार बार दोहराओ (१३ फदे)

१२ वीं सलाई—२ इ० सी०, अत तक सीधी।

१३वीं सलाई—सारी सीधी ।

इन २ सलाइयों को चार बार दोहराओ (८ फंदे)

अगली सलाई—८ सीधे ।

अब पंजे की दूसरी ओर की ढाल पर से १३ फंदे उठा लो और सीधे बुनो। अब तागे पर के १५फंदों को एक खाली सलाई पर उठा लो और इसी पर सीधे बुन लो (इस प्रकार कुल ३६ फंदे हो जायँगे)

पैर का दूसरा आधा हिस्सा—१४ सलाइयाँ सीधी बुनो ।

१५वीं सलाई—१ स०, अंतिम ३ के सिवाय सब सीधे, २ इ० सी०, १ सी० ।

१६वीं सलाई—सारी सीधी ।

इन २ सलाइयों को एक बार और दोहराओ ।

१९वीं सलाई—१ स०, २ इ० सी०, २६ सी०, २ इ० सी०, २ इ० सी०, १ सी० ।

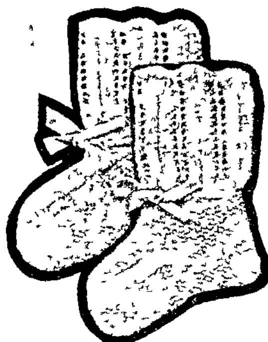
२०वीं सलाई—१६ वीं सलाई की तरह ।

२१वीं सलाई—१ स०, २ इ०सी०, २ इ०सी०, २१सी०, २ इ०सी०, २ इ०सी०, १सी०। (२७फंदे)

२२वीं सलाई—१६ वीं की भाँति । चित्र स० ११ की तरह बुट कर उतार लो। बुनी हुई चीज पर इस्तिरी कर लो। पंजे की और पैर तथा टाँग की सीवन सी लो। एडी पर के छेदों में फीता डाल दो और आगे की ओर फीते के फूल बना लो। इसी प्रकार दूसरा बूट तैयार करो।

कटावदार बूट

पैर की लंबाई ३½ इंच



आवश्यक सामान
१ औंस ३तार की स्वदेशी ऊन
१४ नं० की २ सलाइयाँ
१ गज़ फ़ीता

चि० सं० ४०

टाँग के ऊपर से ५५ फंदे चढा कर शुरू करो पहली २ सलाइयाँ सीधी बुनो ।

३री सलाई—१ सी०, ❀ १ ब०, २ सी०, २ इ० सी०, २ इ० सी०, २ सी०, १ ब०, १ सी०, ❀ चिह्न से अंत तक बार बार दोहराओ।

४थी सलाई—सारी उल्टी।

अब इन दो सलाइयों को १२ बार दोहराओ।

२९वीं सलाई—१ सी०, ❀ २ इ० सी०, २ इ० सी०, ५ सी०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ (४३ फन्दे)

३०वीं सलाई—सारी उल्टी।

३१वीं सलाई—सारी सीधी।

३२वीं सलाई—२ इ० सी०, ३९ उ०, २ इ० सी० (४१ फन्दे)

३३वीं सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, ❀ १ ब०, १ सी०, २ इ० सी०, ❀ चिह्न से चिह्न तक ४ बार और दोहराओ, १ ब०, ५ सी०, ❀ १ ब०, १ सी०, २ इ० सी०, ❀ चिह्न से चिह्न तक ५ बार और दोहराओ।

३४वीं सलाई—सारी उलटी।

३५वीं सलाई—१ सी०, १उ०, इसी प्रकार ९ बार, ५सी०, तब १उ०, १सी०, बार-बार अंत तक।

३६वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, इसी प्रकार ९ बार, ५ उ०, तब १ उ०, १ सी०, बार बार अंत तक।

इन दो सलाइयों को ५ बार दोहराओ।

४७वीं सलाई—१ सी०, १उ०, इसी प्रकार ९ बार, ५ सी०, १उ०, २सी०, चीज को उलटाओ।

४८वां सलाई—२ सी०, ७ उ०, २ सी०, चीज को उलटाओ।

४९वीं सलाई—२ सी०, १ उ०, ५ सी०, १ उ०, २ सी०, चीज को उलटाओ।

इन दो सलाइयों को १० बार और बुनो।

७०वीं सलाई—४८वीं की भांति।

अब तागा तोड लो और चीज की सीधी तरफ को सामने रखकर दाहिने हाथ की सलाई पर के १५ फंदों के अंदर के किनारों पर तागा जोड लो। अब पंजे की ढाल पर से १६ फंदे उठा लो और सीधे बुन लो। फिर ५ फंदे पंजे के २ सी०, १ उ०, २ सी०, इस प्रकार बुन लो। अब दूसरी सलाई को लो और पंजे के शेष ६ फंदों को इस प्रकार बुनो—२ सी०, १ उ०, २ सी०। अब पंजे की दूसरी ढाल पर से १६ फंदे उठाकर इस पर सीधे बुनो। शेष फंदों को १ सी० १ उ०, इसी प्रकार अंत तक (७३ फंदे)।

अगली १८ सलाइयाँ—१ सी०, तब १ उ०, १ सी०, बार-बार अंत तक।

अगली सलाई—१ सी०, २ इ० उ०, २ इ० सी०, तब १ उ०, १ सी०, एक के बाद एक १३ बार, २ इ० उ०, २ इ०सी०, १ स०, २ इ०उ०, सरकाया फंदा इसपर टालो।

२ इ० सी०, २ इ० उ०, तब १ सी०, १ उ०, एक के बाद एक १२ बार, २ इ० सी०, ३ इ० उ०, १ सी० (६३ फंदे)

अब चित्र स० ११ की तरह बुट कर उतार लो और बूट को तख्ते पर रख कर ऊपर गीला कपडा बिछा कर इस्तिरी कर लो। टॉग तथा पैर की सीवन सीलो, एड़ी पर के छेदो मे फीता डाल दो। इसी प्रकार दूसरा बूट तैयार कर लो।

टुकडी या शकरपारे वाले नन्हें बूट

नाप

पैर की

लंबाई ४ इंच



आवश्यक सामान

१ औंस

४ तार की ऊन

न० १२ की

२ सलाइयाँ

१ गज़ फीता

चि० स० ४१

नये फंदे चढाने के बाद जो पहली सलाई बुनो उसके सब फंदों मे तथा हर सलाई के पहले और अतिम फंदे मे फंदे की पिछली ओर सलाई डाल कर बुनने से बुनाई मजबूत बनती है।

४६ फंदे चढ़ा कर पैर के तले के ठीक मध्य (केन्द्र) से शुरू करो।

१ली सलाई—सारी सीधी।

२री सलाई—पहले फंदे मे २ सी०, २० सी०, अगले फंदे में २ सी०, २ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, २० सी०, अन्तिम फंदे में २ सी०। (५० फंदे हो जाएँगे)

३री सलाई—सारी सीधी।

४थी सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २२ सी०, अगले फंदे में २ सी०, २ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, २२ सी०, अतिम फंदे मे २ सी०। (५४ फंदे)

५वीं सलाई—सारी सीधी।

६ठी सलाई—पहले फंदे मे २ सी०, २४ सी०, अगले फंदे में २ सी०, २ सी०, अगले फंदे में २ सी०, २४ सी०, अन्तिम फंदे में २ सी० । (५८ फंदे)

७वीं सलाई—सारा सीधी ।

८वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २६ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, २ सी०, अगले फंदे में २ सी० २६ सी०, अन्तिम फंदे में २ सी० । (६२ फंदे)

अगली ७ सलाइयाँ—सारी सीधी ।

१६वीं सलाई—२८ सी०, २ इ०सी०, २सी०, १स०, १सी०, स०फ० इस पर से उतारो, २८सी०।

१७वीं सलाई—२७ सी०, २इ०सी०, २सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर से उतारो, २७सी० ।

१८वीं सलाई—२६सी०, २ इ०सी०, २सी०, १स०, १ सी०, स०फ० इस पर से उतारो, २६सी०।

१९वीं सलाई—२५ सी०, २ इ०सी०, २सी०, १स०, १सी०, स०फ० इस पर से उतारो,२५ सी०।

२०वीं सलाई—२४सी०, २ इ०सी०, २सी०, १स०, १सी०, स०फ० इस पर से उतारो, २४सी०।

२१वीं सलाई—२३सी०, २ इ०सी०, २सी०, १ स० १सी०, स०फ० इस पर से उतारो, २३सी०।

२२वीं सलाई—२२ सी०, २ इ०सी०, २सी०, १ स०, १ सी०, स फ० इस पर से उतारो,२२ सी०।

२३वीं सलाई—२१ सी०, २ इ०सी०, २ सी०, १स०, १ सी०, स फ० इस पर डालो, २१ सी०।

२४वीं सलाई—२० सी०, २इ०सी०, २ सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, २० सी०।

२५वीं सलाई—१९ सी०, २ इ०सी०, २ सी०, १स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, १९ सी०।

२६वीं सलाई—१८ सी०, २ इ०सी०, २ सी०, १स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, १८ सी० ।

२७वीं सलाई—१७सी०, २ इ०सी०, २सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १७ सी०।

२८वीं सलाई—१६ सी०, २ इ० सी०, २ सी०, १ स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, १६सी० ।

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी ।

३१वीं सलाई—४ सी० ❀ १ व०, २ इ०सी०, २ सी०, ❀चिह्न से अंत तक बार बार दोहराओ ।

अगली ३ सलाइयाँ—सारी सीधी ।

अगली ३ सलाइयाँ—२ सी०, २ उ०, बार बार अंत तक ।

अगली ३ सलाइयाँ—२ उ०, २ सी०, बार बार अंत तक ।

अन्तिम ६ सलाइयाँ एक बार फिर दोहराओ । यदि टाँग अधिक लंबी करनी चाहो तो एक बार और दोहराओ । अब बुन कर उतार दो और इस्तिरी करके पैर और टाँग की सीवन सी लो । अब टाँगों की सीवन के ऊपर तागे को जोड़कर नीचे लिखे तरीके से किनारा बनाओ ।

और तागे को टॉग की सीवन के ऊपर जोड लो। १ दुहरा फदा, १ छोटी डडी, २ डडी, १ छोटी डडी, १ दुहरा फदा पहले फदे में बुनो, फिर ३ फदे बिना बुने छोडकर ❀१ दुहरा फदा १ छोटी डडी, २ डडी १ छोटी डडी १ दुहरा फदा अगले फदे मे बुनो और ३ फदे बिना बुने रहने दो। ❀ इसे पूरे घेरे तक दोहराओ। अब जहाँ तागा जोड़ा था वही तागा जोडकर पक्का करलो।

गिट्टे पर छेदों मे रिबन डालदो। इसी प्रकार दूसरा जूता तैयार करके इस्तिरी करलो।

कटाव और धारीदार खूबसूरत बूट



चि० स० ४२

नये चढाये फदों मे सदा पीछे की ओर बुनना चाहिए। ५७ फदे चढाकर टॉग के ऊपर से बुनना शुरू करो।

१ली सलाई—सारी सीधी

२री सलाई—१ स० ❀ १ ब०, २ सी०, ३ इ० सी०, २ सी०, १ ब०, १ सी० ❀ चिह्न से अत तक दोहराओ।

३री सलाई—१ स०, शेष सारी उल्टी।

४थी सलाई—२री की भाँति।

५वीं सलाई—१ स०, शेष सारी सीधी।

अतिम ४ सलाइयो को एक बार और दोहराओ। अब दूसरी और तीसरी को एक बार फिर दोहराओ।

१२वीं सलाई—१ स०, २ सी०, ✻ ३ इ० सी०, ५ सी०, ✻ चिह्न से दोहराओ जब तक कि अन्त में ६ न रह जायँ तब ३ इ० सी०, ३ सी०, (४३ फंदे)

१३वीं सलाई—१ स०, अन्त तक सारी सीधी।

✻✻ अगली २ सलाइयाँ—१ स०, अन्त तक उल्टी।

१६वीं सलाई—१ स०, अन्त तक सीधी।

१७वीं सलाई—१ स०, अन्त तक उल्टी।

अगली २ सलाइयाँ—१ स०, अन्त तक सीधी।

✻✻ से एक बार दोहराओ।

२६वीं तथा २७वीं सलाई—१ स०, अन्त तक उल्टी।

✻✻ २८वीं सलाई—१ स०, २ इ० सी०, अन्तिम चार फंदों को छोड़कर सब सीधे बुनो, २ इ० सी०, २ सी०।

२९ वीं सलाई—१ स०, अन्त तक उल्टी।

अगली २ सलाइयाँ—१ स०, अन्त तक सीधी।

अगली २ सलाइयाँ—१ स०, अन्त तक उलटी। ✻ ✻चिह्न से (अर्थात् २८वीं सलाई से ३३ वीं सलाई तक) एक बार दोहराओ। (३९ फंदे)

४०वीं सलाई—फीते के लिए इस प्रकार छेद बनाओ—✻ १ स०, १व०, २ इ० सी० ✻चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

४१वीं सलाई—१ स०, अन्त तक उल्टी।

अब यहाँ से पंजा शुरू होता है—१ स०, २४ सी०, चीज को उल्टाओ (उलटाने से इस ओर १४ फंदे बिना बुने रह जायँगे) १ स०, १०सी०, चीज को उलटाओ, अब इस ओर भी १४बिना बुने रह जायँगे, अब आगे लिखी रीति से केवल बीच के ११ फंदे बार बार बुनो—१स०, १०उ०, उलटाओ, १ स०, १० उ०, उलटाओ, ✻✻ १ स०, १० सी०, उलटाओ, १ स०, १० उ०, उलटाओ, १ स० १० सी०, उलटाओ, १ स०, १० सी०, उलटाओ, १ स०, १० उ०, उलटाओ, १ स०, १० उ०, उलटाओ। ✻ ✻ से ✻ ✻ चिह्न तक दोबारा दोहराओ, १ स०, २ इ० सी०, ५ सी०, २ इ० सी० १ सी०, उल्टाओ, १ स०, ८ उ०, उलटाओ, १ स०, ८ सी० उलटाओ, १ स०, ८ सी०, उलटाओ १ स०, ८ उ०, उलटाओ, १ स०, ८ उ०, उलटाओ, १ स०, २ इ० सी०, ३ सी०, २ इ० सी०, १ सी०, उल्टाओ, १ स० ६ उ०, उलटाओ अब पैर के अँगूठे के किनारे पर पहुँच गये, १ स०,

६ सी०, अब पन की ढाल पर से १९ फंदे उठाकर सीधे बुन लो। तब इस ओर के १४ फंदे जो बिना बुने छोड़े थे इसी सलाई पर बुनो।

अगली सलाई—१ स०, ३५, सी०, अब तीसरी सलाई से पन की दूसरी ढाल पर से १९ फन्दे उठा कर सीधे बुन लो, और फिर इस ओर बाई सलाई पर जो १४ फंदे बिना बुने छोड़े थे उन्हें बुन लो, कुल ६५फन्दे हो गये। अब इन फन्दों को दो सलाइयों पर बाँट लो। चीज की सीधी तरफ को अपने सामने रखते हुए १स०, अन्त तक उल्टी।

२री सलाई—१ स०, अन्त तक उल्टी।

३री सलाई—१ स०, ३० सी०, अगले फंदे में २ सी०, १ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ३१ सीधे।

४थी सलाई—१ स०, अन्त तक सीधी।

५वीं सलाई—१ स० ३० सी०, अगले फंदे में २ सी०, ३ सी० अगले फन्दे में २ सी० ३१ सी०।

६ठी सलाई—१ स०, अन्त तक सीधी।

७वीं सलाई—१ स०, ३० सी०, अगले फंदे में २ सी०, ५सी०, अगले फंदे में २ सी०, ३१सी०,

अगली ७ सलाइयाँ—१ स०, सारी सीधी।

१५वीं सलाई—१ स०, ३० सी०, २ इ० सी०, ५ सी०, २ इ० सी०, ३१ सी० (६९ फंदे)

१६वीं सलाई—१ स०, सारी सीधी।

१७वीं सलाई—१ स०, १ सी०, २ इ० सी०, २७ सी०, २ इ० सी०, ३ सी०, २ इ०, सी०, २७ सी०, २ इ० सी०, २ सी०।

१८वीं सलाई—१६वीं की तरह।

१९ वीं सलाई—१ स०, २ इ०सी०, २ इ०सी०, २५ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ० सी०, २५ सी०, २ इ० सी०, २ इ० सी०, १ सी० (५९ फन्दे)

अब बुट कर उतार लो। चीज के ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर इस्तिरी कर लो। और टाँग तथा तले की सीवन सीलो। एडी के चारों ओर के छेदों मे फीता डाल दो। इसी प्रकार दूसरा बूट तैयार करलो।

"जालीदार मनोहर सूट" के साथ का बच्चे का जालीदार बूट



चि० सं० ४२ (ख)

आवश्यक वस्तुएँ—½ औंस तीन तार की ऊन, ११ नं० की ३ सलाइयाँ, ½ गज फीता या डोरा तथा फूल बनाने के लिए थोड़ी सी और ऊन।

एक सलाई पर ४४ फंदे चढ़ा कर टाँग के ऊपर की ओर से शुरू करो। पहली ६ सलाइयाँ २ सीधे २ उल्टे फंदों वाली पट्टियों की बुनो। अब गुलूबन्द की बुनाई (१ सलाई सीधी १ उलटी) ९ सलाइयों तक बुनो। अब बेल के दो नमूने निम्न प्रकार से बनाओ।

बेल की पहली सलाई—२ इ० सी०, २ बार ✻ १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, २ इ० सी० ४ बार, ✻ चिह्न से सलाई के अन्त तक बार बार दोहराओ। अन्त में २ इ० सी० २ बार।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—सारी उलटी।

अगली सलाई—सारी सीधी।

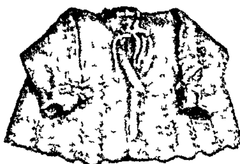
इन चार सलाइयो से १ नमूना बना। इसी प्रकार का एक और बनाओ। अब नमूने की पहली सलाई फिर बुनो। और ८ सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की बुनो। अब चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर ३ सी०,*२ इ०सी०, १ ब०, ४सी०, *चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में २ इ० सी, १ ब०, ३ सी०, अगली सात सलाइयाँ फिर गुलूबन्द की बुनाई की बुनो, यहाँ पंजे के लिए फंदों को निम्न प्रकार से बाँटो।

१३ सी०, अब अगले (अर्थात् बीच के) १८ फंदों पर गुलूबन्द की बुनाई में २० सलाइयाँ बुनो। (पर हर सलाई का पहला फंदा बिना बुने उतार लिया करो)। इस ओर भी १३ फंदे एक सलाई पर बिना बुने रहने दो। अब तागा तोड़लो और जहाँ १३ फंदे बिना बुने छोड़े थे

यहाँ अर्थात् १३ फंदों के अन्दर वाले किनारे पर जोड़ लो और इसी सलाई में पत्र की ढाल पर से १० फंदे उठाकर सीधे बुनो और पंजे (toe) के ९ फंदे भी इसी सलाई पर सीधे बुनलो। अब खाली सलाई से पंजे के शेष ९ फंदे दूसरी सलाई पर बुनो और इधर की ढाल पर से १० फंदे उठाकर बुनलो तथा शेष १३ फंदे भी जो इस ओर बिना बुने रह गये थे इसी सलाई पर सीधे बुनलो। अब इन दोनों सलाइयों के सब फंदो को गुलूबन्द की बुनाई में १० सलाइयो तक बुनो। अब दोनों सलाइयो के दोनों सिरो पर एक एक फंदा घटाते जाओ और इस प्रकार ५ सलाइयाँ बुनो और बुनकर उतारलो। इस प्रकार एक बूट तैयार होगया। दूसरा भी इसी प्रकार तैयार करो। अब बड़ी सफाई से पैर और टाँग की सीवन को सीलो और गिट्टे पर जो छेद है उनमें फीता डाल दो। यदि स्वदेशी रेशमी फीता न मिले तो कई तार का एक खूब मोटा सा डोरा बटकर उसके एक किनारे पर फूल बनाकर सी दो और डोरा छेदों में डालकर दूसरे छोर पर दूसरा फूल सी दो।

"जालीदार मनोहर सूट" के साथ का कोट

इसमें छाती पर गुलूबन्द की सादी बुनाइ होने से छाती और गले जैसे



नाजुक अगों को हवा लगने का भय नहीं रहता

चि०सं० ४१

आवश्यक सामान—२½ औंस तीन तार वाली ऊन, एक जोडा ९ नं० की सलाइयाँ, एक बीच के साइज का किरोशिया और दो गज फीता।

नाप—कंधे से नीचे तक की लम्बाई १० इंच, गले से हाथ तक बांह की लम्बाई १० इंच, कोट का घेरा ३४ इंच।

पीठा—९९ फंदे चढ़ाकर पीठे के निचले किनारे से शुरू करो और ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। अब पृष्ठ संख्या ३८ में दिये गये जालीदार बूटवाली ४ सलाइयो के बेल के नमूने को १३ बार दोहराओ अर्थात् १३ नमूने बुनो। अन्तिम सलाई १४ वें नमूने की पहली सलाई हो अब कोट की सीधी तरफ को अपनी ओर को कर लो।

अगली सलाई—* २ इ० सी०, २ बार, १ सी० * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ। अब ३ इंच तक गुलबन्द की बुनाई बुनो।

अगली सलाई—चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर करके १८ सी०, अगले २० बुनकर उतार दो, अब १८ सी० बुनो। अब इन दोनों ओर के कंधों के १८, १८ फन्दों को आगे के कंधों के साथ सीने (चित्र न० १२ की तरह) के लिए १ सलाई पर रहने दो या बुट कर उतार लो।

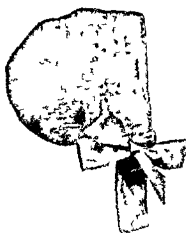
आगा—निचले किनारे से ६१ फंदे चढ़ाकर बनाना शुरू करो। ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुन लो। प्रत्येक दूसरी सलाई के शुरू में ६ फन्दे किनारे के लिए सीधे बुनते हुए १३ नमूने बेल के पीठ की भाँति बनाओ। अगली सलाई नमूने की पहली सलाई की भाँति बुनो।

अगली सलाई—* २ इ० सी० २ बार, १ सी० *चिह्न से बार बार दोहराओ किन्तु किनारे के ६ फंदों को कभी नहीं घटाना, क्योंकि कोट का यह किनारा ऊपर तक ऐसा ही जाना चाहिए अब २½ इंच तक गुलबन्द की बुनाई बुनो और चीज की उलटी तरफ को अपनी ओर रख कर १९ फंदे बुटकर उतार दो। शेष १८ फंदो को ५ सलाइयों तक और बुनो अब यदि पीठ के १८ फंदे एक सलाई पर सीने के लिए रखे हो तो आगे के इन १८ फंदो को उनके साथ रखकर चित्र स० १२ की तरह आपस में मिलाकर सीओ और यदि उन्हें बुटकर उतार दिया हो तो इन्हें भी बुटकर उतार दो और फिर आगे पीछे दोनों के इस कन्धों (१८ फंदो वाली जगह) को मिलाकर सी लो। यह बाँई ओर का आगा बन गया इसी भाँति दाहिनी ओर का तैयार करलो।

बाँह—५९ फंदे चढ़ाकर नीचे की ओर से बाँह शुरू करो और पहली ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। अब १३ नमूने बेल के बुनो और अन्तिम सलाई १४ वे नमूने की पहली सलाई की भाँति बुनो। बुटकर उतार लो इसी भाँति दूसरी बाँह तैय्यार करो।

सी कर तैयार करना—कोट की बाँह के छेद मे बाँह जोड़ लो। अब बाँह के नीचे की और आगे पीछे की दोनो ओर की बगलों की सीवन सीलो ओर सब सीवनो को उलटी तरफ गरम इस्तिरी से खूब दबाओ। गले के चारो ओर क्रोशिये से ४४ पृष्ठ पर दिये गये इसी सूट के साथ के फ्राक की तरह किनारा बनाओ और इस किनारे में फीता डाल दो। बाँह में भी सलाई के ऊपर दोनों ओर बेल के छेदो म फीते के दो टुकड़े चित्र सख्या ४३ की भाँति डाल दो।

सूट के साथ की टोपी



टोपी से लेकर बूट तक का एकसा सूट

बच्चों को बहुतही प्यारा मालूम होता है

चि० स० ४४

आवश्यक वस्तुएँ—१ औंस तीन तार की ऊन । ९ नं० की सलाइयाँ और फूल के लिये १½ गज फीता ।

७७ फंदे चढ़ा कर पहली ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो फिर बूट वाली बेल के ९ नमूने बुनो, तब १ सलाई उलटी । अब बुनी जाने वाली चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर अगली सलाई उलटी बुनो, तब ४ इंच तक गुलूबन्द की बुनाई बुनो । इस जगह से चंदोए की शकल शुरू होती है ।

अगली सलाई—* ८सी०, २ इ०सी०, *चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में ७ सीधे होंगे (७० फंदे)

अगली २ सलाइयाँ—गुलूबन्द की बुनाई की बुनो ।

अगली सलाई—* ७ उ०, २ इ०उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में ७ उल्टे हों (६३ फंदे)

अगली २ सलाइयाँ—गुलूबन्द की बुनाई की बुनो ।

अगली सलाई—* ६ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से अंत तक बार बार दोहराओ, अंत में ७ सीधे हों (५६ फंदे)

अगली २ सलाइयाँ—गुलूबन्द की बुनाई की बुनो ।

अगली सलाई—७ उ० ※ २ इ० उ०, ५ उ०, ※ चिह्न से अंत तक दोहराओ । अंत में ६ उ० हों । (४९ फंदे)

अगली २ सलाइयाँ—गुलूबन्द की बुनाई की बुनो ।

अगली सलाई—※ ४ सी०, २ इ०सी०, ※ चिह्न से अंत तक बार बार दोहराओ । अंत में ७ सी० (४२ फंदे)

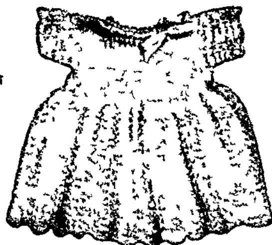
अगली २ सलाइयाँ—गुलूबन्द की बुनाई की बुनो ।

अगली सलाई—२ उ०, ※ २ इ०उ०, ३ उ० ※ चिह्न से अंत तक दोहराओ अंत में ३ उ० ([illegible]

अब कुछ लम्बा तागा छोड़कर तोड़ लो और तागे को शेष बचे हुए फन्दों में से निकाल लो। गुलूबन्द की बुनाई वाला जो हिस्सा है उसे उल्टी तरफ को दबाओ और नीचे के २¾ इंच हिस्से को चदोए की तरफ से शुरू करके इकट्ठा सी लो। बेलवाले हिस्से को ऊपर को उल्टा दो। और फीते का फूल बनाकर बेल पर सी लो तथा ऊपर की चदोए तक की सीवन को भी डालो, बस टोपा तैय्यार होगया।

सूट के साथ का मनोहर फ्राक

बाहर जाते समय बच्चे सारे एकसे



सूट को पहन कर बहुत खुश होते हैं

चि० सं० ४५

आवश्यक सामान—३ औंस ३ तार की ऊन, ९ नं० की २ सलाइयाँ, १ क्रोशिया और १½ गज फीता।

नाप—कंधे से निचले किनारे तक की लम्बाई १९½ इंच, गले से किनारे तक बाँह की लम्बाई ६ इंच चारों ओर का घेरा ४७ इंच।

आगा—आगे के निचले किनारे के लिए१३२ फंदे चढ़ाकर बुनना शुरू करो और पहली ४ सलाइयाँ दोनों ओर से सीधी बुनाई की बुनो।

५वीं सलाई—(बेलदार नमूने की) २ इ० सी० दो बार ❀ १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी० चार बार ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ। अन्त मे दो बार २ इ० सी० पर सलाई समाप्त करो।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—सारी उलटी।

अगली सलाई—सारी सीधी।

इन चार सलाइयों से यह नमूना बना, इस प्रकार के १८ नमूने बनाओ अब १९वें नमूने की ३ सलाइयाँ (अर्थात् नमूने की तीसरी उल्टी सलाई तक) बुनो।

अगली सलाई—२ इ० सी० बार बार अन्त तक।

अगली सलाई—सारी उल्टी।

अगली सलाई—४सी०※२इ०सी०, ६सी०, ※चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ अन्त में ४सी०।

अगली सलाई—सारी उल्टी, अब गुड़बन्द की बुनाई (१ सलाई सीधी १ उलटी) ३½ इंच तक बुनो। बुनी जाने वाली चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर कंधे के लिए १६ फंदे सीधे बुनो। तब गले की जाली के लिए ※ १ ब० और २ इ० सी० ※चिह्न से १३ बार दोहराओ। अब शेष बचे हुए १६ फंदे दूसरे कंधे के लिए सीधे बुनो।

अगली सलाई—सारी उल्टी।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—१६ उ०, २ इ० उ०, १ ब०, २ उ०, अब गले के लिए बीच के १९ फंदे उलटे बुटकर उतार दो, फिर १ उ०, २ इ० उ० १ ब० शेष १६ उ०।

अगली सलाई—१९ सी० (अब एक ही कंधा बुना जायगा)।

अगली सलाई—१ उ०, २ इ० उ०, १ ब० शेष १६ उ०। अब इन अन्तिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ फिर इन सब फंदों को बुट कर उतार लो और अंतिम फंदे में से तागे को निकाल कर तोड़ लो। तब दूसरे कंधे के फंदों में गले की ओर का जो किनारा है उससे तागे को जोड़ लो।

अगली सलाई—सफाई से तागे जोड़कर सारी सीधी बुनो।

अगली सलाई—१६उ०,२इ०उ०,१ब०,२उ०, अब इन अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ तब बुटकर उतार लो। अब आगा तय्यार हो गया, ठीक इसी प्रकार पीछा तैयार करो।

बाँहें—४४ फंदे चढ़ाकर शुरू करो और पहली चार सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। अब ४ नमूने बेल के बुनो पर ३रे नमूने की २री सलाई पर एक एक फंदा दोनो किनारों पर बढ़ा लो। इसी प्रकार हर तीसरी सलाई पर दोनों किनारों पर एक एक फंदा बढ़ाती जाओ, जब तक कि बाँह समाप्त न हो जाए परन्तु पहले ४४ फंदे ही बेलदार नमूने के बनाओ शेष फंदे जो पीछे से बढ़ाए जाएँ वे सदा सीधे ही बुनो। ४ नमूने बन जाएँ तब बुट लो और इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

सी कर तय्यार करना—आगे पीछे के कंधों को बड़ी सफाई से आपस मे जोड़ लो तब ठीक ठीक नाप

कर बाँह जोडो। मुड्बन्द की बुनाई को खूब अच्छी तरह इस्तिरी से सीधी तरफ से उल्टी तरफ को दबा कर एक सा कर लो और बाँहो के नीचे की तथा दोनो बगलों की (आगे पीछे के किनारे का) सीवन को सफाई से जोड़ लो। अब क्रोशिये से गले का किनारा इस प्रकार बनाओ—प्रत्येक दूसरे बुने हुए फंदे के ऊपर (अर्थात् १ छेद बीच में छोडकर दूसरे के ऊपर) १ पूरी डंडी और २ चेन (जञ्जीर) बुनो इस प्रकार गले के चारो ओर पूरे घेरे तक बुन लो।

दूसरा घेरा—पहले घेरे के चेन वाली प्रत्येक जगह में एक दोहरा फंदा, ३ चेन, १ दोहरा फंदा, इसी प्रकार सारा घेरा बुनो।

नोट—क्रोशिये के सांकेतिक चिह्नों के लिये चित्र स० ३१ से ३५ तक देखो।

चिपटा हुआ आरामदायक एकसे कोट, टोपी और पायजामे वाला सूट

सूट के साथ का टोपा

आवश्यक सामान
१ औंस
४ तार की
रंगीन ऊन
और
आधा गोला
मोटी सफेद ऊन
तथा ८ न० की
दो सलाइयाँ



बाहर ले जाने के
समय चोटी से
एड़ी तक
ढकने वाले सूट
बच्चों को
ठंडी हवा से
बचाते हैं
और उन्हें
प्रसन्न रखते हैं

चि० स० ४६

सफेद ऊन से ६०फंदे डालकर शुरू करो और पहली ५ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो।

अगली सलाई—रगीन ऊन से * ६ सी०, अगले फदे में १ आगे और १ पीछे बुनकर १ फदा बढाओ, * चिह्न से अत तक दोहराओ अन्तिम फदे में एक में २ बुनो (कुल ७० फदे हो जायँगे) अगली ११ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की बुनो।

अगली सलाई—* ५ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अब इससे फिर ६० फदे ही रह जायँगे। तब १ सलाई उल्टी बुनो और फिर सफेद ऊन से अगली तीन सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो अब फिर १ सलाई उल्टी रगीन ऊन से बुनो।

अगली सलाई—रगीन ऊन से ❀ ६ सी०, अगले फदे में एक आगे एक पीछे बुनकर एक फदा बढाओ ❀ चिह्न से अत तक बुनो जिससे फिर ७० फदे हो जॉय।

अब ४ इच तक सीधी बुनाई बुनो। यहॉ से चदोए की शकल या काट बुननी शुरू होगी।

१ली सलाई—* ७ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ अत में ७ सी० हो। यहाँ ६३ फदे हो जायँगे।

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

४थी सलाई—* ६ सी०, २ इ० सी०, *चिह्न से अत तक दोहराओ अत में ७ सी० हो (५६ फदे)

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

७वीं सलाई—* ५सी०, २ इ०सी०, *चिह्न से अन्त तक दोहराओ अन्त मे ७ सी० हों (४९ फदे)

अगली २ सलाइयॉ—सारी सीधी।

१०वी सलाई—*४सी०, २ इ०सी० *चिह्न से अन्त तक दोहराओ अन्त में ७सी० हो (४२फदे)

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

१३वीं सलाई—*३सी०, २ इ०सी०, *चिह्न से बार बार दोहराओ। अन्त में ३सी० हों (३४फदे)

अगली २ सलाइयॉ—सारी सीधी।

१६वीं सलाई—* २ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से दोहराओ अन्त मे भी २ सी० हो (२६ फदे)

अगली २ सलाइयॉ—सारी सीधी।

१९वी सलाई—* १ सी०, २इ०सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अन्त में २ सी० (१८फदे)

२०वी सलाई—सारे सीधे।

अब कुछ लम्बा किनारा छोडकर ऊन तोड लो और उस किनारे को इन सब फदो मे से निकाल कर खीच लो और पक्की गॉठ लगा लो। अब बुनी जाने वाली चीज को उलटी ओर को दबा कर इस्तिरी कर लो और फिर सफाई मे सीवन को सीलो। तब सीवन पर भी इस्तिरी कर लो।

सूट के साथ का कोट

सामान—४ औंस ४ तार की रंगीन ऊन। किनारे के लिए कुछ थोड़ी सी सफेद ऊन, गले पर बाहर की ओर टाँकने के लिए २ गोल बड़े बटन और २ स्टिच बटन अन्दर की ओर टाँकने के लिए।

नाप—कंधे से निचले किनारे तक १२ इंच लम्बा, बाँह कंधे से लेकर कलाई तक काफ सहित ६½ इंच, निचले किनारे का घेरा २७ इंच।

पीछा—सफेद ऊन से १०० फंदे चढ़ा कर पीछे के निचले किनारे से शुरू करो और ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो, अब रंगीन ऊन जोड़ कर उससे ६ इंच तक सीधी बुनाई बुनो।

अगली सलाई—सारी सलाई में २ इ० सी०, बुनती जाओ (५० फंदे)

अब ३ इंच तक गुलूबन्द की बुनाई बुनो। अगली सलाई के शुरू में तीन फंदे बुट कर उतार दो इसी प्रकार दूसरी सलाई के शुरू में भी ३ फंदे बुट कर उतार दो और ३ इंच तक और इसी बुनाई को बुनो।

अगली सलाई—कोट की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर १४ सी०, फिर अगले १६ बुटकर उतार दो शेष १४ सीधे बुनो। इन अन्तिम १४ फंदो पर ७ सलाइयाँ और बुनो (बुनाई सब जगह वही रहे) तब गले वाले किनारे की ओर २० फंदे नये चढ़ाओ।

अब इन सब फन्दो को ३ इंच तक कंधे से नीचे इसी बुनाई में बुनो पर गले के किनारे के ८ फंदो को सलाई शुरू करते समय भी और समाप्त करते समय भी सीधा ही बुनो (जिसमें किनारे पर चित्र की भाँति पट्टी सी बन जाये) अब कोट की बाँह के किनारे की ओर ३ नये फंदे चढ़ालो (जो पीछे की तरफ उतारे थे) और ३ इंच और इसी बुनाई में बुनो।

अगली सलाई—गले के किनारे के ८ फंदों को छोड़ कर बाकी सब फंदो मे १ मे २ फंदे बुनो [अर्थात् फंदे मे आगे पीछे बुनकर १ फंदे के २ फंदे बनाओ] तब ६ इंच तक सीधी बुनाई में बुनो। आगे के निचले किनारे के लिए सफेद ऊन जोड़ो और उससे ४ सलाइयाँ इसी बुनाई की बुनो फिर बुट कर उतार दो। यह एक ओर का आगा बन गया। अब रंगीन तागे को तोड़ कर दूसरे कंधे के फंदों में गले के किनारे की ओर जोड़ दो और ८ सलाइयाँ बुनो। गले के किनारे की तरफ २० नये फंदे चढ़ालो और पहले आगे की तरह यह आगा भी बुन लो।

बाँह—आगे पीछे में जो बाँह की जगह रखी गई है उस पर से ४२ फंदे सलाई पर उठालो और रंगीन ऊन से इसी गुलबन्द की बुनाई में ९ इंच तक बुनो।

अगली सलाई—※ २ इ० सी० २ बार, १ सी० ※ चिह्न से सलाई के अन्त तक चार बार दोहराओ। अब ६ सलाइयाँ २ सी० और २ उ० की फलियो मे बुनो। फिर १२ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनकर सफेद ऊन जोड़ लो और ६ सलाइयाँ सफेद ऊन से सीधी बुनाई की बुनो तथा बुटकर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैय्यार करो।

कालर—रंगीन ऊन से गले के दोनों किनारो के पास डेढ़ डेढ इंच जगह छोड़कर फंदे उठाना शुरु करो और गले के सारे घेरे में से ४६ फंदे उठाकर ६ सलाइयो तक सीधी बुनाई बुनो तब सफेद ऊन जोडो और सीधी बुनाई में ही हरेक सलाई के अन्त में एक फंदा बढ़ाते हुए बुनती जाओ (फंदा अन्तिम फंदे में आगे और पीछे दोनो ओर बुनकर बढ़ाओ) इस प्रकार १९ सलाइयाँ बुनो अब ढीला-ढीला बुटकर उतार लो।

सीकर तय्यार करना—अब सीधी ओर से उल्टी तरफ को गुलबन्द की बुनाईवाली जगह को खूब दबा कर इस्तिरी कर लो और बाँहों के नीचे और बगलो की सीवन सी लो। सफेद ऊन वाली कफों को उल्टा दो। अब दोनों आगो के गले वाली पट्टी पर, क्रोशिये से दुहरे फंदे की एक एक लाइन दाहिने गले पर बटनो के लिए २ चेन के छेद बनाते हुए बुन लो। बाँए गले की पट्टी पर छेदों के ठीक सामने २ गोल बटन टाँक दो और गले पर भीतर की ओर स्टिच बटन टाँक दो। फिर सारे पर इस्तिरी कर लो।

सूट के साथ का पावों तक का पायजामा

आवश्यक सामान—२ औंस ४ तार की कोट तथा टोपे जैसी ऊन। ८ नं० की दोनो ओर नोक वाली ४ सलाइयाँ। एक गज स्वदेशी रेशमी फीता।

नाप—कमर से लेकर पाँव की अँगुलियों तक की लम्बाई १४ इं०। एक सलाई पर ६० फंदे चढाकर कमर मे बुनना शुरू करो और २ सी० २ उ० फंदो वाली फलियो की (चित्र सं० १६ की भाँति) ९ सलाइयाँ बुनो। अब फीता डालने के लिए निम्न प्रकार से छेद बनाओ।

छेदो वाली सलाई—※ ४ फंदे फलियो में बुनो, १ न०, २ इ० सी० ※ चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

अगली ७ सलाइयाँ—२ सी०, २ उ० फदो वाली फलियोदार बुनो। अब यहाँ से कमर की क
बुननी शुरू होगी।

१४वी सलाई—केवल ६ फदे सीधे बुनकर बुनी जाने वाली चीज को उल्टा लो (शेष सब बि
बुने सलाई पर पडे रहे)

अगली सलाई में—उल्ट कर इन्ही अभी बुने हुए ६ फदो पर सीधा बुनो।

१६वी सलाई—१२ सीधे बुनो, चीज को उल्टाओ।

अगली सलाई में—उलट कर इन्हीं अभी बुने हुए १२ फदो पर सीधा बुनो।

१८वी सलाई—१८ सीधे बुनो, चीज को उल्टाओ।

अगली सलाई में—उल्ट कर इन्ही अभी बुने हुए १८ फदो पर सीधा बुनो।

२०वीं सलाई—२४ सीधे बुनो, चीज को उलटाओ।

अगली सलाई में—उल्ट कर इन्हीं अभी बुने हुए २४ फदो पर सीधा बुनो। और इसी प्रका
हर दूसरी सलाई में छ छ फदे अधिक बुनती जाओ जब तक कि सलाई के अन्त में अर्थात् बॉई सलाई पर केवल १८ फदे बिना बुने न रह जाएँ इस प्रकार बुनने से जॉघ की तरफ काट बन जायगी अब सब फदे (अर्थात् कुल ६० फदे) एक ही सलाई पर सीधे बुन लो। अब हर छठी सलाई में इसी जॉघ वाले लबे किनारे पर एक एक फदा बढाती जाओ जब तक कि फदे बढकर ६६ न हो जॉए और छोटे किनारे की लबाई शुरू से ६ इच न हो जाए।

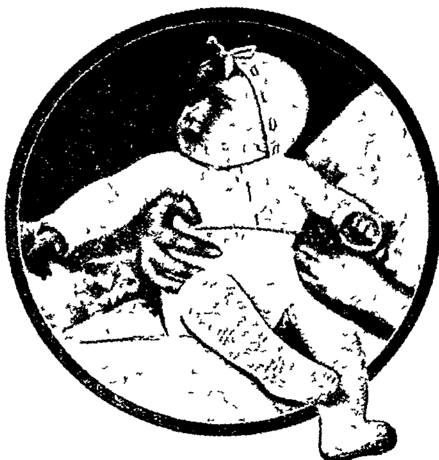
अब चाज के दोनो किनारो पर हर दूसरी सलाई में एक एक फदा घटाओ और जब फदे घट कर ३६ रह जाने तब घटाना बद करके फदों को ३ सलाइयों पर निम्न प्रकार से बाँट कर चौथी सलाई से बुनना शुरू करो। पहली सलाई पर जो कि छोटे किनारे की तरफ होगी १७ फदे, दूसरी बीच की सलाई पर ११ और तीसरी सलाई पर ८ फदे रखकर मोजे की तरह घेरे बुनो (१ घेरा उल्टा और दूसरा सीधा हो जिससे कि बुनाई वही ऊपर वाली आवे, बुनाई में कहा भी फर्क नहीं पड़ना चाहिय) तीसरी सलाई पर खतम करते हुए १½ इच तक इसी प्रकार बुनो अब पैर के लिए इस तरह फदे बॉटो—पहली सलाई पर के ३ फदे तीसरी पर बुन लो जिससे तीसरी पर भी दूसरी की तरह ११ फदे हो जॉय और पहली पर १४ रह जॉय जो कि पज की सलाई है। अब इस पज वाली सलाई पर २० सलाइयॉ सीधी बुनाई की बुनो। (इन २० सलाइयों मे पहला फदा सादा बिना बुने दाहिनी सलाई पर सरका लिया करो)। यहाँ ऊन को तोड कर पजे के दाहिनी तरफ ११ फदो के

साथ जोड़ लो और उन्हें बुनलो अब एक सलाई पर पब की ढाल पर से (जो २० सलाइयाँ बुनी है उनकी ऊँचाई पर से) १० फदे उठा लो और इन्हीं ११ फदों वाली सलाई पर बुन लो। अब दूसरी सलाई पर पजे वाले १४ फदे बुन लो और तीसरी पर पजे की दूसरी ओर की ढाल पर से उठाकर १० फदे तथा बाईं ओर के ११ फदे बुन लो इस प्रकार तीनों सलाइयो पर २१, १४, २१ फदे हो गए। अब इन फदो पर (अर्थात् तीनों सलाइयों पर) ६ सलाइयाँ सीधी बुनो [पहले की तरह घेरे मत बुनना तीसरी सलाई समाप्त होने पर चीज को उलटा कर लौट पड़ो और तीसरी दूसरी फिर पहली बुनो फिर पहली पर से काम को उलटा लो। इस प्रकार सब सीधी सलाइयाँ बुनो] अब पहली और तीसरी दोनों सलाइयों के एड़ी वाले किनारे पर एक एक फदा हर सलाई पर घटाते हुए तथा बीच की पजे वाली सलाई के मध्य में दो बार जोड़ा जोड़ा बुनते हुए (अर्थात् हर सलाई में २ फदे घटाते हुए) ६ सलाइयाँ और सीधी बुनो तब बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी टाँग तैय्यार करो और दोनो टाँगों पर इस्तिरी कर लो।

सी कर तैय्यार करना—दोनो पैरों के नीचे एड़ी तक सी लो फिर टाँगों की सीवन सी लो और दोनो टाँगों के आगे और पीछे के दोनों किनारो को आपस में जोड़ लो। सीवनों पर धीरे धीरे सफाई से भीतर को दबाते हुए इस्तिरी कर लो तथा कमर के छेदो में फीता डाल दो। सूट तैय्यार होगया।

प्रातः भ्रमण के समय का आरामदायक सूट

यह सब से सादा और उत्तम सूट है। सीधी बुनाई मे एक ही टुकडे में बना है। इसके पहनने मे बच्चे को जरा भी दिक्कत नहीं होती और न लेटे हुए हाथ-पैर चलाने मे ही कोई रुकावट होती है। इसे पहन कर घूमते समय बच्चे बडे प्रसन्न रहते हैं अत छोटे कोमल बच्चों के लिए यह बहुत ही आराम दायक है। इसकी ऊन बहुत नरम होनी चाहिये जो बच्चे को चुभे नहीं। यह कमर और बॉहों के पास थोडा सा फलियो की बुनाई में तथा शेप सब सीधी बुनाई में बुना जाता है, इसलिए इसकी बुनाई बहुत ही सुगम है।



चि० सं० ४०

आवश्यक सामान—१½ औंस के लगभग किसी सुन्दर रंग का ऊन। ८ नं० की दोना ओर नोकवाली ४ सलाइयाँ। १ दरमियाने साइज का दाँत का क्रोशिया। ३ गोल बटन तथा १½ गज स्वदेशी रेशमी फीता।

नाप—चोटी से लेकर एडी तक की (अर्थात् टोपी से लेकर पैर की अँगुलियो तक सारे सूट की) लंबाई २७ इंच, कफ सहित बाँह की लंबाई ६ इंच।

साठ फदे चढ़ा कर कमर से शुरू करो और १४ सलाइयाँ २ सीधे, २ उल्टे फदो वाली फलियो की बुनो तब पीठ की काट बनानी शुरू करो।

अगली सलाई—७ सी० बुनकर चीज को उलटाओ और उलट कर इन्ही सात फदो पर सीधा बुनो जैसा कि पृष्ठ ४८ पर दिये गये पायजामे में बताया है।

अगली सलाई—१४ सी०, (७ फदे पिछली सलाई वाले और सात जो बिना बुने ९३ फदे बाँई सलाई पर हैं उनमें के) बुन कर चीज को उल्टा लो। अब उल्ट कर इन्ही १४ पर फिर सीधी सलाई बुनो।

अगली सलाई—२१ सी०, चीज को उलटाओ और इन्हा २१ पर फिर सीधा बुनो।

अगली सलाई—२८ सी०, चीज को उलटाओ और उलट कर इन्हीं २८ पर फिर सीधा बुनो। इसी प्रकार हर दूसरी सलाई में ७ फदे अधिक बुनते हुए बुनो जब तक कि बाँई सलाई पर केवल १८ फदे बिना बुने न रह जाँय।

अब सब फदो (६० फदो) को एक ही सलाई में सीधा बुन लो और चीज के लबे किनारे की तरफ हर आठवीं सलाई पर एक फदा बढाते हुए सीधी बुनाई मे ही बुनती जाओ जब तक कि सलाई पर ६६ फदे न हो जाएँ और छोटा किनारा शुरू से ६३ इच लम्बा न होजाए। तब चीज के दोनों किनारो पर हर दूसरी सलाई पर एक एक फदा घटाना शुरू करो और जब फदे घटकर ४२ हो जाएँ तो हर सलाई पर दोनो ओर घटाओ। अत में जब केवल ३४ रह जाएँ तब घटाना बद करो अब ३ सलाइयों पर निम्न प्रकार से फदे बाँट कर चौथी से बुनो।

पहली सलाई, जो छोटे किनारे की ओर रहे,उस पर १७ फदे। दूसरी सलाई पर १० फदे और तीसरी पर ७ फदे कर लो और मोजे की तरह घेरे बुनो। सदा एक घेरा उल्टा और दूसरा सीधी बुनते हुए जिससे सीधी बुनाई ही आवे २ इच तक बुनो और तीसरी सलाई पर समाप्त करते हुए फदों को पैर के लिए इस प्रकार बाटो—पहले ३ फदे पहली सलाइ पर से तीसरी पर बुन लो इससे पहली पर १४ बचेंगे और दूसरी तीसरी पर १०, १०, हो जायँगे। अब १४ फदो वाली सलाई, जो कि पब की सलाई है, पर पब के लिये १८ सलाइयाँ, पहला फदा सदा बिना बुने सरकाते हुए, सीधी बुनो। ऊन तोड़ लो और पब के दाहिनी ओर के १० फदों में जोड़ लो और उन्हें सीधा बुनो। अब पब की ढाल [पब की १८ सलाइयों की ऊँचाई] पर से ९ फदे एक सलाई पर उठाकर इसी १० फदो वाली पहली सलाई पर बुन लो, दूसरी सलाई पर बीच के १४ फदे बुनो और तीसरी पर पब की दूसरी ओर की ढाल पर से ९ फदे उठाकर बुनो तथा बाईं ओर के १० फदे

बुनो। इस प्रकार तीनो सलाइयो पर क्रम से १९,१४,१९ फदे होगये। अब इन सब फदों पर अर्थात् तीनो सलाइयो पर ६ सलाइयाँ सीधी बुनो (पहली सलाई से तीसरी तक बुनो यह एक सलाई हुई फिर तीसरी से वापिस लौट कर पहली तक बुनो तब दूसरी पूरी हुई) एडी पर अर्थात् पहली और तीसरी सलाई के दोनो किनारों पर एक एक फदा घटाते हुए और बीच की सलाई के ठीक मध्य में २ जोडे बुनकर २ फदे घटाते हुए ५ सलाइयाँ और बुनो फिर बुटकर उतार लो ठीक इसी प्रकार दूसरी टाँग बुन कर तैयार करो।

पैर के नीचे की तथा एडी और टाँगों की सीवन सी लो तब दोनो टुकड़ों के आगे पाछे की सीवन आपस में जोड लो।

अब चीज के अगली ओर के ऊपर के किनारे (अर्थात् फलियों वाले किनारे) के ऊपर से ३० फदे (बाँई ओर की १५ फलियों के ऊपर के) एक सलाई पर उठाओ। एक दूसरी सलाई पर आगे की पट्टी के लिए ६ फदे नये चढालो और इसी सलाई पर (अर्थात् इन ६ फदों को सलाई पर) लिए हुए बीच की सीवन से शुरू करके किनारे पर से उठाये हुए ३० फदो को सीधा बुन लो, सलाई पर कुल ३६ फदे हो गये। २½ इंच तक इन्हीं फदों पर सीधी बुनाई बुनो। अब बाँह के छेद की काट के लिए बगल के किनारे पर ३ फदे बुट कर उतार दो और शेष ३३ फदों पर २ इंच और बुनो। तब आगे की पट्टी वाले किनारे (अर्थात् गले के किनारे) पर गले के लिए १९ फदे बुट कर उतार दो शेष १४ फदो पर ४ सलाइयाँ और बुनो। अब सब को बुट कर उतार दो या पीछे के कधे के फदो के साथ सीने के लिये फदों को एक सलाई पर ही छोड दो।

दूसरे आगे के लिए इसी प्रकार बीच की सीवन से शुरू करके दाहिनी ओर की १५फलियों पर के ३० फदों को उठाकर सीधे बुनो और पहले आगे की भाँति सारा बुनलो। पर इसमें पट्टी के लिए ६फदे नये नहीं बुने जायँगे, अत गले के किनारे पर १९ के बदले १३फदे ही बुट कर उतारे जायँगे।

पीछा—पीठ के लिए पायजामे के पिछली ओर के ऊपर के किनारे पर से ६० फदे (३० फलियों पर से) उठा लो और २½ इंच तक बुनो (बुनाई सब जगह सीधी ही हो)। तब दोनों बाँहो के छेदों की काट के लिए दोनों किनारो पर के अर्थात् अगली दोनों सलाइयों के शुरू में तीन तीन फदे बुट कर उतार दो और शेष ५४ फदों को ३½ इंच तक और बुनो। फिर गले के लिए बीच के २६ फदों (दोनों ओर के कधों के १४, १४ फदे छोड़कर) को बुट कर उतार दो अब यदि आगे के कधों के फदे सलाई पर सीने के लिए रखे हुए हैं, तो इन्हें भी उनके साथ सी लो और यदि वह बुट कर उतार दिए हों तो इन्हें भी २६ फदों के साथ ही अर्थात् सारी सलाई को एक साथ बुट कर उतार लो और सुई से आपस में जोड़ लो।

बाँहें—जब आगे पीछे के कंधे जुड़ जाएँ तो बाँह के छेद पर से ४० फंदे एक सलाई पर उठाओ और ४ इंच तक सीधी बुनाई बुनो।

अगली सलाई—❀ २ सी०, २ उ० सी० ❀ चिह्न से सलाई के अन्त तक दुहराओ। अब अगली १२ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदोंवाली फलियों की बुनो। तब १८सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो और बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैय्यार करो।

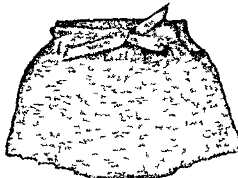
कनटोपा—आगे के गले के किनारे पर दोनों ओर दो दो इंच जगह छोड़ कर शेष सारे किनारे पर से, अर्थात् कंधे के आगे से एक ओर से शुरू करते हुए दूसरे कंधे के आगे तक सारे पिछले गले पर से, एक सलाई पर ४१ फंदे टोपे के लिए उठा लो और दूसरी सलाई से सीधा बुनो।

अगली सलाई—हर फंदे में एक फंदा आगे एक पीछे बुनकर फंदे बढ़ा कर ८२ करलो और ५½ इंच तक बिना घटाये बढाये सीधी बुनाई बुनो अब बुट कर उतार लो।

सीकर तैयार करना—टोपे की लम्बाई को (आखिरी सलाई पर जहाँ फंदे बुट कर उतारे गये हैं उसको) दुहरा करके अर्थात् ठीक बीच से मोड़ कर किनारे से चोटी तक सी लो। बाँह के नीचे और बगलों को भी सीलो। कुरती के अगले खुले हिस्से में (चित्र में जहाँ बटन लगे हैं) दाहिनी ओर को क्रोशिये से दुहरे फंदे की (चित्र स० ३३ की तरह) एक लाइन बटनों के लिए ठीक बीच में नाप कर चित्र स० ३१की तरह बुन कर दो छेद बनाते हुए बुन लो। अब बाईं ओर पट्टी पर दो बटन टाँक दो। सब सीवनों को अंदर की ओर दबा कर इस्तिरी करलो। गले पर और टोपे में आगे की ओर बुनाई में पतला फीता डाल दो। फीता डालते समय माथे पर एक फूल बना दो।

खूबसूरत निकर

आवश्यक सामान
१½ औंस
तीन तार की ऊन
१ जोड़ा
९न०की सलाइयाँ
१ गज़ फीता



नाप
कमर से
निचले किनारे तक
निकर की
लम्बाई
६½ इंच

चि० स० ४८

७० फंदे चढ़ा कर कमर से शुरू करो और पहली ४ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों की फलियों में बुनो, अब फीते के लिए छेद बनाओ।

५वीं सलाई—* ४ फंदे फलियोंदार, १ न०, २ इ० बुनो * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

अगली ८ सलाइयाँ फिर फलियोंदार बुनो तब पीठ की शक्ल बननी शुरू होगी।

अगली सलाई—सब फंदे सीधे बुनती जाओ, अन्त में जब १२ रह जाएँ तब उन्हें बिना बुने छोड़ कर चीज़ को उल्टा लो।

अगली सलाई—उल्ट कर पहला फंदा बिना बुने दाहिनी सलाई पर ले लो और इधर भी अन्तिम १२ को बिना बुने छोड़ कर शेष सब सीधे बुनो। अब चीज़ को उल्टा लो।

अगली सलाई—उलटा कर पहला फंदा सरकाओ चीज के अन्तिम १६ फंदों को बिना बुने छोड़ कर शेष सब सीधे बुनो, अब चीज को उलटा लो।

अगली सलाई—उलटा कर पहला फंदा सरकाओ और अन्तिम १६ फंदे बिना बुने छोड़ कर शेष सब सीधे बुनो चीज को उल्टाओ।

अगली सलाई—उलटा कर पहला फंदा सरकाओ, अन्तिम २० को बिना बुने छोड़ कर शेष सब सीधे, उल्टाओ।

अगली सलाई—उलटा कर पहला फंदा सरकाओ अन्तिम २० को बिना बुने छोड़ कर शेष सब सीधे, उल्टाओ। अब इसी प्रकार हर सलाई के अन्त में ४ फंदे कम बुनते हुए बुनाई को जारी रखो और जब बीच में केवल १६ बुने हुए रह जाएँ शेष सब इधर उधर बिना बुने फंदों में आजायँ तब इस प्रकार बुनना बंद करके सब फंदों को एक ही सलाई पर बुनलो (बुनाई सदा सीधी ही रहे) अब ७ सलाइयाँ बिना घटाये बढ़ाये सारी सीधी बुनो। तब हर आठवीं सलाई पर दोनों ओर एक-एक फंदा बढ़ाना शुरू करो जब तक कि फंदे बढ़ कर ८४ न हो जाएँ।

अब अगली १० सलाइयों पर—हर सलाई के शुरू में ६ फंदे बुनकर उतार लो। इस प्रकार चीज के दोनों ओर ३०,३० फंदे घट जाने से बीच में केवल २४ फंदे रह जायँगे। इन २४ फंदों पर २ सलाइयाँ और सीधी बुनो यह आधी निकर अर्थात् पिछली ओर की निकर हो गई। अब यहाँ से निकर का अगला हिस्सा शुरू होता है।

अगली १० सलाइयों के शुरू में हर सलाई पर ६ फंदे नये चढ़ाती जाओ इस प्रकार जो पिछले किनारों पर ३०,३० घटाये थे, यहाँ बढ़ जायँगे (देखो चित्र सं० ४८ में पहुँचो की जगह) इस प्रकार कुल फंदे ८४ हो जायँगे। अब घटाना शुरू करो और हर आठवीं सलाई पर दोनो ओर एक एक फंदा घटाओ जब तक कि ७० न रह जाएँ (जैसे पीठ में बढ़ाये थे वैसे ही यहाँ घटाये जाते हैं)।

अब ७ सलाइयाँ सीधी बुनो। अगली ८ सलाइयाँ २सी०, २उ०, फदो की फलियो में बुनो अब फीते के लिए छेद बनाओ।

अगली सलाई—❀ ४ फदे फलियों में १ ब०, २ इ० (इ० के साथ सीधा या उल्टा नही लिखा फलियोंदार बुनाई ठीक रखने के लिए जहाँ जैसी जरूरत पड़े बुनलो) ❀चिह्न से अत तक दोहराओ। अब अगली ४ सलाइयाँ फिर फलियोदार बुनो। अब चित्र स० ११ की तरह ढीला ढीला बुटकर उतार लो।

सीकर तैयार करना—दोनों ओर जघाओं की सीवन सील्गे और उन पर भीतर की ओर दबा कर इस्तिरी कर दो और छेदों में फीता डाल दो।

सादी किन्तु सुन्दर निकर

आवश्यक सामान

१½ औंस

तीन तार की ऊन

१जोड़ा

९न०की सलाइयाँ

१ गज़ फीता



नाप

कमर के

निचले किनारे तक

की लम्बाई

१०½ इच

घेरा२० इच

चि० स० ४९

१४० फदे चढाकर कमर से बुनना शुरू करो और ५ सलाइयो तक २ सी०, २ उ०, फदों की फलियों में बुनो। अब फीता डालने के लिए निम्न प्रकार से छेद बनाओ।

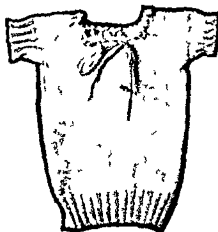
६ ठी सलाई—❀ ४ फदे फलियो में, १ ब०, २ इ० ❀ चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अगली १० सलाइयाँ २ सी०, २ उ० की फलियो में बुनो। अब गुलबन्द की बुनाई (एक सलाई सीधी दूसरी उलटी) हर दूसरी सलाई पर दोनों ओर एक एक फदा घटाते हुए बुनो—अर्थात् १ सलाई पर दोनो ओर एक एक फदा घटाओ फिर दूसरी सलाई बीच में बिना फदे घटाये बुन कर तीसरी पर फिर फदे घटाओ। इस प्रकार अन्त तक घटाती जाओ जब अन्त में सलाई के सब फदे खतम हो जावे, केवल १ फदा रह जावे तब पक्का करके ऊन तोड लो अर्थात् ऊन को तोड कर बचे हुए एक फदे में से निकाल कर खीच लो।

सीकर तैय्यार करना—सीने से पहले सीधी तरफ से उलटी तरफ को खूब दबाकर इस्तिरी करो। अब

कमर पर फलियो को आपस में जोड़ लो—अर्थात् फलियो की सीवन को सी लो जिससे फलियों का गोल सा घेरा बन जावे। तब चीज की निचली नोक को उठाकर तथा मोड़ कर फलियो की सीवन जहाँ खतम होती है वहाँ तक लाओ (देखो निकर का चित्र) और नोक को दोनों ओर चार इच तक किनारों से जोड लो बाकी हिस्सा पहुँचों के लिये छोड़ दो। इन पहुँचों पर किरोशिये से इस प्रकार बेल बनाओ—ऊन को बुनाई के साथ जोड़ लो अब तीन चेन बनाकर दो पूरी डडी, और एक दुहरा फदा पहले फदे में बुनो तब दूसरा फदा यूही छोडकर तीन चेन बनाकर तीसरे फदे में दो पूरी डडी तथा एक दुहरा फदा बुनो इसी प्रकार हर तीसरे फदे में पूरे घेरे तक तीन चेन बनाकर दो पूरी डडी और एक दुहरा फदा बुनती जाओ। अन्त मे पहुँचा समाप्त हो जाने पर ऊन तोड लो और दूसरे पहुँचे में जोड़कर इसी तरह बुनलो। अन्त में फिर एक बार इस्तिरी करके कमर के छेदो में फीता डाल दो। किरोशिये के लिए पृष्ठ स० २१ पर किरोशिये की प्रारम्भिक विधि देखो।

छोटे बच्चे की सबसे सुगम बनियाइन

आवश्यक सामान
१½ औंस
के लगभग



तीन तार की ऊन
११४० की
२सलाइयाँ
१½ गज़ फीता

चि० स० ५०

५६ फदे चढाकर आगे के निचले किनारे से शुरू करो और २ सी०, २ उ०, फदों वाली फलियोदार १६ सलाइयाँ बुनो। अब ८½ इच तक गुलबन्द की बुनाई (चित्र स० १४ की भाँति) बुनो। फिर गले के लिए इस प्रकार फदे बाटो—चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर करके १६ फदे सीधे बुनो अगले २४ बुट कर उतार दो। फिर शेष १६ सीधे बुनो। अब केवल इन आखिरी १६ फदों को ३½ इच तक इसी बुनाई में बुनकर फदों को इसी सलाई पर पड़ा रहने दो और ऊन को आखिरी फदे में से निकाल कर तोड़ लो तथा दूसरे कधे के १६ फदों में जोड़कर ३½ इच तक बुनो। अब इसी सलाई पर गले के किनारे की ओर २४ फदे (जो आगे में गले के लिए बुट कर उतारे

गये थे, पीछे में गले के लिए) नये चढ़ाओ और पहले वाले के १६ फंदों को भी इसी सलाई पर ले लो, सब मिला कर फिर ९६ फंदे होगये। इन पर आगे की तरह ८½ इंच तक पीछा बुनो फिर १६ सलाइयाँ फलियों वाली बुनो। अब ढीला-ढीला बुट कर उतार दो।

बाँह—आगे पीछे को मोड़कर अर्थात् निचले किनारे से किनारा मिला कर आधा-आधा करो और ऊपर से गले की ओर से ३ इंच नापो अर्थात् ३ इंच आगे और ३ इंच पीछे को नाप कर वहाँ से बाँह के लिए ४४ फंदे सलाई पर उठाओ और १२ सलाइयाँ २ सी० २ उ० फंदो वाली फलियों की, ३री, ६ठी और ९वीं सलाई के दोनों ओर एक एक फंदा घटाते हुए बुनो। अब ढीला-ढीला बुट कर उतार लो।

सी कर तैयार करना—सीधी ओर से उल्टी ओर को दबा कर इस्तिरी करलो और बाँह के नीचे की तथा बगलों की सीवन सी लो। अब गले के चारों ओर फीता डालने के लिए निम्न लिखित ढंग से किनारा बनाओ।

किनारा—गले के किनारे पर क्रोशिया डालकर ऊन जोड़ लो और ३ चेन बनाकर* २ फंदे सलाइयों की बुनाई के बीच में छोड़ कर तीसरे फंदे में एक पूरी डंडी बनाओ, फिर २ चेन * चिह्न से बार बार पूरे घेरे तक दोहराओ।

दूसरा घेरा—पिछले घेरे के हर छेद में १ दुहरा फंदा, ३ चेन, १ दुहरा फंदा बुनो और पूरे घेरे तक ठीक इसी प्रकार बुनकर अन्त में पक्का करके ऊन तोड़ लो तथा छेदों वाले पहले घेरे में फीता डाल दो। बनियाइन तैयार हो गई।

सुन्दर लेसदार सूट के साथ के दस्ताने और बूट

आवश्यक सामान—१½ औंस के लगभग तीन तार की ऊन, ११ नं० की २ सलाइयां ¾ गज फीता।

दस्ताने—४३ फंदे चढ़ाकर लेसदार हिस्से से बुनना शुरू करो और पहली तीन सलाइयाँ सारी सीधी बुनो। अब लेस का नमूना शुरू होगा।

४थी सलाई—२ सी०, १ब०, ३सी० ❀ १स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, ३ सी०, १ब०, १ सी०, १ ब०, ३ सी०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ फंदे रह जाएँ तब १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, ३ सी०, १ ब०, २ सी०।

५वी सलाई—सारी उलटी।

६ठी सलाई—*२ सी०, १ ब०, २ सी०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, १ ब० * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्तिम २ सीधे बुनो।

७वी सलाई—सारी उल्टी।

८वीं सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, * १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त मे जब ८ फंदे रह जॉय तब १ स०, २ इ० सी, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, १ सी० ।

९वी सलाई—सारी उल्टी ।

१०वीं सलाई—१ सी०, १ब०, १सी०, १ब०, १स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ ब०, * १स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ब०, १सी०, १ ब०, १सी०,१ स० २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ सी०, १ब०, १सी०, १ब०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ फंदे रह जायँ तब १ स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो,१ब०,१स०, २इ०सी०,स०फ० इस पर डालो,१ब०,१ सी०,१ब०, १सी०

११वीं सलाई—सारी उल्टी । पिछली ८ सलाइयों से लेस का एक नमूना अर्थात् एक फूल बनता है । अत इन अन्तिम ८ सलाइयो को एक बार फिर दोहराओ । जिससे २ नमूने बन जायँ । अब गुद्धबन्द की बुनाई (एक सलाई सीधी एक उल्टी) २२ सलाइयो तक बुन कर दस्तानो की काट निम्न प्रकार से शुरू करो—

काट (Shape) की पहली सलाई—चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर करके ४ सी०, २ इ० सी०, * ६सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अन्त तक बार-बार दोहराओ पर अन्त में ५ सीधे हो।

२री सलाई—८वीं सलाई तक सम सख्या की सब सलाइयॉ उलटी बुनो ।

३री सलाई—४सी०,२इ०सी०, ❋५ सी०, २इ०सी०, ❋ चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में ४सीधे हो

५वी सलाई—❋ ४ सी०, २ इ० सी०, ❋ चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त में ३ सीधे हो ।

७वी सलाई—❋ ३ सी०, २ इ० सी०, ❋ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में ३ सीधे हों ।

९वी सलाई—२सी०, २ इ०सी०,❋२ सी०,२ इ०सी०, ❋ चिह्न से बार बार दोहराओ,अंत में २सीधे।

१०वी सलाई—सारी उल्टी बुनकर कुछ लम्बा डोरा छोड़कर ऊन तोड लो और उस डोरे को इन फदो में से निकाल कर खीच लो और पक्का करके तोड़ लो। अब दस्ताने का सीवन सी लो और लेस के छेदो में फीता आधा काट कर डाल दो। इसी प्रकार दूसरा दस्ताना तैयार करलो और फीते का दूसरा टुकड़ा उसमे डाल दो। बच्चे को पहनाने के बाद फीते का फूल बनाकर बाँध दिया करो ।

सुंदर लेसदार बूट



४३ फंदे चढ़ाकर ऊपर से [illegible] बुनो। अब गुड़नन्द की बुनाई (१ मलाई सीधी १ [illegible]) शुरू करो। इस बुनाई की १८ सला-इयाँ बुनो। अनिम अर्थात् १८वीं [illegible], अब ४२ फंदे रहे।

में बिना घटाये बढ़ाये (अर्थात बिना घटाये बढ़ाये) ८ सलाइयां बुनो, तब दोनों सलाइयों के दोनों किनारों पर प्रत्येक सलाई में एक एक फंदा घटाते हुए (इस प्रकार एक फेर में ४ फंदे घटेंगे) ४ सलाइयाँ बुनो। अब बुन कर उतार लो।

सीकर तैयार करना—बड़ी सफाई से पैर के नीचे से टाँग तक की सीवन सी लो और लेग के छेदों में फीता डाल दो।

एक बार जब इस लेस का नमूना याद हो जायगा तब बच्चों का यह प्यारा सूट बनाना बहुत ही सुगम हो जायगा। यदि बुनने का अच्छा अभ्यास न हो तो पहले थोड़े से फंदे डालकर यह नमूना बुन कर देख लो या दस्ताने और बूट पहले बना लो तब फ्रॉक या कोट आदि बनाओ।

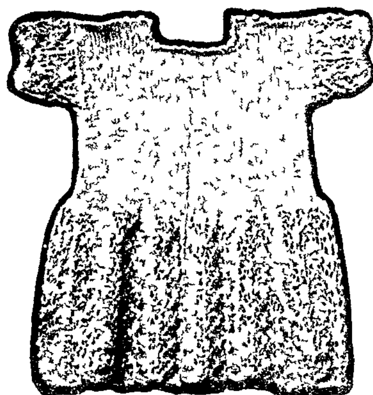


चित्र सं० १२

यह सारा सूट एक ही रंग की ऊन से बनाया जावे तो बहुत उत्तम मालूम होता है। हलके नीले, प्याजी या मोतिये रंग का सूट बहुत खिलता है। सफेद रंग भी अच्छा लगता है पर मोतिये रंग का सफाई से बनाया हुआ सूट गोरे रंग के बच्चों को बहुत ही सुन्दर मालूम होता है।

सूट के साथ का लेसदार फ्रॉक

आवश्यक सामान
२ या २½ औंस
तीन तार की ऊन,
९ न० की
२ सलाइयाँ,
६ छोटे गोल बटन
१ मोटा ऊन बुनने
का किरोशिया



नाप
कंधे से लेकर
निचले किनारे तक
लंबाई
१४ इंच
गले से किनारे तक
बाहें ५ इंच
नीचे के घेरे की
चौड़ाई अर्थात
घूम ३६ इंच

चि० स० ५३

पीछा—१३३ फंदे चढ़ाकर निचले किनारे से शुरू करो और पहली तीन सलाइयाँ सारी सीधी बुनो। अब दस्ताने वाली लेस को बुनना शुरू करो। १३३ फंदों में लेसके १३ कटाव (या फूल) बनेंगे। बूट और दस्ताने मे जैसे दो नमूने बुने थे वैसे यहाँ ७ नमूने बुनो (५९ सलाइयाँ हो जायँगी) अब चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर सारी सलाई में २ इ० सी० अर्थात जोड़े जोड़े बुनती जाओ अन्तिम १ सीधा (६७ फंदे)। अब इन ६७ फंदों पर ६½ इंच तक गुलबन्द की बुनाई बुनो।

अगली सलाई—चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर २२ सीधे बुनो, अगले २३ बुट कर उतार दो और शेष २२ सीधे बुनो। अब इन अन्तिम २२ पर बुनना जारी रखो और १२ सलाइयाँ (इसी बुनाई में) बुनो, तब बुट कर उतार दो। अब ऊन को दूसरी ओर के कंधे के फंदों में गले के किनारे पर जोड़ लो और १२ सलाइयाँ बुनो, तब बुट कर उतार दो। इस प्रकार पीछा पूरा होगया, अब आगा भी इसी प्रकार बुन कर तैयार करो।

बाँहें—४३ फंदे चढ़ाकर बाँहों के निचले किनारे से शुरू करो। पहली ३ सलाइयाँ सारी सीधी बुनो, अब २ नमूने रेसमें बुनो, फिर १ सलाई सीधी बुनकर बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

सी कर तैयार करना—आगे पीठ के कंधों को हरेक का ½ इंच एक के ऊपर दूसरे को रखकर २ इंच तक इकट्ठा सी लो, शेष हिस्सा बिना सिले छोड़ दो। इस बिना सिले हिस्से पर निचले कंधे पर ३ बटन टाँक दो और एक ऊपर वाले कंधे पर क्रोशिये से चेन के ३ छेद बना दो। इसी प्रकार दूसरी ओर के कंधे को जोड़ लो। अब बाँहें लगा कर बाँह के नीचे और बगलों की सीवन सी लो।

खाली गुलूबन्द की बुनाई वाले हिस्से पर इस्त्री करलो और गले के किनारे पर क्रोशिये से यह किनारा बनालो। बुनाई में ऊन को जोड कर—१ दुहरा फंदा, ३ चेन, और १ पूरी डंडी—हर तीसरे फंदे में बनाते हुए गले में पूरे घेरे तक बुन कर तागा पक्का करके तोड लो।

सूट के साथ की निकर

आवश्यक सामान
१½ औंस
तीन तार वाली
ऊन, एक जोड़ा
९न० की
सलाइयाँ,
½ गज़ फीता



नाप
कमर से
निचले किनारे तक
निकर की लम्बाई
९½ इंच

चि० सं० ५४

पीछा—७४ फंदे चढ़ाकर कमर की पिछली तह शुरू करो और ६ सलाइयों तक २ सी०, २ उ० की फलियों में बुनो। अब अगली सलाई में लचकीले (Elastic) फीते के लिए छेद बनाओ।

७वीं सलाई—* ४ सी०, १ ब०, २ इ० सी० * चिह्न से सलाई के अन्त तक दोहराओ।

अगली ६ सलाइयाँ फिर २ सी०, २ उ० की फलियों में बुनो। अब पीठ की शकल शुरू होगी।

१४वीं सलाई—सलाई के अन्तिम १० फंदों को बिना बुने छोड कर शेष सब (६४ फ०) सीधे बुनो अब चीज को उल्टाओ। उल्टाने के बाद सदा पहला फंदा बिना बुने दाहिनी सलाई पर ले लिया करो (सरका लिया करो) तब अगली सलाई बुना करो।

१५वीं सलाई—अन्तिम १० फदों को छोड़कर शेष सब (अर्थात् बीच के ५४ फदो) को उल्टा बुनो, चीज को उल्टाओ।

१६वीं सलाई—अन्तिम १४ फदो को छोड़कर शेष सब (बीच के ५० फदो) को सीधा बुनो, चीज को उल्टाओ।

१७वीं सलाई—अन्तिम १४ फदों को छोड दो, शेष सब (बीच के ४६) को उल्टा बुनो, चीज को उल्टाओ।

१८वीं सलाई—अन्तिम १८ फदों को छोड दो, शेष सब (बीच के ४२) सीधे बुनो, उल्टाओ।

१९वीं सलाई—अन्तिम १८ फदों को छोड़ दो, शेष सब (बीच के ३८) उलटे बुनो, उल्टाओ।

इसी प्रकार बुनाई जारी रखो और हर सलाई के अन्त में ४ फदे कम बुनते हुए बुनती जाओ जब तक कि काम के बीच (Centre) में केवल १४ फदे बुने हुए न रह जायँ। अब सब फदो (कुल ७४ फदो) को एक ही सलाई में बुनलो और इसी गुद्दबन्द की बुनाई (१ सलाई सीधी १ उल्टी) में ही हर आठवी सलाई मे दोनों ओर किनारों पर एक एक फदा बढ़ाती हुई बुनती जाओ जब तक कि फदे बढकर ८६ न हो जायँ। अगली १२ सलाइयों के प्रारम्भ में हर सलाई में ६ फदे बुट कर उतारती जाओ। ठीक बीच मे केवल १४ फदे रह जायँगे। इन १४ फदो पर २ सलाइयाँ और बुनो। अब ठीक आधी निकर अर्थात् निकर का पिछला हिस्सा कमर से निचले किनारे तक बन गया, यहीं से निकर का अगला हिस्सा शुरू होगा।

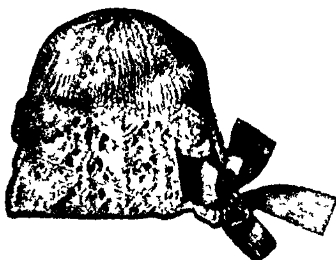
इन १४ फदो पर २ सलाइयाँ बुनने के बाद १२ सलाइयों तक हर सलाई के आरम्भ में ६ फदे नये चढ़ा लो (जो पिछली ओर पहुँचो के लिए घटाये थे वही अगले हिस्से में बढाये जायँगे अत फिर ८६ फदे हो जायँगे)। अब सलाई के दोनो ओर किनारो पर एक एक फदा हर आठवी सलाई पर घटाती जाओ और जब ७४ फदे रह जायँ तब घटाना बद कर दो और ६ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० की फलियों की बुनो। अब फीते के लिए इस प्रकार छेद बनाओ—* ४ सी०, १ ब०, २ इ० सी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अब ६ सलाइयाँ फिर फलियोवाली बुनो, तब बुट कर उतार लो।

पहुँचों में लगाने की लेस—८३ फदे चढाकर ३ सलाइयाँ सीधी बुनकर दस्ताने की भाँति लेस की ८ सलाइयाँ (एक नमूना) बुनो और ढीला ढाला बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरे पहुँचे के लिए इतनी ही लेस तैयार करो।

सी कर तैयार करना—निकर की दोनों ओर की सीवन सी लो (अर्थात आगे पीछे को जोड लो) और दोनों पहुँचो पर लेस टाँक लो। अब इस्तिरी करलो। फिर कमर पर छेदों में फीता डाल दो।

सूट के साथ का लेसदार टोपा

आवश्यक सामान
१ औंस
तीन तार की ऊन



१ जोड़ा
९ न की सलाइयाँ,
१½ गज़ चौड़ा
रेशमी फीता

चि० सं० ५५

फूल बंध जाने पर यह टोपी कितनी सुन्दर लग रही है

८२ फंदे चढ़ाकर बुनना शुरू करो। ३ सलाइयाँ सीधी बुनो, तब ३ नमूने लेस के बनाओ। अब चीज़ की उल्टी तरफ अपनी ओर करके सारी सलाई सीधी बुनो और दूसरी सारी उल्टी, इसी प्रकार गुद्दबन्द की बुनाई (१ सीधी १ उलटी क्रमश बार-बार) ४¼ इंच तक बुनती जाओ। अन्तिम सलाई के अन्तिम २ फंदे इकट्ठे बुनो जिससे ८१ फंदे हो जायँ। अब यहाँ से सीधी सलाई पर, चन्दोवे की काट (Shaping) शुरू करो।

चंदोवे की १ली सलाई—१० सी०, * २ इ० सी०, ८ सी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ अन्त में १० सीधे हो। अगली २ सलाइयाँ बिना घटाये बढ़ाये बुनो।

४थी सलाई—१० उ०, * २ इ० उ०, ७ उ० * चिह्न से बार बार अन्त तक दोहराओ, अन्त मे ९ उल्टे हों। अगली २ सलाइयाँ बिना घटाये बढाये बुनो।

७वीं सलाई—८ सी०, * २ इ० सी०, ६ सी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में १० सी० हों। अगली २ सलाइयाँ सारी बिना घटाये बढाये बुनो।

१०वीं सलाई—१० उ०, * २ इ० उ०, ५ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में ७ उ० हो। अगली २ सलाइयाँ सारी सीधी।

१३वीं सलाई—६ सी०, * २ इ० सी०, ४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में १० सीधे हो।

१४वीं सलाई—सारी उल्टी।

१५वीं सलाई—१ मी०, *२इ०मी०, ३सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ अन्त में ५मीगे हों।

१६वीं सलाई—सारी उल्टी।

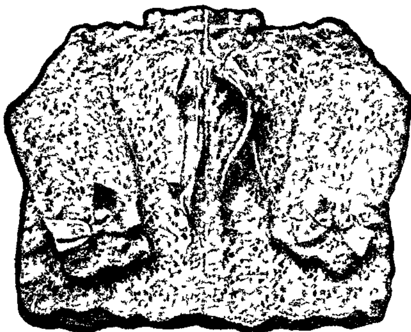
१७वीं सलाई—४ सी०, * २ इ० सी०, २ सी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ अन्त में ५ सीगे हों।

१८वीं सलाई—सारी उल्टी।

१९वीं सलाई—२ इ० सी० सारी सलाई में [अर्थात् सब जोडे जोडे बुनो] अब कुछ लंबा डोरा छोडकर ऊन तोड लो और इस डोरे को शेष बचे हुए फंदो के बीच मे से निकालो। डोरे को खींचकर पक्का करलो और फालतू डोरा तोड लो या इसी डोरे से ३ इंच तक सीवन को सी लो। अब लेसवाले हिस्से को ऊपर की ओर अर्थात् सीधी ओर मोडो और दोनो ओर फीते के फूल [टाई] बना कर सी दो।

सूट के साथ का लेसदार कोट

आवश्यक सामान
लगभग २ औंस
३ तार की ऊन,
१ जोडा
९न०की सलाइयाँ
२½ गज़ फीता
बीच के साइज़ का
मोटा क्रिरोशिया



नाप
कंधे से
निचले किनारे तक
१०½ इंच
बाहों की लम्बाई
७ इंच
कोट का घेरा
चारो ओर का
२९½ इंच

चि० स० ५६

पीठ—पीठे के निचले किनारे से ८३ फंदे चढाकर शुरू करो और पहली ३ सलाइयाँ सीधी बुनो अब बेल शुरू करो।

बेल—२ सी०, १ ब०, ३ सी० * १ स०, २ इ० सी०, सरकाया फंदा इस पर डालो, ३ सी०, १ब०, १मी०, १ ब०, ३सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अन्तिम ८ फन्दो को इस

प्रकार बुनो १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, ३ सी०,१ ब०, २ सी०।

हर एक समसंख्या वाली सलाई (अर्थात २ री, ४थी, ६ठी,८वीं,) उल्टी।

३री सलाई—* २ सी०, १ ब०, २ सी०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, १ ब०, * चिह्न से चार २ दोहराओ,अन्तिम २ सीधे।

५वीं सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी० * १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ जब अन्त में ८ फदे रह जाएँ तब १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो १ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, १ सी०।

७वीं सलाई—१ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो १ ब०, * १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब० १ सी०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, १ ब०, १ सी० १ ब०, * चिह्न से दोहराओ जब अन्त में ८ फदे रह जाएँ तब १ स०, २ इ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०, २ इ० सी०, स०फ० इस प डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ सी०।

८वीं सलाई—उलटी बुनने पर बेल का एक नमूना बन गया (यही बेल दस्ताने, बूट, फ्रॉक, टोपे सब के लिए बताई गई है) इस प्रकार के १० नमूने बुन लो। १०वें नमूने की ८वीं सलाई मे शुरू के २३ उलटे बुनो, फिर बीच के ३७ बुटकर उतार दो फिर शेष २३ उलटे बुनो। अब कधे के लिए जो दोनो ओर फदे छोड़े है उन्हें किसी और सलाई पर चढ़ा कर सीने के लिए रख दो, फालतू सलाई न हो तो सारे के सारे फदे बुट कर उतार दो।

दाहिनी ओर का आगा—४७ फदे चढाकर दाहिने आगे के निचले किनारे से शुरू करो। आगे के अगली ओर के किनारे पर के पहले ४ फदे सदा सीधे, बुनो (हर सीधी सलाई के शुरू में और उलटी सलाई के अन्त में जब इन फदों पर पहुँचो तो इन्हें सीधा बुनो) शेष ४३ फदो को बेल्दार बुनो।

९ नमूने इसी प्रकार बुनो और १०वें नमूने की तीसरी सलाई पर शुरू के २४ फदे बुट कर उतार दो, शेष फदों पर ४ सलाइयाँ (नमूने की सातवीं सलाई तक) यही बेल्दार बुनो। अब बु

कर उतार दो, और यदि पीछे के कधों के फदे सीने के लिए रखे हो तो इन्हें भी सीने के लिए किसी १ सलाई पर रख दो।

बॉई ओर का आगा—*इसे भी दाहिनी ओर के आगे की भाँति बुनो पर किनारे के ४ फदे सीधी* सलाई के अन्त में सीधे और उल्टी सलाई के शुरू में सीधे (अर्थात् दाहिने आगे से ठीक उलटे) बुने जाँय और २४ फदे जो बुट कर उतारे जायेंगे वह १०वें नमूने की तीसरी सलाई के बजाय चौथी सलाई (जो कि उलटी सलाई है) के शुरू मे बुट कर, शेष बचे हुये फदों को उलटा बुनलो और इन पर बेल की शेष ३ सलाइयाँ [नमूने की सातवी सलाई पर समाप्त करते हुए] और बुनो।

बॉहें—४३ फदे चढाओ और ६ नमूने बुनो अब बुट कर उतार लो इसी प्रकार दूसरी बॉह तैयार करो।

सी कर तैय्यार करना—आगे पीछे के कधों को यदि बुट कर उतार दिया है तो इकट्ठे रख कर सीलो और अगर सीने के लिए फदे सलाइयों पर रखें हो तो पीछे के दोनों कधो के साथ आगे के दोनो कधो के फदे [आगे के ४ सीधे फदो वाले दोनो किनारो को बीच में रखकर कधे से कधा मिला लो] मिला कर (चि० स० १२) की तरह सी लो। अब बाँहों को जोडलो और फिर दोनो बगलो की सीवन सीलो।

गले के चारो ओर किरोशिये से फीता डालने के लिये इस प्रकार किनारा बनाओ—ऊन को जोड कर ९ चेन बनाओ, और * सलाई के २ बुने हुए फदे बीच मे छोडकर तीसरे फदे में एक डडी बुनो, २ चेन * चिह्न से पूरे घेरे तक बार बार दोहराओ।

अगला घेरा—पिछले घेरे के हर छेद मे १ दुहरा फदा, ३ चेन, और २ डडी बुनो। इस प्रकार सारा घेरा बुन कर पक्का करके तोड लो। अब गले के छेदों में फीता डाल दो और बाँहो के नमूने में भी फीता डालो (देखो चित्र सख्या ५६)।

रोज़ाना पहनने का सादा सुन्दर सूट

गुलूबन्द
की
बुनाई
में



बुना हुआ
सादा सुन्दर
सूट

इस सीधी बुनाई में बुने हुए ये सूट बहुत थोडा समय लेते हैं और देखने में भी सुन्दर मालूम होते हैं। ये इतने सुगम हैं कि कोई भी नयी सीखने वाली इनको आसानी से बुन सकती है।

गुलूबन्द की बुनाई का पायजामा (Overalls)

६८ फंदे चढाकर कमर से शुरू करो और ४ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदा वाली फलियों में बुनो। अब फीते के लिए इस प्रकार छेद बनाओ, ❀ ४ फंदे फलियों में, १ न०, १ इ० ❀ चिह्न से सलाई के अन्त तक दोहराओ अन्त में २ उ० फंदों पर समाप्त करो। अगली १० सलाइयाँ फलियोंदार बुनो। अब पीठ की काट (Shaping) शुरू करने के लिये इस प्रकार बुनो।

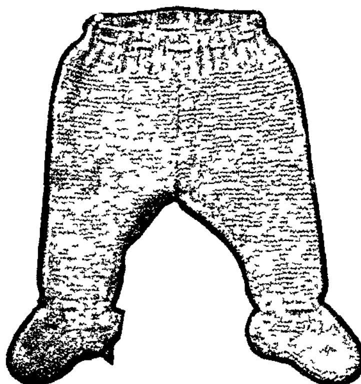
१६वीं सलाई—७ सी० बुनकर चीज को उलटालो (उलटाने के बाद पहला फंदा सदा बिना बुने सरका लिया करो—अर्थात् बिना बुने दाहिनी सलाई पर लेलिया करो। तब अगले फंदे बुना करो) अब लौट कर इन्हीं ७ फंदो को सीधा बुनो।

१८वीं सलाई—१४ सी० बुनो, चीज को उलटाओ और लौट कर इन्हा १४ फंदो को सीधा बुनो।

२०वीं सलाई—२१ सी० बुनो, चीज को उलटाओ और लौट कर इन्ही २१ फंदो को सीधा बुनो।

२२वीं सलाई—२८ सी० बुनो, चीज को उलटाओ और लौट कर इन्ही २८ फंदो को सीधा बुनो।

आवश्यक सामान
२½ औंस
४ तार की ऊन
नं० ८ की
२ सलाइयां
१ गज रेशमी
फीता
और थोड़ा सा
लचकीला फीता



माप
कमर से पैर की
उगलियों तक की
लम्बाई १५ इंच
जंघाओं के पास
की चारों ओर की
चौड़ाई २२ इंच

चि० सं० ५७

इसी प्रकार हर दूसरी सलाई पर ७ फंदे बुने हुए फंदो में बढ़ाते हुए बुनना जारी रखो और जब कि बाँई सलाई पर केवल १९ फंदे रह जायँ तब इन्हें भी दाहिनी सलाई पर बुन लो—अर्थात सारे के सारे ६८ फंदे सीधे बुन लो अब चीज के लम्बे किनारे की ओर हर आठवीं सलाई पर १ फंदा बढ़ाते हुए इसी बुनाई मे बुनती जाओ जब ६ बार फंदा बढ़ जाए और छोटे किनारे की ओर की लम्बाई ७ इंच होजाय तब बढ़ाना बन्द कर दो। अब हर दूसरी सलाई पर चीज के दोनो सिरो पर एक एक फंदा घटाती जाओ, जब तक कि फंदे घट कर ४२ न रह जायँ। अब २४ सलाइयाँ बिना घटाये बढ़ाये बुनो।

अगली सलाई—* ३ सी०, १ न०, २ इ०सी० * चिह्न से सलाई के अंत तक दोहराओ अन्त में २ सीधे फन्दे हों। अब इन फन्दों पर ६ सलाइयाँ सीधी बुनो।

यहाँ पैर के लिये फन्दे बाँटो।

१३ सी०, अब अगले १६ फन्दे भी सीधे बुनो और इन्हीं १६ पर ही २४ सीधी सलाइयाँ, हर सलाई का पहला फंदा बिना बुने सरकाते हुए, बुनो (यह पैर के ऊपर का हिस्सा पंजा बन गया) अब ऊनको तोड़ लो और जहाँ सबसे पहले १३ फदे सी० बुन कर छोड़े गये थे वहाँ जोड़ लो और एक सलाई से पंजे की ढाल पर से (इन २८ सलाइयों की ऊँचाई पर से) १२ फंदे उठाकर १३ फंदों वाली सलाई पर ही सीधे बुन लो और ८ फदे पंजे के (पंजे के १६ फंदों में से) इसी पर बुन लो कुल ३३ फदे इस सलाई पर होगये। अब दूसरी सलाई पर ८ फदे पंजे वाले बचे हुए और १२ दूसरी ओर की ढाल पर से उठाकर बुन लो तथा १३ इस ओर बिना बुने छोड़े हुए भी बुनलो, इस सलाई पर भी ३३ फदे होगए।

अब दोनो सलाइयो के सब फदो पर ८ सलाइयाँ सीधी बुनो, तब दोनो सलाइयो के दोनों किनारो पर एक एक फदा ५ सलाइयो तक घटाओ (२० फदे घट जायँगे) अब बुट कर उतार लो। इस प्रकार एक टाँग समाप्त होगई, इसी प्रकार दूसरी बुनकर तैय्यार करो।

सी कर तैयार करना—दोनो टाँगो की सीवन को इकट्ठा करके सीलो और पैरों की सीवन सी लो तथा सीवनों पर दबा कर इस्तिरी करलो। कमर के छेदो मे लचकीला फीता डालकर फीते के दोनों किनारो को इकट्ठा जोड दो तथा पैरो के छेदो मे फीता डालकर फूल बाँध दो।

सूट के साथ का कोट

आवश्यक सामान—३½ औंस ४ तार की ऊन, एक जोडा ८ न० की और एक जोडा ११ न० की सलाइयाँ। ३गोल बटन और ३स्टिच बटन और कुछ थोडी सफेद ऊन या(Bunny wool) किनारे के लिये।

नाप—कंधे से निचले किनारे तक १२ इच। बाँहें कफ सहित १०½ इच, निचले किनारे का घेरा (चौड़ाई) ३२ इच।

पीछा—८० फदे चढाकर निचले किनारे से शुरू करो और सीधी बुनाई में ही चीज़ के दोनों किनारो पर ६ बार हर दसवी सलाई पर एक एक फदा घटाते हुए बुनो। फिर घटाना बन्द कर दो और २८सलाइयाँ बिना घटाये बढ़ाये सीधी बुनो। अब बाँह के छेद की काट के लिये अगली दोनो सलाइयों के शुरू में (अर्थात् दोनो ओर) तीन तीन फदे बुटकर उतार दो अब ३½ इच फिर सीधा बुनो।

अगली सलाई—२२ सी०, अगले १८ बुट कर उतार दो, शेष २२ सीधे। इन अंतिम २२ पर ९ सलाइयाँ सीधी बुनो, तथा गले की ओर (सलाई के १८ फदे जिस ओर बुटकर उतारे थे) २५ नये चढ़ा लो और इन ४७ फदो पर सीधा सीधा बुनती जाओ जब तक कि बाँह का छेद दोनों ओर [आगे पीछे का] ८½ इंच न हो जाय। अब बाँह की काट के लिए ३ फदे (जो पीछे में बुटकर उतारे थे) बाँह के छेद की ओर वाले सिरे पर चढ़ा लो। तब २८ सलाइयाँ बिना घटाये बढाये बुनो। अब बाँह के छेद वाले किनारे की ओर हर दूसरी सलाई पर एक एक फदा करके ६ बार फदे बढ़ाओ—६ फदे बढ़ जायेंगे।

अब अंतिम १०सलाइयाँ सीधी बुनो। तब बुटकर उतार लो और ऊन को तोड़कर दूसरे कंधे के २२ फदों के साथ गले के किनारे की ओर जोड़ लो और १० सलाइयाँ सीधी बुनो। तब गले के किनारे की ओर दूसरे आगे के लिये २५ फदे नये चढ़ाओ और पहले आगे की भाँति सारा बुनकर तैयार करलो।

बाँह—१४ फदे चढ़ाओ और पहली सलाई सीधी बुनो। अब हर सलाई के शुरू में २ फदे नये चढ़ाती जाओ जब सलाई पर फदे बढ़ कर ५२ हो जावें (बुनाई सदा सीधी ही रहे) तब बिना घटाये बढ़ाये बुनती जाओ जब तक कि शुरू से बाँह की लम्बाई ७ इंच न हो जाए, अब २ सी० २ उ० फदो वाली फलियों दार १२ सलाइयाँ बुनो। तब फिर २४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की ११ न० की सलाइयों से बुनो। अब बुटकर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

कॉलर—कोट के गले पर से दोनों आगो के किनारों से दो दो इंच छोड़कर बीच के हिस्से पर से ९० फदे उठा लो और प्रत्येक सलाई के शुरू में (अर्थात् दोनो किनारो पर) एक एक फदा बढाते हुए ३ इंच तक सीधी बुनाई बुनो। अब ढीला ढीला बुटकर उतार लो।

सीकर तैय्यार करना—बाँह के छेदों में बाँह सीलो। तब बाँह के नीचे की और बगलों की सीवन सी लो अब यदि चाहो तो सीवनों को भीतर की ओर दबाते हुए इस्तिरी कर लो। कॉलर और कफो के किनारे पर सफेद ऊन से या (Bunny Wool) से दो घेरे दुहरे फदे के बुनो और दाहिनी ओर के आगे के किनारे पर भी। (देखो चित्र में जिस किनारे पर बटन दिखाई दे रहे हैं) क्रिोशिये से २ सलाइयाँ दुहरे फदे की बीच में ठीक ठीक नाप कर एक सी जगह छोड़ते हुए ३ बटनों के लिए चेन से ३ छेद बनाते हुए बुनो। अब बाँयें आगे पर नाप कर ठीक जगह पर तीनो बटन टाँक दो जो दायें आगे के छेदो में ठीक बैठें। तब बाँयें आगे के गले पर और बीच में अन्दर को स्टिच बटन टाँक दो जिससे कि बाँए आगे का जो हिस्सा भीतर दबता है उसमें बल न पड़े और वह आगे को न लटके।

फूल के साथ की टोपी

आवश्यक सामान—१ औंस के लगभग ४ तार की ऊन। एक जोड़ा ८ नं० की सलाइयाँ और थोड़ी सी सफेद ऊन या (Bunny Wool)

७२ फंदे चढ़ाकर शुरू करो और ४½ इंच सीधी बुनाई में बुनो। अब घटोती का काम शुरू होगी।

१ली सलाई—६ सीधे, * २ इ० सी०, ८ सी०, * चिह्न से सलाई के अन्त तक दोहराओ, अन्त में ६ सीधे फंदों पर समाप्त करो (६६ फंदे रह जायेंगे)। अगली २ सलाइयाँ सारी सीधी।

४थी सलाई—६ सी० * २ इ० सी०, ७ सी०, चिह्न से सलाई के अंत तक दोहराओ, अन्त में ९ सी०, होंगे। (६० फंदे)

अगली २ सलाइयाँ—सारी सीधी।

७वीं सलाई—५ सी०, * २ इ० सी०, ६ सी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अंत में ९ सीधे होंगे। (९३ फंदे)

अगली दोनो सलाइयाँ—सारी सीधी।

१०वीं सलाई—* ५ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ, अन्त में ४ सीधे। (४६ फंदे)

अगली दोनों सलाइयाँ—सारी सीधी।

१३वी सलाई—* ४ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। (३९ फंदे)

अगली दोनो सलाइयाँ—सारी सीधी।

१६वी सलाई—४ सी०, * २ इ० सी० ३ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। (३२ फंदे)

अगली सलाई—सारी सीधी।

१८वी सलाई—४ सी०, * २ इ० सी०, २ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। (२५ फंदे)

१९वीं सलाई—सारी सीधी।

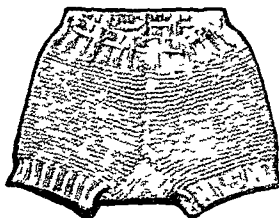
कुछ लंबा डोरा छोड़कर ऊन तोड़ लो और इस डोरे को सब फंदों में से निकालो (अर्थात् फंदे डोरे में पिरोलो) अब डोरे को खींच कर पक्का कर लो और किनारों को इकट्ठा सीलो।

पट्टी (Band) टोपे पर लगाने को—सलाई पर २ फंदे चढाकर एक सलाई सीधी बुनो, अब प्रत्येक सलाई के शुरू में एक फंदा दूसरे फंदे में आगे और पीछे बुनकर बढाते हुए सारी सीधी सलाइयाँ बुनो। जब फंदे बढकर १६ हो जायँ तब बढाना बंद कर दो और ६८ सलाइयाँ सीधी बुनो। अब हर सलाई के शुरू मे २रे और ३रे फंदे को इकट्ठा बुनकर फंदे घटाना शुरू करो जब तक सलाई पर केवल २ फंदे न रह जायँ घटाती जाओ, (बुनाई सदा सीधी ही रहे) अब दो फंदों को बुटकर उतार लो। ठीक इसी प्रकार एक दूसरा टुकड़ा बुनकर तैयार करो।

सीकर तैयार करना—अब दोनों पट्टियो की नोकों को मिला कर सफेद ऊन से क्रोशिये द्वारा दुहरा फंदा बुनते हुए तिकोने हिस्से तक दोनो पट्टियो को इकट्ठा जोडो। फिर केवल एक पट्टी के एक ओर के किनारे पर दुहरा फंदा बुनते हुए जब पट्टी के अंत में पहुँच जाओ तब दूसरी ओर के तिकोने हिस्सो को इकट्ठा जोड़ कर उस पर भी दुहरा फंदा बुन लो। किनारे पर पहुँच कर ऊन तोड दो और दूसरी पट्टी के किनारे पर जोड कर इस किनारे पर दुहरा फंदा बुन लो। अब निचले सादे किनारे को टोपी के निचले किनारे से सीलो और जरूरत हो तो लोहे से निचली ओर को दबा कर इस्तिरी कर लो।

सीधी बुनाई में एक खूबसूरत सादी निकर

यह छोटी निकर फ्रॉक के नीचे पहनने के लिए



बहुत अच्छी, आरामदायक और बहुत ही सुगम है

चि०सं० ५९

आवश्यक सामान—१½ औंस ४ तार की ऊन, १ जोडा ८ नं० की सलाइयाँ, कमर के लिए लचकीला फीता।

नाप—कमर से निचले किनारे तक लम्बाई ८ इंच।

६६ फंदे चढाकर पहली ४ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियोदार बुनो, अब फीते के लिए छेद बनाओ।

अगली सलाई—* ४ फंदे फलियोदार, १ न०, २ इ० बुनो, * चिह्न से सलाई के अंत तक दोहराओ। अब अगली ८ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियोदार बुनो। तब पीठ की काट शुरू करो।

अगली सलाई—६ सी०, चीज को उलटाओ (उलटाने के बाद सदा पहला फंदा बिना बुने दाहिनी सलाई पर सरका लो) लौट कर इन्हीं ६ फंदों पर फिर सीधा बुनो।

अगली सलाई—१२ सी०, उलटाओ, लौट कर इन्हीं १२ को फिर सीधा बुनो।

अगली सलाई—१८ सी०, उलटाओ, लौट कर इन्हीं १८ को फिर सीधा बुनो।

अगली सलाई—२४ सी०, उलटाओ, लौट कर इन्हीं २४ को फिर सीधा बुनो।

इसी प्रकार हर दूसरी सलाई पर ६ फंदे अधिक बुनती जाओ। जब तक कि बाई सलाई पर केवल १८ फंदे बिना बुने न रह जाँय। तब कुल फंदो को एक ही सलाई पर सीधा बुन लो। अब हर छठी सलाई पर इसी लंबे किनारे की ओर शुरू में एक फंदा बढ़ाते हुए इसी बुनाई में बुनती जाओ जब तक कि फंदे बढ़कर ७२ न हो जाँय। इन फंदों पर सीधी बुनाई तब तक बुनो, जब तक कि छोटे किनारे की लंबाई शुरू से ७ इंच न हो जाय। अब अन्तिम १० सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियोदार बुनो। फिर ढीला ढीला बुट कर उतार लो। यह एक टाँग पूरी हो गई। इसी प्रकार दूसरी टाँग बनाओ।

मियानी या आसन (Gusset)—१६ फंदे चढाओ और इसी बुनाई मे बुनती जाओ जब चौकोन टुकड़ा बन जाय तब बुटकर उतार दो।

सीकर तैयार करना—दोनो पहुँचों की फलियाँ आपस में सीलो। अब मियानी को तिकोनी सी रखकर फलियो के ऊपर दोनों टाँगों के साथ आगे की ओर जोड़ लो पीछे की ओर भी उसी प्रकार जोड़ो। अब दोनो टाँगो को पीछे और आगे दोनों तरफ आपस मे जोड़ लो (जिस प्रकार चित्र संख्या ५९ में निकर सिली हुई दिखाई देती है वैसी ही सीकर तैयार कर लो) तथा कमर के छेदो मे फीता डाल दो और इस्तिरी कर लो।

मनोहर फ्रॉक



लड़के लड़की दोनों को बहुत अच्छा मालूम होता है

चि०म० ६०

यह छोटा सा सादा फ्रॉक नीली ऊन से बना कर उस पर सफेद ऊन से किनारा बनाया जाय तो बहुत ही मनमोहक मालूम होता है ।

आवश्यक सामान—४ तार की ३ औंस ऊन, ८ नं० की एक जोडा सलाइयाँ, थोडी सी सफेद ऊन, ६ छोटे गोल बटन और एक क्रोशिया ।

नाप—कंधे से निचले किनारे तक लम्बाई १४ इंच । बाँह, गले से अन्तिम किनारे तक, ४½ इंच । निचली झालर का घेरा ४६ इंच ।

आगा—१२० फंदे चढ़ाकर आगे के निचले किनारे से शुरू करो और ९½ इंच तक सीधी बुनाई बुनो। अब सारी सलाई में दो दो फंदे इकट्ठे बुनती जाओ (अर्थात् पूरी सलाई में जोड़े जोड़े बुनो जिसमें ६० फंदे रह जायँ)

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—१ सी०, १ ब०, * ३ इ० सी०, १ ब०, * चिह्न से सारी सलाई तक दोहराओ, अन्त में १ ब० और २ सी० पर समाप्त करो।

अब ७ इंच और सीधी बुनाई बुनो।

अगली सलाई—एक कंधे के लिए २० सी०, अगले २० बुटकर गले के लिए उतार दो, शेष २० दूसरे कंधे के लिए सीधे बुनो।

अगली सलाई—अंतिम २० को सीधा बुनो। (इसी कंधे को निम्न प्रकार से पहले बुन लो तब दूसरा कंधा बुनना) अब कंधे के गले की ओर के किनारे पर २ बार एक एक फंदा हर दूसरी सलाई पर शुरू में घटाओ फिर १८फंदों पर १९सलाइयाँ और सीधी बुनो।

अगली सलाई—गले की ओर के किनारे पर २ बार हर दूसरी सलाई के पहले फंदे में आगे पीछे बुन कर एक एक फंदा बढ़ाओ (जैसे पहले घटाये थे वैसे ही यहाँ २ फंदे बढ़ाओ जिससे फिर २० पूरे हो जायँ तथा १० फंदे और नये चढाओ इस तरह ३० फंदे होगए। फिर इन पर ३½ इंच तक सीधी बुनाई बुनो।

अब ऊन तोड लो और दूसरे कंधे के फंदों में गले के किनारे की ओर जोड कर इसे भी पहले कंधे की भाँति बुन लो पर पीठ में पहले कंधे में जहाँ १० फंदे नये चढाये थे वहाँ १० के बदले इसमे १६ फंदे नये चढाकर ३½ इंच सीधी बुनाई बुनो। अब यह जो १६ फंदे नये चढाए हैं इनमें से ६ फंदे बुटकर उतार दो (इससे पीठ पर बटन लगाने की पट्टी बन जायगी देखो चित्र स० ६०) शेष सब फंदो को (कुल ६० फंदो को) एक ही सलाई पर लेकर सीधा बुन लो और फिर ३½ इंच तक बिना घटाये बढाये सीधी बुनाई बुनो।

अगली सलाई—१ सी०, ❀१ ब०, २ इ० सी०, ❀चिह्न से दोहराओ अन्त में १ ब०, १ सी० पर समाप्त करो।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—प्रत्येक फंदे में आगे पीछे बुनकर एक एक फंदे को बढाकर दो दो बुनो इस प्रकार ६० फंदो के १२० बुन जायँगे। अब इन्हें ९½ इंच तक बुनो तब बुट कर उतार लो।

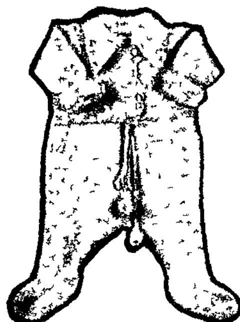
बाँहें—फ्रॉक को दुहरा करके ऊपर की ओर से कंधे की ३½ इंच लम्बाई आगे की ओर और ३½ इंच पीछे की ओर नाप कर इस पर से बाँहों के लिए ४० फंदे उठाओ और १२ सलाइयाँ सीधी बुनो।

अगली सलाई—* २ इ० सी०, १ ब०, *चिह्न से सलाई के अन्त तक दोहराओ, अन्त में १ ब० २ सी० पर समाप्त करो। अगली ४ सलाइयाँ सीधी बुनो और फिर बुटकर उतार दो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

सीकर तैयार करना—बाँह के नीचे की ओर बगलों की सीवन सी दो। यदि जरूरत समझो तो सीवनों पर इस्तिरी कर लो। गले के चारो ओर, बाहो पर और फ्रॉक के निचले किनारे पर सफेद ऊन से क्रोशिये द्वारा दुहरे फंदे की एक सलाई बना दो। पीठ में गले के पास जो बटनो की पट्टी है उसमें दाहिनी पट्टी पर उसी रंगीन ऊन से चेन बनाकर छोटे छोटे ६ छेद बना दो और बाईं पट्टी पर ६ बटन टाँक दो। ऊपर पट्टी के सिरे पर एक स्टिच बटन टाँक दो जिससे पट्टी ढीली न होने पाए।

एड़ी से गले तक का इकट्ठा बुना हुवा सूट

आवश्यक सामान
लगभग ४½ औंस
४ तार की ऊन
१ जोड़ा ९न०
की सलाइयाँ
१ क्रोशिया
६ गोल बटन



यह सूट
सारा धनिये की
बुनाई
(एक फंदा सी०
१ उ० दूसरी
सलाई में
सीधे फंदे परउ०
और
उ० पर सीधा)
में बनाया
गया है

चि० स० ६१

छोटे बच्चों के लिए अपनी गाडी में बैठकर बाहर घूमने जाने के समय यह सूट विशेप आरामदायक है क्योंकि इसमें बच्चे बिलकुल ढके रहते हैं और स्वतन्त्रतापूर्वक हाथ पैर हिला कर खेल सकते हैं। सारा एक साथ बना होने से खेलते समय इसमें बल पडने या इकट्ठा होने का भय नही रहता। चाहे कितनी ही ठंड पडती हो या हवा चलती हो, इसे पहनाने के बाद माताये बच्चों को ठंढ या हवा लगने के भय से एक दम निश्चिन्त हो सकती हैं।

सफेद हलके नीले, मोतिए या किरमची रग की ऊन का बना हुआ और कमर पर उसी रग की फूलों वाली डोरी से बधा हुआ यह छोटा सा सूट देखने में बहुत ही सुन्दर प्रतीत होता है।

७६ फंदे चढाकर पायजामे से शुरू करो और पहली १८ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो। अब पीठ की काट शुरू करो। बुनाई सदा धनिये की ही रहे।

अगली सलाई—६ फंदे बुनो, चीज को उल्टाओ, और लौट कर इन्हीं ६ फदो को फिर बुनो।
अगली सलाई—पहले १२ फंदे बुनो, चीज को उलटाओ, और लौट कर इन्हीं १२ को फिर बुनो।
अगली सलाई—पहले १८ फंदे बुनो, चीज को उलटाओ, उलटाकर इन्हीं १८ को फिर बुनो।

इसी प्रकार हर दूसरी सलाई पर ६ फंदे अधिक बुनते हुए बुनना जारी रखो जब तक कि बाई सलाई पर बिना बुने केवल २८ फंदे न रह जायँ (लेकिन याद रखो बुनाई सदा वही रहे) अब सब फंदो (७६ फंदो) को एक ही सलाई पर बुनलो और तब तक बिना घटाये बढ़ाये बुनती जाओ जब तक कि छोटा किनारा शुरू से ७ इंच लम्बा न हो जाय। अब हर दूसरी सलाई पर दोनों किनारो पर एक एक फंदा घटाना शुरू करो और जब तक फंदे घट कर ४४ न रह जायँ तब तक घटाती जाओ।

अब इन फंदो पर बिना घटाये-बढ़ाये २½ इंच और बुनो। यहाँ पैर के लिए फंदे बाँटो। १४ फंदे बुन कर किसी फालतू सलाई या सेफ्टी पिन पर सरका कर रख दो तब केवल बीच के अगले १६ फंदो पर २४ सलाइयाँ बुनो। (इस ओर भी १४ बिना बुने रहने दो और बीच वालो पर पैर के लिए बार बार सलाइयाँ बुनो)। यह पंजा बन गया। अब ऊन तोड लो और जहाँ पहले १४ फंदे छोड़े गए थे उनके अंत में जोड़ कर एक सलाई से पंजे की ऊँचाई पर से १२ फंदे उठालो और इन्ही १४ फंदों वाली सलाई पर बुनलो और इसी पर पंजे के १६ फंदो में से ८ फंदे बुनलो। अब दूसरी सलाई पर पंजे के बचे हुए ८ फंदे बुनलो तथा १२ दूसरी ओर की ढाल पर से उठाकर बुनलो और १४ इस ओर जो बिना बुने रखे हुए हैं वे बुनलो। दोनों सलाइयो पर ३४, ३४ फंदे हो गए। इन सब फंदों पर ८ सलाइयाँ बिना घटाये-बढ़ाये बुनो। अगली ९ सलाइयाँ दोनो सलाइयो के दोनो ओर एक एक फंदा घटाते हुए बुनो। अब ढीला ढीला बुनकर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी टाँग बुनकर तैयार करो। फिर इन दोनों टाँगो को आपस में जोड लो और टाँग तथा पैरों की सीवन सी लो। चीज को दबा कर आधा आधा (आगा, पीछा) मोड़लो और पिछली ओर से अर्थात् पीठ पर से ७२ फंदे उठा लो।

अगली सलाई—* १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में २ इ०।
इससे डोरी डालने के लिए छेद बन जायँगे। अब २½ इंच तक धनिये की बुनाई बुनो।

अगली सलाई—सलाई के दोनो किनारो से बाँहों के छेद के लिए चार फंदे बुटकर उतार दो।
अब फिर ३½ इँच तक वही बुनाई बुनो।

यहाँ गले के लिए फंदे बाँटो। २० फंदे धनिये की बुनाई के बुनो, अगले २४ फंदे बुट कर गले के लिए उतार दो और तब शेष २० फंदे दूसरे कंधे के बुनो। इन अंतिम २० फंदो पर ७ सलाइयाँ और बुनो, तब ढीला ढीला बुट कर उतार दो। एक कंधा पूरा होगया। अब दूसरे कंधे के लिए गले की ओर ऊन जोड़ लो और ७ सलाइयाँ बुनकर बुटकर उतार दो।

आगा—पायजामे की अगली ओर से आगे के लिए ७२ फंदे उठाओ और तब * १ सी०, १ उ०, २ इ०, * चिह्न से सलाई के अंत तक दोहराओ।

अगली सलाई—४ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो और तब आगे की बटनो वाली पट्टी के लिए फंदे बाँटो। आधे अर्थात् ३६ फंदों को ३½ इँच तक बुनो। अब बाँह के छेद के लिए बाँह की ओर के किनारे पर से ४ फंदे बुटकर उतार दो (जैसे पीछे मे उतारे थे) और फिर ३½ इंच तक और बुनो। अब गले के लिए गले की ओर के किनारे पर से १२ फंदे बुट कर उतार दो और शेष फंदो पर ६ सलाइयाँ और बुनो, तब इन्हें भी बुट कर उतार दो।

दूसरे आगे के लिए पायजामे के ठीक बीच में (देखो चि० स० ६१ मे ठीक सामने जहाँ डोरी की गाँठ बँधी है) ऊन को जोड़ो और जिस सलाई पर दाहिने आगे के लिए ३६ फंदे रखे है उसी पर १२ फंदे वहीं के लिए नये चढालो और इन ४८ फंदो पर पहले आगे की भाँति यह दूसरा आगा भी तैयार करो, पर गले के लिए पहले आगे में जैसे १२ फंदे बुटे थे इसमे १२ के बजाय २४ बुट कर उतारो। अब आगे पीछे के दोनों कंधो को जोड लो और बाँह के लिए जहाँ ४ फंदे बुट कर उतारे थे, आगे के उस कोने से लेकर पीछे के कोने तक उस सारी बाँह की जगह पर से ४७ फंदे बाँह के लिए उठाओ और ३½ इंच तक धनिये की बुनाई में बुनो।

अगली सलाई—* १सी०, २ इकट्ठे बुनो, *चिह्न से सारी सलाई तक दुहराओ। अब १० सलाइयाँ २सी०, २ उ० की फलियोदार बुनो, फिर सफेद ऊन जोड़ो और १४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो, तब ढीला ढीला बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

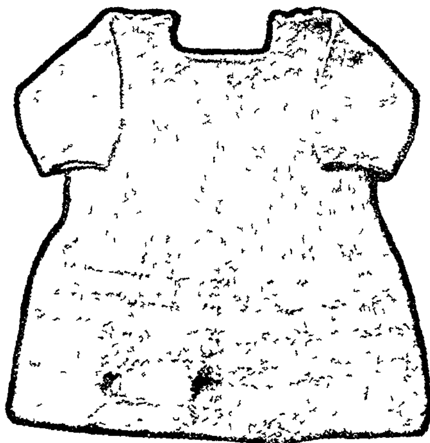
कॉलर—गले के बाएँ किनारे से कॉलर के लिए फंदे उठाना शुरू करो और दाहिनी ओर की पट्टी के १२ फंदो को छोड़कर शेष सारे गले पर से ४६ फंदे उठाओ और सफेद ऊन

से २३ इंच तक, हर सलाई के अन्त में अतिम फंदे में आगे पीछे बुनकर एक फंदा बढ़ाते हुए सीधी बुनाई बुनो। अब ढीला ढीला घुट कर उतार लो।

सीकर तैयार करना—बाँह के नीचे की और बगलों की सीवन सी लो अब दाहिने आगे की पट्टी के किनारे पर क्रिोशिये से चित्र की भाँति ६ बटनों के लिए तीन तीन चेनो के ६ छेद बनाते हुए दुहरे फंदे की एक सलाई सारी पट्टी पर बुनलो। फिर क्रिोशिये से एक लंबी चेन ऊन की बनाओ और उसे कमर पर के छेदों में डाल दो और डोरी के दोनों किनारों पर दो खूबसूरत ऊन के फूल बना कर लगा दो। बाएँ आगे पर छेदों के सामने ७ बटन टाँक दो। अब सूट के ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर खूब गरम इस्तिरी से अन्दर की तरफ दबा कर अच्छी तरह इस्तिरी कर लो।

छोटी बच्ची का सरल फ्रॉक

यह फ्रॉक देखने में बहुत ही सुन्दर और



बुनने में बहुत ही सुगम है

चि० सं० ११

आवश्यक सामान—तीन तार की २३ औंस के लगभग किसी सुंदर रंग की ऊन, ९ नं० की एक जोड़ा सलाइयाँ और छ छोटे गोल बटन।

नाप और फैलाव (Tension)—यदि ऊपर लिखी हुई ऊन प्रयोग में लाई जायगी तो गुलूबन्द की बुनाई में बुने हुए १२ फंदो से २ इंच चौड़ा और १६ सलाइयो से २ इंच ऊँचा टुकड़ा बनेगा इस हिसाब से इस्तिरी करने के बाद इस फ्रॉक की लम्बाई १४½ इंच तथा निचला घेरा ३५ इंच और गले से बाँहों के किनारे तक की लम्बाई ७½ इंच होनी चाहिये।

आगा—१०० फंदे चढ़ाकर निचले किनारे से शुरू करो और पहली १० सलाइयाँ चित्र सं०२३ की भाँति धनिये की बुनाई की बुनो। अगली ८ सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की, फिर ६ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की, फिर ६ सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की, फिर ४ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की, तब ६ सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की और २ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की, फिर ६ सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की और १ धनिये की तथा फिर ५ गुलूबन्द की बुनाई की। कुल ५४ सलाइयाँ होगई।

अगली सलाई—* १सी०, २ इ०सी०,* चिह्न से अन्त तक दोहराओ इससे ६७ फंदे रह जायँगे।

अब ६ इंच तक गुलूबन्द की बुनाई बुनो इससे गले पर पहुँच जाओगी। अब काम की सीधी तरफ को अपनी ओर रखते हुए १५सी०, अगले ३७ फंदे धनिये की बुनाई में, शेष १५सीधे बुनो।

अगली सलाई—१५ उ०, ३७ धनिये की बुनाई में, शेष १५ उलटे। इन अन्तिम दो सलाइयो को दो बार और दोहराओ।

अगली सलाई—१५ सी०, ६ धनिये की बुनाई में, अगले २५ बुटकर उतार दो, फिर ६ धनिये की बुनाई में, शेष १५ सीधे।

अब इन अन्तिम २१ फंदो को गले के किनारे पर के ६ फंदे धनिये की बुनाई मे बुनते हुए १½ इंच तक गुलूबन्द की बुनाई में बुनो तब बुटकर उतार लो। फिर ऊन तोडकर दूसरे कंधे के २१ फंदो में जोड़ लो तथा पहले कंधे की तरह इसे भी बुनकर बुट लो। इस प्रकार आगा समाप्त होगया। ठीक इसी तरह पीछा तैयार करलो। अब ½ इंच तक पीछे के कंधों के ऊपर आगे के कंधों को रख दो और किनारे की ½ इंच की सीवन को जो एक कंधे के ऊपर दूसरे को रखने से बनेगी सी लो ताकि आगा पीछा आपस में जुड़ जायँ और कंधों के ऊपर की सारी सीवन बिना सिली रहने दो जिसमें पीछे के कंधो पर बटन लग सकें तथा आगे के कंधों पर छेद हो सकें।

बाँहें—अब कंधों के दोनो ओर ४, ४ इंच (अर्थात् ४ इंच आगे और ४ इंच पीछे) नाप कर इस ८ इंच की जगह पर से ५६ फंदे बाँह के लिए उठा लो और गुलूबन्द की बुनाई में तीन बार हर दूसरी सलाई पर सलाई के दोनो ओर एक एक फंदा घटाते हुए बुनो। फिर बिना घटाये बुनती जाओ और ४ इंच लम्बी बाँह हो जाने पर निम्न प्रकार से बुनो।

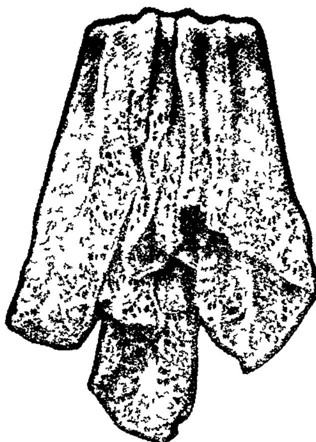
अगली सलाई—* १ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अब सात सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो और ढीला ढीला उठाकर उतार दो।

सीकर, तैयार करना—बाँह के नीचे की सीवन सी लो और आगे पीछे की धनिये की बुनाई की पट्टियों को एक दूसरे के साथ ठीक ठीक रख कर बगलें की सीवन भी सी लो। अब दोनों ओर पीठ के कँधों पर ३, ३ बटन टाँक दो तथा आगे के कन्धों पर बटनों के ठीक ऊपर छोटे छोटे तीन तीन छेद बना दो। इस्तिरी गरम करके अन्दर को लगाते हुए इस्तिरी कर लो।

छोटे बच्चों को लपेटने के लिए कुछ सुन्दर चुने हुए शॉल

सीधी बुनाई वाला लेसदार शॉल

आवश्यक सामान
३ औंस
३ तार की
नरम ऊन,
२ नं० की
१ जोड़ा सलाइयाँ



नाप
शॉल
४२ इंच लंबा
४२ इंच चौड़ा
होना चाहिये

चि० सं० ६३

११३ फंदे चढ़ा कर शुरू करो और सीधी बुनाई में बुनती जाओ, जब तक कि एक चौकोन टुकड़ा न बन जाँय। अर्थात जब लम्बाई चौड़ाई बराबर हो जाय तब चित्र सं० ९२ में दिये गये कोर की लेस के दो नमूने इन्हीं फंदों पर बनाओ केवल सलाई के दोनो किनारों पर (सलाई के शुरू में भी और

अन्त में भी) कोने बनाने के लिए हर उलटी सलाई में पहले और आखिरी फंदे में आगे पीछे बुनकर एक-एक फन्दा बढाती जाओ और नमूने वाली सीधी सलाई में उन बढ़ाये हुए फंदा को सीधा बुनती जाओ।

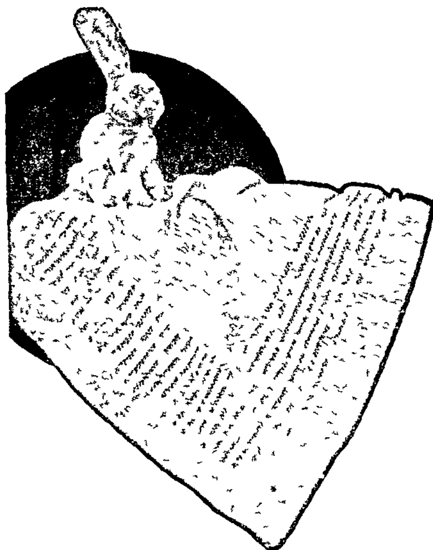
इस प्रकार दो नमूने बुने जाने के बाद ३ सलाइयॉ सीधी बुनाई की बुनो और फिर बुट कर उतार लो।

अब चीज की दूसरी ओर से ११३ फंदे सलाई पर उठा लो और इसी प्रकार कोने बनाते हुए लेस बनाओ फिर ३ सलाइयाँ सीधी बुन कर बुट कर उतार दो। इसी प्रकार तीसरी ओर से फंदे उठा कर बनाओ और फिर चौथी ओर से उठा कर बनाओ। अब कोनो को जोड लो और इस्तिरी कर लो। बच्चे को लपेटने के लिए एक सुन्दर शॉल तैयार हो गया।

सीधी बुनाई में एक बहुत ही सुगम तथा सुन्दर शॉल

(बडे बच्चे के ओढ़ने के लिये)

आवश्यक सामान
१४ औंस
३ तार की ऊन
२ बहुत लम्बी
८ न० की
सलाइयाँ



शॉल
५४ इंच लम्बा
५४ इंच चौडा
है
नये बढ़ाये
फन्दों में
सदा
पीछे की ओर
बुनना चाहिये

चि० सं० ६४

सलाई पर ७४१ फंदे चढ़ाकर २८ सलाइयाँ सीधी बुनो।

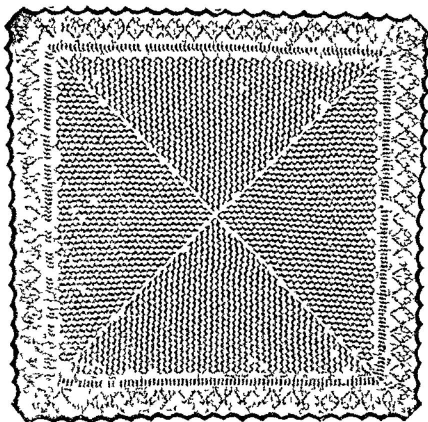
२९वीं सलाई—२२ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २४ फंदे रह जायँ तब १ ब०, २ इ०सी०, २२ सी०।

३०वीं सलाई—२३ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २३ रह जायँ तब १ ब०, २ इ०सी०, २१ सी०। २९वीं और ३०वीं सलाई को २० बार और दोहराओ।

७१वीं सलाई—२२ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, ३ सी०, * चिह्न से * चिह्न तक ५ बार और दोहराओ, इसके बाद १ब०, २ इ०सी०, अन्तिम ५४ के सिवाय सब सीधे बुनो। तब फिर * चिह्न से * चिह्न तक ६ बार दोहरा कर १ ब०, २ इ०सी०, २२सी०।

७२वीं सलाई—२३ सी०, ※ १ ब०, २ इ०सी०, ३ सी०, ※ चिह्न से ※ चिह्न तक ५ बार और दोहराओ, इसके बाद १ ब०, २इ०सी०, अब अंतिम ५३ के सिवाय सब सीधे बुनो। ※ चिह्न से ※ चिह्न तक ६ बार दोहरा कर १ ब०, २ इ०सी०, २१ सी०। इन अन्तिम २ सलाइयों को १४५ बार और दोहराओ। फिर २९वीं और ३०वीं सलाई को २१ बार दोहराओ। अब २८ सलाइयाँ सीधी बुनो। बुन कर उतार लो। उल्टी तरफ ऊपर को बिछाकर और ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर इस्तिरी करलो और नाप लो।

कटावदार मनोहर शॉल



आवश्यक सामान
९ औंस
२ तार की ऊन,
११ न० की
२ सलाइयाँ

नाप
४२ इंच लम्बा
४२ इंच चौड़ा

चि०स० ६५

३७९ फंदे चढ़ा कर किनारे से शुरू करो।

१ली—सारी सीधी।

२री सलाई—१ स०, अन्त तक सीधी।

३री सलाई—(नमूने की पहली सलाई)—१ स०, ६सी०, १ स०, १सी०, स०फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ७ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, ७ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ९ फंदे रह जायँ तब २ इ०सी०, ७ सी० बुनो।

४थी और प्रत्येक दूसरी (सम) सलाई—१ स०, शेष सारी उलटी।

५वी सलाई—१ स०, ५ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ६ सी०, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, ६ सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो,* चिह्न से बार २ दोहराओ, जब अन्त में ८ रह जायँ तब २ इ०सी०, ६ सी० बुनो।

७वीं सलाई—१ स०, ४ सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ५ सी०, १ ब०, ५ सी०, १ ब०, ५ सी०, १ स०, १ सी० ,स० फ० इस पर डालो,* चिह्न से बार बार दोहराओ, जब अन्त में ७ रह जायँ तब २ इ०सी०, ५ सी० ।

९वीं सलाई—१ स०, ३सी०, १स०, १सी०, स०फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ४सी०, १ ब०, १सी०, १ ब०, १स०, १ सी०, स०फ०इस पर डालो, १सी०, २इ०सी०, १ ब०, १ सी० १ ब०, ४ सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, *चिह्न से बार बार दोहराओ, जब अन्त में ६ रह जायँ तब २ इ०सी०, ४ सी० बुनो।

११वीं सलाई—१ स०, २ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो,* २ इ०सी०, ३ सी०, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, ३ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * चिह्न से बार बार दोहराओ और जब अन्त में ५ रह जायँ तब २ इ०सी०, ३ सी० ।

१३वीं सलाई—१ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो * २ इ०सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ०, इस पर डालो, १ स०,१ सी०, स०फ० इस पर डालो, * चिह्न से बार बार दोहराओ और अन्त में जब ४ रह जायँ तब २ इ०सी०, २ इ०सी० ।

१५वीं सलाई—१ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, १ स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो,* चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में २ इ०सी० ।

१७वीं सलाई—२ इ०सी०, * १ ब०, १ सी०, १ब०, १ स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ ब०,५ सी०, १ ब०, १स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

१९वीं सलाई—१ स०, ५ सी०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ५ सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, ५ सी०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, * चिह्न से दोहराओ, जब अन्त मे ८ रह जायँ तब २ इ०सी०, ६ सी०।

२१वीं सलाई—१ स०, ४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ५ सी०

१ ब०, १ सी०, १ ब०, ५ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में ७ रह जायँ तब २ इ०सी०, ५ सी०।

२३वीं सलाई—१ म०, २ सी०, १ स०, १ सी०,स० फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, ४ सी०, १ ब०, ३ सी०,१ ब०, ४ सी०, १स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * चिह्न से दोहराओ और जब अन्त में ६ रह जायँ तब २ इ०सी०, ४ सी०।

२५वीं सलाई—१ स०, २ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ❀ २ इ०सी०, ३ सी०, १ ब०, ५ सी०, १ब०, ३ सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो ❀ चिह्न, से दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब २ इ०सी०, ३ सी०।

२७वीं सलाई—१ स०, १ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ❀ २ इ०सी०, २ सी०, १ ब०, ७ सी०, १ ब०, २ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में ४ रह जायँ तब २ इ०सी०, २ सी०।

२९वीं सलाई—१ स०, १ स०, १ सी०, दूसरा स० फ० इस पर डालो, ❀ २ इ०सी०, १ सी०, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, जब अन्त में ३ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०।

३१वीं सलाई—१ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * २ इ०सी०, १ ब०, ५ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ स०, ४ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब दो रह जायँ तब २ इ०सी०, बुनो।

३३वीं सलाई—२ इ०सी०, * १ ब०, ५ सी०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ०, इस पर डालो, ५ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३४वीं सलाई—१ स०, अन्तिम २ के सिवाय सब फंदे उलटे बुनो, अन्तिम २ इ०उ०।

३५वीं सलाई—३४वीं सलाई की भाँति।

३६वीं सलाई—१ स०, अन्तिम दो के सिवाय सब सीधे बुनो, अन्तिम २ इ०सी० बुनो।

३७वीं सलाई—३६वीं सलाई की भाँति।

३८वीं सलाई—१ स०, २ सी०, ❀ १ ब०, २ इ०सी०, ❀ चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब २ रह जायँ तो २ इ०सी० बुनो।

३९वीं और ४०वीं सलाई—३६वीं सलाई की भाँति।

४१वीं और ४२वीं सलाई—३४वीं सलाई की भाँति।

४३वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब ३ रह जायँ तब १ ब०, ३ इ०सी०।

४४वीं सलाई—१ स०, १ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायँ तब १ ब०, २ इ०सी०।

४५वीं सलाई—१ स०, २ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ० सी०।

४६वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ३ रह जायँ तब १ ब०, ३ इ०सी०।

४७वीं सलाई—१ स०, १ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायँ तब १ ब०, २ इ०सी०, २ इ०सी०।

४८वीं सलाई—१ स०, २ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, जब अन्त में ५ रह जायँ तब १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ०सी०।

४९वीं सलाई—४३वीं सलाई की तरह।

५०वीं और ५१वीं सलाई—३४वी सलाई की तरह।

५२वीं और ५३वीं सलाई—३६वीं सलाई की तरह।

५४वीं सलाई—१ स०, २ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब २ रह जायँ तब २ इ०सी० बुनो।

५५वीं ५६वीं सलाई—३६वी सलाई की भाँति, अब २३० फदे रह जायँगे।

५७वी सलाई—१ स०, शेष सारी उल्टी।

५८वीं सलाई—१ स०, १५ उ०, २ इ० उ०, * १३ उ०, २ इ० उ०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब १७ रह जायँ तब १७ उ० बुनो, यहाँ २१६ फदे रह जायँगे।

५९वी सलाई—१ स०, ३ सी०, * १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ३ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, १ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ३ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०।

६०वीं तथा हर दूसरी (सम) सलाई—१ स०, अन्तिम २ फंदों के सिवाय सब उल्टे, २ इ० उ०।

६१वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १० रह जायँ तब १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०।

६३वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, * १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ५सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब १ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०।

६५वीं सलाई—१ स०, ५ सी०, * १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ५ सी०, २ इ०सी०।

६७वीं सलाई—१ स०, ५ सी०, * १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ५ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब १० रह जायँ तब १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ५ सी०, २ इ०सी०।

६९वीं सलाई—१ स०, २ सी०, २ इ०सी०, * १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, २ इ०सी०।

७१वीं सलाई—१ स०, २ इ०सी०, * १ ब०, ५ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो,* चिह्न से बार बार दोहराओ,अन्त में जब ९ रह जायँ तब १ ब०, ५ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ इ०सी०।

७३वीं सलाई—१ स०, १ सी०, * १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, १ सी०, २ इ०सी०।

७५वीं सलाई—१ स०, १ सी०, * १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस डालो, १ब०,

५ सी०,* चिह्न से बार बार दोहराओ,अन्त मे जब ६ रह जायँ तब १ ब०, १ स०, २ इ०सी०,स० फ० इस पर डालो।

७७वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, * १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अन्त में जब १० रह जायँ तब १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०।

७९वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, * १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ५ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ अन्त में जब ८ रह जायँ तब १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०।

८०वीं सलाई—६०वीं सलाई की तरह। अब ६५वीं सलाई से लेकर ८०वी सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से ११ बार दोहराओ। इस प्रकार १७६ सलाइयाँ और बढ़ेंगी। यहाँ केवल १८ फंदे रह जायेंगे।

२५७वीं सलाई—१ स०, ५ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ५ सी०, २ इ०सी०।

२५८वीं सलाई और प्रत्येक समसंख्या की सलाई—६०वीं सलाई की तरह।

२५९वीं सलाई—१ स०, ५ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ५ सी०, २ इ०सी०।

२६१वीं सलाई—१ स०, २ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, २ इ०सी०।

२६३वीं सलाई—१ स०, २ इ०सी०, १ ब०, ५ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, २ इ०सी०।

२६५वीं सलाई—१ स०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, १ सी०, २ इ०सी०।

२६७वीं सलाई—२ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी० २ इ० सी०।

२६९वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, २ इ०सी०।

२७०वीं सलाई—१ स०, २ उ०, २ इ०उ०।

२७१वीं सलाई—१ स०, १ सी०, २ इ०सी०।

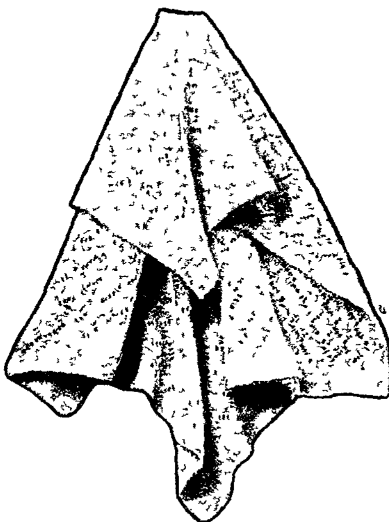
२७२वीं सलाई—१ स०, २ इ०सी०।

२७३वीं सलाई—२ इ०सी०,पक्का करके तागा तोड़ लो। ठीक इसी प्रकार ३ टुकड़े और तैयार करो।

सीकर तैयार करना—सब टुकड़ों के ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर उलटी तरफ दबाकर इस्तिरी करलो। अब टुकड़ों के कोनों को ठीक मिलाते हुए और बीच के चारो कोनो को बीच में मिलाकर इकट्ठा करके रखो जिससे एक चौकोन शॉल सा बन जाय। तब सफाई से टुकडो को आपस म सी लो पर ध्यान रखना कि नमूने से नमूना ठीक से मिल जाय, फिर सीवनों पर इस्तिरी करलो।

छोटे बच्चे के लिए सुन्दर पर सादा शॉल

आवश्यक सामान
३½ औंस
२तार की ऊन,
९ नं० की
२ सलाइयाँ
नाप
शॉल ३० इं० चौड़ा
३० इं० लम्बा
होगा



फैलाव
यदि निर्दिष्ट ऊन
और सलाइयाँ
काम में
लाई जायँ
तो १२ फंदों से
२ इं० चौड़ा और
२५ सलाइयों से
२ इंच ऊंचा
टुकड़ा बनेगा

चि० सं० ६६

१७९फंदे चढ़ाकर शुरू करो और पहली १२सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। तब नमूना शुरू होगा।

नमूने की पहली सलाई—१६ सी०, * १ उ०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, ९ सी०, * चिह्न से सलाई के अन्त तक बार २ दोहराओ, अन्त में १ उ० १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १६ सी०, पर समाप्त करो।

२री सलाई—सारी सीधी।

३री सलाई—१५ सी०, * २ इ० सी०, १ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, ७ सी० * चिह्न से बार बार दोहराओ। सलाई के अन्त में १ ब०, २ इ० सी०, १५ सी० हो।

४थी सलाई—सारी सीधी।

५वीं सलाई—१४ सी०, * २ इ० सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, २ इ० सी०, ५ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में १ ब०, २ इ०सी०, १४ सी० पर समाप्त करो।

६ठी सलाई—सारी सीधी।

७वीं सलाई—१३ सी०, * २ इ० सी०, १ ब०, ५ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, ३ सी० * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में १ ब०, २ इ० सी०, १३ सी० पर समाप्त करो।

८वीं सलाई—सारी सीधी।

९वीं सलाई—१२ सी०, २ इ० सी०, * १ ब०, ७ सी० १ ब०, २ इ० सी०, १ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अन्त में १ ब०, २ इ० सी०, १२ सी० पर समाप्त करो।

१०वीं सलाई—सारी सीधी।

११वीं सलाई—१२ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, * ७ सी०, २ इ० सी०, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में २ इ०सी०, १ उ०, १२ सी० पर समाप्त करो।

१२ वीं सलाई—सारी सीधी।

१३वीं सलाई—१३ सी०, १ उ०, * २ इ०सी०, ५ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में २ इ० सी०, १ उ०, १३ सी०।

१४वीं सलाई—सारी सीधी।

१ वीं सलाई—१४ सी०, * १ उ०, २ इ०सी०, ३ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, ५ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में २ इ० सी०, १ उ०, १५ सी० पर समाप्त करो।

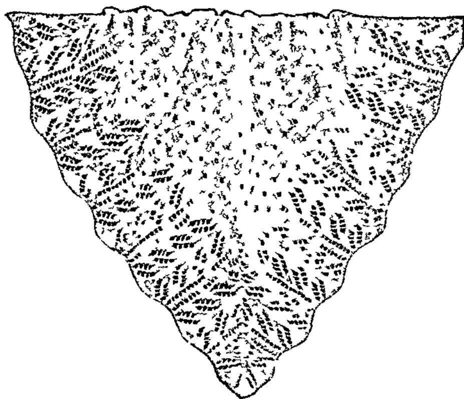
१६ वीं सलाई—सारी सीधी बुनो।

१७वीं सलाई—१९ सी०, * १ ब०, २ इ० सी०, १ सी०, २ इ० सी०, १ ब०, ७ सी०, *चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ पर अन्त में २ इ० सी०, १ब० १९ सी० पर समाप्त करो।

१८ वीं सलाई—सारी सीधी।

इन सलाइयो से नमूना समाप्त होता है। अब तीसरा से १८ वी सलाई तक की सब सलाइयो को बार बार दोहराओ जब तक कि १९ नमूने न बन जायँ। तब १२ सलाइयाँ सीधी बुनो तब ढीला ढीला बुटकर उतार लो। यदि इससे अधिक लम्बा चौडा रखना हो तो एक नमूने का हिसाब गिन कर जितने नमूने बढाना चाहो उतने फंदे बढा लो तथा उतना ही लम्बाई में भी बढा लेना शॉल जिससे चौकोन बन सके।

छोटे बच्चे का एक बहुत ही प्यारा शॉल



चि० सं० ६७

लगभग ८ औंस ऊन ५४ इंच चौकोन शॉल के लिए, और १० औंस ऊन ६० इंच चौकोन शॉल के लिए। १ जोड़ा ८ नं० की सलाइयाँ।

बीच का हिस्सा—२४ इंच लम्बे चौड़े शॉल के लिए २४३ फंदे सलाई पर चढ़ाओ।

१ली सलाई—* १ सी०, ३ उ०, ५ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२री सलाई—० ५ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३री सलाई—पहली की तरह।

४थी सलाई—सारी उल्टी।

५वीं सलाई—* ५ सी०, ३ उ०, १ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६ठी सलाई—* १ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, ५ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ

७वीं सलाई—५वीं सलाई की तरह बुनो।

८वीं सलाई—सारी उल्टी। अब इन ८ सलाइयों ३९ बार बुनो।

तब बुन कर उतार लो। यदि ६० इंच लम्बे चौड़े शॉल की जरूरत हो तो २७६ फंदे चढ़ाओ और नमूने को ३९ बार के बजाय ४५ बार दोहराओ।

किनारा—२४ इंच वाले शॉल के लिए ३२२ फंदे चढ़ालो और पहली २ सलाइयाँ सीधी बुनो।

३री सलाई—२ इ०सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ६ सी०, २ इ०सी० १ ब०, २ इ०सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ ब०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ पर अन्त में २ सी० के बदले २ इ०सी० बुनो।

४थी सलाई—२ इ० सी०, १७ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २१ फंदे रह जायँ तब २ सी०, १७ उ०, २ इ०सी०।

५वीं सलाई—२ इ०सी०, ❀ १ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, ४ सी०, २ इ०सी०, १ब०, २ इ०सी०, १ ब०, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, २ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, ❀ चिह्न से बार २ दोहराओ, और जब अन्त में १६ रह जायँ तब १ सी० १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, ४ सी०, २ इ०सी० १ ब० २ इ०सी०, १ ब०, १ सी०, २ इ०सी०।

६ठी सलाई—२ इ०सी०, १५ उ०, ❀ २ सी०, १८ उ०, ❀ चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब १९ रह जाँय तब २ सी०, १५ उ०, २ इ०सी०।

७वीं सलाई—२ इ०सी०, ❀ १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०,

१ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, २ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, २ सी०, ❀ चिह्न से वार २ दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब १ ब०, १स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, ३ इ० सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ ब०, २ इ०सी० ।

८वीं सलाई—२ इ०सी०, १३ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से वार २ दोहराओ, अन्त मे जब १७ फदे रह जायँ तब २ सी०, १३ उ०, २ इ०सी० ।

९वीं सलाई—२ इ०सी०, १ सी०, ❀ १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ इ० सी०, १ ब० २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, २ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, ३ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ०, इस पर डालो, ❀ चिह्न से वार २ दोहराओ, अन्त मे जब ७ रह जायँ तब १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ इ०सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी० ।

१०वीं सलाई—२ इ०सी०, ११ उ०, ❀ २ सी०, १८ उ०, ❀ चिह्न से वार २ दोहराओ, अन्त में जब १५ रह जायँ तब २ सी०, ११ उ० २ इ०सी० ।

११वीं सलाई—२ इ०सी०, ८ सी०, * २ इ० सी०, १ उ०, २ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १४सी०, * चिह्न से वार २ दोहराओ अन्त में जब १६ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, ८ सी०, २ इ०सी० ।

१२वीं सलाई—२ इ०सी०, ९ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से वार २ दोहराओ, जब १३ रह जायँ तब २ सी०, ९ उ०, २ इ०सी० ।

१३वीं सलाई—२ इ०सी०, २ सी०, * २ इ०सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ब०, २सी०, १ब०, २ इ०सी०, १ब०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, १ब०, १स०, १सी०, स०फ० इस पर डालो, ६सी०, * चिह्न से वार २ दोहराओ, अन्त में जब १८ रह जायँ तब २ इ०सी०, १उ०, २ इ०सी०, १उ०, २ इ०सी०, १ ब०, २ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, २ इ०सी० ।

१४वीं सलाई—२ इ०सी०, ७ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ११ रह जायँ तब २ सी०, ७ उ०, २ इ०सी० ।

१५वीं सलाई—२ इ०सी०, १ सी०, * २ इ०सी०, १ उ०, १ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ४ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, * चिह्न से दोहराओ अन्त मे जब १० रह जायँ तब २ इ०सी०, १ उ०, १ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी० ।

१६वीं सलाई—२ इ०सी०, ५ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से दोहराओ अन्त म जब २ रह जाँय तब २ सी०, ५ उ०, २ इ०सी० ।

१७वीं सलाई—२ इ०सी०, * २ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, २ सी०, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ इस पर डालो, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ इस पर डालो, २ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ उ०, * चिह्न से दोहराओ अन्त में १२ रह जायँ तब २ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, २ सी०, २ इ०सी० ।

१८वीं सलाई—२ इ०सी०, ३ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से बार २ दोहराओ अन्त म जब ७ रह जाँय तब २ सी०, ३ उ० २ इ०सी० ।

१९वीं सलाई—२ इ०सी , * २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, ३ सी०, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ इ०सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ उ०, ३ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ अन्त में जब ८ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, २ इ०सी० ।

२०वीं सलाई—२ इ०सी०, २ उ०, * २ सी०, १८ उ०, * चिह्न से बार २ दोहराओ अन्त म जब ५ रह जाँय तब २ सी०, १ उ०, २ इ०सी० ।

२१वीं सलाई—२ इ०सी०, * २ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १४ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, * चिह्न से बार २ दोहराओ अन्त मे जब ४ रह जायँ तब २ सी०, २ इ०सी० ।

२२वीं सलाई—२ इ०सी०, १ सी०, * १८ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ अन्त मे जब २१ रह जायँ तब १८ उ०, १सी०, २ इ०उ० । अब ३री सलाई से लेकर २२वीं सलाई तक की सब सलाइयां एक बार और दोहराओ । यहाँ फंदे २४२ रह

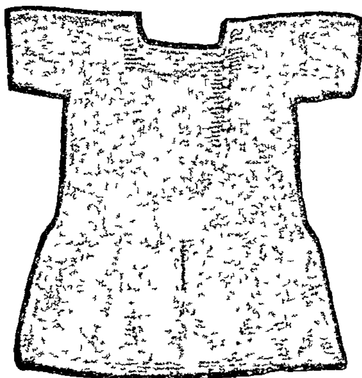
जायँगे। अब बुट उतार लो। इसी प्रकार ३ टुकडे और तैयार करलो।

यदि ६० इंच लंबा चौडा शॉल बुनना हो तो ३६२ फंदे चढ़ाओ और उपर्युक्त प्रकार से बुनो, पर अन्त में २४२ फंदो की जगह २८२ फंदे रह जाने चाहिये। अब प्रत्येक टुकडे के कोने आपस मे मिला कर रख लो और पिन लगादो। फिर उल्टी तरफ को रख कर और उस पर गीला कपडा बिछा कर इस्तिरी करलो। तब दो दो कोनों को इकट्ठा करके सीलो। यह किनारे का चौकोर सा घेरा बन जायगा। अब बीच का हिस्सा इसमें सीलो, और सीवनों पर दबा कर इस्तिरी करलो।

लडकियो के भॉति भॉति के कपड़े

३ से ४ वर्ष की लडकी का नोकीली पिडियोदार सरला फ्रॉक

आवश्यक सामान
३ औंस किसी सुन्दर रंग की, और थोड़ी सी सफेद ऊन, १ जोडा ९ नं० की सलाइयाँ, १ क्रोशिया



नाप
कंधे से निचले सिरे तक की लम्बाई ११$\frac{3}{4}$ इंच
निचले किनारे का घेरा ४१ इंच,
बाँहें, गले से किनारे तक ५$\frac{3}{4}$ इंच

चित्र सं० ६८

पीछा—रंगीन ऊन से १२४ फंदे डालकर पीछे के निचले किनारे से शुरू करो और पहली ६ सलाइयाँ सारी सीधी बुनो। तब निम्न प्रकार से नमूना शुरू करो —

१ली सलाई—१५ सी०, * १ उ०, ३ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अंत में १५ सी० हों।

२री सलाई—१५ उ०, * १ सी०, ३० उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अंत में १५ उ० हों।

३री सलाई—१४ सी०, * ३ उ०, २८ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अंत में १४ सी० हों।

४थी सलाई—१४ उ०, * ३ सी०, २८ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अंत में १४ उ० हों।

५वीं सलाई—१३ सी०, * ५ उ०, २६ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में १३ सी० हों।
६ठी सलाई—१३ उ०, * ५ सी०, २६ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में १३ उ० हों
७वीं सलाई—१२ सी०, * ७ उ०, २४ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ अत में १२ सी० हों
८वीं सलाई—१२ उ०, * ७ सी०, २४ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में १२ उ० हों
९वीं सलाई—११ सी०, * ९ उ०, २२ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत म ११ सी० हों।
१०वीं सलाई—११ उ०, * ९ सी०, २२ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में ११ उ० हों।
११वीं सलाई—१० सी०, * ११ उ०, २० सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में १० सी० हों
१२वी सलाई—१० उ०, * ११ सी०, २० उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में १० उ० हों।
१३वीं सलाई—९ सी०, * १३ उ०, १८ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में ९ सी० हों।
१४वी सलाई—९ उ०, * १३ सी०, १८ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत मे ९ उ० हों।
१५वी सलाई—८ सी०, * १५ उ०, १६ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में ८ सी० हों।
१६वीं सलाई—८ उ०, * १५ सी०, १६ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में ८ उ० हों।
१७वी सलाई—७ सी०, * १७ उ०, १४ सी०, * चिह्न स बार-बार दोहराओ, अत में ७ सी० हों।
१८वी सलाई—७ उ०, * १७ सी०, १४ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत मे ७ उ० हों
१९वी सलाई—६ सी०, * १९ उ०, १२ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में ६ सी० हों
२०वी सलाई—६ उ०, * १९ सी०, १२ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में ६ उ० हों
२१वीं सलाई—५ सी०, * २१ उ०, १० सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में ५ सी० हों।
२२वीं सलाई—५ उ०, * २१ सी०, १० उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत मे ५ उ० हों।
२३वीं सलाई—४ सी०, * २३ उ०, ८ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत मे ४ सी० हों।
२४वी सलाई—४ उ०, * २३ सी०, ८ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में ४ उ० हों।
२५वी सलाई—३ सी०, * २५ उ०, ६ सी०, * चिह्न मे बार-बार दोहराओ, अत में ३ सी० हों।
२६वी सलाई—३ उ०, * २५ सी०, ६ उ०, * चिह्न स बार-बार दोहराओ, अत म ३ उ० हों।
२७वीं सलाई—२ सी०, * २७ उ०, ४ सी०, * चिह्न मे बार-बार दोहराओ, अत मे २ सी० हों।
२८वीं सलाई—२ उ०, * २७ सी०, ४ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में २ उ० हों।
२९वीं सलाई—१ सी०, * २९ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में १ सी० हों।
३०वीं सलाई—१ उ०, * २९ सी०, २ उ० * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अत में १ उ० हों।

इन ३० लाइनों से नीचे का नमूना पूरा होगया, अब १२ सलाइयाँ गुल्बन्द की बुनाई की बुनो।

अगली सलाई—* १ सी०, २ इ०सी०, २ इ० सी० बुनो * चिह्न से बार बार दोहराओ अत में २ इ०सी० और १ सी० पर सलाई को समाप्त करो। अब सलाई पर ७९ फदे रह जायेंगे। इन फदों पर ८ इच तक गुद्ध्बद की बुनाई बुनो। फिर यहाँ गले के किनारे के लिए फदे बाँटो। फ्रॉक की उलटी तरफ को अपनी ओर रखते हुए निम्न प्रकार से बुनो।

अगली सलाई—१९ उ०, ३७ सी०, १९ उ०।

अगली सलाई—सारी सीधी। इन अन्तिम दो सलाइयों को दो बार और दोहराओ।

अगली सलाई—१९उ०, ९सी०,अगले २७ बुट कर गले के लिए उतार दो, तब ९सी०, १९ उ०। अब एक कधे के इन २४ फदों पर १½ इच तक गुद्धबद की बुनाई बुनो पर गले के किनारे के ९ फदो को सदा हर सलाई पर सीधा बुनो, तब बुट कर उतार दो। अब ऊन को दूसरे कधे के २४ फदो में गले के किनारे की ओर जोड़कर पहले कधे की भाँति इसे भी बनाओ और फिर बुट कर उतार लो।

आगा—पीछे की भाँति नमूना डालकर झालर तक बुनो, फिर झालर के फदे घटाने के बाद (अर्थात् जब ७९ फदे रह जायँ) ४ इच तक गुद्धबद की बुनाई बुनो। अब यहाँ से गले की पट्टी शुरू होती है। आगे की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर २४ सी० बुनो, अब इसी सलाई पर अर्थात् इन २४ फदो के आगे एक और सलाई के साथ ६ फदे नये (बटन टाँकने के लिए नीचे वाली पट्टी के लिए यह फदे चढ़ाये जाते हैं) चढालो, अब इन ३० फदों को ही गुद्धबद की बुनाई में ४ इच तक बुनो।

अगली सलाई—(उलटी तरफ से होगी) ११ सी०, शेष सारी उलटी।

अगली सलाई—सारी सीधी (यह सीधी तरफ की सलाई है) अब इन अन्तिम दो सलाइयो को दो बार और दोहराओ।

अगली सलाई—गले के किनारे की ओर जो नये ६ फदे चढ़ाये थे उन्हें बुट कर उतार दो और शेष २४फदों पर १½ इच तक गले के किनारे के ९ फदे सदा सीधे बुनते हुए शेष सबको गुद्धबद की बुनाई में बुनो। १½ इच इस प्रकार बुनने के बाद बुट कर उतार दो। अब दूसरी ओर के जो ५१ फदे हैं उनमें अदर के किनारे की ओर ऊन जोड़कर ४ इच तक गुद्धबद की बुनाई बुनो, पर अदर के किनारे के ९ फदे पट्टी के लिए सदा सीधे बुनना।

अगली सलाई—(यह उलटी तरफ से होगी) १९ उ०, शेष सारे सीधे।

अगली सलाई—सारी सलाई सीधी (यह सीधी तरफ से होगी) अब इन अन्तिम दो सलाइयो को दो बार और दोहराओ।

अगली सलाई—१९ उ०, ५ सी० शेष फंदे सब घुट कर गले के लिए उतार दो। (यह सलाई भी उल्टी ओर से आवेगी) अब यहाँ ऊन को तोड़ कर २४ फंदे जो कंधे के लिए रह गये हैं उनमें गले के किनारे की ओर जोड़ लो तथा पहले कंधे की भाँति बुनकर और घुटकर उतार लो।

बाँह—एक सलाई पर ५९ फंदे चढ़ाकर बाँह के निचले किनारे से शुरू करो और पहली ६ सलाइयाँ सीधी बुनाई की हर दूसरी सलाई में दोनों ओर एक एक फंदा (पहले और आखिरी फंदे में आगे पीछे बुनकर) बढ़ाते हुए बुनो। ये फंदे तीन बार बढ़ाओ और तब निम्न प्रकार से नमूना शुरू करो—

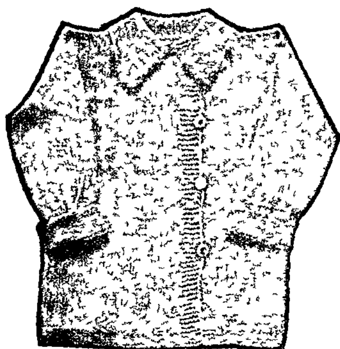
१ली सलाई—५ सी०,* १ उ०, १० सी, * चिह्न से दोहराओ, अंत में ५ सी० हों।
२री सलाई—५ उ०, * १ सी०, १० उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में ५ उ० हों।
३री सलाई—४ सी०, * ३ उ०, ८ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में ४ सी० हों।
४थी सलाई—४ उ०, * ३ सी०, ८ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में ४ उ० हों।
५वीं सलाई—३ सी०, * ५ उ०, ६ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में ३ सी० हों।
६ठी सलाई—३ उ०, * ५ सी०, ६ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में ३ उ० हों।
७वीं सलाई—२ सी०, * ७ उ०, ४ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में २ सी० हों।
८वीं सलाई—२ उ०, * ७ सी०, ४ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में २ उ० हों।
९वीं सलाई—१ सी०, * ९ उ०, २ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में १ सी० हो।
१०वीं सलाई—१ उ०, * ९ सी०, २ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में १ उ० हो।

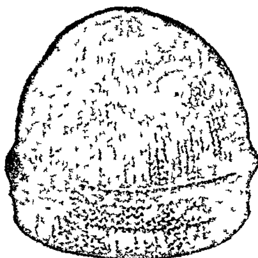
अब पाँच सलाइयाँ गुलूबंद की बुनाई की बुनो और फिर घुटकर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह बुनकर तैयार करो।

सी कर तैयार करना—आगे पीछे के कंधे आपस में जोड़ लो। अब बाँहें बाँह के छेद में आगे पीछे को ठीक से नाप कर जोड़ लो और बाँह के नीचे की तथा बगलों की सीवन सी लो। तख्ते पर बिछा कर खूब अंदर को दबा कर इस्तिरी कर लो।

आगे की दाहिनी ओर की पट्टी के साथ चेन के ४ छेद बटनों के लिए बनालो और बाईं पट्टी पर बटन टाँक दो। क्रोशिये से सफेद ऊन के साथ गले के चारों ओर, बाँहों के किनारे पर तथा घेरे के निचले किनारे पर दुहरे फंदे का एक घेरा बुन लो।

इसी नमूने का बढ़िया कोट तथा टोपी





चि०स० ७०

नये फैशन का सुन्दर कोट चि०स० ६९

आवश्यक सामान—९औंस ऊन कोट और टोपा दोनों के लिए, ८ न० का २ सलाइयाँ, ४ गोल बटन २ टिच बटन थोड़ी सी सफेद ऊन।

नाप—कंधे से निचले किनारे तक कोट का लम्बाई १६इंच, बाँहें कफों सहित १२ इंच, निचले घेरे की चौड़ाई २१ इंच, टोपी का घेरा १६½ इंच।

कोट

फैलाव—ऊन इतनी मोटी होनी चाहिये कि १२ फंदों को १४ सलाइयों तक बुनने से २ इंच लम्बा २ इंच चौड़ा टुकड़ा बन जाय।

कोट का पीछा—७७ फंदे चढ़ाकर निचले किनारे से शुरू करो और पहली ८ सलाइयाँ सारी सीधी बुनो। तब फ्रॉक की बाँहों में जो नमूना बताया है उस नमूने की १० सलाइयाँ बुनो। अब गुदगुद की बुनाई में १२ इंच तक बुनो। अगली दो सलाइयों के शुरू में दो दो फंदे बुट कर उतार दो। तब दोनों किनारों पर हर दूसरी सलाई पर तीन बार एक एक फंदा घटाओ, फिर बिना घटाये बढ़ाये २½ इंच तक वही बुनाई बुनो।

अगली सलाई—चीज की सीधी ओर को अपनी तरफ रख कर २२ सी०, बीच के २३ बुटकर उतार दो और शेष २२ सीधे बुनो। इन अन्तिम २२ फंदों पर ५ सलाइयाँ इसी बुनाई की बुनो। अब बाँये आगे के लिए गले के किनारे पर २३ फंदे नये चढ़ाओ। इन ४५ फंदों पर गले के किनारे के ६ फंदे सदा सीधे बुनते हुए २३ इंच तक गुलूबन्द की बुनाई बुनो।

अब बाँह के किनारे की ओर तीन बार हर दूसरी सलाई पर अन्तिम फंदे में आगे पीछे बुनते हुए तीन फंदे बढ़ाओ। फिर इसी किनारे पर दो फंदे नये चढ़ालो। अब इन ५० फंदों को १२ इंच तक किनारे के ६ फंदों को सदा सीधे बुनते हुए गुलूबन्द की बुनाई में बुनो।

अब चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर नमूने की १०वीं सलाई से शुरू करके १ली सलाई पर समाप्त करते हुए (अर्थात् १०वीं, फिर ९वीं इस प्रकार उल्टे क्रम से) नमूने की १० सलाइयाँ बुनो (किनारे पर सदा ६ सीधे बुनना) अब ८ सलाइयाँ सारी सीधी बुन कर बुट कर उतार दो।

ऊन को दूसरे कंधे के गले के किनारे की ओर जोड़ लो और पिछले आगे की तरह कंधे की ५ सलाइयों के बदले ४ सलाइयाँ बुनो। अब दाहिने आगे के लिए २३ फंदे नये गले के किनारे की ओर चढ़ाओ और पिछले आगे की तरह इसे भी बुनकर तैयार करो।

कॉलर—गले के चारों ओर से ६० फंदे कॉलर के लिए उठालो और सलाई के शुरू के तथा अन्त के ६ फंदों को सदा सीधा और बाकी बीच के सब फंदों को गुलूबन्द की बुनाई में बुनो, पर दोनों किनारों पर किनारे के ६ सीधे फंदों से पहले (अर्थात् दोनों ओर के सातवें फंदे में पीछे आगे बुनकर) हर दूसरी सलाई पर एक एक फंदा बढ़ाती जाओ। ३ इंच तक इस प्रकार बुनकर आखिरी ८ सलाइयाँ सारी सीधी बुनो (फंदे उसी प्रकार बढ़ाती जाना) अब बुट कर उतार लो।

बांह—४२ फंदे चढ़ाकर कफ से शुरू करो और २० सलाइयाँ सारी सीधी बुनो। अब १० सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियों की बुनो।

अगली सलाई—* २ सीधे, अगले फंदे में आगे पीछे बुनकर एक के दो फंदे बनाओ * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्तिम ३ फंदे सीधे हों। यहाँ फंदे ५९ होजाने चाहिये। अब १० सलाइयाँ फ्रॉक की बाँहों में जो नमूना बनाया है, उस नमूने की बुनो। तब ७ इंच तक गुलूबन्द की बुनाई बुनो। इसके बाद बाँह की चोटी की शकल (अर्थात् ऊपर की काट) निम्न प्रकार से बनानी शुरू करो। हर सलाई के शुरू में दो फंदे बुट कर उतारती जाओ जब तक कि केवल १३ फंदे सलाई पर न रह जायँ तब १३ को बुट कर उतार दो। इसी प्रकार दूसरी बाँह बनाओ।

सीकर तैयार करना—बाँह के छेद में बाँहे जोड़ लो तब बाँहों के नीचे की और बगलो की सीवन सी लो। अब कॉलर के चारो ओर और कफो के चारो ओर क्रिोशिये से सफेद ऊन के साथ एक घेरा दुहरे फंदे का बुनो। दाहिने आगे की पट्टी पर क्रिोशिये से बटनो के लिए ४ चेन के छेद बनाओ और बॉई पट्टी पर ४ बटन छेदों के सामने टाँक दो। अब इस पर इस्तिरी करलो।

टोपी

८८ फंदे चढ़ाकर शुरू करो और पहली ८ सलाइयॉ सीधी बुनो। तब फ्रॉक की बाँहो वाले नमूने की पहली सलाई से शुरू करके १० सलाइयॉ बुनो। अब ३½ इच गुद्धबद की बुनाई बुनो। यहाँ से चदोने की शकल बननी शुरू होगी। बुनाई सारी टोपी में गुद्धबद की ही रहेगी।

अगली सलाई—३ सी० * २ इ० सी०, ६ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में ३ सी० हो। अगली ३ सलाइयॉ बिना घटाये बढाये बुनो (बुनाई सदा गुद्धबद की रहे)

अगली सलाई—३ सी० * २ इ० सी०, ५ सी० * चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में २ सी० हो। अगली २ सलाइयॉ बिना घटाये बढ़ाये बुनो।

अगली सलाई—२ उ० * २ इ० उ०, ४ उ० * चिह्न से दोहराओ अत में २ उ० हो। अगली २ सलाइयाँ बिना घटाये बढाये बुनो।

अगली सलाई—* ३ सी०, २ इ० सी० * चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में २ इ० सी० हो। अगली २ सलाईयॉ बिना घटाये बढ़ाये बुनो।

अगली सलाई—* २ उ०, २ इ० उ०, * चिह्न से अत तक दोहराओ अत में २ इ० उ० हो। अगली २ सलाइयाँ सादी।

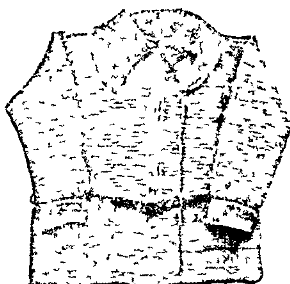
अगली सलाई—* १ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ अत में २ इ० सी० हो।

अगली सलाई—बिना घटाये सादी बुनो।

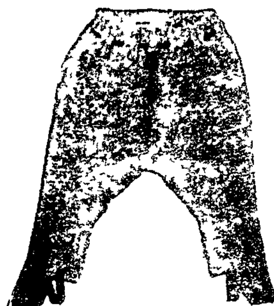
अगली सलाई—सारी सलाई में २ इ०सी० बुनो। कुछ ऊन छोड़कर तोड़ लो और इस डोरे को बचे हुए फदों में से पिरो लो और डोरे को खींच कर पक्का करलो।

सीकर तैयार करना—टोपी की सीवन जोड़ लो अब सफेद ऊन के साथ क्रिोशिये से दुहरे फंदे का एक घेरा किनारे पर बुनो। अब नमूने तक के किनारे को ऊपर को मोड़ लो और इस्तिरी करलो।

४ वर्ष की लडकी का चोटी से ऐडी तक का सुन्दर सूट



चि० स० ७१



चि० स० ७२

यह बदन के साथ सटा हुआ सूट, हेमत ऋतु की सनसनाती हुई ठढी हवा बच्चों की रक्षा करता है और देखने में बहुत ही प्रिय मालूम होता है। यह ३½ या ४ वर्ष के बच्ची को जिसकी लम्बाई लगभग सवा तीन फीट हो, बिल्कुल ठीक है। आसानी से पहना और उतारा जा सकता है तथा बुनने मे भी सुगम है।

आवश्यक सामान—इस सूट के लिए ११ औंस के लगभग ४ तार की ऊन, ८ न० की २ सलाइयाँ, पायजामे के लिये थोडा सा लचकीला फीता और कोट के लिए एक पेटी की जरूरत होगी।

नाप—कधे से निचले किनारे तक कोट की लम्बाई १६ इच, बॉहे कफ सहित १३ इच और निचले घेरे की चौडाई ३२ इच। पायजामे की लम्बाई कमर से पैर की अगुलियो तक २१ इच और टोपी का घेरा बिना खीचे १८ इच। यदि ऊपर लिखे न० की सलाइयॉ तथा ऊन काम मे लाई जावें तो १२ फदो को बुनने से २ इच चौडा और २० सलाइयॉ बुनने मे २ इच ऊँचा टुकडा बनेगा। इसी हिसाब से सूट बनाया गया है।

कोट

पीठ—७८ फदे चढाकर निचले किनारे से शुरू करो और पहली १२ सलाइयॉ सीधी बुनाई की बुनो। अब ८ सलाइयॉ गुद्धबद की बुनाई (एक सलाई सीधी, एक उलटी) की बुनो। फिर

उसी सीधी बुनाई में बुनना शुरू करो और जब तक शुरू से १२ इंच लंबा न हो जाय तब तक बुनो। यहाँ से बाँह के छेद की काट इस प्रकार शुरू करो—अगली दो सलाइयों के शुरू में ३, ३ फंदे बुटकर उतार दो। अब हर दूसरी सलाई पर सलाई के अंत में ४ बार एक एक फंदा घटाओ। फिर ४ इंच तक बिना घटाये बढ़ाये बुनो (बुनाई सदा सीधी रहे)।

अगली सलाई—बुनी हुई चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर रख कर २२ फंदे सीधे बुनो, अगले २२ बुटकर उतार दो और शेष २२ को सीधा बुनो। अब इन्हीं २२ फंदों पर ९ सलाइयाँ और बुनो। तब गले के किनारे की ओर २६ फंदे आगे के लिए नये चढ़ा लो। अब सलाई पर ४८ फंदे होजायँगे। यहाँ से सीधी तरफ की सब सलाइयाँ तो सारी सीधी होंगी पर उल्टी तरफ की सलाइयाँ इस प्रकार बुनी जायँगी ३५ सी०, ६ उ०, ७ सी०। उल्टी सलाई इस प्रकार बुनने से कोट के आगे का किनारा बनता जायगा। इन २ सलाइयों को २½ इंच तक बार बार दोहराओ। तब बाँह के छेद के लिए बाँह के किनारे की ओर हर दूसरी सलाई पर चार बार एक एक फंदा बढ़ाओ। फिर तीन फंदे नये चढ़ालो इससे बाँह के छेद की काट बन जायगी। अब इन ५५ फंदों पर पहले की भाँति आगे का किनारा बनाते हुए ९ इंच तक बुनो।

अगली सलाई—बुनी हुई चीज की उल्टी तरफ को अपनी ओर रखकर ४८ फंदे उल्टे (निचले घेरे के किनारे के लिए) शेष सात फंदे (आगे की पट्टी वाले) सीधे बुनो।

अगली सलाई—सारी सीधी (यह सीधी तरफ से होगी)

इन दो सलाइयों को ३ बार और बुनो और फिर १२ सलाइयाँ सीधी बुनाई का बुनकर कुछ ढीला ढीला बुटकर उतार दो।

इस प्रकार एक आगा समाप्त हुआ। अब ऊन को दूसरे कंधे के २२ फंदों में गले के किनारे की ओर जोड़ लो और ८ सलाइयाँ बुनो। अब गले के किनारे की ओर २६ फंदे नये चढ़ाओ और पिछले आगे की भाँति बुनकर तैयार करो।

बाँह—१४ फंदे सलाई पर चढ़ाकर बाँह की चोटी से शुरू करो और पहली सलाई सीधी बुनो। अब हर सलाई के शुरू में दो दो फंदे नये चढ़ाती जाओ जब तक कि सलाई पर ५४ फंदे न हो जायँ बुनाई सदा सीधी रहे। अब ९ सलाइयाँ बिना बढ़ाये बुनो और हर दसवीं सलाई के प्रारम्भ तथा

अन्त में एक एक फंदा घटाना शुरू करो और जब तक फंदे घटकर ४४ न रह जायँ तब तक घटाना जाओ। उसके बाद जब तक शुरू से बाँह की लम्बाई १० इंच न हो जाय तब तक बिना घटाये बुनो।

अगली सलाई—* २ सी०, २ उ० सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त में ४ सी० हों। अब १२ सलाइयाँ तक २सी०, २उ० फंदों वाली फलियाँ बुनो। इसके बाद ६ सलाइयाँ सीधी,फिर ६ गुठबन्द की बुनाई की और फिर अन्तिम ६ सलाइयाँ सीधी बुनकर ढीला ढीला बुटकर उतार लो। यह एक बाँह समाप्त होगई, इसी प्रकार दूसरी बुनकर तैयार करो।

कॉलर—गले के चारों ओर से ६० फंदे चढ़ा लो और दोनों किनारों के ६,६ फंदे सीधे और बीच के सब गुठबन्द की बुनाई में, किनारे के इन ६ फंदों से पहले अर्थात् सातवें फंदे में आगे पीछे बुनकर एक एक फंदा दोनों ओर हर दूसरी सलाई पर बढ़ाते हुए ३ इंच तक बुनो। अब अन्तिम ८ सलाइयाँ किनारे (कोर) के लिए सीधी बुनो, तब ढीला ढीला बुटकर उतार लो।

पायजामा

७० फंदे चढाकर कमर से शुरू करो और ७ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियों की बुनो। तब फीते के लिए निम्न प्रकार से छेद बनाओ—* ४ सी०, १ ब०, २ इ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अगली ७ सलाइयाँ फिर फलियोदार बुनो। अब पायजामे की पिछली ओर का काट बनाने के लिये निम्न प्रकार से बुनो।

अगली सलाई—६ सी०, बुनी हुई चीज को उलटाओ और उलट कर फिर इन्हीं ६ फंदों को जिन को अभी सीधा बुना है, सीधा बुनो।

अगली सलाई—१२ सी०, उलटाओ और उलट कर फिर इन्हीं १२ फंदों पर सीधा बुनो।

अगली सलाई—१८सी०, उलटाओ और उलट कर फिर इन्हीं १८ फंदों पर सीधा बुनो। इसी प्रकार हर दूसरी सलाई पर ६ अधिक बुनती जाओ और जब बायें हाथ की सलाई पर बिना बुने फंदे केवल २२ रह जायँ तब सब फंदों को एक ही सलाई पर बुन लो। बुनाई सदा सीधी रहे। अब हर छठी सलाई पर चीज की लम्बी तरफ १ फंदा बढाती जाओ जब तक कि सलाई पर सब ८० फंदे न हो जायँ। इसके बाद बिना बढाये बुनती जाओ जब तक कि चीज की छोटी तरफ शुरू से १० इंच लम्बी न हो जाय। अब दोनो किनारों पर ३ बार हर तीसरी सलाई पर एक एक फंदा घटाओ और फिर हर दूसरी सलाई पर घटाती जाओ जब तक कि सलाई पर केवल ४४ फंदे न रह जायँ।

अब ५ इंच तक बिना घटाये बढाये बुनो, यहाँ पैर के लिए पहले १२ फंदे बुट कर उतार दो शेष सारी सलाई सीधी बुनो।

अगली सलाई—पहले १२ फंदे बुट कर उतार दो अब बीच के बचे हुए २० फंदो पर २० सलाइयाँ सीधी बुनो। फिर हर तीसरी सलाई के शुरू और अन्त में एक एक फंदा घटाती जाओ जब तक कि सलाई पर केवल १४ फंदे न रह जायँ। तब सब बुट कर उतार दो।

इस प्रकार एक टॉग समाप्त होगई ठीक इसी प्रकार दूसरी टॉग बुन कर तैयार करो।

टोपी

यह क्रोशिये से दुहरे फंदे की बुनाई में बुनी जायगी। चन्दोवे के बीच से चार चेन बना कर शुरू करो। इन चार चेनो को इकहरे फंदे से जोड कर एक छल्ला सा बना लो और उसमें १० दुहरे फंदे बुनो।

अगला घेरा—* पिछले घेरे के पहले फंदे में एक दुहरा फंदा, दूसरे फंदे मे दो दुहरे फंदे, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगला घेरा—पिछले घेरे के हर फंदे मे एक एक दुहरा फंदा पूरे घेरे तक बुनो। इन दो घेरों को ४ बार और दोहराओ।

अगला घेरा—सारे घेरे के हर छटे फंदे में दो दुहरे फंदे तथा शेष सब में एक एक दुहरा फंदा बनाओ।

अगले दो घेरे—पिछले घेरे के प्रत्येक फंदे में एक एक फंदा बुनो अब इन अन्तिम तीन घेरों को ३ बार और दोहराओ।

अगले ५ घेरे बिना फंदे बढाये हर फंदे में एक-एक फंदा बुनते हुए बुनो। यहाँ चदोवा समाप्त होकर टोपी की दीवार शुरू होती है। अगले ६ घेरे इसी प्रकार चीज को बहुत धीरे से पकड कर बुनो।

अगला घेरा—* ४ फंदो तक प्रत्येक में एक-एक दुहरा फंदा बुनो, अब एक फंदा यहाँ बिना बुने (अर्थात् बिना उस फंदे मे बुने) छोड़ दो,* इसी प्रकार चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगला घेरा—पिछले घेरे के हर फंदे में एक एक दुहरा फंदा बुनो।

अगला घेरा—* ४ फंदों तक प्रत्येक में एक-एक दुहरा फंदा बुनो, तब १ फंदा बिना बुने (अर्थात् बिना उस फंदे में बुने) छोड दो, * इसी प्रकार चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ८ घेरे बिना घटाये बुनो। अंतिम ४ घेरे किनारा मजबूत करने के लिए ऊन को दुहरा करके खूब कस कर बुनो।

सूट को सीकर तैयार करना—कोट की बाँहों की जगह में बाँहें जोड़लो। तब बाँहों के नीचे की और बगलों की सीवन सी लो और कफों को धारियों के ऊपर मोड़ लो। कॉलर के नीचे और दाहिनी पट्टी के नीचे तथा बाईं के ऊपर अर्थात् अंदर की ओर स्टिच बटन लगालो जो दिखाई न दें और कोट का गला भी ठीक से बंद होजाए। क्रोशिये से एक पट्टी के सामने दो बगलों में और पीछे पीठ पर चेन के छेद बना दो जिन में पेटी डाली जा सके और पेटी इन छेदों में डाल दो। पायजामे की टाँगों का आगा पीछा जोड़ लो। दोनों टाँगों के नीचे की सीवन सी लो। अब ऊपर के छेदों में फीता डाल दो और प्रत्येक पैर के नीचे फीते का टुकड़ा गोठ करके टाँक दो जो पैर में पहनाया जा सके जिससे कि बूट पहनने से पायजामा इकट्ठा न हो। अब इस्तिरी से धीरे धीरे दबाकर इस्तिरी करलो।

चार वर्ष की लडकी का प्यारा सूट

जिसमें जरसी, फ्रॉक का निचला घेरा स्वैटर कोट, और निकर शामिल है

आवश्यक सामान
सारे सूट के लिए
(जिसमें स्वैटर कोट
जरसी, निकर, रेशमी
या सूती फ्रौक के नीचे का
ऊनी घेरा या झालर
सब चीज़ शामिल है)
१२ औंस के लगभग
३ तार की ऊन,
९ न० की
एक जोडा सलाइयाँ
३ गोल बटन



नाप
स्वैटर कोट की लम्बाइ
कंधे से निचले
किनार तक १४$\frac{3}{4}$ इच
बाँह कफ सहित १२$\frac{1}{2}$ इच
और निचले किनारे का घेरा
२७ इच, जरसी की लम्बाई
कंधे से निचले किनारे तक
१४ इच
और निचल घेरे की
चौडाइ २४ इ०
झालर की उचाई ६$\frac{1}{2}$ इ०
और चारों ओर का घेरा ५६ इच
निकर की लम्बाई
कमर से नीच तक
११$\frac{3}{4}$ इच

चि० स० ७३

बच्चों के खेल कूद के समय के लिये यह सूट बहुत आरामदायक है। लगभग ३ फी० लंबी लड़की को यह बिल्कुल फिट होगा।

फैलाव—यदि तीन तार की ऊन और इसी नम्बर की सलाइयाँ प्रयोग में लाई जायँ तो १२ फंदों से २ इच चौडा और १६ सलाइयों से २ इच लम्बा या ऊँचा टुकडा बनेगा।

जरसी लडकी लडके दोनों की एक-सी

आगा—७८ फंदे चढाकर आगे के निचले किनारे से शुरू करो और पहली ८ सलाइयाँ बनिये की बुनाई की बुनो। अब दो सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो, यहाँ से नमूना शुरू करो।

१ली सलाई—२ उ० * ६सी०, ९ उ०, ६सी०, ५ उ० * चिह्न से अंत तक दोहराओ, अंत में ६ सी० और ३ उ० हों।

२री सलाई—सारी उल्टी। प्रत्येक समसंख्या वाली सलाई उल्टी हो।

३री सलाई—पहली सलाई की तरह।

५वीं सलाई—* ६ सी०, २ उ०, २ सी०, ५ उ०, २ सी०, २ उ०, ६ सी०, १ उ० * चिह्न से अंत तक दोहराओ, अंत में ६ सी०, और १ उ० हो।

७वीं सलाई—५वीं सलाई की तरह।

९वीं सलाई—४ सी०, * २ उ०, ६ सी०, १ उ०, ६ सी०, २ उ०, ५ सी० * चिह्न से अंत तक दोहराओ, अंत में २ सी०, और ५ उ० हो।

११वीं सलाई—९वीं सलाई की तरह।

१३ वीं सलाई—२ सी० * २ उ०, १७ सी०, २ उ०, ५ सी० * चिह्न से अंत तक दोहराओ अंत में २ उ०, और ३ सी० हो।

१५वीं सलाई—१३वीं की तरह।

१७वीं सलाई—२ उ० * २१ सी०, २ उ०, १ सी०, २ उ०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ अंत में २ उ०, १ सी० हों।

१९वीं सलाई—१७वीं की तरह।

२१वीं सलाई—* २५ सी०, १ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में १ उ० हो।

२३वीं सलाई—२१वीं की तरह।

इन २३ सलाइयों से नमूना समाप्त होगया। अब अगली दो सलाइयाँ सारी उल्टी बुनो। इसके बाद गुलूबंद की बुनाई (एक सलाई सीधी, एक उलटी) ६ इंच तक बुनो। यहाँ से बाँह का छेद बनाना शुरू करो। अगली दो सलाइयों के शुरू में तीन तीन फंदे बुटकर उतार दो। अब चार वार हर दूसरी सलाई के अंत में एक एक फंदा घटाओ और तब तीन इंच तक बिना घटाये गुलूबंद की बुनाई बुनो।

अगली सलाई—चीज़ की सीधी तरफ को अपनी ओर रखकर १५ सीधे बुनो, अगले ३४ फंदे धनिये की बुनाई के बुनो, अब शेष १५ फिर सीधे बुनो।

अगली सलाई—१५ उ०, अगले ३० धनिये की बुनाई मे, अगले १५ फिर उलटे।

अगली सलाई—इन दो सलाइयों को दो वार और दोहराओ।

अगली सलाई—१९ सी०, ९ धनिये की बुनाई के, २४ बुटकर उतार दो, अगले ९ धनिये की बुनाई के, शेष १९ फंदे सीधे।

अब दाहिने कंधे के इन २० फंदों पर १½ इंच तक गले के किनारे के ९ फंदों को सदा धनिये की बुनाई में बुनते हुए बुनो। फिर बुटकर उतार दो। दूसरे कंधे के २० फंदों में गले के किनारे की तरफ ऊन जोड़ लो और पहले कंधे की तरह बुनो।

इस प्रकार आगा समाप्त होगया। ठीक इसी प्रकार पीछा तैयार करो।

बाँहें—१२ फंदे डाल कर बाँह की चोटी से शुरू करो, पहली सलाई सीधी बुनो। अब हर सलाई के शुरू में दो-दो फंदे बढ़ाओ जब तक कि सलाई पर ५० फंदे न हो जायँ। अब बिना बढ़ाये बुनती जाओ और जब बाँह ९ इंच लम्बी हो जाय तब काम की सीधी तरफ को अपनी ओर रख कर * २ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अगली २० सलाइयाँ २ सी०, २ उ०, की फलियों में बुनो। इसमें एक बाँह समाप्त हुई, इसी प्रकार दूसरी बाँह बुनो।

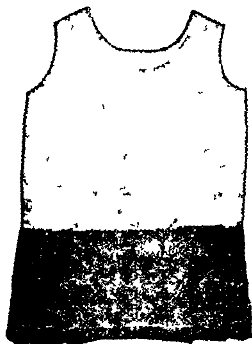
बाँहवाली जरसी अधिकतर लड़कों के पहनने के काम आती है लड़कियों को बिना बाँह की अधिक सुन्दर मालूम होती है अतः यदि लड़कियों के लिए बिना बाँह की जरसी पसन्द हो, जैसी कि, चित्र सं० ७३ में दिखाई गई है, तो निम्न प्रकार से बाँह का किनारा बनाओ।

बाँह का किनारा—बाँह के छेद पर से ९६ फंदे उठालो और ६ सलाइयाँ धनिये की बुनाई में हर दूसरी सलाई के दोनों किनारों पर एक २ फंदा घटाते हुए बुनो। तब बुट लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह का किनारा बनालो।

सीकर तैयार करना—आगे पीछे के कंधे इकट्ठे जोड़ लो। तब बाँह के छेदों में बाँहें सीलो। बाँह के नीचे की और बगलों की सीवन भी सीलो। अब सीवनों को दबा कर इस्तिरी करलो।

झालर या घेरा

(जरसी और स्वैटरकोट के नीचे पहनने के लिए रेशमी या सूती कपड़े की फ्रॉक या बॉडी में लगाने का)



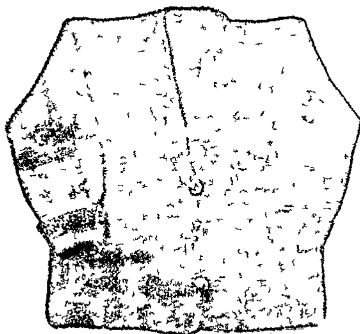
चि० स० ७४

जरसी ऊँचाई में छोटी होती है अत इसके नीचे रेशम की या सूती कपड़े का जरसी से कुछ छोटा फ्रॉक या बॉडी चित्र स० ७४ की भाँति सी लो उसमें निम्न प्रकार से यह झालर बना दो आगे पीछे दोनो ओर किनारो पर ६, ६ प्लेट डाल कर और बीच में सादी रख कर सी लो। फिर एक गीला कपडा ऊपर डाल कर इस्तिरी करलो।

झालर—१६३ फंदे डाल कर निचले हिस्से से शुरू करो। पहली ८ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो, फिर ६ इंच तक गुल्बदन की बुनाई बुनो, तब बुट कर उतार लो। इससे झालर का एक हिस्सा तैयार हो जायगा, इसी प्रकार पीछे के लिए एक टुकड़ा तैयार करलो। तब दोनो को आपस में जोड़ लो और बॉडी में लगा दो।

देखो चि० स० ७३ में बच्ची यह बॉडी तथा उसके ऊपर जरसी पहने हुए कितनी सुन्दर मालूम होती है।

स्वैटर कोट (लडके लडकी दोनों का एक-सा)



चि० स० ७५

पीठ—८० फंदे चढा कर पीठे के निचले हिस्से से शुरू करो और पहली ८ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो। तब १० इंच तक गुल्बद की बुनाई बुनो। अब अगली २ सलाइयों के शुरू मे बाँह की जगह की काट के लिए ३, ३ फंदे बुट कर उतार दो। तब ४ बार हर दूसरी सलाई के प्रारम्भ और अन्त में एक-एक फंदा घटाओ। इसके बाद ४ इंच तक गुल्बद की बुनाई बिना घटाये बुनो।

अगली सलाई—२२ सी०, बीच के २२ बुटकर उतार दो, शेष २२ सीधे बुनो। इन अन्तिम २२ फंदो पर, हर ४थी सलाई पर, एक एक फंदा गले के किनारे की ओर बढ़ाते हुए बुनो, जब तक कि फंदे बढकर २९ न हो जायँ। बुनाई गुल्बन्द की ही हो। अब चार बार बाँह के किनार पर सलाई के अन्त में प्रत्येक दूसरी सलाई पर एक-एक फंदा बाँह की जगह की काट के लिए बढ़ाओ। फिर इसी किनारे पर ३ नये फंदे चढ़ालो। इधर गले के किनारे पर भी हर चौथी सलाई पर एक एक फंदा बढ़ाती जाओ जब तक कि सलाई पर फंदे बढ़कर कुल ४२ न हो जायँ। अब आगे को बिना बढ़ाये बुनती जाओ और जब पीठे के बराबर लम्बा होजाय तब बुटकर उतार लो। ऊन को दूसरे कंधे के २२ फंदों मे गले के किनारे पर जोड़ लो और ठीक पहले आगे की भाँति बुन लो।

बॉहें—१४ फदे चढ़ाकर बॉह की चोटी से शुरू करो और पहली सलाई सीधी बुनो। उसके बाद जब तक कि ५६ फदे सलाई पर न हो जायँ तब तक हर सलाई के शुरू में दो फदे नये चढाती जाओ। बुनाई गुलबन्द की ही रहे ५६ फदे होजाने के बाद बिना बढाये बुनती जाओ जब तक कि बॉह की लम्बाई शुरू से ८½ इच न हो जाय।

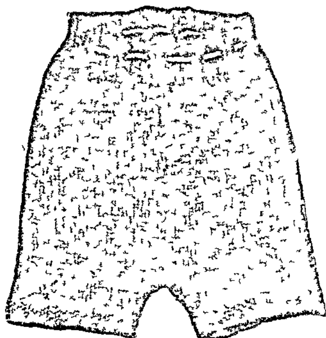
अगली सलाई—* १ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ, अन्त मे दो सीधे फदे हो, यहॉ फदे घट कर ३८ रह जायॅगे। तब १२ सलाइयाँ २सी०,२उ० फदों वाली फलियो की बुनो और फिर ८ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की। पर इन आठ सलाइयों की बुनाई बॉह की सीधी ओर उलटी आनी चाहिए और उल्टी ओर सीधी जिससे कफ को मोड़ने पर बॉह की सीधी ओर कफ की भी सीधी बुनाई आवे। अब ८ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनकर बुटकर उतार लो। ठीक इसी प्रकार दूसरी बॉंह बुन लो।

जेबे—२४ फदे चढ़ाकर २½ इच तक गुलबन्द की बुनाई बुनो, तब ८ सलाइयाँ धनिये की बुनाई में बुनकर बुट लो। इसी प्रकार दूसरी जेब बुन लो।

पट्टी—(गले और आगे के लिए)६ फदे चढ़ाकर धनिये की बुनाई में बुनती जाओ और इतनी लम्बी पट्टी बुन लो जो एक आगे के निचले किनारे से शुरू करके गले के चारो ओर होती हुई दूसरे आगे के निचले किनारे तक पूरी आजावे।

सीकर तैयार करना—बॉहो की जगह में बॉह सी लो। तब बॉंहो के नीचे की और बगलो की सीवन सी लो। अब बडी सफाई से पट्टी एक आगे से लेकर गले के चारो ओर जोडते हुए दूसरे आगे के निचले किनारे तक सीलो। यह ध्यान रखना चाहिये कि आगे और पट्टी बराबर बराबर रहे, कोई खिंच न जाय अन्यथा बल पड जायगा। अब जेबों को ठीक से नापकर आगो पर रखकर पिन लगा दो और फिर सफाई से सीदो। पिन लगाने से सीने समय जेबें ठीक अपनी जगह पर जमी रहेंगी। अब दाहिने आगे की पट्टी पर ठीक ठीक नाप कर एक सी दूरी पर नीचे क्रिोशिये से ३ छेद बना लो और बाईं पट्टी पर छेदो के सामने ३ गोल बटन टॉक दो। सीवनो को खूब दबा कर इस्तिरी कर लो।

सूट के साथ की निकर



७२ फंदे चढ़ाकर कमर से शुरू करो। और पहली ६ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियों में बुनो।

अगली सलाई—* ४ सी०, १ ब०, २ इ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। फिर अगली ८ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियों में बुनो। अब यहाँ से कमर की काट बननी शुरू होती है।

अगली सलाई—७ सीधे बुनकर चीज को उल्टाओ। और उलट कर अभी जो फंदे सीधे बुने हैं उन्हीं को उल्टा बुनो।

अगली सलाई—१४ सी०, चीज को उल्टाओ और लौटकर इन्हीं १४ पर उल्टा बुनो।

अगली सलाई—२१ सी०, चीज को उलटाओ और लौटकर इन्हीं २१ पर उल्टा बुनो।

अगली सलाई—२८ सी०, चीज को उल्टाओ और लौटकर इन्हीं २८ पर उल्टा बुनो। इसी प्रकार हर दूसरी सलाई पर ७ फंदे बढ़ाते हुए बुनती जाओ जब तक कि बाईं सलाई पर केवल २३ बिना बुने न रह जायँ। तब कुल ७२ फंदों को (अर्थात् बिना बुने २३ को भी) एक ही सलाई पर बुनलो। बुनाई सदा गुड़बद की रहे अब बड़े किनारे की ओर हर आठवीं सलाई पर एक फंदा बढ़ाते हुए

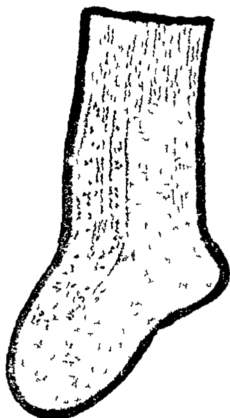
बुनती जाओ जब तक कि फंदे बढ़कर ८० न हो जायँ और छोटे किनारे की ओर से किनार की लम्बाई १० इंच न हो जाय। अब दोनों किनारों पर हर दूसरी सलाई पर एक-एक फंदा घटाके ६ बार फंदे घटाओ। तब ८ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुन कर और घुट कर उतार दो। एक टाँग समाप्त होगई। ठीक इसी प्रकार दूसरी टाँग तैयार करो पर उसमें कमर की काट सीधी के बजाय उल्टी सलाई पर शुरू करो।

सीकर तैयार करना—दोनो टाँगो को आगे पीछे परस्पर इकट्ठा जोड़कर तब टाँगों की निचली सीवन को (जहाँ दोनो किनारों पर एक-एक फंदा घटाया था सीलो) अब छेदों में फीता डाल कर इस्तिरी करलो।

---

३ वर्ष की बच्ची के लिए सुन्दर जालीदार मोजे

आवश्यक सामान आवश्यकतानुसार ८नं० का रेशम १९ नं० की, चार लोहे की, सलाइयाँ



यदि इन्हीं मोजों पर ५ नं० का रेशम और १७ नं० की सलाइयाँ लगाई जायँ तो यही मोजे ४ से ६ वर्ष की बच्ची को पूरे आजायगे

चि० सं० ७७

तीन सलाइयों पर क्रम से १७, ३४, १७ के अनुसार कुल ६८ फंदे चढ़ाकर टाँग के ऊपर वाले हिस्से से शुरू करो। ४२ घेरे २ सी०, २ उ० फंदो वाली फल्लियो के बुनो।

४३वाँ घेरा—पहली सलाई—सारी सीधी। दूसरी सलाई—* २ उ०, १ सी०, १ब०, २इ० सी०

२उ०, २इ०सी०, १ब०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त मे जब केवल ७ फदे रह जायँ तब २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, २ उ०, । तीसरी सलाई—सारी सीधी ।

४४वाँ घेरा—पहली सलाई, सारी सीधी । दूसरी सलाई—* २ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, २उ०, २सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ७ फदे रह जायँ तब २ उ०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, २ उ० । तीसरी सलाई—सारी सीधी ।

४५वाँ घेरा—पहली सलाई—सारी सीधी । दूसरी सलाई—* २उ०, १सी०, १ ब०, २ इ०सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार २ दोहराओ,अन्त मे जब ७ रह जायँ तब २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, २ उ०, । तीसरी सलाई—सारी सीधी ।

४६वाँ घेरा—४४वें घेरे की तरह ।

४७वाँ घेरा—४५वें घेरे की तरह ।

४८वाँ घेरा—४४वें घेरे की तरह ।

इन अन्तिम ६ घेरो को ७ बार और दोहराओ। यहाँ ऐडी के लिए इस प्रकार फदे बाँटो—पहली सलाई के १७ फदे तीसरी पर सीधे बुनलो। तीसरी पर ३४ फदे होगये अब इन ३४ फदे पर ही ऐड़ी के लिए बार-बार बुना जायगा इसलिए चीज को उलटा लो। उलटा कर इसी सलाई को इस प्रकार बुनो—१ स०, ३३ उ०, फिर चीज को उल्टालो ।

पहली सलाई—१ स०, ३३ सी०, चीज को उल्टाओ ।

दूसरी सलाई—चीज को उल्टाने के बाद १स०, ३३ उ० । इन अन्तिम दो सलाइयों को ऐड़ी के लिए ७ बार और दोहराओ। अब ऐडी को इस प्रकार मोड़ो—१९ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, चीज को उल्टाओ, १ स०, ४ उ०, २ इ० उ०, चीज को उल्टाओ,* १ स०, ४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, चीज को उल्टाओ, १ स०, ४ उ०, २ इ० उ०, चीज को उल्टाओ, * चिह्न से चिह्न तक तब तक दोहराओ जब तक ऐडी के केवल ६ फदे न रह जायें ।

अगली सलाई—जो ६ फदे सलाई पर हैं वे सीधे बुन लो और ऐड़ी की इस ओर की ढाल (ऊँचाई) पर से १६ फदे एक सलाई पर उठालो तथा ६ फदो वाली सलाई पर ही सीधे बुन लो । दूसरी सलाई (जो फूलों वाली है और ऐड़ी के कारण बिना बुने छोड़

रखी थी) को इस प्रकार बुनो—* २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, २ उ०, २ इ० सी०, १ ब० * चिह्न से बार २ दोहराओ, अन्त में जब ७ रह जायँ तब २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी, २ उ०। तीसरी सलाई पर ऐडी की दूसरी ओर की ढाल पर से १६ फदे उठा कर सीधे बुन लो और फिर २ फदे पहली सलाई पर से इस पर सीधे बुन लो। अब तीनों पर क्रम से १९, ३४, १९ फदे हो जायँगे।

पैर का पहला घेरा—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—* २ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ७ रह जायँ तब २ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, २ उ०। तीसरी सलाई—सीधी बुनो।

दूसरा घेरा—पहली सलाई—१७ सी०, २ इ० सी। दूसरी सलाई—* २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ७ रह जायँ तब २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, २ उ०। तीसरी सलाई—१ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १७ सी०।

तीसरा घेरा—टॉग के ४४वें घेरे की तरह।

४था घेरा—पहली सलाई—१६ सी०, २ इ० सी०। दूसरी सलाई—* २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ० सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ७ फदे रह जायँ तब २ उ०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, २ उ०। तीसरी सलाई—१स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, १६ सी०, (कुल ६८ फदे तीनों सलाइयों पर रहेंगे)

५वाँ घेरा—टॉग के ४४वें घेरे की तरह। अब टॉग के ४३वें घेरे से लेकर ४८वें घेरे तक के सब घेरे क्रम से ५ बार और दोहराओ। (पैर के कुल ३५ घेरे हुए)

३६वाँ घेरा—पहली सलाई—तब तक सीधी बुनो जब तक कि अन्त मे केवल ३ फदे न रह जायँ तब २ इ०सी०, १सी०,। दूसरी सलाई—१ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, बीच के सब सीधे बुनो, अन्त मे जब ३ रह जायँ तब २इ० सी०, १सी०। तीसरी सलाई—१ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, शेष सारी सादी।

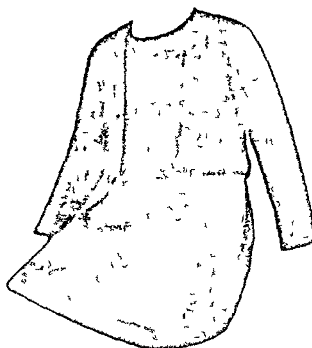
अगले २ घेरे—सारे सीधे। इन अन्तिम तीन घेरो को ५ बार और दोहराओ।

५४वाँ घेरा—पैर के ३६ वें घेरे की तरह।

५९वाँ घेरा—सारा सीधा। इन अन्तिम दो घेरों को ९ बार और दोहराओ। अब तीनों सलाइयों पर केवल २० फंदे रह जायँगे। सलाइयों को धीरे से फंदों में से निकाल कर चित्र सं० १२ की तरह फंदों को सीलो। मोजे पर इस्तिरी करलो। इसी प्रकार दूसरा तैयार करो। यदि ४ से ६ वर्ष की बच्ची के लिए मोजे बनाने हों तो ९ न० का मोटा रेशम और १७ न० की मोटी सलाइयाँ लगा कर इतने ही फंदे चढाकर इसी हिसाब से बुनो। ऊन के बनाने चाहो तो इसी प्रकार रेशम जितनी मोटी ऊन और सलाइयाँ लेकर बुन सकती हो।

रेशमी पट्टीदार चपला जम्पर
६ वर्ष से ७ वर्ष की लडकी के लिये

आवश्यक सामान
हल्के बादामी रंग के स्वदेशी रेशम की लच्छियाँ आवश्यकतानुसार
११ नं की ३ सलाइयाँ



नाप
पिछले गले से लेकर निचले किनारे तक की लम्बाई २५½ इं०
चौड़ाई बगलों के पास चारों ओर की २६ इंच, बाहों की लम्बाई १३ इंच

चि० सं० ७६

फैलाव—१५ फंदों से २ इंच चौड़ी और ९ सलाइयों से १ इंच ऊँची चीज बने इतना मोटा रेशम होना चाहिये।

पीठ के निचले किनारे से शुरू करो। १९८ फंदे चढ़ाओ और १३ सलाइयाँ सीधी बुनो। तब ४ सलाइयाँ गुद्धनद की बुनाई की बुनो।

५वीं सलाई—५० सी०, २ इ०सी०, ५४सी०, १ म०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, ५० सी०
(१५६ फंदे)।

अगली ३ सलाइयाँ—गुद्धनद की बुनाई की बिना घटाये बुनो।

९वीं सलाई—४९ सी०, २ इ०सी०, ५४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ४९ सी०

अगली ३ सलाइयाँ—बिना घटाये गुद्धनद की बुनाई की बुनो।

१३वीं सलाई—४८ सी०, २ इ०सी०, ५४ सी०, १ स०, १ सी०, स०फ० इस पर डालो, ४८ सी०।

अगली ३ सलाइयाँ—गुद्धनद की बुनाई की बुनो।

१७वीं सलाई—इस सलाई पर ऊपर की भाँति दोनों ओर बीच के ५४ फदो के आसपास एक-एक फदा घटाओ, इसी प्रकार हर चौथी सलाई पर दोनो ओर एक-एक फदा घटाती जाओ जब तक कि सलाई पर फदे घट कर १०६ न रह जायँ। ५४ सी० सदा ऐन बीच में हों और घटाने वाली सलाई के बाद सदा ३ सलाइयाँ गुद्धनन्द की बुनाई की बुनो। जब फदे घट कर १०६ रह जायँ तब अगली कुछ सलाइयाँ बिना घटाये बुनो जब तक कि चीज शुरू से १४½ इंच लम्बा न हो जाय। अन्तिम सलाई उल्टी सलाई हो। अब इस टुकडे को ऐसे ही रहने दो। और एक अलग सलाई पर दूसरे गोले से १०६ फंदे चढ़ाकर १३ सलाइयाँ सादा बुनाई की बुनो। अब इस नये टुकडे को पुराने टुकड़े के सामने रखो और दोनो टुकडो को इकट्ठा (दोनो सलाइयो के एक एक फदे को लेकर इकट्ठा बुनते हुए) ऐसे बुनलो जैसे एक ही हों।

अब जो सीधी सलाई आवे उसके दोनो ओर एक एक फदा घटाओ और आगे से हर आठवी सलाई पर दोनो ओर एक एक फदा घटाते हुए गुद्धनद की बुनाई मे ही बुनती जाओ जब तक कि सलाई पर ९६ फदे न रह जायँ। तब कुछ सलाइयाँ बिना घटाये बुनो जब तक कि जोड़ से लेकर चीज की लम्बाई ५ इंच न हो जाय। अन्तिम सलाई उल्टी हो।

बाँह की जगह की काट—अगली ८सीधी सलाइयो के दोनो किनारो पर एक एक फदा घटाओ। बीच में ८० फदे रह जायँगे। अब इन पर ५ इंच और बुनो। फिर अगली दोनो सलाइयो के अंत मे ५-५ फंदे बिना बुने सलाई पर ही छोड कर कंधे की काट शुरू करो और हर सलाई के अन्त में ५ और बिना बुने छोडती हुए बुनती जाओ। अंत में जब बीच में केवल ३०फदे बुने हुए रह जायँ तब सारी सलाई को अन्त तक बुन जाओ और फिर दूसरी सलाई में बुट कर उतार दो।

आगा—१९८ फंदे चढा कर १४½ इंच तक ठीक पीछे की भाँति बुनो, अन्तिम सलाई उलटी सलाई हो।

अगली सलाई—३१ सीधे बुन कर किसी डोरे पर या रेशम के टुकड़े पर सरका लो। बीच के ४४ सीधे बुनो और अन्तिम ३१ फंदे भी किसी डोरे या रेशम पर उतार लो। अब केवल बीच के ४४फंदों को गुलबदन की बुनाई मे ८ इंच लम्बा बुनो। अन्तिम सलाई उलटी सलाई हो। सात सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। तब बुंद कर उतार लो।

अब एक अलग सलाई पर ३९ फंदे नये चढालो और १३ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। अब पहले ३१ फंदो को, जो उतार कर अलग रखे हुए है, एक सलाई पर चढालो और इस सलाई को बायें हाथ में अभी जो ३९फंदों की पट्टी बुनी है उस सलाई के पीछे रखकर, पीठ की भाँति दाहिने हाथ की सलाई दोनों सलाइयो के एक एक फंदे में डालते हुए फंदे इकट्ठे बुनती जाओ। इस प्रकार ३१फंदे दोनों के बुने जायँगे और दोनो सलाइयो की एक सलाई हो जायगी तथा पट्टी आगे के साथ जुड़ जायगी। तब अगली सलाई पर जो ८ फंदे बचेंगे, उन्हें सीधा बुनो। अब निम्न प्रकार से बुनना जारी रखो।

अगली सलाई—८ सी०, ३१ उ०।

अगली सलाई—सारी सीधी। अब इन अन्तिम दो सलाइयो को, अगली सीधी सलाई के शुरू में और फिर हर आठवी (सीधी सलाई) के शुरू में (बगल के किनारे की ओर) एक फंदा घटाते हुए बुनती जाओ जब तक कि सलाई पर ३४ फंदे न रह जायें। अब इन ३४फंदो पर बिना घटाये बुनो जब तक कि चीज जोड से लेकर ९ इंच लम्बी न हो जाय। अन्तिम सलाई सीधी हो। अब यहाँ से बाँह के छेद की काट शुरू होती है।

बाँह की जगह की काट—८ बार हर सीधी सलाई के शुरू में एक फंदा घटाओ, शेष २६ फंदे रह जायँगे। अब बिना घटाये बुनो जब तक कि बाँह के छेद की ऊँचाई पीछे के छेद जितनी न हो जाय अन्तिम सलाई सीधी सलाई हो। अब उलटी सलाई के अन्त में ९ फंदे बिना बुने छोड़ो जिससे कंधे की काट बन सके। फिर प्रत्येक बार हर उलटी सलाई के अन्त में ९ फंदे बिना बुने हुए फंदों में और बढ़ाती जाओ जब तक कि सब फंदे बिना बुने न रह जायें। तब सब को बुंद कर उतार दो।

अब दूसरी ओर के आगे की पट्टी के लिए एक खाली सलाई पर ३९फंदे नये चढ़ाओ और १३ सलाइयाँ सीधी बुनो।

१४वीं सलाई—शुरू के ८ फंदे सीधे बुनो, तब डोरे पर जो ३१ फंदे आगे के रखे हैं उन्हें एक और सलाई पर लेकर उनके ऊपर इस ३९ फंदों की पट्टी वाली सलाई को रख कर इसके शेष ३१ फंदों को दूसरी सलाई के ३१ फंदों के साथ दोनों सलाइयों मे एक

एक फंदा लेते हुए दूसरे आगे की भाँति इकट्ठा सीधा बुनती जाओ। इस प्रकार दो सलाइयो की एक हो जायगी और पट्टी आगे के साथ जुड़ जायगी।

अगली सलाई—३१ उ०, ८ सी०।

अगली सलाई—सारी सीधी। अब इन अन्तिम दो सलाइयो को अगली सीधी सलाई के अन्त में और फिर हर आठवीं सीधी सलाई के अन्त मे एक-एक फंदा घटाते हुए, बार २ दोहराओ जब तक कि सलाई पर ३४ फंदे न रह जायँ। अब बिना घटाये बुनो जब तक कि जोड़ से ऊपर चीज की लम्बाई ५ इंच न हो जाय। अन्तिम सलाई उलटी हो।

बॉह की जगह की काट—८ बार हर सीधी सलाई के अन्त में एक एक फंदा घटाओ। जब अन्त में २६ फंदे रह जायें तब बिना घटाये बुनती जाओ जब तक कि ऊँचाई दूसरे कंधे के बराबर न हो जाय। अन्तिम सलाई उलटी हो। अब उलटी सलाइयो के बजाय सीधी सलाइयो के अन्त में ५-५ फंदे बिना बुने छोड़ते हुए कंधे की काट बनाओ और जब सब फंदे बिना बुने फंदो मे आजायें तब किनारे के ८ सीधे फंदो के सिवाय सब बुट कर उतार दो। इन ८ फंदो पर ५ इंच और सीधी बुनाई बुनो। और फिर इनको भी बुट कर उतार लो।

बॉह—४६ फंदे सलाई पर नये चढाओ और १३ सलाइयॉ सीधी बुनो।

१४वी सलाई—सारी सीधी।

१५वा सलाई—१६उ०, १४सी०, १६उ०। इन दो सलाइयो को बार-बार दोहराओ किन्तु २४वी सलाई के दोनों किनारो पर और उसके बाद हर छटी सलाई के दोनो किनारो पर एक एक फंदा अन्त तक बढ़ाती जाओ, लेकिन जब शुरू से २९ सलाइयाँ हो जायें तब हर उलटी सलाई के मध्य में दो सावे फंदे कम करती जाओ जब तक कि सब के सब फंदे उलटे न हो जायें, अर्थात् २९ वी सलाई के बाद जो उलटी सलाई आवे उस में १४सी० के बजाय १२सी० बुनो फिर दूसरी उलटी में १०सी०। इसी प्रकार प्रत्येक उलटी सलाई में २सीधे फंदे घटाती जाओ। अब गुलूबन्द की बुनाई मे बुनो जब तक कि फंदे बढ़कर ७६ न हो जायें और यदि आवश्यकता हो तो कुछ सलाइयाँ और बुनलो जिससे कि शुरू से लेकर बाँह की लम्बाई १२½ इंच हो जाय। अब हर सलाई के दोनों कोनों पर एक-एक फंदा घटाओ। अन्त में जब केवल २४ फंदे रह जायँ तब बुट कर उतार लो।

सीम्र तैयार करना—गीला कपड़ा ऊपर बिछाकर फ्रॉक के दोनों ओर इस्तिरी करके आगे पीछे के कंधों को आपस में जोड़ लो और बाँह की जगह में बाँहें जोड़ दो। अब बगलो की तथा बाँहों के नीचे की

सीवन सी लो। फिर इस्तिरी से सब सीवनो को दबाओ। सीधी बुनाई वाली पट्टी एक ओर से तो जुडी हुई है ही, दूसरी ओर से सफाई से बारीक बारीक टॉका भरलो जो दिखाई न दे, पर पट्टी ढीली रहे, ज्यादा खिंचे नहीं। गले पर दाहिनी ओर ३ इच पट्टी बिना सिली रहने दो और उसमें अन्दर की तरफ स्टिच बटन, जो ऊपर दिखाई नहीं देते, लगा लो जिससे फ्रॉक पहनने के बाद गला बद किया जा सके। गले के पिछली ओर के लिए ८ फदो पर जो पट्टी आगे के साथ ही बुनी थी उसे पिछली ओर टॉक लो। अब फिर इस्तिरी से सीवनो और किनारो को दबाओ। सुन्दर सा फ्रॉक तैयार होगया।

फूलदार मनोहर फ्रॉक

६ से ८ वर्ष की लडकी के लिए

आवश्यक सामान
लगभग १० औंस
हल्का नीले रग का रेशम
बुनने के लिए,
और करीब १ औंस गुलाबी
एक औंस हरा
औ १ औंस पीला रेशम
फूलों के लिए,
१० न० की
एक जोडा सलाइयाँ,
४ बटन और एक
सुन्दर पेटी।



नाप
पीछे के गले से लेकर
नीचे तक की
लम्बाइ २३ इच
छाती पर की
चारों ओर की चौडाइ,
२६ इच,
बाँह की लम्बाई,
कफ सहित १३ इच
फैलाव—७ फदो से
१ इच चौडा और
१० सलाइयों से
१ इच ऊचा टुकडा बनेगा।

चि० स० ७९

मजबूत किनारा बनाने के लिए पहली सलाई सदा फन्दों के पिछली ओर बुनो।

पीठ—पीठ के निचले किनारे से शुरू करो। नीले रेशम से २४९ फदे चढाकर ८ सलाइयाँ बनियें की बुनाई की बुनो। पर आठवीं सलाई के अन्त में १ फदा घटा देना। अब निम्न प्रकार से बुनो।

१ली सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ३० सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

२री सलाई—१ सी०, अन्तिम १ फंदे के सिवाय सब उल्टे, १ सी०।

३री सलाई—सारी सीधी।

४थी सलाई—२री सलाई की भाँति।

५वी सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २८ सी०, २ इ०सी० १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६ठी, ७वीं, और ८वीं सलाई—क्रम से २री, ३री, और ४थी सलाई की भाँति।

९वी सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २६ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

१०वी, ११वी, १२वी सलाई—क्रम से २री, ३री ४थी की भाँति।

अब यहाँ केवल वही सलाइयाँ दी जायँगी जिनमे फंदे घटाये जाते हैं, शेष मुड्नद या बुनाई वाली ३ सलाइयाँ क्रम से २री, ३री, ४थी की भाँति ही बुनी जायँगी।

१३वी सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २४ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

१७वी सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २२ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२१वी सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २० सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२५वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १८ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२९वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १६ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३३वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १४ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३७वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १२ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४१वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १० सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४५वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ८ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४९वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ६ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

५३वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ४ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

५७वीं सलाई—* १४ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, २ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६१वीं सलाई—*१४सी०,१स०,१सी०,स०फ०इस पर डालो,२इ०सी०,१४सी० *चिह्न से दोहराओ।

६५वीं सलाई—* १४ सी०, २ इ०सी०, १४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६९वीं सलाई—* १३ सी०, ३ इ०सी०, १३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

अब ४५ सलाइयाँ गुड़तार की बुनाई की बुनो।

११५ वीं सलाई—२ इ० सी०, सीप के सब साँध, अन्तिम २इ०सी०।

अगली ३ सलाइयाँ—गुड़तार की बुनाई की बुनो।

अब इन अन्तिम ४ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। १०० फंदे रह जायँगे।

नोट—जब किसी तरह के रेशम या ऊन के गोले से काम करना हो तो जो गोला जिस समय काम में हो उसे बुनते समय चीज की पिछली ओर अर्थात उल्टी ओर रखना चाहिए और ४ या ५, ६ फंदे बाद जब बुनने वाला धागा सीधा फंदा बुनते समय पिछली ओर को हो तो उसके ऊपर से काम वाले गोले के धागे को निकाल लेना चाहिए जिससे काम वाले रेशम या ऊन का धागा पिछली ओर अधिक लम्बा होकर ढीला न हो जाय बल्कि बीच बीच में बँध जाय। अब हरे रेशम का गोला लगाकर नीचे और हर गोला गोले से निम्न प्रकार से फूल बुनना शुरू करो।

फूलों की पहली सलाई—(सादी सीधी हरा) ४ सी० (नीला) * १ इ० (हरा), १५ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में १५ सीधे करो।

२री सलाई—(सादी उल्टी हरी) १५सी०, *१ इ०, १५सी० *चिह्न से दोहराओ, अन्त में ४ सी० करो।

३री सलाई—(सीधी) ३ सी०, * ३ इ०, १३ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में १४ सी० करो।

४थी सलाई—(उल्टी) १३ नी०, * १ ह०, १ नी०, १ ह०, १नी०, १ ह०, १९नी०, *चिह्न से दोहराओ, अन्त में २ नीले हों।

५वीं सलाई—पहली सलाई की तरह।

६ठी सलाई—यहाँ गुलाबी रंग का गोला जोड़ लो और नीले तथा गुलाबी गोलों से जैसे कि बताया गया है वैसे बुनो—(उल्टी) १४ नी०, * ३ गु० (गुलाबी), १७ नी०, *चिह्न से दोहराओ, अन्त में ३ नी० हों।

७वीं सलाई—पीले रेशम का गोला जोड़कर—(सीधी) २ नी०, * २ गु०, १ पी० (पीला), २ गु०, १५ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में ३ नी० हो।

८वीं सलाई—छठी सलाई की तरह। अब ९वीं से लेकर १३वीं सलाई तक केवल नीले रंग से गुडबन्द की बुनाई बुनो। फूलों की एक लाइन पूरी होगई। अब इन १३ सलाइयों की तरह ही १३ सलाइयाँ और बुनो, केवल इतना अन्तर हो कि पहले फूलों की लाइन की पहली सलाई सीधी तरफ से शुरू हुई थी अब उल्टी तरफ से शुरू होगी, अर्थात् १४वीं सलाई उल्टी है और उसीसे फूलों की दूसरी लाइन शुरू करनी है अतः इसमें फूलों की पहली सलाई उल्टी, दूसरी सीधी, तीसरी उल्टी इस तरह से सब बदल जायँगी पर फंदों की गिनती वही रहेगी।

अब फूलों की दूसरी लाइन (अर्थात् दुबारा यह १३ सलाइयाँ) समाप्त होजाने के बाद पहली लाइन की तरह सीधी तरफ से शुरू करके फूलों वाली ८ सलाइयाँ और बुनो। इसके बाद बाँह की जगह की काट इस प्रकार बनाओ—अगली दो सलाइयों के शुरू में नीले रंग से गुडबन्द की बुनाई बुनते हुए ६, ६ फंदे बुट कर उतार दो। अब अगली ३ सलाइयों के दोनों किनारों पर एक एक फंदा घटाओ, ८२ फंदे रह जायँगे। अब फिर निम्न प्रकार से नमूना बुनो—

१ली सलाई—(उलटी) १५ नी०, * १ ह०, १९ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में ६ नीले हों।

२री सलाई—(सीधी) ६ नी०, * १ ह०, १९ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में १५ नी० हों।

३री सलाई—(उलटी) १४ नी०, * ३ ह०, १७ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में ५ नी० हों।

४थी सलाई—(सीधी) ४ नी०, * १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १५ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में १३ नी० हो।

५वीं सलाई—पहली की भाँति।

६ठी सलाई—२नी०, * ३ गु०, १७ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में १४ नी० हो।

७वीं सलाई—१३ नी०, * २ गु०, १ पी०, २ गु०, १९ नी०, * चिह्न से दोहराओ, अत में ४ नी० हो।

८वीं सलाई—छठी सलाई की भाँति।

९वी से १३वा सलाई—नीले रग से गुल्बद की बुनाई की बुनो।

अब इन १३ सलाइयो को एक बार फिर दोहराओ पर शुरू सीधी सलाई से करो। इसके बाद फिर उलटी सलाई से शुरू करके पहली से लेकर ८वीं सलाई तक दोहराओ। अब निम्न प्रकार से बुनना जारी रखो—

१ली सलाई—उलटी।

२री सलाई—अतिम ६ को बिना बुने कधे की काट के लिए सलाई पर ही छोडकर शेष सब (७६फदे) सीधे बुनकर चीज को उलटालो।

३री सलाई—इस ओर से भी अत मे ६ फदे बिना बुने छोडकर बीच के सब (७० फदे) उलटे बुनकर चीज को उलटालो।

४थी सलाई—अत में १२ बिना बुने छोड़कर बीच के ६४ फदे सीधे बुनकर चीज को उलटालो।

५वी सलाई—६ उलटे, अब अतिम १८ के सिवाय शेष धनिये की बुनाई में बुनो, अन्तिम १८ में से ६ उ० बुनकर चीज को उलटालो, अत में १२ बिना बुने रहने दो, उलटाओ।

६ठी सलाई—६ सी०, अतिम १८ को छोडकर शेष धनिये की बुनाई मे बुनो, उलटाओ।

७वीं सलाई—अत में १८ को छोड़कर शेष सब धनिये की बुनाई मे बुनो, उलटाओ।

८वीं सलाई—अत में २४ छोडकर शेष सब धनिये की बुनाई में बुनो, उलटाओ।

९वीं सलाई—अत में २४ छोडकर शेष सब धनिये की बुनाई मे बुनो, उलटाओ।

१०वीं सलाई—अत में ३० छोडकर शेष सब धनिये की बुनाई में बुनो, उलटाओ।

११वीं सलाई—अत में केवल १८ को छोडकर शेष सब धनिये की बुनाई में बुनो, अतिम १८ उलटे। अब सारी सलाई को बुटकर उतार दो।

आगा—फ्लो की ९वा लाइन तक ठीक पीछे की भॉति बुनो। अतिम सलाई उल्टी होगी। अब ९ सलाइयाँ गुल्बद की बुनाई की बुनो। तब निम्न प्रकार से बुनो।

गले की पहली सलाई—१८ उ०, ४६ फदे धनिये की बुनाई के, १८ उल्टे।

गले की दूसरी सलाई—१८ सी०, ४६ फदे धनिये की बुनाई के, १८ सीधे।

इन दो सलाइयों को तीन बार और दोहराओ।

९वी सलाई—गले की पहली सलाई की तरह।

१०वी सलाई—१८ सी०, १० धनिये की बुनाई के, २६ घटकर उतार दो, १० धनिये की बुनाई के, १८ सीधे।

११वी सलाई—१८ उ०, १० धनिये की बुनाई के। गले की दूसरी ओर के अर्थात् दूसरे कंधे के २८ फंदे किसी डोरे या फालतू सलाई पर उतार कर अभी ऐसे ही रहने दो और बार बार इसी ओर वाले फंदो को बुनो।

१२वीं सलाई—१० धनिये की बुनाई के, १८ सीधे।

१३वी सलाई—११वीं की तरह।

१४वी सलाई—१२वी की तरह।

१५वी सलाई—११वी की तरह।

१६वीं सलाई—अंतिम ६ फंदो को बिना बुने छोड कर शेष (अर्थात् पहले २२ फंदे) ११वीं की तरह नमूने के बुनकर चीज को उलटालो।

१७वी सलाई—१२ उलटे, १० धनिये की बुनाई के।

१८वी सलाई—अंतिम १२ फंदे बिना बुने छोडकर शेष सब (१६ फंदे) नमूने के (अर्थात् १० धनिये के ६ सीधे) बुनकर चीज को उलटालो।

१९वीं सलाई—अंत तक नमूने की बुनो।

२०वीं सलाई—अंतिम १८ फंदो को बिना बुने छोडकर शेष सब (अर्थात् १०) नमूने के बुनो।

२१वी सलाई—अंत तक नमूने की बुनो।

२२वीं सलाई—सारी की सारी सलाई (२८ फंदे) नमूने की बुनो, और घटकर उतार दो। रेशम पक्का करके तोड़लो।

अब रेशम को दूसरी ओर के फंदो के गले के साथ किनारे पर जोड़लो और इस कंधे को भी इसी तरह बुनलो।

बाँहें—४९ फंदे चढ़ाकर कफों से शुरू करो। २ इंच तक धनिये की बुनाई बुनो। फिर गुदगुद की बुनाई जारी रखो और ९वीं सलाई के दोनों ओर एक एक फंदा बढ़ाओ। आगे चलकर भी हर ९वीं सलाई के दोनों ओर एक एक फंदा बढ़ाती जाओ जब तक कि फंदे बढ़कर ६९ न हो जायँ। अब बिना बढ़ाये बुनती जाओ और जब बाँह की लंबाई शुरू से १२½ इंच होजाय तब हर सलाई के दोनों ओर एक एक फंदा घटाती जाओ जब तक कि फंदे घटकर केवल १७ न रह जायँ। अब

सब फदों को (१७ फदों को) बुनकर उतार दो ।

गीला कपड़ा ऊपर बिछाकर चीज के दोनो ओर इस्तिरी करलो । आगे पीछे को कधो पर दो-दो इच तक दोनो ओर सीलो । शेष हिस्सो पर पीठ वाले दोनो कधो पर बटन टॉक लो और आगे वाले पर क्रोशिये से काज बनालो । बॉहो को बॉहो की जगह मे जोड दो और फिर बॉहो के नीचे की और बगलों की सीवन सी लो । अब फिर इस्तिरी कर लो । दोनो बगलो वाली सीवनो के ठीक ऊपर दोनो ओर क्रोशिये से दो छेद बनालो और उसमें पेटी डाल दो ।

नये फैशन का जेबोवाला लुभावना फ्रॉक

९ से १० वर्ष की लडकी के लिए

आवश्यक सामान
लगभग ८ औंस
तीन तार की
नीले तथा
हरे रग की
मिश्रित ऊन,
१ औंस केवल
हरे तथा
१ औंस नारगी
रग की ऊन,
१० न० की
१ जोडा सलाइयाँ ।



कधे से लेकर
निचले किनारे
तक की लम्बाइ
२१ इच,
बगलो के पास की
चारो ओर की
लम्बाइ २८ इच,
कफ सहित बाह की
लम्बाइ १५½ इच ।

फैलाव—ऊन इतनी मोटी होनी चाहिये कि ७ फदो से १ इच चौड़ी और १० सलाइयो से १इच ऊची चीज बने ।

किनारा मजबूत बनाने के लिये नये चढाये हुए फदों मे सदा पिछली ओर बुनना चाहिये ।

पिछली ओर की झालर के निचले किनारे से शुरू करो । मिश्रित ऊन से १९१ फदे चढाकर १० सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो । ११वी सलाई से गुदगद की बुनाई शुरू करो

और ६ सलाइयाँ बुनने के बाद ७वीं पर तथा आगे चलकर हर छठी सलाई पर निम्न प्रकार से बुनकर फदे घटाओ।

७वीं सलाई—४७ सी०, २ इ० सी०, ५३ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ४७ सी० (१४९ फ०)।

१३वीं सलाई—४६ सी०, २ इ० सी०, ५३ सी०, १ स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, ४६ सी०, (१४७ फ०)

१९वीं सलाई—४५ सी०, २ इ० सी०, ५३ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ४५ सी०, (१४५ फ०)

इसी प्रकार हर घटाव के बाद ५ सलाइयाँ बिना घटाये गुलबदन की बुनाई की बुनलो तथा छठी सलाई मे और दोनों किनारो पर एक एक फदा घटाती जाओ पर बीच मे ऊपर की तरह सदा ५३ ही रहें। जब फदे घटकर ११५ रह जायँ तब बिना घटाये बुनती जाओ और जब चीज की लबाई १३ इच हो जाय तब अतिम सलाई उलटी बुनकर निम्न प्रकार से बुनो।

अगली सलाई—* २इ०सी०, १उ०, १सी०, १उ०, १सी०, १उ०* चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में २ इ० सी०, १ उ०, (यहाँ ९८ फदे रह जायँगे)।

अगली ९ सलाइयाँ—१ सी०, १ उ० की फलियो वाली। अब ५½ इच तक फिर गुलबदन की बुनाई बुनो। अतिम सलाई उलटी बुनकर निम्न प्रकार से बाँह की जगह की काट शुरू करो।

हर सीधी सलाई के दोनो किनारो पर एक-एक फदा घटाओ और जब फदे घटकर ८४ रह जायँ तब बिना घटाये बुनो जब तक कि बाँह की जगह काट के बाद ९ इच लबी न हो जाय। अतिम सलाई उलटी हो। अब अगली दो सलाइयो के अत मे ७, ७ फदे बिना बुने छोड़ कर कधे की काट शुरू करो और फिर हर सलाई के अत में ७ फदे बिना बुने फदो में बढाती जाओ और जब मध्य में केवल २८ बुने हुए रह जायँ तब अत तक सारी सलाई बुनलो। फिर दूसरी सलाई पर सब के सब फदे बुटकर उतार दो।

आगा—बाँहो की जगह तक आगा ठीक पीछे की भाँति बुनो। तब निम्न प्रकार से गले का किनारा बनाते हुए बाँह की जगह की काट बनाओ।

अगली सलाई—२ इ० सी०, अतिम दो के सिवाय सब सीधे, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो। इस सलाई से बाँह का छेद शुरू होगया।

अगली सलाई—४९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०। यहाँ से चीज़ को उलटाओ, शेष जो ४६ फंदे बचे उन्हें किसी फालतू सलाई पर अभी रख दो और इन ५० फंदों पर जिन्हें अभी बुना है निम्न प्रकार से बार-बार बुनो। इस सलाई से गले का किनारा शुरू होगया।

गले की दूसरी सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, अंतिम दो को छोड़कर शेष सब सीधे, १ स०, १ सी०, स० फं० इस पर डालो।

३री सलाई—अंतिम ५ के सिवाय सब उलटे, तब १ सी०, १ उ०, १सी०, १उ०, १ सी० बुनो। इन दो सलाइयों को तब तक दोहराओ जब तक कि इस सलाई पर ४४ फंदे न रह जायँ। अब बाँह की जगह की ओर बिना घटाये और गले पर ५ फंदे धनिये की बुनाई के बुनते हुए बाँह की जगह को काट के बाद ४ इंच लम्बा बुनो। अब गले पर पहुँच गई। अंतिम सलाई उल्टी हो।

गला—अगली सलाई के शुरू में ५ फंदे बुट कर उतार दो और हर सलाई पर इसी किनारे एक-एक फंदा घटाते हुए बुनो जब तक कि फंदे घटकर केवल २८ न रह जायँ। अब उलटी सलाई पर गले के फंदे घटाना समाप्त करते हुए कंधे की काट-इस प्रकार शुरू करो—पहली सीधी सलाई के अन्त में ७ फंदे बिना बुने छोड़ दो और आगे भी हर सीधी सलाई के अन्त में ७ फंदे बिना बुना में बढ़ाती जाओ जब तक कि सब बिना बुने न हो जायँ। अब बुट कर उतार दो।

अब दूसरी ओर जो ४६ फंदे रखे हैं उन्हें एक सलाई पर चढ़ालो। सलाई की नोकें गले की ओर रहें और गले के किनारे पर ऊन जोड़ कर गले की पट्टी के लिए ४ फंदे नये चढ़ाओ।

१ली सलाई—गले की पट्टी पर १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी० शेष सारी सलाई उल्टी।

२री सलाई—२ इ०सी०, अन्तिम ४ को छोड़ कर शेष सब सीधे, अन्त में १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी० बुनो। इन दो सलाइयों को तब तक दोहराओ जब तक कि सलाई पर ४४ फंदे न रह जायँ। अब बाँह की जगह की ओर बिना घटाये और गले पर ५ फंदे धनिये की बुनाई के बुनते हुए ४ इंच तक बुनो। अन्तिम सलाई सीधी हो। अगली सलाई के शुरू में ५ फंदे बुट कर उतार दो और इसी किनारे पर हर सलाई पर एक-एक फंदा घटाती जाओ जब तक कि फंदे घट कर २८ न रह जायँ। अन्त में सीधी सलाई पर यह घटाना समाप्त करके निम्न प्रकार से कंधे की काट शुरू करो। पहली उल्टी सलाई के अन्त में ७ फंदे बिना बुने छोड़ दो और तब हर उलटी सलाई के अन्त में बिना बुने फंदे छोड़ते और बढ़ाती जाओ जब तक कि सब फंदे बिना बुने न हो जायँ। अब बुट कर उतार दो।

बाँह—मिश्रित ऊन से ४६ फंदे चढ़ाकर गुलूबन्द की बुनाई में बाँह के निचले किनारे से बुनना शुरू करो (कफ बाद में बनेगा)। ११वीं सलाई के दोनो किनारों पर और फिर उसके बाद हर आठवीं सलाई के दोनो किनारो पर एक-एक फदा बढ़ाओ। जब फदे बढ़कर ७६ हो जायँ और चीज शुरू से १२½ इंच लम्बी हो जाय तब प्रत्येक सलाई के दोनों किनारो पर एक-एक फदा घटाती जाओ जब तक कि फदे घटकर २८ न रह जायँ। अब बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह बुन लो।

कॉलर—कॉलर के लिए ९१ फदे मिश्रित ऊन से चढाओ और निम्न प्रकार से बुनो।

पहली सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, अन्तिम ४ फदों के सिवाय बीच के सब सीधे, अन्त म १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०।

२री सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, बीच के सब उल्टे, १ सी०, १ उ०, १ सी०।

इन दो सलाइयो को, धनिये के किनारे के ठीक पास अन्दर की तरफ पाँचवीं सलाई के दोनो किनारो पर और उसके आगे हर छठी सलाई पर एक-एक फदा बढ़ाते हुए १½ इंच तक बार-बार दोहराओ। जब १½ इंच तक इस प्रकार बुना जाय तब सीधी सलाई पर हरी ऊन जोड कर ७ सलाइयाँ सीधी बुनो। अब ९ सलाइयाँ पहले की भाँति किनारा बनाते हुए और फदे बढाते हुए बुनो। तब नारगी रग की ऊन जोड कर १ सलाई सीधी बुनो, फिर पहले की तरह ३ सलाइयाँ बुनो। अब ६ सलाइयाँ सारी की सारी धनिये की बुनाई में बुनो। फिर इसी बुनाई मे बुट कर उतार लो।

कफ—कफो के लिए ४६ फदे सलाई पर मिश्रित ऊन से चढाओ और पाँचवीं सलाई के तथा आगे हर ४थी सलाई के दोनो ओर एक एक फदा बढाते हुए गुलूबन्द की बुनाई में रगों को इस प्रकार लगाते हुए बुनो—पहली ६ सलाइयाँ मिश्रित ऊन से, फिर १० हरी ऊन से, तब ४ नारगी ऊन से, फिर नारगी ऊन से ही ६ सलाइयाँ धनिये की बुनाई में बुनो और इसी बुनाई में बुट कर उतार लो।

टाई—३ फदे मिश्रित ऊन से चढाओ और धनिये की बुनाई में तीसरी सलाई के दोनो किनारो पर और फिर हर चौथी सलाई के दोनों किनारों पर एक एक फदा बढाते हुए बुनो जब तक कि फदे बढ़ कर १७ न हो जायँ। यह ध्यान रखना कि बुनाई ठीक आती रहे। तब हर दूसरी सलाई के दोनों ओर एक एक फदा घटाओ जब तक कि सब फदे समाप्त न हो जायँ। अब जहाँ से घटाना शुरू किया था वहाँ से अर्थात् टाई के ऊपर के आधे हिस्से के दोनो कोनो के ऊपर से मिश्रित ऊन के साथ दोनो ओर नोक दार सलाइयों से इस प्रकार फदे उठाना शुरू करो—बीच वाले एक कोने (जो फदे घटाने से बना है) से ऊपर के कोने तक १६ फदे एक सलाई पर उठा लो। इसी प्रकार दूसरी तरफ बीच वाले कोने से ऊपर वाले कोने तक दूसरी सलाई पर १६ फदे उठा लो (ध्यान रहे निचला कोना, जो शुरू में

३ फंदे चढ़ाने से बना था टाई का निचला कोना ही रहेगा, उसे वैसा ही रहने देना। ऊपर वाले तीनों कोने बीच मे छिप जायँगे अर्थात् उन पर से ही अब फंदे उठाकर टाई की लम्बाई बढ़ानी है) इन ३२ फंदो पर केवल हरे रंग की ऊन जोड़कर एक सलाई उल्टी बुनो।

२री सलाई—२ इ०सी०, तब १२ फंदो तक १ उ०, १ सी०, बार बार बुनो, अगले १ फंदे में एक पीछे एक आगे बुन कर दो फंदे बुनो, फिर अगले फंदे में भी पीछे आगे बुन कर दो फंदे बुनो, अब १२ फंदों तक १ सी०,१उ० बार बार बुनो, अन्त मे २ इ०उ०।

३री सलाई—सलाई के शुरू में और अन्त में २ इ०सी० बुनो, बीच के सब (अर्थात् २८) धनिये की बुनाई में।

४थी सलाई—३री की भाँति। (२८ फंदे रहेंगे)

५वीं सलाई—२ इ०सी०, तब ११ फंदों तक १ उ०, १ सी० बार बार बुनो। अगले २ फंदों मे पीछे आगे दो-दो बार बुनो, फिर ११ फंदो तक १ सी०, १ उ०, २ इ०उ०। (२८ फंदे रहेंगे)

६ठी और ७वीं सलाई—३री और ४थी की भाँति।

८वीं सलाई—२ इ०सी०, तब १ उ०,१सी० ९ फंदो तक, अगले २ फंदो मे पीछे आगे दो-दो बार बुनो, तब फिर १ सी०, १ उ० ९ फंदो तक अन्त में २ इ०उ० (२४ फंदे रहेंगे)। अब नारंगी ऊन जोडकर उससे दोनो किनारो पर एक-एक फंदा घटाते हुए सारी सलाई उलटी बुनो (२२ फंदे रहेंगे)।

१०वीं सलाई—शुरू में २ इ०सी०, बीच के सब धनिये की बुनाई में, अन्त में २ इ०उ०।

११वीं सलाई—२ इ०सी०, तब १ उ०, १ सी० ७ फंदो तक, अगले २ फंदो में पीछे आगे दो-दो बार बुनो, तब १ सी०, १ उ० ७ फंदो तक, अन्त मे २ इ०उ० (२० फंदे)।

१२वीं और १३वीं सलाई—३री और ४थी सलाई की तरह (१६ फंदे)।

१४वीं सलाई—२ इ०सी०, १ उ०, १ सी० ५ फंदो तक, अगले २ फंदों में पीछे आगे दो-दो बार बुनो, तब १ सी०, १ उ० ५ फंदो तक, अन्त मे २ इ०उ०।

१५वीं और १६वीं सलाई—३री और ४थी की तरह (१२ फंदे रहेंगे)

१७वीं और १८वीं सलाई—३री और ४थी की तरह (८ फंदे रहेंगे)

१९वीं सलाई—२ इ० उ०, २ इ० सी०, २ इ०उ०, २इ०सी० (४ फंदे रहेंगे)।

२०वीं सलाई—२ इ०उ०, २ इ०सी०, अब पहले फंदे (२ इ०उ० वाले) को दूसरे के ऊपर

से नीचे उतार दो, अब केवल एक ही रह जायगा। इसमें से ऊन के डोरे को निकाल कर पक्का कर लो।

जेबें—जेब के लिए २९ फंदे सलाई पर मिश्रित ऊन से चढ़ाओ और २री तथा ३री सलाई के दोनों किनारों पर एक-एक फंदा घटाओ और बीच के सब बनियें की बुनाई में बुनो। अब एक सलाई बिना घटाये बुनो। इन तीन सलाइयों को तब तक दोहराओ जब तक कि सब फंदे समाप्त न हो जायें। अब इसी मिश्रित ऊन से घटाये हुए फंदों से जो दो किनारे बने हैं उन किनारों पर से ३८ फंदे उठाओ (अर्थात् बिल्कुल शुरू के २९ फंदे चढ़ाने से जो किनारा या लाइन सी बनी थी केवल उसे छोड़ कर शेष दोनों किनारों पर से फंदे उठाओ)। हरी

हुए एक सलाई सारी उलटी बुनो।

दूसरी सलाई—२इ०सी०,१उ०,१सी० १९ प

जिससे २फंदो के ४बन जायें,

३री, ४थी, ५वीं और ६ठी सलाई—दोनों कि

की बुनो।

७वी सलाई—२ इ०सी,०१ उ०,१सी० ११

१ उ० ११ फंदों तक, २ इ०

८वी सलाई—३री की तरह। अब नारंगी ऊ

हुए एक सलाई सारी उलटी

१०वी और ११वी सलाई—३री सलाई की त

१२वीं सलाई—२ इ०सी०, १ उ० और १ स

१ सी० और १ उ० ७ फंदों

१३वी, १४वीं, १५वीं और १६वीं सलाई—३

१७वीं सलाई—२ इ०सी०, १उ०, १ सी०,

१ उ० १ सी०, २ इ०उ०।

१८वी और १९वा सलाई—३री की तरह।

२०वी सलाई—२ इ०उ०, २ इ०सी०, २ इ०उ०

२१वा सलाई—२ इ०उ०, २ इ०सी०, अब पहला

में से ऊन का डोरा निकाल कर खींच कर तोड़ लो।

सी कर तैयार करना—चीज को तख्ते पर बिछा कर और ऊपर गीला कपडा बिछा कर इस्तिरी कर लो। फिर उसे उलटा कर दूसरी ओर इस्तिरी करो। कधें जोड लो, फिर बॉहो को बॉहो की जगह म जोड लो। कफो को बॉहो के किनारे पर आध इच तक कफ की उलटी तरफ को बॉह की उलटी तरफ के ऊपर रख कर टॉक लो और बॉह और बगलो की सीवन सी लो। अब सब सीवनो पर इस्तिरी करलो। गले के दोनो किनारो पर आध इच जगह छोडकर बीच में कॉलर टॉक लो। कमर पर की फलियो के ऊपर वाले किनारे पर जेबो के ऊपर के किनारे रखकर बगल की सीवनो से ½ इच अन्दर से शुरू करके दोनो ... हॉ टाई टॉक लो और गला ठीक से बन्द करने के ... फिर अच्छी तरह सब सीवनो पर इस्तिरी करलो।

...न्दर दस्ताने

...लडकी के लिए



यह सादे दस्ताने गुलूबन्द की बुनाई मे और किनारे पर फलियोदार बुनाइ म बुने जाते है और पहनने में बहुत ही गरम रहते है।

८ फदे (१६, १६, १६) डाल कर निचले किनारे से शुरू करो और १ सी० १ उ०, फदो वाली फलियों के ४८ घेरे बुनो।

४९वॉं घेरा—१ली सलाई—१ सी०, अगले फंदे में आगे पीछे बुनकर दो सीधे बुनो, शेष अन्त तक सीधी। २री और ३री सलाई पहली सलाई की तरह (५१ फंदे होजायँगे)

अगले ३ घेरे—सीधे।

५३वॉं घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा घेरा सीधा (५२ फंदे)

अगले ३ घेरे—सारे सीधे।

५७वॉं घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सीधे, फिर अगले फंदे में २ सीधे, शेष सारा सीधा (५४ फंदे)

अगले ३ घेरे—सारे सीधे।

६१वॉं घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सीधे, २ सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा घेरा सीधा (५६ फंदे)

अगले ३ घेरे—सारे सीधे।

६५वॉं घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सीधे, ४ सीधे, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा सीधा।

अगले ३ घेरे—सारे सीधे।

६९वॉं घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सीधे, ६ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, शेष सारा घेरा सीधा। (६० फंदे)

अगले ९ घेरे—सारे सीधे।

७९वॉं घेरा—१ सी०, अगले ९ फंदे किसी फालतू सलाई या ऊन के टुकड़े पर अगूठे के लिए सरकालो, ९ फंदे नये चढ़ाओ, शेष सारा घेरा अन्त तक सीधा बुनो।

अगले २६ घेरे—सारे सीधे। यहाँ अगुलियो के लिए फंदे बाँटो।

पहली अगुली का पहला घेरा—८ सी०, अन्तिम ८ फंदो को छोडकर बीच के सब फंदे शेष तीनं अगुलियो के लिए ऊन के टुकड़े पर सरकालो, अन्तिम ८ फंदे सलाई पर पहली अगुली की पिछली ओर के लिए पडे रहने दो। ८ सी० ऊपर बुने थे उसके बाद २ फंदे नये अगुली के अन्दरले हिस्से के लिए चढालो। तब अन्तिम ८फंदे जो सलाई पर रखे हैं उन्हे सीधा बुन लो। अब इन कुल १८ फंदो को तीन सलाइयों पर (६,६,६ के हिसाब से) अगुली के लिए बाँट कर सीधे ही सीधे घेरों में जितनी लम्बाई की जरूरत हो (अर्थात् अगुली की लम्बाई के बराबर) बुनलो। अब निम्न प्रकार से फंदे घटाओ।

* * अगला घेरा—२ इ०सी०, * २ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से चारो ओर पूरे घेरे तक दोहराओ (१३ फंदे रहेंगे)

अगला घेरा—१ सी०, * २ इ० सी०, १ सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (९ फंदे रहेंगे)

अगला घेरा—१ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ०सी०, (६ फंदे रहेंगे) अब कुछ डोरा छोड़कर ऊन तोड़लो और डोरा सुई में पिरो कर सब फंदों में से सुई को निकाल कर उल्टी तरफ को पक्का करके सी लो।

दूसरी अंगुली—८ फंदे सलाई की एक तरफ से ले लो और सीधे बुनलो और २ फंदे पहली अंगुली के आधार (Base) पर में उठालो। अब ८ फंदे दूसरी तरफ से अर्थात् अन्तिम ले लो और २ फंदे अंगुली के अन्दरले हिस्से के लिए नये चढ़ा लो। इस प्रकार कुल (८+२+८+२=२०) फंदे होगए। इन्हें ६, ६, ८ करके तीन सलाइयों पर बाँटलो और इन पर जितनी लम्बाई तक आवश्यकता हो सीधे सीधे घेरे बुनो। तब निम्न प्रकार से फंदे घटाओ।

अगला घेरा—* ३ सी०, २ इ०सी, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगला घेरा—* २ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगला घेरा—* २ इ०सी० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (६ फंदे रहे) इन्हें पहली अंगुली की तरह उलटी तरफ को सी लो।

तीसरी अंगुली—दूसरी अंगुली की तरह बनाओ (इसके बन जाने के बाद केवल १२ फंदे रहेंगे)

चौथी अंगुली—शेष १२ फंदे जो ऊन के टुकड़े पर रह गये हैं उन्हें चौथी अंगुली के लिए दो सलाइयों पर ले लो और २ फंदे तीसरी अंगुली के आधार (Base) पर से उठालो और सब को इस प्रकार तीन सलाइयों पर बाँटो—६, ४, ४। इसके बाद जितनी लम्बाई की जरूरत हो इन सलाइयों पर उतने सीधे सीधे घेरे बुनलो।

अगला घेरा—२ सी० * २ इ० सी०, २ सी० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (११ फंदे रहे)

अगला घेरा—२ इ०सी०, * १ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से दो बार और दोहराओ (७ फंदे रहे)

अगला घेरा—१ सी०, २ इ०सी०, २ इ०सी०, २ इ०सी० (४ फंदे रहे)

इन्हें पहली अँगुली की तरह उलटी तरफ करके सीलो।

अँगूठा—अंगूठे के लिए जो ९ फंदे रखे थे उन्हें दो सलाइयों पर बाँट लो। अब तीसरी सलाई से ७९वें घेरे में जो ९ नये फंदे चढ़ाये थे उनके आधार पर से ९ फंदे उठालो तथा इन १८ फंदों को ६,६,६, करके तीनों सलाइयों पर बाँट लो और जितनी लम्बाई तक जरूरत हो सीधे सीधे घेरे बुन लो। अब पहली अँगुली में आये * * चिह्न से बाद के ३ घेरे दोहराओ तथा पक्का करके सीलो।

बायें हाथ का दस्ताना—दाहिने दस्ताने की भाँति ही सारा बुनो पर अंगूठा पहली सलाई के शुरू में न बनाकर अन्तिम सलाई के अन्त में बनाओ और बढ़ानेवाले घेरों में फंदे इस प्रकार बढ़ाओ—

९३वाँ घेरा—पहली सलाई सीधी, दूसरी सलाई सीधी, तीसरी सलाई—अन्तिम २ फंदों के सिवाय सब सीधे, अगले १ फंदे में आगे पीछे बुनकर २ सी०, १ सी० ।

अगले तीन घेरे—सारे सीधे । अगले बढ़ानेवाले घेरे में फिर उपर्युक्त रीति से फंदे बढ़ाओ और इसी प्रकार सब घेरों में पहली दो सलाइयाँ सीधी बुनो तथा तीसरी के अंत में फंदे बढ़ाओ । शेष सब दाहिने दस्ताने की तरह बुनो । अब ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर इस्तिरी कर लो ।

लड़कों के कपड़े

३ से ४ वर्ष के बच्चे का सुन्दर कोट, जरसी तथा निकर

आवश्यक सामान
१०½ औंस के
लगभग
तीन तार की ऊन,
९न० की १जोड़ा
सलाइयाँ,
कोट के लिए
३ गोल बटन
निकर के लिए
थोड़ा सा
लचकीला फीता।



नाप
कोट की लम्बाइ
कधे से निचले
किनारे तक १४¾ इ०
बाँहें कफ सहित
१२½ इ०, निचले
किनारे की चौड़ाइ
२७ इ०।

चि० स० ८२

जरसी का नाप—कधे से निचले किनारे तक की लम्बाई १४ इच। बाँहो की लम्बाई ११½ इच। निचले किनारे की चौड़ाई २४ इच।

निकर का नाप—कमर से निचले किनारे तक की लम्बाई ११¾ इ०

यह कोट, निकर और जरसी लडका लडकी दोनो के लिए एक सी होती हैं। इन की विधि (पृष्ठ १०९ से ११६) तक 'चार वर्ष की लडकी का प्यारा सूट' में दी जा चुकी है। देखिये, इसे पहन कर बच्चा कैसा प्रसन्न हो रहा है ?

खरगोशोंवाला बहादुर सूट

३ से ४ वर्ष के बच्चे का

आवश्यक सामान
१५औंस गुलाबी रंग की ऊन
और ३औंस सफेद ऊन
१० नं० की
एक जोड़ा सलाइयां
१४ नं०का एक क्रोशिया
½ गज फीता
पायजामे के लिए
या डोरी बनाने
को थोड़ी ऊन
४ गोल बटन ६ स्टिच
बटन



कोट का नाप
कंधे से निचले
किनारे तक कोट की
लम्बाई १५इं०, गले से लेकर
अन्तिम किनारे तक
कफों सहित बाँह की
लम्बाई १५ इं०।
निचला घेरा २७ इं०
पायजामे का नाप
बंडी सहित पायजामा
कंधे स एड़ी तक २७ इंच।
टोपी का घेरा १८ इंच
बिना खींचे

चि० सं० ८३

फैलाव—ऊन ऐसी होनी चाहिए जिसके १४ फंदे डालकर १६ सलाइयाँ बुनने से २ इंच चौड़ा तथा २ इंच ऊँचा टुकड़ा बन जाय।

टोपी पर के लटकते हुए फूल और कोट के खरगोश कितने सुन्दर मालूम हो रहे हैं! और इस फूलोंवाले बढ़िया सूट को पहन कर बच्चा कितना प्रसन्न हो रहा है! इस प्रकार का सूट बना-बनाया खरीदने में बहुत कीमत लगती है। किन्तु चतुर माताएँ केवल ऊन और सलाइयों पर थोड़ा सा खर्च करके अपने बच्चे के लिए इस बहु मूल्य सूट को तैयार कर सकती हैं जिसे पहन कर उनका छोटा सा बच्चा किसी भी बहादुर आदमी से कम नहीं जँचेगा।

बंडी सहित पायजामा



चि० स० ८४

इस सूट के सांकेतिक चिह्न—सफेद ऊन के लिए—स० और गुलाबी के लिए—गु० लिखा जायगा।

१४ फंदे चढ़ाकर कंधे की चोटी से शुरू करो और पहली ८ सलाइयाँ सीधी बुनो। अब १२ सलाइयाँ ऐसी बुनो जिसमें पहली सलाई सारी सीधी और दूसरी सलाई में (जो कि उलटी तरफ से होगी) ४ सी०, ६ उ०, ४ सी० हो (इस प्रकार १२ सलाइयाँ बुनने से किनारे के ४, ४ फंदे तो सीधी बुनाई में आयेंगे पर बीच के ६ गुलूबन्द की बुनाई में आयेंगे। आगे चलकर भी दोनों किनारों के ४,४ फंदे तो सीधी बुनाई में पर बीच के गुलूबंद की बुनाई में बुनो किन्तु एक ओर के ४ फंदों के ठीक बाद के फंदे में (अर्थात् किनारे से जो पाँचवाँ फंदा होगा उसमें) आगे पीछे बुनकर एक फंदा हर सलाई में बढ़ाती जाओ जब तक कि फंदे बढ़कर कुल २९ न हो जायँ और इन नये बढ़ते

हुए फंदों को भी सदा गुल्लबन्द की बुनाई में ही बुनो। अब अन्तिम सलाई के अन्त में (जो कि एक सीधी सलाई होगी) २२ नये फंदे गले के लिए चढ़ाओ और इस सब काम को एक फालतू सलाई पर ऐसे ही रख दो। तब एक और सलाई पर १२ फंदे चढ़ाकर बडी के दूसरे कंधे का टुकड़ा इसी प्रकार तैयार करो पर जब फंदे बढ़ाना शुरू करो तब पहले टुकड़े से ठीक उलटे किनारे पर बढ़ाओ और जब फंदे बढ़कर २५ हो जायँ तब एक उलटी सलाई बुनलो। अब उस पहले टुकड़े को उठालो और गले के फंदों को दोनो कंधों के बीच में लाते हुए दोनों टुकड़ों को एक ही सलाई पर बुनलो। इस प्रकार एक सलाई पर २५+२२+२५ कुल ७२ फंदे हो जायँगे। इन सब फंदों पर बीच के दोनों किनारों के ४, ४ तथा गले के २२ (इन ३०) फंदों को और दोनों कंधों के किनारों के ४, ४ फंदों को सीधी बुनाई मे तथा शेष सब को गुल्लबन्द की बुनाई में बुनते हुए ८ सलाइयाँ बुनो। इन ८ सलाइयो के बाद केवल कंधो के किनारों को सीधी बुनाई में रखते हुए बीच के सब फंदों पर गुल्लबन्द की बुनाई बुनी जायगी। इस प्रकार १ सलाई बिना घटाये बढ़ाये बुनो। तब अगली १० सलाइयों पर हर सलाई में दोनों किनारो पर किनारों के ठीक अन्दर (अर्थात् किनारे के पास वाले पाँचवें फंदे में) आगे पीछे बुनकर एक एक फंदा सदा बढ़ाती जाओ (नये बढ़ते हुए फंदे सब गुल्लबन्द की बुनाई में बुनने चाहिएँ) यहाँ फंदे बढ कर ९२ हो जायँगे। अब ३ इंच तक बिना बढ़ाए बुनो। ६ सलाइयो तक सब फंदों को १ सी०, १ उ० फंदो की फलियो में बुनो। तब डोरी के लिए इस प्रकार छेद बनाओ—१ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, * २ इ० सी०, १ ब०, अगले ६ फंदो तक फलियाँ बुनो और * चिह्न से बार बार अन्त तक दोहराओ। अगली ७ सलाइयाँ फिर फलियोदार बुनो इन सब ९२ फंदो को एक फालतू सलाई पर रख दो और ठीक इसी प्रकार पीछा बुनलो। अब निम्न प्रकार से आगे पीछे दोनो के ९२+९२ कुल १८४ फंदो पर टाँगें बुनो।

बडी के आगे की उलटी तरफ को अपनी ओर रखते हुए पहले ४६ फंदे एक सेफ्टी पिन पर उतार कर रख दो। शेष आधे ४६ फंदे सीधे बुनलो और पीछे के पहले ४६ फंदे भी इसी सलाई पर सीधे बुनलो। पीछे के शेष ४६, आगे के जो ४६ सेफ्टी पिन पर रखे हैं उन्ही के साथ रखदो इस प्रकार एक सलाई पर एक टाँग के लिए ९२ फंदे होगए (शेष ९२ फंदे दूसरी टाँग के लिए अभी पडे रहने दो)।

इन ९२ फंदो पर एक टाँग निम्न प्रकार से कमर की काट बनाते हुए सारी गुल्लबन्द की बुनाई में बुनो।

कमर की काट— १५ सी०, चीज को उलटाओ और लौट कर इन्हीं अभी बुने हुए १५ फंदों को उलटा बुनो।

अगली सलाई—३० सी०, चीज को उल्टाओ और लौटकर इन्हा अभी बुने हुए ३० फदो को उल्टा बुनो।

अगली सलाई—४५ सी०, चीज को उलटाओ और लौट कर इन्हीं अभी बुने हुए ४५ फदो को उल्टा बुनो।

अगली सलाई—६० सी०, चीज को उल्टाओ और लौट कर इन्ही अभी बुने हुए ६० फदो को उलटा बुनो।

अगली सलाई—७५ सी०, चीज को उल्टाओ और लौट कर इन्हीं अभी बुने हुए ७५ फदो को उल्टा बुनो।

अगली सलाई—९० सी०, चीज को उल्टाओ और लौट कर इन्ही अभी बुने हुए ९० फदो को उलटा बुनो।

अगली सलाई—अब सब फदों को सीधा बुनलो। चीज का लम्बा किनारा कमर होगी। अगली ७ सलाइयाँ बिना काट के गुड्डवद की बुनाई मे बुनो। तब आठवीं और फिर हर आठवीं सलाई पर लम्बे किनारे की ओर एक एक फदा बढ़ाओ जब तक कि फदे बढ़ कर सलाई पर १०० न हो जायँ।

अगली सलाई—सारी उल्टी। अब अगली सीधी, तथा हर सीधी सलाई पर सलाई के दोनो किनारे पर एक-एक फदा घटाओ जब तक कि फदे घट कर ९६ न रह जायँ। अब इन फदों पर ९ इच तक बिना काट के बुनो। तब पैर की काट शुरू होगी। चाज की सीधी ओर को अपनी ओर रखते हुए पहले १० फदे बुट कर उतार दो, शेष सारी सलाई सीधी। अगली सलाई के शुरू में २६ फदे बुट कर उतार दो शेष सारी बुनलो। बचे हुए फदो पर १६ सलाइयाँ बुनो। अगली तीन सलाइयो के प्रारम्भ और अन्त में दो फदे इकट्ठे बुनो। अब अगली दो सलाइयो के शुरू मे ४, ४ फदे बुट कर उतार दो। अगली सलाई पर सब फदे बुट कर उतार दो। इस प्रकार एक टाँग समाप्त होगई इसी प्रकार दूसरी बुन कर तैयार करलो।

कोट



चि० स० ८५

सफेद ऊन से १०५ फंदे चढाकर कोट के पीछे के निचले किनारे से शुरू करो और १४ सलाइयो तक सीधी बुनाई बुनो। तब गुलाबी ऊन जोड़ लो और ९½ इंच तक गुल्लूदद की बुनाई बुनो।

बॉह की जगह—अब बाँह की जगह की काट शुरू होती है। दोनो किनारो पर ३ सलाइयो तक एक एक फंदा घटाओ। तब एक सलाई बिना घटाये बुनो। इन अन्तिम ४ सलाइयों को तब तक दोहराओ जब तक कि फंदे घटकर केवल ३३ न रह जायँ। अब अगली दो सलाइयो पर भी एक एक फंदा दोनों किनारों पर घटाओ। तब बुट कर उतार लो। यह पीठ बन गई। इस कोट में बाँह की जगह की काट गोल न बनकर नोकदार होगी।

बॉया आगा—७१ फंदे डाल कर सफेद ऊन से निचले किनारे से शुरू करो और १४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। तब गुलाबी ऊन जोड लो, लेकिन आगे के ऊपर के किनारे (वह पट्टी सी जिस पर बटन और छेद बनेंगे) के लिए १० फंदे सदा सफेद ऊन से सीधी बुनाई मे बुने जायँगे और शेष गुलाबी ऊन वाले गुल्लूदद की बुनाई में, पर खरगोश सफेद ऊन से बनेंगे।

गुलाबी ऊन जोड़ने के बाद दो सलाइयॉ गुलाबी ऊन से बुनो, किन्तु आगे की पट्टी पर क

१० फंदे सफेद ऊन से सीधी बुनाई में बुनो—ऊन बार-बार तोड़ने की जरूरत नहीं, जहाँ दोनों ऊन मिलें चीज की पिछली ओर दोनों में बल डाल लो अर्थात् जब गुलाबी ऊन की बुनाई समाप्त करके सफेद ऊन से शुरू करनी हो तो चीज की उलटी तरफ सफेद ऊन के ऊपर से गुलाबी ऊन को निकाल लो और सफेद से बुनना शुरू करो। इस प्रकार गुलाबी ऊन सफेद के नीचे दब जायगी। अब निम्न प्रकार से खरगोश शुरू करो।

१७वीं सलाई—२९ सीधे गुलाबी, ४ सफेद, २ गुलाबी, २ सफेद, १२ गुलाबी, २ सफेद, १० गुलाबी और किनारे के १० सफेद।

१८वीं सलाई—१० सफेद सीधे, ६ गुलाबी उलटे, २ स० उ०, १ गु० उ०, ४ स० उ०, १ गु० उ०, २ स० उ०, ९ गु० उ०, १० स० उ०, ११ गु० उ०, १ स० उ०, १ गु० उ०, १ स० उ०, १२ गु० उ०।

१९वीं सलाई—सारी सीधी—१२ गु०, ७ स०, ६ गु०, १० स०, ९ गु०, ४ स०, १ गु०, २ स०, १ गु०, ४ स०, ५ गु०, किनारे के १० सफेद।

२०वीं सलाई—उलटी सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उलटे हों—४ गु०, ५ स०, ४ गु०, ५ स०, ४ गु०, १६ स०, २ गु०, ८ स०, १३ गु०।

२१वीं सलाई—सारी सीधी—१५ गु०, १९ स०, २ गु०, २ स०, ५ गु०, ६ स०, २ गु०, ६ स०, ४ गु०, किनारे के १० सफेद।

२२वीं सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उलटे हों—४ गु०, १४ स०, ८ गु०, १९ स०, १६ गुलाबी।

२३ वीं सलाई—सारी सीधी—१६ गु०, २० स०, ७ गु०, १४ स०, ४ गु०, किनारे के १० सफेद।

२४वीं सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उलटे—४ गु०, १४ स०, ७ गु०, ४ स० १ गु०, १ स०, २ गु०, ११ स०, १७ गु०।

२५वीं सलाई—सारी सीधी—१६ गु०, १ स०, १ गु०, ९ स०, ३ गु०, ५ स०, ९ गु०, १२ स०, ५ गु०, किनारे के १० सफेद।

२६वीं सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उल्टे हों—६ गु०, १० स०, १२ गु०, १ स० २ गु०, ४ स०, १ गु०, ८ स०, १७ गु०।

२७वीं सलाई—सारी सीधी—२७ गु०, १ स०, २ गु०, २ स०, १३ गु०, १० स०, ६ गु०, किनारे के १० सफेद।

२८वीं सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उल्टे हों—६ गु०, १० स०, ११ गु०, ३ स०, २७ गु०।

२९वीं सलाई—सारी सीधी—४६ गु०, ८ स०, ७ गु०, किनारे के १० सफेद।

३०वीं सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उल्टे हों—७ गु०, ८ स०, ४६ गु०।

३१वीं सलाई—४७ गु०, ६ स०, ८गु०, किनारे के १० सफेद।

३२वीं सलाई—किनारे के १० सफेद सीधे, शेष सारे उल्टे—९ गु०, ४ स० ४८ गु०।

३३वीं सलाई—सारी सीधी—४७ गु०, १ स०, ४गु० १ स०, ८ गु०, किनारे के १० स०।

३४वीं सलाई—किनारे के १० स० सी०, शेष सारे उल्टे—८ गु०,६ स०, ४७ गु०।

३५वीं सलाई—सारी सीधी—४९ गु०, २ स०, १० गु० किनारे के १० स०।

३६वीं सलाई—किनारे के १० स०सी०, शेष सारे उल्टे—८ गु०,१ स०,४ गु०,१ स०,४७गु०।

३७वीं सलाई—४५ गु०, ४ स०, २ गु०, ४ स०, ६ गु०, किनारे के १० सफेद।

३८वीं सलाई—किनारे के १०स० सी०,शेष सारे उलटे—५ गु०, ४ स०,४गु०,४ स०,४४ गु०।

३९वीं सलाई—४३ गु०, ४ स०, ६ गु०, ४ स०, ४गु०, किनारे के १० स०।

४०वीं सलाई—किनारे के १० स० सी०, शेष सारे उलटे—३ गु०, ४ स०, ८ गु०,४ स०, ४ गु०।

४१वीं सलाई—४२ गु०, ३ स०, १० गु०, ३ स०, ३ गु०, किनारे के १० स०।

यहाँ खरगोश पूरे होगये। अब ९½ इंच तक सफेद ऊन से सीधी बुनाई का किनारा बनाते हुए शेष सारा हिस्सा गुलाबी ऊन से गुद्धबद की बुनाई में बुनो। तब पीठे की भाँति आगे की भी कंधे की काट बगल वाले गुलाबी किनारे की तरफ बनाओ (पीठे में दोनों बाँहों के लिए दोनो ओर काट बनाई थी इसमें एक बाँह के लिए एक ही ओर बनाना) और जब फदे घट कर ४१ रह जायँ तब इधर गले के किनारे की ओर से २९ फदे बुट कर उतार दो पर उधर कंधे की काट जारी रखो। अगली ४ सलाइयो पर गले के किनारे की ओर दो-दो फदे इकट्ठे बुनो और इधर कंधे की काट बनती रहे। अब अन्त में जो एक फदा सलाई पर बचे उसमें से ऊन को निकाल कर खींच लो। ठीक इसी प्रकार दूसरा दाहिना आगा बनाओ पर यह ध्यान रखना कि दोनों आगे एक ही तरफ के न बन जायँ। अर्थात् जिस ओर बायें आगे के गले का किनारा शुरू किया था दाहिने आगे का उससे उलटी ओर शुरू करना।

बाँहें—सफेद ऊन से ४९ फदे चढाकर शुरू करो और २½ इंच तक सीधी बुनाई बुनो। तब गुलाबी ऊन जोडलो और सफेद तोड दो और गुलाबी ऊन से गुद्धबद की बुनाई की ८ सलाइयाँ बुनो। अब हर

चौथी सलाई पर दोनों ओर एक एक फंदा बढ़ाना शुरू करो और तब तक बढ़ाओ जब तक कि फंदे बढ़ कर ७९ न हो जायँ। अब जब तक कि बाँह ९ इंच लम्बी न हो जाय तब तक इन फंदों पर गुड़ल की बुनाई बुनो। फिर पीठ की भाँति कंधा की काट (दोनों किनारे से फंदे घटाकर) बनानी शुरू करो और जब केवल ३ फंदे रह जायँ तब बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

कॉलर—सफेद ऊन से २० फंदे एक सलाई पर चढ़ाओ और सीधी बुनाई में १२½ इंच तक बुन कर बुट कर उतार लो।

सीकर तैयार करना—आगे के कंधे पर जो एक फंदा था उसे पीठ के अन्तिम फंदे से टाँक दो। अब बाँह का जो ढालवाला (काट वाला) हिस्सा है वह आगे पीठ की कंधों की काट के साथ सी लो और बाँह के नीचे और बगलों की सीवन भी सी लो। अब सफेद कॉलर गले पर टाँक दो। बायें आगे की पट्टी पर सुन्दरता के लिए गोल बटन टाँक दो तथा बायें आगे की पट्टी के निचली ओर तथा दाहिने के ऊपर अर्थात् अन्दर की ओर स्टिच बटन टाँक दो। पायजामे वाली बण्डी के कंधे ऊपर से आपस में जोड़ लो और टाँगें आपस में सी लो। कमर पर के ढेरों में लचकीला फीता डाल दो या डोरी बटकर डाल दो तथा डोरी के दोनों कोनों पर फूल बनाकर लगा दो।

टोपी



चि० सं० ४

१२६ फंदे चढ़ाकर गुलाबी ऊन से बुनना शुरू करो।

पहली सलाई—* १७ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

दूसरी सलाई—* १ सी०, १७ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। ५ इंच तक यही दो सलाइयाँ दोहराओ।

अगली सलाई—हर टुकड़ी (जो कि उलटी धारियो के बीच में है) के शुरू तथा अंत में इकट्ठे सीधे बुनो ।

अगली ३ सलाइयाँ बिना घटाये बुनो ।

अब इन ४ सलाइयो को तब तक दोहराओ जब तक कि हर टुकड़ी के बीच मे केवल तीन फंदे न रह जायँ। (उलटे फंदो वाली धारियो के बीच जो शुरू में १७ फंदे थे वे घटते घटते केवल ३ फंदे न रह जायँ)

अब ऊन का कुछ लम्बा डोरा छोड़कर तोड़ लो और इस डोरे को बचे हुए फंदों में पिरो कर खीचकर पक्का करलो। अब सफेद ऊन से २० फंदे एक सलाई पर चढ़ालो और १४½ इंच तक सीधी बुनाई बुन कर पट्टी सी कर तैयार करलो ।

सीकर तैयार करना—जो सफेद पट्टी तैयार की है वह टोपी के निचले किनारे के ऊपर सी लो और टोपी की सीवन आपस में जोड लो। क्रिोशिये से सफेद ऊन की एक मोटी सी चेन बनालो, और ऊन के बड़े बड़े दो फूल बना कर चेन के दोनों सिरो पर जोड लो। चेन का फूल(बो) बना कर फूल को टोपी के केन्द्र से टाँक दो ।

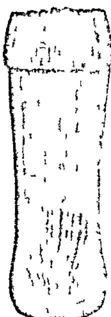
अब सारे सूट पर इस्तिरी करके किसी अच्छे ब्रश से ब्रश करलो।

---

२ से ४ वर्ष के बच्चे के लिए सादे मोजे

आवश्यक सामान

२औंस के लगभग ४ तार की ऊन, १४ नं० की दोनों ओर नोक वाली ४ सलाइयाँ।



नाप

टाँग की लम्बाइ ९ इन्च, पैर की लम्बाइ ६ इंच।

चि० सं० ८७

तीन सलाइयों पर क्रम से २४, २४, २० की संख्या में कुल ६८ फंदे चढ़ाकर टाँग के ऊपर से बुनना शुरू करो और २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियों के २६ घेरे बुनो। अब ३ सी०, १उ० फंदों वाली फलियों के २२ घेरे बुनो।

४९वाँ घेरा—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, २ इ०सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ० २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ६ घेरे—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

५६वाँ घेरा—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ६ घेरे—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

६३वाँ घेरा—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, २ इ०उ०, ३ सी०, १ उ०, २ इ०उ० * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ६ घेरे—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, २ उ०, ३ सी०, २ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

७०वाँ घेरा—३ सी०, १ उ०, ३ सी०, २ इ०उ०, ३ सी०, २ इ०उ०, * ३ सी०, १ उ० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (१६, २४, २० फंदे रहेंगे)

अगले १४ घेरे—* ३ सी०, १ उ० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

८५वाँ घेरा—१ली सलाई—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरी सलाई तक दोहराओ फिर इसी सलाई पर दूसरी सलाई के ८ फंदे ३ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ० इस प्रकार बुनलो। दूसरी सलाई—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरी सलाई तक दोहराओ। ३री सलाई—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ४ फंदे रह जायँ तो उन्हें पहली सलाई पर चढ़ालो। (इससे अब २८, १६, १६ फंदे होगए) । अब घटाव के बीच में जो फली है वह ऐड़ी के मध्य में आगई। अब यहाँ से २८फंदों वाली केवल ऐड़ी की सलाई को ही बार बार निम्न प्रकार से बुनो।

ऐडी की १ली सलाई—१ स०, २७ सी०, बीच को उल्टाओ जिससे वही सलाई फिर बुनी जासके।

२री सलाई—१ स०, २७ उ० बीच को उलटाओ। इन अंतिम दो सलाइयों को ८ बार और दोहराओ।

१९वीं सलाई—१ स०, २७ सी०, बीच को उलटाओ।

एडी मोडना—अब ऐडी को निम्न प्रकार से मोड़ो—१६ उ०, २ इ०उ०, उल्टाओ, * ९ सी०, १ स०,१ सी०,स०फं० इस पर डालो,उलटाओ,९उ०, २इ०उ०, उलटाओ,* चिह्न से * चिह्न तक ९ बार और दोहराओ, ९ सी०, १ स०, १ सी०, स० फं० इस पर डालो, अब इसी सलाई पर, ऐडी की ढाल (उचाई) पर से १५ फंदे एक और सलाई से उठाकर सीधे बुनलो। दूसरी सलाई पर अगली दोनो सलाइयों पर रखे हुए ३२ फंदे इस प्रकार बुनो—* ३सी०,१उ० * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायँ तब २ सी०, २ इ०सी०। तीसरी सलाई पर ऐडी की दूसरी ओर की ऊँचाई पर से एक सलाई के साथ १५ फंदे उठाकर सीधे बुनलो और ३ फंदे पहली सलाई पर से तीसरी पर बुनलो (१८, ३१,१८ फंदे हो जायँगे)

पैर का पहला घेरा—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—३ सी० * १उ०,३सी०, * चिह्न से पूरी सलाई तक बार बार दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

दूसरा घेरा—१ली सलाई—अंतिम दो फंदो के सिवाय सब सीधे,२इ०सी०। २री सलाई—३सी०, * १ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—२ इ०सी०, शेष अन्त तक सीधी। इन अंतिम २ घेरों को दो बार और दोहराओ (१५,३१,१५)

अगले ३० घेरे—१ली सलाई—सीधी। २री सलाई—२सी०, * १उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। ३री सलाई—सीधी।

३७वाँ घेरा—१ली सलाई—२ इ०सी०, बीच के सब सीधे, अंतिम २ इ०सी०। २री सलाई—२इ० सी०, ८ सी०, २ इ०सी०, ८ सी०, २ इ०सी०, ७ सी०, २इ०सी०। ३री सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी सीधी (१३, २७, १४)

अगले ९ घेरे—सारे सीधे।

४३वाँ घेरा—१ली सलाई—अंतिम ३ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, १ सी०। २री सलाई—२ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ इस पर डालो, अंतिम ३ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, १ सी०। ३री सलाई—२ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, शेष अन्त तक सीधी। इस अंतिम घेरे को ९ वार दोहराओ (१४ फंदे रहेंगे) इन्हे चि० स० १२ की भाँति सीलो। किसी सख्त समतल चीज पर रखकर ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर इस्तिरी कर लो और इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार करो।

---

३ से ५ वर्ष के बच्चे का सैर के समय का सुन्दर सूट

आवश्यक सामान
१३ औंस के लगभग
बिस्कुटी या फाख़ताई
रंग की ऊन,
और १½ औंस के लगभग
किरमची या लाल
रंग की ऊन,
८ नं० की एक जोड़ा
सलाइयाँ
और चार गोल बड़े
बटन



नाप
कंधे से निचले किनारे
तक की लम्बाई
१४ इंच,
बांह कफ सहित
१२ इंच,
कोट का घेरा (आगे
पीछे की) चौड़ाई
४२ इंच,
पायजामा कमर से
नीचे तक १९ इंच,

चि० सं० ८८

नोट—इसकी ऊन इतनी मोटी होनी चाहिये कि ११ फंदे डालकर कर बुनने पर २ इंच चौड़ा और २० सलाइयाँ बुनने से २ इंच ऊँचा टुकड़ा बन जाय ।

पायजामा

६४ फंदे बिस्कुटी या फाख़ताई रंग से डाल कर कमर से शुरू करो और ७ सलाइयाँ २सी०,२उ०, फंदों वाली फल्लियोदार बुनो। तब फीते के लिए इस प्रकार छेद बनाओ—* ४ फंदे फल्लियोंदार १ ब०, २ इ० सी० * चिह्न से * चिह्न तक सारी सलाई चार बार दोहराओ। अगली ७ सलाइयाँ फिर फल्लियोदार बुनो। अब पीठ की काट या बनावट शुरू होगी।

अगली सलाई—६सीधे बुन कर चीज को उलटाओ (उलटाने के बाद पहला फंदा सदा बिना बुने दाहिनी सलाई पर सरका लिया करो) अब इन्हीं ६ फंदों को लौट कर फिर बुनो।

अगली सलाई—१२ सी०, उल्टाओ। उल्टाकर इन्हीं १२ को फिर सीधा बुनो।

अगली सलाई—१८ सी० उल्टाओ। उल्टाकर फिर इन्हीं १८ को सीधा बुनो।

अगली सलाई—२४ सी०, उल्टाओ। उल्टाकर फिर इन्हीं २४ को सीधा बुनो। इसी प्रकार हर दूसरी सलाई पर ६ फंदे अधिक बुनते हुए बुनती जाओ। जब तक कि बायें हाथ की सलाई पर केवल २२ फंदे बिना बुने न रह जायें। अब कुल ६४ फंदो को एक ही सलाई पर बुनलो और सीधी बुनाई जारी रखो जब तक कि चीज की छोटी तरफ ९ इंच लम्बी न हो जाय लेकिन हर छठी सलाई पर चीज की लम्बी तरफ एक-एक फंदा बढ़ाते हुए ६ फंदे बढ़ालो।

अब चीज के दोनों ओर हर दूसरी सलाई पर एक-एक फंदा घटाती जाओ जब तक कि फंदे घटकर ४० न रह जायँ। तब इन फंदों पर बिना घटाये-बढ़ाये ४½ इंच तक सीधी बुनाई और बुनो। फिर पैर के लिए इस प्रकार से फंदे बाँटो।

अगली सलाई—पहले ११ फंदे बुट कर उतार दो शेष सारी सलाई सीधी बुनो।

अगली सलाई—पहले ११ फंदे बुट कर उतार दो शेष १८ सीधे बुनो। इस प्रकार दोनों ओर के ११, ११ फंदे उतर गए, बीच के १८ रह गए, इन पर १८ सलाइयाँ सीधी बुनो।

अब हर दूसरी सलाई पर दोनो ओर एक-एक फंदा घटाते हुए तीन बार फंदे घटाओ और बुटकर उतार लो। इस प्रकार एक टाँग तैयार हो गई। इसी प्रकार दूसरी बुन कर तैयार करो।

कोट

पीछा—बिस्कुटी ऊन से ८० फंदे चढ़ाकर पीछे के निचले किनारे से शुरू करो और पहली १२ सलाइयाँ सीधी बुनो। अब किरमची या लाल ऊन जोड़लो और ४ सलाइयाँ इस ऊन से इसी बुनाई की बुनो। फिर ४ सलाइयाँ बिस्कुटी ऊन से बुनो और ६ लाल ऊन से, फिर ४ सलाइयाँ बिस्कुटी ऊन से और फिर ४ सलाइयाँ लाल ऊन से बुनो। अब बिस्कुटी ऊन से ७½ इंच तक और बुनो। फिर बाँह का छेद बनाने के लिए अगली २ सलाइयो के शुरू मे तीन-तीन फंदे बुट कर उतार दो। अब हर दूसरी सलाई पर दोनों ओर ५ बार एक-एक फंदा घटाओ। ६४ फंदे रहे। अब बिना घटाये बढ़ाये ३ इंच तक और बुनो। बुनाई सदा सीधी ही रहे।

अगली सलाई—२१ सी०, बीच के २२ बुट कर गले के लिए उतार दो, शेष २१ सीधे बुनो। अब ७ सलाइयाँ इन अन्तिम २१ फंदो पर बुनो। तब गले की ओर इसी सलाई पर १४ फंदे नये चढ़ालो और इन ३५ फंदो पर दो इंच और बुना। अब बाँह के छेद

की ओर हर दूसरी सलाई पर एक एक फदा बढ़ाते हुए ९ बार फदे बढ़ाओ (जैसे पीछे घटाये थे)। और इस बढ़ाने की अन्तिम सलाई पर (जिस सलाई पर अन्तिम फदा बढ़ाया गया है) ३ फदे नये चढाओ जिससे कि बॉह के छेद की काट पूरा हो जाय। अब बिना घटाये बढाये बुनती जाओ और पीठ के बराबर लम्बाई तक बुन लो। पीठ की भाँति लाल ऊन से निचले किनारे पर धारियाँ डाल लो। इस प्रकार दाहिना आगा पूरा होगया। अब बायें आगे के लिए बायें कधे के २१ फदो के साथ गले के किनारे पर ऊन जोडलो और ६ सलाइयाँ सीधी बुनो। तब गले के किनारे की ओर ३० फदे बायें आगे के लिए नये चढाओ (दाहिने आगे म १४ फदे चढाये थे इसमें ३० चढाओ)।

अगली सलाई—३ सी०, उलटाओ, लौटकर फिर इन्ही तीन फदों को सीधा बुनो।

अगली सलाई—५ सी०, उलटाओ, लौटकर फिर इन्हीं ५ फदो को सीधा बुनो।

अगली सलाई—७ सी०, उलटाओ, लौटकर फिर इन्हीं ७ फदो को सीधा बुनो।

अगली सलाई— ९ सीधे, उलटाओ, लौटकर फिर इन्ही ९ फदों को सीधा बुनो।

अगली सलाई—११ सीधे, उलटाओ, लौटकर फिर इन्ही ११ फदो को सीधा बुनो।

अगली सलाई—सारे (५१) फदो को एक ही सलाई पर बुन लो। अब शेप आगे को दाहिने आगे की भाँति बाँह का छेद बनाते हुए और लाल धारियाँ डालते हुए दाहिने आगे के बराबर लम्बा बुनलो।

बॉहे—११ फदे बिस्कुटी रग से सलाई पर चढा कर कधे पर जो बॉह का हिस्सा आता है वहाँ से (अर्थात् बॉह के ऊपर के हिस्से से) शुरू करो। पहली सलाई सीधी बुनो। उसके बाद प्रत्येक के शुरू में दो फदे नये चढ़ाती जाओ जब तक कि फदे बढ कर ४९ न हो जायें। अब बिना घटाये-बढ़ाये बुनती जाओ जब तक कि लम्बाई ९ इच न हो जाय।

अगली सलाई—* २ सी०, २ उ०, * चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में १ सीधा हो।

अगली १९ सलाइयाँ २ सी०, २ उ० फदों वाली फलियोंदार बुनो। अगली १२ सलाइयाँ सीधी। अब लाल ऊन जोड़ो और ४ सलाइयाँ बुनो। फिर ८ सलाइयाँ बिस्कुटी ऊन की बुनो और ढीला ढीला बुट कर उतार लो। इस प्रकार एक बॉह तैयार हो गई, ऐसे ही दूसरी तैयार करो।

कॉलर—बिस्कुटी ऊन से गले के चारों ओर के किनारे पर से ९८ फदे उठाओ और दो सलाइयाँ सीधी बुनो। तब दो सलाइयाँ लाल और अतिम दो फिर बिस्कुटी ऊन से बुनो। अब ढीला-ढीला बुट कर उतारलो।

सीकर तैयार करना—बाँह के छेदो के साथ बाँहें जोड़ लो। तब बाँह के नीचे की ओर बगलो की सीवन सी लो पर सीते समय यह ध्यान रखना कि आगे पीछे की लाल धारियाँ एक दूसरे के ठीक सामने आवें ऊपर नीचे न हो जावें।

बाईं ओर के आगे के किनारे पर बटनो के लिए क्रोशिये से चेन के ४ छेद बना दो और दाहिने आगे पर छेदों के ठीक सामने बटन टाँक दो। पायजामे के भी दोनो टाँगो के आगे पीछे की सीवन परस्पर जोडलो। अब टाँगो के नीचे लचकदार फीते का टुकडा जोडलो जो पैरो मे पब के नीचे पहना दिया जाय।

अब इस्तिरी गरम करलो। कोट को तख्ते पर बिछाकर ऊपर गीला कपडा डाल कर सीवनो को खूब दबाकर इस्तिरी करलो। अब ब्रश से सारे सूट पर धीरे धीरे ब्रश करो। ब्रश जोर से न करना।



बच्चों के सुन्दर जालीदार मोज़े

४ से ६ वर्ष के बच्चे के लिए

आवश्यक सामान
२ औंस के लगभग
२ तार की ऊन,
१७ नं० की
दोनों ओर नोकवाली
लोहे की ४ सलाइयाँ,
नाप
टाँग की लम्बाई
७½ इंच, पैर की
लम्बाई ६ इंच



ये सुन्दर जाली
दार मोज़े शुरू में
१ सी० १ उ० फंदों
वाली फलियों में
और फिर पैर के
अगले हिस्से पर
मनोहर जालीदार
बुनाई में
तथा शेष सारे
सीधी बुनाई में
बुने जाते हैं

चि० सं० ८९

तीन सलाइयों पर ७२ फंदे (१८, ३६, १८) चढाकर टाँग के ऊपर के हिस्से से शुरू करो और ४४ घेरे १ सी०, १ उ० फंदों वाली फलियों में बुनो।

४५वाँ घेरा—१ली सलाई सारी सीधी। दूसरी सलाई—* १ उ०, १ सी०, १ ब०, १ स०, १ स० फं० इस पर डालो, १ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

४६वाँ घेरा—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—* १ उ०, ४ सी०, १ उ० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

४७वाँ घेरा—पहली सलाई—सीधी। २री सलाई—* १ उ०, १सी०, २ इ०सी०, १ व०,१सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

४८वाँ घेरा—४६वें घेरे की तरह। इन अंतिम ४ घेरों को १९ बार और दोहराओ। यहाँ ऐडी के लिए फंदे बाँटो—पहली सलाई से १८ फंदे तीसरी पर बुनलो (तीसरी पर ३६ हो गये) चीज़ को उलटाओ १ स०, ३५ उ०।

ऐडी की पहली सलाई—१ स०, ३५ सी०।

दूसरी सलाई—१ स०, ३५ उ०। इन दोनों सलाइयों को ऐडी के लिए ७ बार और दोहराओ। अब ऐडी को इस प्रकार मोडो—२० सी०, २ इ०सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, ५ उ०, २ इ०उ०, १ उ०, उलटाओ, १ स०, ६ सी०, २इ०सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, ७ उ०, २ इ०उ०, १ उ०, उलटाओ, १ स०, ८सी०, २ इ० सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, ९ उ०, २ इ०उ०, १ उ०, उलटाओ, १ स०, १० सी०, २ इ०सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, ११ उ०, २ इ०उ०, १ उ०, उलटाओ, १ स०, १२ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, १३ उ०, २ इ०उ०, १ उ०, उलटाओ, १ स०, १४ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, १५ उ०, २ इ०उ०, १ उ०, उलटाओ, १ स०, १६ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, उलटाओ, १ स०, १७ उ०, २ इ०उ०, २ उ०, उलटाओ।

अगली सलाई—२२ सीधे बुनो, और ऐड़ी की ऊँचाई पर से १० फंदे उठाकर उन्हें भी सीधा बुन लो। अब दूसरी सलाई (जो ऐडी के कारण बिना बुने छोड़ रखी थी) को उठाकर इस प्रकार बुनो—* १उ०, १सी०, १व०, १स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, १सी०,१उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई पर दूसरी ओर की ऐड़ी की ऊँचाई पर से १० फंदे उठाकर बुन लो और पहली सलाई पर से भी (ऐड़ी वाले २२ में से) ११ फंदे इस पर सीधे बुन लो। अब (२१,३६, २१ कुल ७८ फंदे होगये)

पैर का पहला घेरा—पहली सलाई—सीधी। २री सलाई—* १ उ०, ४ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक बार-बार दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

२रा घेरा—पहली सलाई,अंतिम ३ फंदों के सिवाय सारी सीधी, २इ०सी०, १सी०। दूसरी सलाई—* १ उ०, १ सी०, २ इ० सी०, १ व०, १ सी०, १ उ०, * चिह्न से बार-बार अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—१सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

३रा घेरा—टॉग के ४६वें घेरे की तरह।

४था घेरा—टॉग के ४५वें घेरे की तरह।

५वाँ घेरा—पहली सलाई—अंतिम ३ फंदों के सिवाय सब सीधे, २इ०सी०, १सी०। दूसरी सलाई—
*१ उ०, ४ सी०, १उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—१ सी०,
२ इ०सी०, शेष सारी अन्त तक सीधी।

६ठा घेरा—टॉग के ४७वें घेरे की तरह।

७वाँ घेरा—टॉग के ४६वें घेरे की तरह।

८वाँ घेरा—पहली सलाई—अंतिम ३ के सिवाय सब सीधे, २इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—
*१ उ०, १ सी०, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फं० इस पर डालो, १ सी०, १ उ०,
* चिह्न से अन्त तक दोहराओ। तीसरी सलाई—१ सी०, २इ० सी०, शेष सारी सीधी
(७२ फंदे)

अब टॉग के ४६वें, ४७वें और फिर ४६वें घेरे को क्रम से एक बार दोहराओ। अब ४५वें से लेकर ४८वें घेरे तक के सब घेरे ७ बार दोहराओ।

४०वाँ घेरा—पहली सलाई—अंतिम ३ फंदों के सिवाय सब सीधे, २इ० सी, १सी०। दूसरी सलाई—
१ सी०, २ इ०सी०, बीच के सब सीधे, अंत में जब तीन रह जायँ तब २ इ०सी०,
१ सी०। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी० शेष सारी सीधी।

४१वाँ घेरा—सीधा। इन अंतिम २ घेरों को ९ वार और दोहराओ।

६०वाँ घेरा—पहली सलाई—२ सी०, २ इ०सी०, १सी०, २इ०सी०, १सी०। दूसरी सलाई—१सी०
२ इ०सी०, १ सी०, २ इ०सी०, ४ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ०सी०, १ सी०
तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, १ सी०, २ इ०सी०, २ सी०।

६१वाँ घेरा—सीधा।

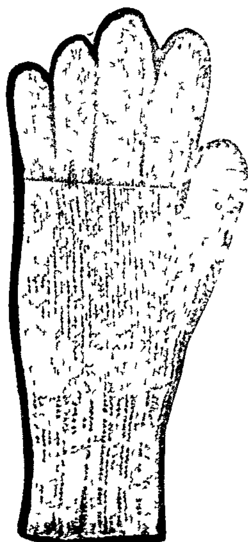
६२वाँ घेरा—पहली सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, २ इ०सी०, १सी०। दूसरी सलाई—१सी०, २इ०
सी०, २ इ०सी०, २ सी०, २ इ०सी०, २इ०सी, ० १ सी०। तीसरी सलाई—१ सी०,
२इ०सी०, २ इ०सी०, १सी०, (४, ८, ४ फंदे) अब इन फंदो को चि० स० १२ की
तरह आपस में सी लो। फिर मोजे को किसी समतल चीज पर रखकर ऊपर गीला
कपडा बिछाकर इस्तिरी करलो और इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार करो।

—❀ ❀—

सादे ऊनी दस्ताने

६ से ८ वर्ष के लड़कों के लिये

आवश्यक सामान
१ औंस किसी सुन्दर रंग की ऊन, लोहे की दोनों ओर नोक वाली ४ सलाइयाँ



ये सादे ऊनी दस्ताने सारे सीधी बुनाई में और शुरू में किनारे पर २ सी० २ उ० [illegible] पट्टियों में बुने जाते हैं

चि० नं० १०

थ का दस्ताना—तीन सलाइयों पर क्रम से १६, २०, १६, फंदे चढ़ाकर ३० घेरे [illegible] आगे १० घेरे सीधे बुनो।

ाँ घेरा—पहले फंदे में एक फंदा आगे एक पीछे बुनकर दो सीधे बुनो, [illegible] २ सी०, शेष भाग घेरा सीधा बुनो।

२ घेरे—सारे सीधे बुनो।

घेरा—पहले फंदे में २ सीधे, ३ सी०, अगले फंदे में [illegible] सी०, शेष [illegible]।

२ घेरे—सारे सीधे।

बाँये हाथ का दस्ताना—दाहिने दस्ताने की तरह ही बुनो पर अँगूठा पहली सलाई के शुरू में न बना कर तीसरी सलाई के अन्त में बनाओ और बढ़ाववाले घेरे (फंदे बढ़ानेवाले घेरे) इस प्रकार बुनो।

४१वाँ घेरा—पहली सलाई—सीधी, दूसरी सलाई—सीधी, तीसरी सलाई—अन्तिम ३ फंदों के सिवाय सब सीधे, अगले फंदे में २ सी०, १ सी०, अन्तिम फंदे में २ सी०।

अगले दो घेरे—सीधे। इसी प्रकार सब बढ़ाव वाले घेरों में घेरे के अन्त में फंदे बढ़ाओ और शेष सारा दस्ताना दाहिने की तरह बुनो। अब गीला कपड़ा ऊपर बिछा कर इस्तिरी कर लो।

लड़कों के नीले और हरे रंग के खानेदार मोज़े

आवश्यक सामान

२ औंस के लगभग ४ तार की मोटी हरे रंग की ऊन।

१ औंस के लगभग ४ तार की नीली ऊन।

१४ नं० की लोहे की २ सलाइयाँ।

नाप

टाँग की लम्बाई १० इंच, पैर की लम्बाई ६½ इंच।

वर्णन

ये सुंदर मोज़े, दो सलाइयों पर बुन कर बाद में सी दिए जाते हैं।

सांकेतिक चिह्न

हरी ऊन से जो फंदे बुने जायँगे उनके लिए=ह०।

नीली ऊन से जो फंदे बुने जायँगे उनके लिए=नी०।

हरी ऊन से जो दो फंदे इकट्ठे बुने जायँगे उनके लिए=२ इ० ह०।

दो इकट्ठे नीले फंदों के लिए=२इ० नी०।

हरे रंग की ऊन से ६४ फंदे चढ़ा कर ८ सलाइयों तक २ सी०, २ उ०, फंदोंवाली फलियाँ बुनो। अब नीली ऊन जोड़ लो और * नीली ऊन से ४ सलाइयाँ फलियोंवाली बुनो, फिर हरी ऊन से ८ सलाइयाँ बुनो, * चिह्न से एक बार फिर दोहराओ।

अगली सलाई—हरी ऊन से ❀ ८ सी०, अगले फंदे में आगे पीछे बुन कर २ सी०, ❀ चिह्न से ६ बार और दोहराओ, १ सी० (७१ फंदे)।

अगली सलाई—हरी ऊन से, सारी उलटी।

नमूने की पहली सलाई—सीधी—१ नी० * १ ह०, १ नी० * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

दूसरी सलाई—उलटी—१ नी० ❀ १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, २ नी०, ❀ चिह्न से ४ बार और दोहराओ।

३री सलाई—सीधी—१ नी०, * २ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ।

४थी सलाई—उलटी—१ नी०, ❀ ३ नी०,७ ह०, ४ नी०, ❀ चिह्न से ४ बार और दोहराओ।

५वीं सलाई—नमूने की तीसरी सलाई की तरह।

६ठी सलाई—नमूने की दूसरी सलाई की तरह।

७वीं सलाई—नमूने की पहली सलाई की तरह।

८वीं सलाई—उलटी—१ ह०, ❀ १ नी०, १ ह०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ।

९वीं सलाई—सीधी—१ ह०, * १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह० १ नी०, १ ह०, १ नी०, २ ह० * चिह्न से ४ बार और दोहराओ।

१०वीं सलाई—उलटी—१ ह०, * २ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ।

११वीं सलाई—सीधी—१ ह०, ❀३ ह०, ७ नी०, ४ ह०, ❀ चिह्न से ४ बार और दोहराओ।

१२वीं सलाई—नमूने की १०वीं सलाई की तरह।

१३वीं सलाई—नमूने की ९वीं सलाई की तरह।

१४वीं सलाई—नमूने की ८वीं सलाई की तरह।

अब पहली सलाई से १०वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ एक बार और दोहराओ।

१५वीं सलाई—सीधी—२ इ० ह० * २ ह०, ७ नी०, ५ ह०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब २ फंदे रह जायँ तब २ इ० ह०।

२६वीं सलाई—उल्टी—* २ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२७वीं सलाई—सीधी—* १ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह०, १नी०, १ ह० १ नी०, २ ह० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२८वीं सलाई—उल्टी—१ नी०, * १ ह०, १ नी० * चिह्न से बार बार अन्त तक दोहराओ।

२९वीं सलाई—सीधी—२ इ०नी०, * १ ह०, १ नी० * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २ फंदे रह जायँ तब २ इ०नी०।

३०वीं सलाई—उल्टी—* १ ह०, १ नी०, १ ह० १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह० ३ नी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

३१वीं सलाई—सीधी—* १ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ ह०, ४ नी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३२वीं सलाई—उल्टी—* २ नी०, ७ ह०, ५ नी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३३वीं सलाई—सीधी—२ इ०ह०, * १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ह०, ५ नी०, १ ह० * चिह्न से बार बार दोहराओ, जब अन्त में २ रह जायँ तब २ इ० ह०।

३४वीं सलाई—उल्टी—* १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी० १ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३५वीं सलाई—सीधी—१ ह०, * १ नी०, १ ह०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

३६वीं सलाई—उल्टी—१ नी०, * १ ह०, १ नी०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

३७वीं सलाई—सीधी—२इ०नी०, * १ह०, ३नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १नी०, १ह०, १नी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २ रह जायँ तब २इ०नी०।

३८वीं सलाई—उल्टी—* १ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

३९वीं सलाई—सीधी—७ नी०, * ७ ह०, ७ नी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४०वीं सलाई—३८वीं सलाई की तरह।

४१वीं सलाई—सीधी—२ इ० ह०, * ३ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अन्त में जब २ रह जायँ तब २ इ० ह०।

४२वीं सलाई—३६ वीं सलाई की तरह।

४३वीं सलाई—३५वीं सलाई की तरह।

४४वीं सलाई—उलटी—* १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, * चिह्न, से अन्त तक दोहराओ।

४५ वीं सलाई—सीधी—२ इ०ह०, * ३ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, २ ह०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब दो रह जायँ तब २ इ०ह०।

४६वीं सलाई—उलटी—३ ह०, * २ ह०, ७ नी०, ५ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४७वीं सलाई—सीधी—३ ह०, * १ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, ४ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४८वीं सलाई—उलटी—३ ह०, * १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४९वीं सलाई—सीधी—२ इ०ह०, १ नी०, * १ ह०, १ नी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २ रह जायँ तब २ इ० ह०।

५०वीं सलाई—उल्टी—१ नी०, * १ ह०, १नी०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

५१वीं सलाई—सीधी—१ नी०, * १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, २ नी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

५२वीं सलाई—उलटी—१ नी०, * २ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

५३वीं सलाई—सीधी—१ नी०, * ३ नी०, ७ ह०, ४नी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

५४वीं सलाई—५२ वीं सलाई की तरह।

५५वीं सलाई—५१वीं सलाई की तरह।

५६वीं सलाई—५०वीं सलाई की तरह।

५७वीं सलाई—सीधी—१ ह०, * १ नी०, १ ह०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

५८वीं सलाई—उलटी—१ ह०, * १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह०, १नी०, १ ह०, १ नी०, २ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

५९वीं सलाई—सीधी—१ ह०, * २ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, २ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६०वीं सलाई—उलटी—१ ह०, * ३ ह०, ७ नी०, ४ ह०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

६१वीं सलाई—५९वीं सलाई की तरह।

६२वीं सलाई—५८वीं सलाई की तरह।

६३वीं सलाई—५७वीं सलाई की तरह।

अब ५०वीं सलाई से लेकर ५६वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से (अर्थात् ५०वीं, ५१वीं, फिर ५२वीं आदि) एक बार दोहराओ। यहाँ से एडी शुरू होती है।

एड़ी की दाहिनी तरफ—१ली सलाई, * १ ह०, १ नी०, * चिह्न से चिह्न तक केवल ६ बार और दोहराओ (१४ फंदे बुने गये) अब चीज़ को उलटा लो। उलटा कर निम्न प्रकार से दूसरी सलाई इन्हीं १४ फंदो पर बुनो।

२री सलाई—उलटी—१ ह०, १ नी०, १ह०, १ नी०,१ ह०, ३ नी०, १ ह०,१ नी०, १ ह०,१ नी०, २ ह०,चीज़ को उलटाओ।

३री सलाई—सीधी—३ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०,१ नी०, २ ह०, उलटाओ।

४थी सलाई—उलटी—३ ह०, ७ नी०, ४ ह०, (ध्यान रहे केवल १४ फंदो पर ही दाहिनी एड़ी के लिए बार बार बुना जायगा)

५वीं सलाई—एडी की तीसरी सलाई की तरह।

६ठी सलाई—एड़ी की दूसरी सलाई की तरह।

७वीं सलाई—एड़ी की पहली सलाई की तरह।

८वीं सलाई—उलटी—* १ ह०, १ नी०, * अन्त तक बार बार दोहराओ।

९वीं सलाई—सीधी—२ नी०,१ ह०, १ नी० १ ह०, १ नी०,३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, उलटाओ।

१०वीं सलाई—उलटी—२ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०।

११वीं सलाई—सीधी—४ नी०, ७ ह०, ३ नी०, उलटाओ।

१२वीं सलाई—१० वीं सलाई की तरह।

१३वीं सलाई—९वीं सलाई की तरह।

१४वीं सलाई—८वीं सलाई की तरह। अब नीली ऊन पक्की करके तोड़ लो।

१५वीं सलाई—१४ फंदे सीधे हरी ऊन से बुनकर चीज़ को उलटाओ।

१६वीं सलाई—१४ उलटे, उलटाओ।

१७वीं सलाई—१४ सीधे, उलटाओ ।

१८वीं सलाई—१४ उल्टे, उलटाओ ।

१९वीं सलाई—१ स०, फिर १ स०, १ सी०, दूसरा स० फ० इस पर डालो, ११ सी०, उलटाओ।

२०वीं सलाई—१ स०, १२ उ०, उलटाओ

२१वीं सलाई—१ स०, १२ सी०, उलटाओ ।

२२वीं सलाई—१ स०, १२ उ०, उलटाओ ।

२३वीं सलाई—१ स०, फिर १ स०, १ सी०,दूसरा स० फ० इस पर डालो, १०सी०, उलटाओ ।

२४वां सलाई—१ स०, ११ उलटे, उलटाओ ।

२५वीं सलाई—१ स०, ११ सी०, उलटाओ ।

२६वीं सलाई—१ स०, ११ उ०,उलटाओ ।

२७वीं सलाई—१ स०, फिर १ स०, १ सी०, दूसरा स० फ० इस पर डालो, ३ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, ४ सी०, उलटाओ ।

२८वीं सलाई—१ स०, ९ उ०, उलटाओ ।

२९वीं सलाई—१ स०, ९ सी०, उलटाओ ।

३०वीं सलाई—१ स०, ९ उ०, उलटाओ ।

३१वीं सलाई—१ स०, फिर १ स०, १ सी०, दूसरा स० फ० इस पर डालो, २ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ०, इस पर डालो, ३ सी०, उलटाओ ।

३२वीं सलाई—१ स०, ७ उ० । इन्हें बुटकर उतार दो । अब जो ४३ फंदे दूसरी सलाई पर बचे हुए हैं उनकी तरफ को लौटो और दोनो रंग की ऊन जोड़कर पैर के लिए बीच के २९ फंदो को निम्न प्रकार से बुनो ।

१ली पहली सलाई—सीधी—१ ह०, * १ नी०, १ ह० * चिह्न से चिह्न तक १३ बार और दोहराओ, उलटाओ ।

२री दूसरी सलाई—उलटी—१ ह०, * १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, २ ह० * चिह्न से एक बार और दोहराओ।

३री सलाई—सीधी—१ ह०, * २ ह०, १ नी० १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०,२ ह० * चिह्न से चिह्न तक एक बार और दोहराओ ।

४थी सलाई—उलटी—१ ह०, * ३ ह०, ७ नी०, ४ ह०, * चिह्न से चिह्न तक एक बार और दोहराओ।

पाँचवी सलाई—पैर की तीसरी सलाई की तरह।

६ठी सलाई—पैर की दूसरी सलाई की तरह।

७वीं सलाई—पैर की पहली सलाई की तरह।

८वीं सलाई—उल्टी—१ नी०, * १ ह०, १ नी०, * चिह्न से १३ वार और दोहराओ।

९वी सलाई—सीधी—१ नी०, * १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, २ नी०, * चिह्न से एक वार और दोहराओ।

१०वी सलाई—उल्टी—१ नी० * २ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, * चिह्न से एक वार और दोहराओ।

११वी सलाई—सीधी—१ नी०, * ३ नी०, ७ ह०, ४ नी० * चिह्न से एक वार और दोहराओ।

१२वी सलाई—पैर की १०वी सलाई की तरह।

१३वीं सलाई—पैर की ९वी सलाई की तरह।

१४वी सलाई—पैर की ८वी सलाई की तरह। अब १ली से लेकर १४वी तक की सब सलाइयाँ क्रम से एक वार और दोहराओ।

२९वीं सलाई—पहली सलाई की तरह। अब नीली ऊन तोड़लो।

३०वी सलाई—केवल हरी ऊन से, सारी उलटी। १२ सलाइयाँ इसी ऊन में गुलूबंद की बुनाई की बुनो।

* * अगली सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, बीच के सब सीधे बुनो अन्त में जब ३ फंदे रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०।

अगली सलाई—उल्टी। इन अन्तिम २ सलाइयों को ८ बार और दोहराओ (११ फंदे रहेंगे)। अब बुन कर उतार दो * *। अब शेष १४ फंदे जो दूसरी ओर की एड़ी के लिए सलाई पर है उनकी तरफ लौटो और दोनो रंग की ऊन जोड़कर निम्न प्रकार से बुनो।

एड़ी की बाईं तरफ की पहली सलाई—सीधी—* १ नी०, १ ह०, * चिह्न से ६ बार और दोहराओ, (१४ फंदे) चीज को उल्टाओ।

२री सलाई—उल्टी—२ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, ३ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०।

३री सलाई—सीधी—२ ह०, १ नी०, १ ह०, ५ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह० ।

४थी सलाई—उलटी—४ ह०, ७ नी०, ३ ह० ।

५वीं सलाई—तीसरी सलाई की तरह ।

६ठी सलाई—दूसरी सलाई की तरह।

७वीं सलाई—पहली सलाई की तरह।

८वीं सलाई—उलटी—* १ नी०, १ ह०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ ।

९वीं सलाई—सीधी—१नी०, १ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी०, ३ ह०, १ नी०, १ ह०, १ नी० १ ह०, २ नी० ।

१०वीं सलाई—उलटी—३ नी०, १ ह०, १ नी०, ५ ह०, १ नी०, १ ह०, २ नी० ।

११वीं सलाई—सीधी—३ नी०, ७ ह०, ४ नी० ।

१२वीं सलाई—१०वीं सलाई की तरह

१३वीं सलाई—९वीं सलाई की तरह ।

१४वीं सलाई—८ वीं सलाई की तरह । अब नीली ऊन तोड़कर हरी से ४ सलाइयाँ गुलूबद की बुनाई मे बुनो ।

१९वीं सलाई—१ स०, १० सी०, २ इ०सी०, १ सी० ।

२०वीं सलाई—१ स०, १२ उल्टे ।

२१वीं सलाई—१ स०, १२ सीधे ।

२२वीं सलाई—१ स०, १२ उलटे ।

२३वीं सलाई—१ स०, ९ सी०, २ इ० सी०, १ सी० ।

२४वी सलाई—१ स०, ११ उ० ।

२५वी सलाई—१ स०, ११ सी० ।

२६वीं सलाई—१ स०, ११ उ० ।

२७वीं सलाई—१ स०, ३ सी०, २ इ०सा०, ३ सा०, २ इ०सी०, १ सी० ।

२८वीं सलाई—१ स०, ९ उ० ।

२९वी सलाई—१ स०, ९सी० ।

३०वी सलाई—१ स०, ९ उ० ।

३१वीं सलाई—१ स०, २ सी०, २ इ०सी०, २ सा०, २ इ०सी०, १ सी० ।

२२वीं सलाई—१ स०, ७ सी० । अब बुटकर उतार लो।

पैर का तला—एड़ी वाले बुटे हुए दोनो ओर के १६ फदो को आपस में जोड़ लो जिससे एडी बन जाय और अब हरी ऊन जोड़कर एडी के तीनो ओर से ४५ फदे उठा लो और सीधे बुन लो।

दूसरी सलाई—उल्टी ।

तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, बीच के सब सीधे, अन्त में जब ३ फदे रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी० ।

चौथी सलाई—उलटी । इन अन्तिम २ सलाइयो को ७ बार और दोहराओ । (२९ फदे रहेंगे) अब बिना घटाये २४ सलाइयॉ गुद्धबद की बुनाई की बुनो। तब पैर में दिय गये * *चिह्न से * * तक के हिस्से को दोहराओ । मोजा समाप्त होगया ।

ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर इस्तिरी कर लो। अब सफाई से पैर के तले को ऊपर के हिस्से से जोड लो और टॉग की सीवन सी लो पर सीते समय इस बात का ध्यान रखना कि नमून के खाने आपस में ठीक ठीक मिलते जायँ, नीचे ऊपर न हो जायँ।

सादा पुल ओवर
१२ से १४ वर्ष के लडके के लिए

आवश्यक सामान
१० औंस क लगभग ऊन
९ न० की २ सलाइयाँ
१२ न० की लोहे की
दोनों ओर नोक वाली
४ सलाइयाँ,
१ स्टिच होल्डर
या बडा सेफ्टी पिन ।



नाप
कधे से निचले किनारे
तक की लम्बाई २०½ इच,
छाती के चारों
का घेरा ३२ इच
बाँह की लम्बाई १७ इच

चि० स० ९१

फैलाव—६½ फदों को ९ सलाइयो तक बुनने से १ इच लम्बी और १ इच चौडी चीज बनेगी।

पीठ—९ न० की सलाइयों पर १०४ फदे चढाकर पीठ के निचले किनारे से शुरू करो और १ सी०, १ उ० फदोंवाली फलियों मे २२ सलाइयाँ बुनो। अब १०० सलाइयाँ गुलूबद की बुनाई (चित्र न० १४ की भाँति) बुनो।

१२३वीं सलाई—२ इ०सी०, अन्तिम २ फदो के सिवाय सब सीधे, अन्तिम २ इ० सी०।

१२४वीं सलाई—२ इ०उ०, अन्तिम २ फदो के सिवाय सब उल्टे, अन्तिम २ इ०उ०।

इन अन्तिम २ सलाइयो को दो बार और दोहराओ।

१२९वीं सलाई—१२३वीं सलाई की तरह।

१३०वीं सलाई—उलटी। १२९वीं तथा १३०वीं सलाई को क्रम से ६ बार और दोहराओ (७८ फंदे रह जायेंगे)। अब ३१ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुनो।

१७४वी सलाई—२२ फंदे उलटे बुनकर आगे के कधे के साथ चित्र स० १२ की तरह सीने के लिए एक फाल्तू सलाई पर रख लो और बीच के ३४ फंदे गळे के लिए एक ऊन के टुकड़े पर या दोनों ओर नोक वाली एक सलाई पर उतार कर रख लो। अंतिम २२ फंदे उलटे बुनो और दूसरे कधे के साथ सीने के लिए एक सलाई पर रख लो।

जेबें—९ न० की सलाई पर २७ फंदे चढाकर ३७ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुन लो। जेब तैयार हो गई। अब इसके फंदे एक फाल्तू सलाई पर चढा कर रख लो और इसी प्रकार दूसरी जेब बुन लो। इसके फंदे भी एक सलाई पर रख लो।

आगा—९ न० की सलाइयो से १०४ फंदे चढाकर निचले किनारे से शुरू करो और पीठे की तरह २२ सलाइयाँ १ सी०, १ उ० फदोवाली पट्टियो की बुनो और २० सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की। अब जेबो की पट्टियाँ अर्थात् ऊपर का किनारा शुरू होता है।

५३वी सलाई—१२ सी०, १ उ०, * १ सी०, १ उ० * चिह्न से १२ बार और दोहराओ। २६ सी०, १ उ०,तब फिर * १ सी०, १ उ० * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, अन्तिम १२ सीधे। (१०४ फंदे)

५४वी सलाई—१२ उ०, १ सी०, * १ उ०, १ सी० * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, २६उ०,१ सी० * १उ०,१सी०, * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, १२ उ०।

इन अन्तिम २ सलाइयो को ३ बार और दोहराओ।

६१वी सलाई—१२ सी०, २७ फंदे जेब के लिए बुटकर उतार दो, २६ सी०, दूसरी जेब के लिए २७ फंदे बुटकर उतार दो, १२ सीधे।

६२वीं सलाई—१२ उ०। अब जो जेब अलग बनाकर रखी हुई है उसके २७ फंदे यहाँ उलटे बुन लो। जेब यहाँ जुड जायगी। २६ उ०, अब दूसरी जेब के २७ फंदे उलटे बुन लो इससे दूसरी जेब यहाँ जुड़ जायगी, अन्तिम १२ उ०। अब ५४ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुनो।

११७वीं सलाई—५२ सीधे बुनकर एक स्टिच होल्डर या सेफ्टीपिन पर बायें कधे के लिए रख दो, शेष ५२ सीधे।

अब इन अन्तिम ५२ फंदो पर ही दाहिने कधे के लिए निम्न प्रकार से बार बार बुना जायगा।

दाहिने कंधे की ११८वीं सलाई—उल्टी।

११९वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष ५० सी०। (इस सलाई में गले की काट शुरू हो गई)

१२०वीं सलाई—उल्टी।

१२१वीं सलाई—सीधी।

१२२वीं सलाई—४९ फंदे उल्टे, अन्तिम २ इ०उ०। अब यहाँ से बाँह के छेद की काट शुरू होगी।

१२३वीं सलाई—अन्तिम २ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०।

१२४वीं सलाई—२ इ०उ०, अंत तक उल्टे।

१२५वीं सलाई—२ इ०सी०, अन्तिम २ के सिवाय बीच के सब सीधे, अन्तिम २ इ०सी०।

१२६वीं सलाई—१२४वीं सलाई की तरह।

१२७वीं सलाई—१२३वीं सलाई की तरह।

१२८वीं सलाई—२ इ०उ०, अन्तिम २ के सिवाय बीच के सब उल्टे, अन्तिम २ इ०उ०।

१२९वीं सलाई—१२३ वीं की तरह

१३०वीं सलाई—उल्टी।

१३१वीं सलाई—१२९वीं की तरह।

१३२वीं सलाई—उल्टी।

१३३वीं सलाई—१२३वीं की तरह।

१३४वीं सलाई—अन्तिम २ के सिवाय सब उल्टे, २ इ०उ०।

अन्तिम ६ सलाइयों को एक बार और दोहराओ। अब १२३वीं सलाई को एक बार दोहराओ (यहाँ ३१ फंदे रह जायँगे।

१४२वीं सलाई—उल्टी।

** १४३वीं सलाई—२ इ०सी, अन्त तक सीधे।

१४४वीं सलाई—उल्टी।

१४५वीं सलाई—सीधी।

१४६वीं सलाई—अंतिम २ के सिवाय सब उल्टे, २ इ०उ०। २ सलाइयाँ गुलूबंद की बुनाई की बुनो **। अब ** चिह्न से ** चिह्न तक ३ बार और दोहराओ।

१६७वीं सलाई—१४३वीं की तरह (यहाँ २२ फंदे रह जायँगे)

१६८वीं सलाई—उल्टी। ६ सलाइयाँ गुलूबंद की बुनाई की बुनो। अब इन फंदों को पीछे के

कधे के साथ मिलाकर सीने के लिए छोड दो। और सीने के
डोरा छोड़ कर ऊन तोड लो। स्टिच होल्डर पर रखे हुए दूसरे
को सलाई पर चढा लो। सलाई की नोक गले की ओर रहे,
जोड कर निम्न प्रकार से बुनो—

चॉया कधा ११८वीं सलाई—उलटी।

११९वीं—अतिम २ फदो के सिवाय सब सीधे, अतिम २ इ०सी०।

१२०वीं सलाई—उलटी।

१२१वीं सलाई—सीधी।

१२२वीं सलाई—२ इ०उ०, शेष अन्त तक सब उलटे।

१२३वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष अन्त तक सब सीधे।

१२४वीं सलाई—अतिम २ के सिवाय सब उलटे, अन्त में २ इ०उ०।

१२५वीं सलाई—२ इ०सी०, अतिम २ फदों के सिवाय सब सीधे, अन्त ...

१२६वीं सलाई—१२४वीं सलाई की तरह।

१२७वीं सलाई—१२३वीं सलाई की तरह।

१२८वीं सलाई—२ इ०उ०, अतिम २ के सिवाय सब उलटे, अत के २

१२९वीं सलाई—१२३वीं सलाई की तरह।

१३०वीं सलाई—उलटी।

१३१वीं सलाई—१२५वीं सलाई की तरह।

१३२वीं सलाई—उलटी।

१३३वीं सलाई—१२३वीं सलाई की तरह।

१३४वीं सलाई—२ इ०उ०, शेष सब अन्त तक उलटे। अतिम ६ [illegible]

[illegible]राओ। तब १२३वीं सलाई को एक बार दोहराओ (

१४५वीं सलाई—उलटी।

१४६वीं सलाई—अतिम २ फदों के सिवाय सब सीधे, अतिम [illegible]

१४७वीं सलाई—उलटी।

१४८वीं सलाई—सीधी।

१४९वीं सलाई—२ इ०उ०, शेष सब अन्त तक उलटे।

अब २ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की बुनो * *। अब * * चिह्न से * * चिह्न तक का ६ सलाइयों को क्रम से ३ बार और दोहराओ।

१६७वीं सलाई—१४३वीं सलाई की तरह। (२२ फंदे रह जायँगे)

१६८वीं सलाई—उल्टी। ६ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की बुनो। अब आगे के दोनो कधो को पीछे के दोनो कधो के साथ रखकर चित्र न० १२ की तरह सी लो।

बाँह—९ न० की सलाइयो से ५० फंदे चढ़ाकर कफ से शुरू करो और २६ सलाइयाँ १ सी०१उ० वाली फलियो में बुनो। ६ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की बुनो।

* ३३वीं सलाई—पहले १ फंदे मे २ सीधे बुनो (अर्थात् फंदे मे आगे पीछे बुनकर १ फंदे मे २ बुनो), बीच के सब सीधे, अतिम १ फंदे मे २ सीधे बुनो।

३४वी सलाई—उलटी। अब ५ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की बुनो।

४०वीं सलाई—पहले फंदे मे २ उ०, अन्त मे १ फंदे के सिवाय सब उलटे, अतिम १ फंदे मे २ उल्टे, ६ सलाइयाँ गुलबन्द की बुनाई की *। अब * चिह्न से * चिह्न तक की सब सलाइयो को क्रम से ७ बार और दोहराओ (८२ फंदे हो जायँगे) और कुल १४४ सलाइयाँ हो जायँगी।

१४५वीं सलाई—२ इ०सी०, अतिम २ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०।

१४६वीं सलाई—२ इ०उ०, अतिम २ के सिवाय सब उलटे, अतिम २ इ०उ०। इन अतिम २ सलाइयो को ६ बार और दोहराओ।

१५९वीं सलाई—३ फंदे बुट कर उतार दो, शेष सब अन्त तक सीधे।

१६०वीं सलाई—३ फंदे बुट कर उतार दो, शेष सब अन्त तक उल्टे। इन अतिम २ सलाइयो को ९ बार और दोहराओ (१८ फंदे रहेंगे)। बुट कर उतार दो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

गले का पट्टी—१२ न० की सलाइयो से बुनी हुई चीज के आगे की सीधी तरफ को अपनी ओर रखते हुए उन को गले के ठीक मध्य में जोड़ो। अब एक सलाई से गले के एक ओर के किनारे पर से ५८ फंदे उठाकर सारे बुनलो। दूसरी सलाई पर गले की पिछली ओर के जो ३४ फंदे रखे है उन्हे इस प्रकार बुनो—२ इ०सी०, ३०सी०, २ इ०सी०। तीसरी सलाई से गले की दूसरी ओर के किनारे पर से ५८ फंदे उठाकर सीधे बुनलो। इस प्रकार तीनो सलाइयो पर कुल १४८ फंदे होगए, चौथी सलाई से निम्न-लिखित ढंग से घेरे बुनो।

२२ा घेरा—१ सी०, १ उ० फदोवाली फलियो में बुनो।

अगले ८ घेरे—२ इ०सी०, बीच के सब फदे १ सी०, १ उ० फदोवाली फलियों में, अंतिम २ इ०सी०। (१३२ फदे रहेंगे) बुट कर उतार लो।

सीकर तैयार करना—प्रत्येक टुकडे पर अलग अलग पिन लगा कर एक सा करके किसी समतल चीज़ पर बिछा लो और ऊपर गीला कपडा बिछा कर इस्तिरी करलो। बाँहो की तथा बगलों की सीवन अलग अलग सी लो। अब बगलो की सीवन के ऊपर बॉह की सीवन रखते हुए बाँहो को बाँहो की जगह में जोड़ लो। जेबो की दोनो ओर की सीवनो को सी लो। अब सीवनो पर खूब दबा कर इस्तिरी करलो। लडके के लिए सुन्दर पुल ओवर तैयार हो गया।

बिना बाहो का सादा किन्तु आकर्षक स्वैटर कोट
१४ से १६ वर्ष के लडके के लिए

आवश्यक सामान
७ औंस के लगभग
४ तार की ऊन,
९ न० की
१ जोड़ा सलाइयाँ,
६ गोल बटन।



नाप
कधे से निचले किनारे
तक की लम्बाई
२१½ इच
निचले किनारे का
चारो ओर का घेरा
३५½ इच

चि० स० ९२

फैलाव—६½ फदो को ८½ सलाइयों तक बुनने से १ इच लम्बी, १ इच चौड़ी चीज़ बनेगी।

नये चढाए हुए फंदों में सदा पिछली ओर बुनने से बुनाई मजबूत आती है ।

पीठ—१०० फंदे चढ़ाकर पीठ के निचले किनारे से शुरू करो ।

१ली सलाई—१ सी०, १ उ० बार बार अन्त तक दोहराओ ।

२री सलाई—१ उ०, १ सी० * बार बार अन्त तक । इन दो सलाइयों को ३ बार और दोहराओ। अब १०२ सलाइयाँ गुद्ददद की बुनाई की बुनो । यहाँ से बाँह की जगह की काट शुरू होगी ।

१११वीं सलाई—२ इ० सी०, बीच के सब सीधे, अन्तिम २ इ०सी० ।

११२वीं सलाई—२ इ०उ०, बीच के सब उलटे, अन्तिम २ इ०उ० ।

इन अन्तिम दो सलाइयों को ४ बार और दोहराओ। तब १११वीं सलाई एक बार दोहराओ। (७८ फंदे रह जायँगे)

१२२वीं सलाई—उलटी । अब ४८ सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो ।

१७१वीं सलाई—६ फंदे बुटकर उतार दो, शेष अन्त तक सीधे ।

१७२वीं सलाई—६ फंदे बुटकर उतार दो, शेष अन्त तक उलटे ।

इन अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ । ३० फंदे रहेंगे,इन्हें बुटकर उतार दो।

जेब—२७ फंदे चढाओ और ३९ सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो । इन फंदों को किसी फालतू सलाई या डोरे पर उतार कर रख लो। इसी प्रकार दूसरी जेब तैयार करो और उसके फंदे भी रख लो ।

दाहिना आगा—६६ फंदे चढाकर निचले किनारे से शुरू करो और पीठ की पहली और दूसरी सलाई ४ बार दोहराओ ।

९वीं सलाई—*१ सी०, १ उ०, * चिह्न से २ वार और दोहराओ, शेष ६० फंदे सीधे बुनो ।

१०वीं सलाई—अंतिम ७ फंदों के सिवाय सब उलटे, १ सी०, तब *१ उ०, १ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ । इन अन्तिम २ सलाइयों को १२ बार और दोहराओ । अब अगली सलाई से जेब का ऊपर वाला किनारा शुरू होगा । यहाँ से लेकर आगे के किनारे के ७ फंदों के लिए, जो सदा धनिये की बुनाई (१ सी० १ उ०, दूसरी सलाई में उलटे पर सीधा और सीधे पर उल्टा) में बुने जाते रहे हैं, 'किनारा बनाओ' लिखा जायगा ।

३९वीं सलाई—किनारा बनाओ (अर्थात् किनारे के ७ फंदे धनिये की बुनाई में बुनो), २० सी०, १ उ०, *१ सी० १ उ०* चिह्न से १२ बार और दोहराओ, १२ सी० ।

३६वीं सलाई—१२ उ०, १ सी०, *१ उ०, १ सी०* चिह्न से ११ बार और दोहराओ, २१उ०, किनारा बनाओ। इन अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

४३वीं सलाई—किनारा बनाओ, २०सी०, अगले २७ फंदे जेब के लिए बुटकर उतार दो, १२सी०।

४४वीं सलाई—१२ उ०, अब जेब के २७ फंदे ऊन पर से बायें हाथ की सलाई पर सरकाओ और दाहिनी सलाई में इन्हें उल्टे बुन लो, अगले २० उ०, किनारा बनाओ। अब ९वीं और १०वीं सलाई को ३३ बार दोहराओ। यहाँ से बॉह की जगह का तथा गले की काट शुरू होती है।

१११वीं सलाई—किनारा बनाओ, २इ० सी० (गले की काट के लिए) शेष सब अंत तक सीधे।

११२वीं सलाई—९ फंदे बॉह की जगह की काट के लिए बुटकर उतार दो। अंतिम ७ फंदों के सिवाय बीच के सब उल्टे बुनो, अंतिम ७ फंदों पर किनारा बनाओ।

११३वीं सलाई—किनारा बनाओ, बीच के सब सीधे, अंतिम २ इ०सी०।

११४वीं सलाई—२ इ०उ०, अंतिम ७ के सिवाय बीच के सब उल्टे, किनारा बनाओ।

११५वीं सलाई—किनारा बनाओ, २ इ० सी०, बीच के सब सीधे, अंतिम २ इ० सी०।

११६वीं सलाई—११४वीं सलाई की तरह। अंतिम ४ सलाइयॉ (११३वीं से लेकर ११६वीं तक की) २ बार और दोहराओ। अब ११३वीं और ११४वीं सलाई एक बार फिर दोहराओ। (४३ फंदे रहेंगे)

१२७वीं सलाई—किनारा बनाओ, २ इ० सी०, शेष अंत तक सब सीधे।

१२८वीं सलाई—अंतिम ७ के सिवाय सब उल्टे, किनारा बनाओ।

१२९वीं सलाई—किनारा बनाओ, अंत तक सब सीधे।

१३०वीं सलाई—१२८वीं सलाई की तरह। अंतिम ४ सलाइयॉ (१२७वीं से १३०वीं तक की) ११ बार और दोहराओ।

१७५वीं सलाई—किनारा बनाओ, अंत तक सब सीधे। १२८वीं और १२९वीं सलाई को २ बार और दोहराओ।

१८०वीं सलाई—९ फंदे बुटकर कंधे की काट के लिए उतार दो। अंतिम ७ के सिवाय सब उल्टे, किनारा बनाओ।

१८१वीं सलाई—किनारा बनाओ, अंत तक सब सीधे। अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

१८८वीं सलाई—४ फंदे बुट कर उतार दो, किनारा बनाओ। अब केवल किनारे के ही फंदे रह गए। इन पर १६ सलाइयाँ और बुनो, तब बुट कर उतार दो।

बाँया आगा—६६ फंदे चढा कर निचले किनारे से बुनना शुरू करो और पीठ की पहली, दूसरी सलाई को ४ बार बुनो।

९वीं सलाई—अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, इन ७ फंदों पर दाहिने आगे के किनारे की तरह किनारा बनाने के लिए * १ उ०, १ सी० * चिह्न से २ बार और दोहराओ, अन्त में १ उ० बुनो।

१०वीं सलाई—किनारा बनाओ, शेष अन्त तक सब उल्टे। अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

* * १७वीं सलाई—अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, १ उ०, ४ फंदे बटन के छेद के लिए बुट कर उतार दो, १ सी०, १ उ०,।

१८वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, ४ फंदे नए चढ़ाओ, अन्त तक सब उल्टे। ९वीं और १०वीं सलाई को क्रम से ८ बार और दोहराओ। * * अगली सलाई से जेब के ऊपर का किनारा शुरू होता है।

३५वीं सलाई—१२ सी०, १ उ०, * १ सी०, १ उ० * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, २० सी०, १ उ०, बटन के छेद के लिए ४ फंदे बुट कर उतार दो, १ सी०, १ उ०।

३६वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, ४ फंदे नये चढ़ाओ, २२ उ०, १ सी०, * १ उ०, १ सी० * चिह्न से ११ बार और दोहराओ, १३ उल्टे।

३७वीं सलाई—१२ सी०, १ उ०, * १ सी०, १ उ०, * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, २० सी०, किनारा बनाओ।

३८वीं सलाई—किनारा बनाओ, २१ उ०, १ सी०, * १ उ०, १ सी०, * चिह्न से ११ बार और दोहराओ, १३ उ०। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

४३वीं सलाई—१२सी०, अगले २७फंदे जेब के लिए बुटकर उतार दो, २०सी०, किनारा बनाओ।

४४वीं सलाई—किनारा बनाओ, २० उ०, अब जो जेब अलग पड़ी हुई है उसके २७ फंदे इस सलाई पर चढ़ालो और यहाँ उन्हें उल्टा बुनो, आगे १२ उ०।

९वीं और १०वीं सलाई को ४ बार दोहराओ। अब * * चिह्न से * * चिह्न तक और

१७वीं सलाई से ३४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से ३ बार दोहराओ (१०६ सलाइयाँ होगईं) तब क्रम से १७वीं, १८वीं, ९वीं और १०वीं सलाई को एक बार और दोहराओ।

१११वी सलाई—५ फंदे बाँह की जगह की काट के लिए बुट कर उतार दो, अंतिम ९ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी० (गले की काट के लिए), किनारा बनाओ।

११२वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक उल्टी।

११३वी सलाई—२ इ०सी०, अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ।

११४वीं सलाई—किनारा बनाओ, अंतिम २ के सिवाय सब उल्टे, २ इ०उ०।

११५वीं सलाई—२ इ०सी०, अंतिम २ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, किनारा बनाओ।

११६वीं सलाई—११४वीं सलाई की तरह। अंतिम ४ सलाइयाँ २ बार और दोहराओ। तब ११३वीं और ११४वीं सलाई एक बार दोहराओ (४३ फंदे रहेंगे)

१२७वीं सलाई—अंतिम ९ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, किनारा बनाओ।

१२८वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक सब उल्टे।

१२९वी सलाई—अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ ।

१३०वीं सलाई—१२८वी सलाई की तरह। अंतिम ४ सलाइयों को ११ बार और दोहराओ फिर १२९वीं तथा १२८वीं सलाई को क्रम से २ बार दोहराओ।

१७९वीं सलाई—५ फंदे बुट कर उतार दो, अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ।

१८०वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक सब उल्टे। अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

१८७वीं सलाई—४ फंदे बुट कर और उतार दो, किनारा बनाओ। अब इस किनारे को १६ सलाइयों तक और बुनो, तब बुट कर उतार लो।

बाँह की जगह की पट्टी—७ फंदे सलाई पर चढ़ाओ।

पहली सलाई—१ सी०, * १ उ०, १ सी० * चिह्न से २ बार और दोहराओ। इस सलाई को ही बार बार दोहराती जाओ और इतनी लम्बी पट्टी बना लो जो इस्तिरी करने के बाद बाँह की जगह के चारो ओर पूरी आजाय। जब पूरी पट्टी बन जाय तो बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी ओर के लिए तैयार करो।

सीकर तैयार करना—प्रत्येक टुकड़े को ठीक करके पिन लगा लो और किसी समतल चीज पर बिछाकर उल्टी ओर दबाते हुए इस्तिरी कर लो तथा नाप लो। कंधे आपस में जोड़ लो,बाँह के नीचे से लेकर बगलें

की सारी सीवन सी लो। गले के दोनों किनारों को आपस में जोड़ लो और इस किनारे अर्थात् पट्टी को पिछली ओर के गले पर टाँक लो। बाँह की पट्टी को बाँह की जगह के पास बगल की सीवन से जोड़ दो और बाँह की जगह में चारों ओर सी दो। अब जेबों की दोनों ओर की सीवनों को सी लो। गले के छेदों के सामने वाली पट्टी पर ६ बटन टाँक लो और सीवनों पर इस्तिरी करलो। सुन्दर सा स्वैटर कोट तैयार हो गया।

मछली की बुनाई वाला मनोहर पुलओवर
१५ से १८ वर्ष के लड़के के लिये

आवश्यक सामान
बाँहों वाले
पुल ओवर के लिए
११ औंस के लगभग
सफेद ऊन,
तथा बिना बाँहों वाले
पुल ओवर के लिए
९ औंस के लगभग
सफेद ऊन,
१ औंस काली ऊन,
१ औंस नारंगी ऊन,
२ सलाइयाँ ९ नं० की
२ सलाइयाँ दोनों ओर
नोक वाली ११ नं० की
१ पिन होल्डर
या बड़ा सेफ्टी पिन



नाप
कंधे से निचले किनारे
तक की लम्बाई २१ इं०
बगलों के पास का
चारों ओर घेरा ३४ इंच
बाँहों की लम्बाई ८½ इंच

घनत्व
८½ फंदों को
१० सलाइयों तक
बुनने से एक इंच लम्बी
और एक इंच चौड़ी
चीज बनेगी।

चि० न० ९२

नये फंदों में सदा पिछली ओर बुनना चाहिये।

१७वीं सलाई से ३४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से २ बार दोहराओ (१०६ सलाइयाँ होगईं) तब क्रम से १७वीं, १८वीं, ९वीं और १०वीं सलाई को एक बार और दोहराओ।

१११वीं सलाई—५ फंदे बाँह की जगह की काट के लिए बुट कर उतार दो, अंतिम ९ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी० (गले की काट के लिए), किनारा बनाओ।

११२वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक उलटी।

११३वीं सलाई—२ इ०सी०, अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ।

११४वीं सलाई—किनारा बनाओ, अंतिम २ के सिवाय सब उलटे, २ इ०उ०।

११५वीं सलाई—२ इ०सी०, अंतिम २ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, किनारा बनाओ।

११६वीं सलाई—११४वीं सलाई की तरह। अंतिम ४ सलाइयाँ २ बार और दोहराओ। तब ११३वीं और ११४वीं सलाई एक बार दोहराओ (४२ फंदे रहेंगे)

१२७वीं सलाई—अंतिम ९ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, किनारा बनाओ।

१२८वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक सब उलटे।

१२९वीं सलाई—अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ ।

१३०वीं सलाई—१२८वीं सलाई की तरह। अंतिम ४ सलाइयों को ११ बार और दोहराओ फिर १२९वीं तथा १२८वीं सलाई को क्रम से २ बार दोहराओ।

१७९वीं सलाई—५ फंदे बुट कर उतार दो, अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ।

१८०वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक सब उलटे। अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

१८७वीं सलाई—४ फंदे बुट कर और उतार दो, किनारा बनाओ। अब इस किनारे को १६ सलाइयों तक और बुनो, तब बुट कर उतार लो।

बाँह की जगह की पट्टी—७ फंदे सलाई पर चढ़ाओ।

पहली सलाई—१ सी०, * १ उ०, १ सी० * चिह्न से २ बार और दोहराओ। इस सलाई को ही बार बार दोहराती जाओ और इतनी लम्बी पट्टी बना लो जो इस्तिरी करने के बाद बाँह की जगह के चारो ओर पूरी आजाय। जब पूरी पट्टी बन जाय तो बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी ओर के लिए तैयार करो।

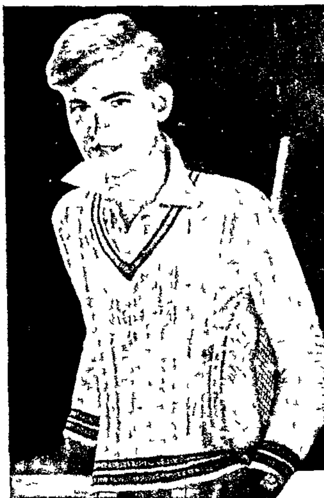
सीकर तैयार करना—प्रत्येक टुकड़े को ठीक करके पिन लगा लो और किसी समतल चीज पर बिछाकर उलटी ओर दबाते हुए इस्तिरी कर लो तथा नाप लो। कंधे आपस में जोड़ लो, बाँह के नीचे से लेकर बगलें

की सारी सीवन सी लो। गले के दोनो किनारों को आपस मे जोड़ लो और इस किनारे अर्थात् पट्टी को पिछली ओर के गले पर टाँक लो। बाँह की पट्टी को बाँह की जगह के पास बगल की सीवन से जोड लो और बाँह की जगह में चारों ओर सी दो। अब जेबो की दोनों ओर की सीवनो को सी लो। गले के छेदो के सामने बाई पट्टी पर ६ बटन टाँक लो और सीवनों पर इस्तिरी करलो। सुन्दर सा स्वैटर कोट तैयार हो गया।

मछली की बुनाई वाला मनोहर पुलओवर

१५ से १८ वर्ष के लडके के लिये

आवश्यक सामान
बाँहों वाले
पुल ओवर के लिए
११ औंस के लगभग
सफेद ऊन,
तथा बिना बाँहों वाले
पुल ओवर के लिए
७ औंस के लगभग
सफेद ऊन,
१ औंस काली ऊन,
१ औंस नारगी ऊन,
२ सलाइयाँ ९ न० की
४ सलाइयाँ दोनों ओर
नोक वाली १२ न० की
१ स्टिच होल्डर
या बड़ा सेफ्टी पिन



नाप
कंधे से निचले किनारे
तक की लम्बाई २३इ०
बगलों के पास का
चारों ओर घेरा ३४इंच
बाँहों की लम्बाई ८½इंच

फैलाव
८½ फदों को
१० सलाइयों तक
बुनने से एक इंच लम्बी
और एक इंच चौड़ी
चीज़ बनेगी।

चि० स० ९२

नये फदों में सदा पिछली ओर बुनना चाहिये।

१७वीं सलाई से ३४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से ३ बार दोहराओ (१०६ सलाइयाँ होगई) तब क्रम से १७वीं, १८वीं, ९वीं और १०वीं सलाई को एक बार और दोहराओ।

१११वीं सलाई—५ फन्दे बाँह की जगह की काट के लिए बुट कर उतार दो, अन्तिम ९ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी० (गले की काट के लिए), किनारा बनाओ।

११२वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक उल्टी।

११३वीं सलाई—२ इ०सी०, अंतिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ।

११४वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्तिम २ के सिवाय सब उल्टे, २ इ०उ०।

११५वीं सलाई—२ इ०सी०, अंतिम २ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, किनारा बनाओ।

११६वीं सलाई—११४वीं सलाई की तरह। अन्तिम ४ सलाइयाँ २ बार और दोहराओ। तब ११३वीं और ११४वीं सलाई एक बार दोहराओ (४३ फन्दे रहेंगे)

१२७वीं सलाई—अंतिम ९ के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, किनारा बनाओ।

१२८वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक सब उल्टे।

१२९वीं सलाई—अन्तिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ ।

१३०वां सलाई—१२८वीं सलाई की तरह। अन्तिम ४ सलाइयों को ११ बार और दोहराओ फिर १२९वीं तथा १२८वीं सलाई को क्रम से २ बार दोहराओ।

१७९वीं सलाई—५ फन्दे बुट कर उतार दो, अन्तिम ७ के सिवाय सब सीधे, किनारा बनाओ।

१८०वीं सलाई—किनारा बनाओ, अन्त तक सब उल्टे। अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

१८७वीं सलाई—४ फन्दे बुट कर और उतार दो, किनारा बनाओ। अब इस किनारे को १६ सलाइयों तक और बुनो, तब बुट कर उतार लो।

बाँह की जगह की पट्टी—७ फन्दे सलाई पर चढ़ाओ।

पहली सलाई—१ सी०, * १ उ०, १ सी० * चिह्न से २ बार और दोहराओ। इस सलाई को ही बार बार दोहराती जाओ और इतनी लम्बी पट्टी बना लो जो इस्तिरी करने के बाद बाँह की जगह के चारों ओर पूरी आजाय। जब पूरी पट्टी बन जाय तो बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी ओर के लिए तैयार करो।

सीकर तैयार करना—प्रत्येक टुकड़े को ठीक करके पिन लगा लो और किसी समतल चीज पर बिछाकर उल्टी ओर दबाते हुए इस्तिरी कर लो तथा नाप लो। कंधे आपस में जोड़ लो, बाँह के नीचे से लेकर बगलें

की सारी सीवन सी लो। गले के दोनो किनारो को आपस में जोड लो और इस किनारे अर्थात् पट्टी को पिछली ओर के गले पर टाँक लो। बाँह की पट्टी को बाँह की जगह के पास बगल की सीवन से जोड लो और बाँह की जगह में चारों ओर सी दो। अब जेबों की दोनों ओर की सीवनो को सी लो। गले के छेदो के सामने वाई पट्टी पर ६ बटन टाँक लो और सीवनों पर इस्तिरी करलो। सुन्दर सा स्वैटर कोट तैयार हो गया।

मछली की बुनाई वाला मनोहर पुलओवर
१५ से १८ वर्ष के लडके के लिये

आवश्यक सामान
बाँहों वाले
पुल ओवर के लिए
११ औंस के लगभग
सफेद ऊन,
तथा बिना बाँहों वाले
पुल ओवर के लिए
७ औंस के लगभग
सफेद ऊन,
१ औंस काली ऊन,
१ औंस नारंगी ऊन,
२ सलाइयाँ ९ न० की
४ सलाइयाँ दोनों ओर
नोक वाली १२ न० की
१ स्टिच होल्डर
या बडा सेफ्टी पिन



नाप
कधे से निचले किनारे
तक की लम्बाई २३इ०
बगलों क पास का
चारों ओर घेरा ३४इंच
बाँहो की लम्बाई ८½इंच

फैलाव
८½ फदो को
१० सलाइयों तक
बुनने से एक इंच लम्बी
और एक इंच चौडी
चीज़ बनेगी।

चि० स० ९२

नये फदों में सदा पिछली ओर बुनना चाहिये।

पीठ—सफेद ऊन मे १२ न० की सलाइयो पर १४४ फदे चढा कर पीठ के निचले किनारे से शुरू करो और १ सी०, १ उ० फदोवाली फलियो में ३६ सलाइयाँ निम्नलिखित तरीके से भिन्न भिन्न रगो की धारियाँ डालते हुए बुनो।

६ सलाइयाँ—सफेद ऊन से।

२ सलाइयाँ—काली ऊन से।

६ सलाइयाँ—नारगी ऊन से।

२ सलाइयाँ—काली ऊन से।

४ सलाइयाँ—सफेद ऊन से।

२ सलाइयाँ—काली ऊन से।

६ सलाइयाँ—नारगी ऊन मे।

२ सलाइयाँ—काली ऊन से।

६ सलाइयाँ—सफेद ऊन से।

अब यहाँ से ९ न० की सलाइयो से बुनना शुरू करो।

३७वीं सलाई—२ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त मे जब १० फदे रह जायँ तब ८ सी०, २ उ० बुनो।

३८वीं सलाई—२ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त मे जब १० फदे रह जायँ तब ८ उ०, २ सी० बुनो। अतिम २ सलाइयो को १ बार और दोहराओ।

* * ४१वी सलाई—२ उ०, * ४ फदे किसी सेफ्टीपिन या बालो में लगाने वाले पिन पर बिना बुने उतार लो और अगले ४ फदे सीधे बुनो। अब पिन को पकड़ कर उस पर रखे हुए ४ फदो को सीधा बुनो। इन ८ फदो से मछली का फदा बनता है इसी से इसे मछली की बुनाई कहते हैं। आगे चल कर जहाँ भी इस प्रकार मछली या फदा बनाना होगा वहाँ "मछली बनाओ" लिखा जायगा। ४ उ०, * चिह्न से चिह्न तक बार बार दोहराओ, अन्त में जब १० फदे रह जायँ तब मछली बनाओ, २ उ०।

४२वीं सलाई—३८वीं सलाई की तरह। ३७वीं ३८वीं सलाई को ४ बार दोहराओ * *। अब * * चिह्न से * * तक की सब सलाइयो (अर्थात् ४१वी सलाई से ५०वीं सलाई, जो ३७वीं ३८वीं को बार बार दोहराने से बनेगी, तक की १०सलाइयों) को

११ बार दोहराओ। तब ४१वीं और ३८वीं सलाई को क्रम से एक बार और दोहराओ। कुल १६२ सलाइयाँ होगईं।

१६३वीं सलाई—२ इ०उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त मे जब १० रह जायँ तब ८ सी०, २ इ०उ०।

१६४वीं सलाई—२ इ०उ०,७ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ,अन्त में जब १३ रह जायँ तब ४ सी०, ७ उ०, २ इ०उ०।

१६५वा सलाई—२ इ०सी०, ६ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब ४ उ०, ६ सी०, २ इ०सी०।

१६६वीं सलाई—२ इ०उ०, ५ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त मे जब ११ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०, २ इ०उ०।

१६७वीं सलाई—२ इ०सी०, ४ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १० रह जायँ तब ४ उ०, ४ सी०, २ इ०सी०।

१६८वीं सलाई—२ इ०उ०, ३ उ०, * ४ सी०, ८ उ० * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त मे जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ३ उ०, २ इ०उ०।

१६९वीं सलाई—२ इ०सी०, २ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब ४ उ०, २ सी०, २ इ०सी०।

१७०वी सलाई—२ इ०उ०, १ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ७ रह जायँ तब ४ सी०, १ उ०, २ इ०उ०।

१७१वी सलाई—२ इ०सी०, ❀ ४ उ०, मछली बनाओ, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ६ रह जायँ तब ४ उ०, २ इ०सी०।

१७२वा सलाई—२ इ०सी०, ३ सी०, ❀ ८ उ०, ४ सी०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १३ रह जायँ तब ८ उ०, ३ सी०, २ इ०सी०।

१७३वीं सलाई—२ इ०उ०, २ उ०, ❀ ८ सी०, ४ उ०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब ८ सी०, २ उ०, २ इ० उ०।

१७४वीं सलाई—२ इ०सी०, १ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ११ रह जायँ तब ८ उ०, १ सी०, २ इ०सी०। अब १६३वीं सलाई से लेकर १६७वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ एक बार दोहराओ (११० फंदे रह जायँगे)

१८०वीं सलाई—५ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०।

* * * १८१वीं सलाई—५ सी०, * ८ उ०, मछली बनाओ, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ उ०, ५ सी०।

१८२वीं सलाई—१८०वीं सलाई की तरह।

१८३वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ, तब ४ उ०, ५ सी०। अन्तिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ। तब १८०वीं सलाई एक बार और दोहराओ * * *। अब * * * चिह्न से * * * चिह्न तक की सब सलाइयाँ ३ बार और दोहराओ। तब १८१वीं, १८०वीं, १८३वीं और १८०वीं सलाई को क्रम से दोहराओ (यहाँ ११० फंदे ही रहेंगे)

२२५वीं सलाई—५ सी०, ४ उ०, ८ सी०, ४ उ०, ८ सी०, ३ उ०, अगले ४६ फंदे एक फालतू सलाई पर उतार कर पिछली ओर के गले के लिए रख लो, शेष ३२ फंदों को बायें कन्धे के लिए एक स्टिच होल्डर या बड़े सेफ्टीपिन पर सरका कर रख लो।

२२६वीं सलाई—केवल दाहिने कन्धे के फंदों को (जिन्हें पिछली सलाई में भी बुना था) इस प्रकार बुनो—३ सी०, ८ उ०, ४ सी०, ८ उ०, ४ सी०, ५ उ०।

२२७वीं सलाई—५ सी०, ४ उ०, ८ सी०, ४ उ०, ८ सी० ३ उ०। अंतिम २ सलाइयों को एक बार और दोहराओ, अब २२६वीं सलाई को एक बार दोहराओ।

२३१वीं सलाई—५ सी, * ४ उ०, मछली बनाओ, * चिह्न से एक बार दोहराओ, ३ उ०।

२३२वीं सलाई—२२६वीं सलाई की तरह।

२३३वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से एक बार दोहराओ, अन्त में जब ३ रह जायँ तब २ उ० अंतिम एक फंदे में २ उ० बुनो। (यहाँ से पीठ के साथ ही आगा शुरू हो जाता है इस लिए अन्तिम फंदे में एक फंदा बढ़ाया गया है)

२३४वीं सलाई—* ४ सी०, ८उ०, *चिह्न से दोहराओ अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४सी०, ५उ०।

२३५वीं सलाई—५ सी०, ४ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२३६वीं सलाई—२३४वीं सलाई की तरह।

२३७वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायँ तब ३ उ०, अन्तिम फंदे में २ उ०।

२३८वीं सलाई—१ उ०, * ४ सी०, ८ उ० * चिह्न से दोहराओ, अन्त मे जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०।

२३९वीं सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी० ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब ४ उ०, १ सी०।

२४०वीं सलाई—पहले फंदे में २ उ०, * ४ सी०, ८ उ० * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०।

२४१वीं सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, मछली बनाओ, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त मे जब ६ रह जायँ तब ४ उ०, २ सी०।

२४२वीं सलाई—२ उ०, ❀ ४ सी०, ८ उ०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०।

२४३वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ६ रह जायँ तब ४ उ०, १ सी०, अंतिम फंदे में २ सी०।

२४४वीं सलाई—३ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त मे जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०।

२४५वीं सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ७ रह जायँ तब ४ उ०, ३ सी०।

२४६वीं सलाई—२४४वीं सलाई की तरह।

२४७वीं सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ७ रह जायँ तब ४ उ०, २ सी०, अंतिम फंदे में २ सी०।

२४८वीं सलाई—४ उ०, ❀ ४ सी०, ८ उ०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ०।

२४९वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब ४ उ०, ४ सी०।

२५०वीं सलाई—पहले १ फंदे में २ उ०, ३ उ०, * ४ सी०, ८ उ० * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी० ५ उ०।

२५१वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, मछली बनाओ ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ उ०, ५ सी०।

२५२वीं सलाई—५ उ०, ❀ ४ सी०, ८ उ०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ० ।

२५३वी सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ उ०, ४ सी०, अतिम १ फदे में २ सी० ।

२५४वा सलाई—६ उ०, ❀ ४ सी०, ८ उ०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त मे जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ० ।

२५५वी सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब १० रह जायँ तब ४ उ०, ६ सी० ।

२५६वी सलाई—२५४वीं सलाई की तरह ।

२५७वी सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी०, ❀ चिह्न से दोहराओ, अन्त मे जब १० रह जायँ तब ४ उ०, ५ सी०, अन्तिम फदे मे २ सी० ।

२५८वी सलाई—७ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ० ।

२५९वी सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ११ रह जायँ तब ४ उ०, ७ सी० ।

२६०वी सलाई—पहले फदे मे २ उ०, ६ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ९ रह जायँ तब ४ सी०, ५ उ० ।

२६१वी सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, मछली बनाओ, ❀ चिह्न से अन्त तक दोहराओ ।

२६२वीं सलाई—* ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब ५ उ० ।

२६३वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८सी०, * चिह्न से एक बार और दोहराओ, ४उ०, ७सी०, अतिम फदे में २ सी० ।

२६४वीं सलाई—१ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ५ उ० ।

२६५वीं सलाई—५ सी०, ❀ ४ उ०, ८ सी०, ❀ चिह्न से २ बार और दोहराओ, १ उ० ।

२६६वीं सलाई—२६४वीं सलाई की तरह ।

२६७वीं सलाई—५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, अतिम फदे में २ उलटे ।

२६८वीं सलाई—२ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ५ उ० ।

२७९वीं सलाई—१ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, २ उ०।

२८०वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, १ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ५ उ०।

२८१वीं सलाई—१ सी०, * ४ उ०, मछली बनाओ, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ३ उ०।

२८२वीं सलाई—१ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से २ बार दोहराओ, ५ उ०। २८३वीं सलाई से २८५वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ तीन से ३ बार दोहराओ। (२८० सलाइयाँ होंगी और ४८ फंदे होंगे)

२८६वीं सलाई—१ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ४ सी०, ४ उ०, अगले फंदे में २ उ०।

२८७वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ ४ उ०, २ सी०, अगले फंदे में २ सी०।

२८८वीं सलाई—४ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ४ सी०, ६ उ०, अगले फंदे में २ उ०।

२८९वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, ७ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ४ उ०, ८ सी०।

२९०वीं सलाई—पहले फंदे में २ उ०, ३ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, अगले फंदे में २ सी०।

२९१वीं सलाई—पहले फंदे में २ उ०, १ उ०, * मछली बनाओ, ४ उ०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, ५ सी०।

२९२वीं सलाई—१ उ०, * ८ सी०, ८ उ०, * चिह्न से २ बार और दोहराओ, २ सी०, अगले फंदे में २ सी०।

२९३वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, ३ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ सी०, अगले फंदे में २ सी०।

२९४वीं सलाई—६ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ सी०, अगले फंदे में २ उ०।

२९५वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, १ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ उ०, ६ सी०।

२९६वीं सलाई—६ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ सी०, २ उ०, अंतिम फंदे मे २ उ० ।

२९७वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, ३ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ उ०, ५ सी०, अंतिम फंदे में २ सी० ।

२९८वीं सलाई—७ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ सी०, ४ उ०, अंतिम फंदे में २ उ० ।

२९९वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, ५ सी०, * ४ उ०, ८ सी०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ उ०, ७ सी० ।

३००वीं सलाई—पहले फंदे में २ उ०, ६ उ०, * ४ सी०, ८ उ०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ, ४ सी०, ६ उ०, अंतिम फंदे में २ उ० ।

३०१वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, ७ सी०, * ४ उ०, मछली बनाओ, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ ।

३०२वीं सलाई—* ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८ उ०, अंतिम फंदे में में २ सी० ।

३०३वीं सलाई—२ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से ४ बार दोहराओ, ७ सी०, अंतिम फंदे २ सी० ।

३०४वीं सलाई—१ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८उ०,२ सी० ।

३०५वीं सलाई—२ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से चार बार और दोहराओ, ८ सी०, १ उ०

३०६वीं सलाई—३०४वीं सलाई की तरह ।

३०७वीं सलाई—२ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८ सी०, अंतिम फंदे में २ उ० ।

३०८वीं सलाई—२ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८ उ०, २ सी० ।

३०९वीं सलाई—२ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८ सी०, २ उ० ।

३१०वीं सलाई—३०८वीं सलाई की तरह ।

३११वीं सलाई—२उ०, * मछली बनाओ, ४उ०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, मछली बनाओ, २ उ० (७२ फंदे) । अब इन फंदों को एक फालतू सलाई पर सरका लो और यह सलाई खाली करके बायें कंधे में गले के किनारे की ओर सफेद ऊन जोड़कर सलाई की

नोक को गले की ओर रखते हुए बायें कंधे के फदे इस पर लेकर निम प्रकार से बुनना शुरू करो।

बाय कधे की २२९वीं सलाई— ३ उ०, ८ सी०, ४ उ०, ८ सी०, ४ उ०, ९ सी०। अब दाहिने कधे वाली २२६वीं सलाई से लेकर ३११वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ यहाँ बुनो लेकिन प्रत्येक सलाई का अत इसमें प्रारम्भ हो अर्थात् उस कधे में सलाई जिस प्रकार बुनी गई थी उससे इस कधे में ठीक उलटी चलेगी, जैसे—२२६वीं सलाई उस कधे में ३ सी०, ८ उ०, ४ सी०, ८ उ०, ४ सी०, ९ उ०, के अनुसार बुनी गई थी, इसमें ९ उ०, ४ सी०, ८ उ०, ४ सी०, ८ उ०, ३ सी० के अनुसार बुनी जायगी। सब सलाइयाँ इसी प्रकार बुनी जायँगी, न तो कहीं फदों की गिनती में फर्क होगा और न कहीं उल्टे फदो के बदले सीधे या सीधे फदो के बदले उल्टे बुने जायँगे, केवल सलाइयाँ अतिम ओर से शुरू करके प्रारभ पर समाप्त होगी। ३११वीं सलाई समाप्त होने पर ७२ फदे होगए।

३१२वीं सलाई—२ सी०, ※ ८ उ०, ४ सी०, ※ चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८ उ०, २ सी०। अब दाहिने कधे वाली सलाई पर के फदे इसी पर इस प्रकार बुनो—२ सी०, * ८ उ०, ४ सी०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ, ८ उ०, २ सी०। कुल १४४ फदे होगए। अब ३७वीं और ३८वीं सलाई को ४ बार दोहराओ। ४१वीं सलाई से पहले जो यह * * चिह्न है उस चिह्न से * * चिह्न तक की अर्थात् ४१वीं सलाई से ५०वीं सलाई (जो ३७वीं और ३८वीं को बार बार दोहराने से बनी थी) तक की १० सलाइयो को यहाँ १० बार दोहराओ। तब ४१वीं और ३८वीं सलाई को एक बार दोहराकर, ३७वीं और ३८वीं सलाई को क्रम से २ बार और दोहराओ। अब फदों को १२ न० की सलाइयो पर बदल लो और निम्नलिखित ढग से रग लगाते हुए ३६ सलाइयाँ १ सी०, १ उ० फदोवाली फलियो में बुनो—६ सलाइयाँ सफेद, २ काली, ६ नारगी, २ काली, ४ सफेद, २ काली, ६ नारगी, २ काली, ६ सफेद। अब सफेद से ही बुट कर उतार लो। आगा पीछा इकट्ठा तैयार होगया।

बाँह—१२ न० की सलाइयो पर सफेद ऊन से ७० फदे चढ़ाकर ३५ सलाइयो तक निम्नप्रकार से रग लगाते हुए १ सी० १ उ० फदो वाली फलियाँ बुनो—६ सलाइयाँ सफेद, २ काली, ६ नारगी, २ काली, ४ सफेद, २ काली, ६ नारगी, २ काली, ५ सफेद।

३६वीं सलाई—* ९ उ०, अगले फंदे में २ उ०, * चिह्न से ९ बार और दोहराओ, १० उ० (७६ फंदे हो गए) अब ९न० की सलाइयो से बुनो।

३७वीं सलाई—४ उ०, * ८ सी०, ४ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३८वीं सलाई—४सी०, * ८उ०,४सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। इन अंतिम २ सलाइयों को १ बार और दोहराओ।

४१वी सलाई—४ उ०, * मछली बनाओ, ४ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४२वीं सलाई—३८वी सलाई की तरह। अब ३७वीं और ३८वीं सलाई को २ बार दोहराओ, (४६ सलाइयाँ होगई) अब अंतिम १० सलाइयों (३७वीं से ४६वीं तक की सब सलाइयो) को एक बार और दोहराओ।

* * ५७वीं सलाई—पहले फंदे मे २ सी०, अंतिम १ फंदे के सिवाय बीच के सब फलीदार (जो मछली वाली फली ३७वीं सलाई से लगातार चल रही है) बुनो, अंतिम फंदे में २ सी०।

अगली ३ सलाइयाँ—फलीदार।

६१वी सलाई—मछली वाली सलाई।

६२वी सलाई—फलीदार।

६३वीं सलाई—५७वीं सलाई की तरह (शुरू तथा अन्त मे एक एक फंदा बढ़ाते हुए)

अगली ३ सलाइयाँ—फलीदार बुनो। * *

अब * * चिह्न से * * चिह्न तक (५७वीं सलाई से ६६वी तक) की सब सलाइयाँ १० बार दोहराओ) १२० फंदे और १६६ सलाइयाँ होगई)

अगली ४ सलाइयाँ—फलीदार।

१७१वीं सलाई—२ उ०, ❀ मछली बनाओ, ४ उ०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त मे जब १० रह जायँ तब, मछली बनाओ, २ उ०।

अगली ९ सलाइयाँ—फलीदार। इन अन्तिम १० सलाइयो को एक बार और दोहराओ।

अगली ४ सलाइयाँ—प्रत्येक में शुरू के ३ फंदे बुट कर उतार दो,शेष सारी फलीदार।

१९१वी सलाई—३ फंदे बुट कर उतार दो, १ सी०, * ४ उ०, मछली, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब ४ उ०, ४ सी०, बुनो।

अगली ९ सलाइयाँ—शुरू में ३ फंदे बुट कर उतार दो, शेष अन्त तक फलीदार बुनो।

२०१वीं सलाई—३ फंदे बुट कर उतार दो, २ उ०, * मछली बनाओ, ४ उ०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अंतिम १ सी०।

अगली ९ सलाइयाँ—३ फंदे बुट कर उतार दो, शेष अन्त तक फलीदार।

२११वीं सलाई—३ फंदे बुट कर उतार दो, ७ सी०, * ४ उ०, मछली बनाओ * चिह्न से २ बार और दोहराओ, २ उ०।

अगली ९ सलाइयाँ—३ फंदे बुट कर उतार दो, शेष सारी फलीदार। (इस प्रकार ९० फंदे उतर जायँगे) अब ३० फंदे रहे। इन सब को भी बुट कर उतार दो। बाँह तैयार हो गई। इसी प्रकार दूसरी बुन लो।

गले की पट्टी—१२ न० की सलाइयो से सफेद ऊन लगाते हुए इस प्रकार बुनो—अगली ओर के गले के ठीक बीच से शुरू करके गले की दाहिनी ओर के किनारे पर से ९० फंदे उठाकर एक सलाई पर सीधे बुने लो। अब गले की पिछली ओर के लिए जो ४६ फंदे फाल्तू सलाई पर रखे है उन्हें इस प्रकार बुनो—※ ९ सी०, २ इ०सी०, ※ चिह्न से ९ बार और दोहराओ, शेष ४ सी०। अब तीसरी सलाई से गले की बाँई ओर के किनारे पर से ९० फंदे उठाकर सीधे बुन लो। कुल २२० फंदे हो गए।

गले का दूसरा घेरा—* १सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ।

अगले १२ घेरे—निम्नलिखित ढग से रग लगाते हुए बुनो—२ इ० सी०, बीच के सब फलियो में (१ सी०, १ उ० वाली फलियों में) अन्तिम २ इ० सी०। रगो का मिलान—पहले २ घेरे काले, ६ नारगी, फिर दो काले, २ सफेद अब सफेद ऊन से ही बुट कर उतार दो।

सी कर तैयार करना—सब टुकडो पर अलग अलग इस्तिरी कर लो तब बगलो की सीवन तथा बाहो की सीवन सी लो। बाँहो को ठीक जगह पर जोड लो। सीते समय यह ध्यान रक्खो कि बगल की सीवन के ठीक ऊपर बाँह की सीवन आवे) अब सब सीवनों पर दबा कर इस्तिरी कर लो।

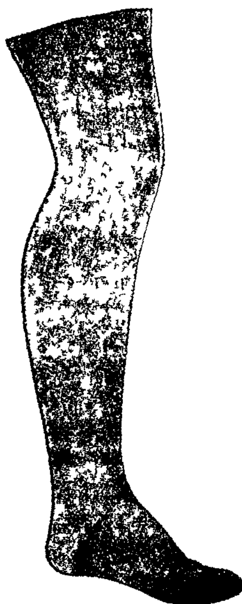
बिना बाँहों के पुलओवरके लिए निम्नलिखित ढग से बाँह का किनारा बनाओ।

बाँह का किनारा—सफेद ऊन से १२ न० की तीन सलाइयो पर ५०, ४०, ५० के अनुसार १४० फंदे बाँह की जगह पर से उठालो और निम्न प्रकार से रग लगाते हुए ७ घेरे १ सी०,१उ० फंदो वाली फलियों में बुनो—१ घेरा काला, ४ नारगी, १ काला, अन्तिम घेरा सफेद। बुट कर उतार दो। इसी प्रकार दूसरी ओर बुन लो। मछली की बुनाई वाला पुल ओवर तैयार हो गया।

स्त्रियों के भिन्न भिन्न प्रकार के बढ़िया कपड़े

आरामदायक धारीदार मोज़े

आवश्यक सामान
६औंस ४ तार की
हलके रग की ऊन,
१४ न० की दोनों
ओर नोक वाली
४ सलाइयाँ



नाप
टॉग की लम्बाई
२२ इच,
पैर की लम्बाई
९½ इच

चि० स० ९४

ये आरामदायक मोज़े ३ सी०, १ उ० फदोंवाली फल्यिों में बुने जाते हैं और घुटने पर काटदार होने से पहनने में बहुत ही आराम देते हैं। इसी से इनका नाम "आरामदायक मोज़े" रखा गया है।

तीन सलाइयों पर ३२, ३६, ३२ के अनुसार कुल १०० फंदे चढाकर टॉग के ऊपर से शुरू करो और २ सी०, २ उ० फदोवाली फलियो के ३२ घेरे बुनो।

३३वॉ घेरा—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। इस अतिम घेरे को ५ वार और दोहराओ। अब निम्न प्रकार से घुटने की काट शुरू करो।

३९वॉ घेरा—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से २३ वार और दोहराओ, चीज़ को उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से २२ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से २१ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से २० वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से १९ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ० * चिह्न से १८ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से १७ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से १६ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से १५ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से १४ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से १३ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से १२ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से ११ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से १० वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से ९ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से ८ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से ७ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से ६ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से ५ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* १ सी०, ३ उ०, * चिह्न से ४ वार और दोहराओ, उलटाओ।

* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से घेरे के अत तक दोहराओ।

अगले ५८ घेरे—* ३ सी०, १ उ० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अब यहॉ से टॉग की काट शुरू होगी।

* * अगला घेरा—३ सी०, (यह तीन फदे सदा पिछली ओर की ठीक नीच की फली बनाते हैं अत इनके आस-पास की फलियों में फदे घटाये जायँगे पर ये ऐसे ही बुने जायँगे) २ इ०सी०, २ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ० * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब ४ रह जायँ तब २ सी०, २ इ० सी० ।

अगले ५ घेरे—६ सी०, * १ उ०, ३ सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ ।

अगला घेरा—३सी०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब तीन रह जायँ तब १ सी०, २ इ०सी० ।

अगले ५ घेरे—५ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब २ रह जायँ तब २ सी० ।

अगला घेरा—३ सी०, २ इ०सी० १ उ०, * ३ सी०,१ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब २ रह जायँ तब २ इ०सी० ।

अगले ५ घेरे—४सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब १ रह जाय तब १ सी० ।

अगला घेरा—३ सी०, २ इ०सी०, ३ सी०, * १ उ०, ३ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अत मे जब २ रह जायँ तब २ इ०सी० ।

अगले ५ घेरे—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ * * । अब * * चिह्न से * * चिह्न तक दो बार और दोहराओ । अब २०,३६,२०, के हिसाब से कुल ७६ फदे रहेंगे ।

अगले ४४ घेरे—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ । अब एड़ी के लिए निम्न प्रकार से फदे बाँटो—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ (पहली सलाई के २० फदे बुने गये) चीज़ को उलटाओ । उलटा कर फिर पहली और तीसरी सलाई को इस प्रकार बुनो—* १सी०,२ उ०,* चिह्न से ८ बार और दोहराओ, १ सी०, (३७ फदे) ।

शेष ३९ फदो को २ सलाइयो पर चढा कर पैर के ऊपर वाले हिस्से के लिए रख दो और केवल इन्हीं ३७ फदों को एडी के लिए बार बार आगे पीछे बुनो ।

एड़ी की पहली सलाई—१ उ०, * ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरी सलाई तक दोहराओ । (अर्थात् ३७ फदो तक बुनो)

दूसरी सलाई—१ सी०, * ३ उ०, १ सी०, * चिह्न से पूरी सलाई तक दोहराओ। इन अंतिम २ सलाइयों को १३ बार और दोहराओ।

२९वीं सलाई—पहली सलाई की तरह बुनकर एडी को इस प्रकार मोड़ो—२३ उ०, २ इ०उ०, चीज़ को उलटाओ, अब १० सी०, १ स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, चीज़ को उलटाओ, * १० उ०, २ इ०उ०, चीज़ को उलटाओ, १० सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, चीज़ को उलटाओ, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब कुल ११ फंदे रह जायँ तब ११ उलटे बुनकर चीज़ को उलटाओ फिर ११ सीधे। अब एडी की इस ओर की ढाल (ऊँचाई) पर से १६ फंदे उठा कर इसी सलाई पर सीधे बुन लो। २री सलाई पर पैर के ३९ फंदों को इस प्रकार बुनो—* ३ सी०, १ उ० * चिह्न से ८ बार और दोहराओ ३ सी०। अब तीसरी सलाई लो और एडी की दूसरी ओर की ढाल पर से १६ फंदे उठाकर सीधे बुन लो और पहली सलाई पर से एडीवाले ११ फंदों मे से ५ फंदे इस सलाई पर बुन लो। अब (तीनों सलाइयों पर २२, ३९, २१) कुल ८२ फंदे हो गये।

पैर का पहला घेरा—पहली सलाई—अंतिम ३ फंदों के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—* ३ सी०, १ उ०, * चिह्न से ८ बार और दोहराओ, ३ सी०। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

दूसरा घेरा—पहली सलाई—सारी सीधी। दूसरी सलाई—* ३ सी०, १ उ० * चिह्न से ८ बार और दोहराओ,अंतिम ३ सी०। तीसरी सलाई—सारी सीधी।

इन अंतिम २ घेरों को ३ बार और दोहराओ। (७४ फंदे)

अगले ४४ घेरे—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—* ३ सी०, १ उ० * चिह्न से ८ बार और दोहराओ, अंतिम ३ सी०। तीसरी सलाई—सीधी। पैर बन गया, अब पंजे के लिये निम्न प्रकार से फंदे घटाओ।

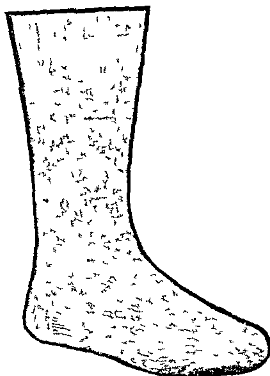
पंजे का पहला घेरा—पहली सलाई—अंतिम तीन फंदों के सिवाय सब सीधे, २ इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, बीच के सब सीधे, अंत में २इ०सी०, १ सी०। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

२रा घेरा—सारा सीधा। इन अंतिम २ घेरों को ११ बार और दोहराओ।

अगला घेरा—पहली सलाई—६ सी०, अब दूसरी सलाई पर से १ फंदा इस पर सीधा बुनलो (७ फंदे होगए)। अब कुछ डोरा छोड़ कर ऊन तोड लो और दूसरी सलाई पर का एक फंदा तीसरी पर सरकाले। दूसरी पर १२ फंदे रह गए और तीसरी पर ६ होगए। इन ६ फंदो को पहली पर सरकाले। अब दोनों पर १३, १३ होगए। दोनो सलाइयो को आमने सामने रख कर चित्र सं० १२ की तरह सी लो। मोजा तैयार होगया। अब गीला कपड़ा ऊपर बिछाकर इस्तिरी कर लो। इसी प्रकार दूसरा मोजा बुन लो।

रेशम के बढ़िया मोजे
(स्त्रियों के लिए)

आवश्यक सामान
२ औंस के लगभग
बँटा हुआ
स्वदेशी रंगीन रेशम।
१४ नं० की ४ सलाइयाँ।



नाप
टाँग की लम्बाई (ऊपर के छोर से पैर के तले तक) १५ इंच,
पैर की लम्बाई
९½ इंच।

चि० सं० ९५

३ सलाइयो पर ३०, ३०, २४ के हिसाब से ८४ फंदे चढाओ और १ सी० १ उ० फंदों वाली फलियो के ३६ घेरे बुनो। अगले ४ घेरे—* ३सी०,३उ०, * चिह्न से सारे घेरे तक दोहराओ, अगले ४ घेरे—* ३ उ० ३ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। इन ८ घेरो से १ नमूना पूरा

हो जाता है। इन ८ घेरों को १२ बार और दोहराओ। यहाँ एड़ी के लिए इस प्रकार फंदे बाँटो—४२ फंदे सीधे १ सलाई पर बुनकर चीज को उलटाओ और वही ४२ जो सीधे बुने थे उलटे बुनो। शेष ४२ फंदे पंजे के लिये २ सलाइयों पर बिना बुने रहने दो और एड़ीवाले ४२ फंदों को जिन पर अभी दो सलाइयाँ बुन चुकी हो जिस प्रकार से बार बार बुनती जाओ।

१ली सलाई—१ स०, शेष अंत तक सीधी।

२री सलाई—१ स०, शेष अंत तक उल्टी। अब इन दो सलाइयों को क्रम से १६ बार और बुनो। तब एड़ी को इस प्रकार मोड़ो।

१ली सलाई—२६ सी०, २ इ० सी०, १ सी०, उल्टाओ।

२री सलाई—१२ उ०, २ इ० उ०, १ उ०, उल्टाओ।

३री सलाई—१२ सी०, २ इ० सी०, १ सी०, उल्टाओ।

४थी सलाई—१२ उ०, २ इ० उ०, १ उ०। अंतिम २ सलाइयों को १२ बार और दोहराओ। जब १४ फंदे सलाई पर रह जायँ तब १४ सी०। अब एड़ी की ऊँचाई की ढाल पर से एक सलाई पर १९ फंदे उठाओ और उन्हें इसी सलाई पर सीधा बुनलो। इसके बाद पहले बिना बुने रखे हुए पंजे वाले ४२ फंदे नमूने के हिसाब से (अर्थात् ३सी०,३ उ० एक के बाद एक) दूसरी सलाई पर बुनो। अब दूसरी ओर की ढाल पर से १९ फंदे उठालो और उन्हें एक और सलाई पर सीधा बुनो और पहली सलाई पर से ७ फंदे इसी तीसरी सलाई पर सीधे ही बुनलो। इस प्रकार तीनो सलाइयो पर क्रम से २६,४२,२६ फंदे होजायँगे।

पैर का १ला घेरा—पहली सलाई सीधी बुनो अंत में जब दो रह जायँ तब १ स०, १ सी०, स० फं० इस पर डालो।

२री सलाई—३ सी०, ३ उ०, चिह्न से अंत तक दोहराओ।

३री सलाई—२ इ० सी०, शेष सारी सीधी।

अगले २ घेरे—पहली सलाई—सारी सीधी, दूसरी सलाई—* ३ सी०, ३उ०,* चिह्न से अंत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सारी सीधी।

४था घेरा—पहली सलाई—सीधी, अंत मे जब दो रह जायँ तब १ स०,१ सी०, स०फं० इस पर डालो। दूसरी सलाई—* ३ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—२ इ० सी०, शेष सारी सीधी।

अगले २ घेरे—पहली सलाई—सारी सीधी। दूसरी सलाई—नमूनेदार। तीसरी सलाई—सारी सीधी।

७वाँ घेरा—पैर के ४थे घेरे की तरह।

८वाँ और ९वाँ घेरा—२रे, ३रे घेरे की तरह।

१०वाँ घेरा—पैर के पहले घेरे की तरह।

११वाँ घेरा—८ वें घेरे की तरह।

१२वाँ घेरा—९वें घेरे की तरह।

१३वाँ घेरा—४थे घेरे की तरह।

१४वाँ और १५वाँ घेरा—१२वें घेरे की तरह (यहाँ ८४ फंदे रह जायँगे)।

अगले ४ घेरे—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—* ३ सी०, ३ उ०,* चिह्न से अंत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

अगले ४ घेरे—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—* ३ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

अंतिम ८ घेरों को ५ बार और दोहराओ, अब यहाँ से पंजे के लिये घेरें घटाओ।

पंजे का पहला घेरा—१ली सलाई— २ इ० सी०, ७ सी०, २ इ० सी०, ८ सी०, २ इ० सी०। दूसरी सलाई—* ५ सी०, २ इ० सी०, चिह्न से अंत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—२ इ० सी०, ८ सी०, २ इ० सी०, ७ सी०, २ इ० सी०, (यहाँ ७२ फंदे रह जायँगे) अब ७ घेरे सीधे बुनो।

९वाँ घेरा—* २ इ० सी०, ४ सी०, *चिह्न से सारे घेरे में अंत तक दोहराओ। अगले ६ घेरे सारे सीधे।

१६वाँ घेरा—* २ इ० सी०, ३ सी०, * चिह्न से सारे घेरे में अंत तक दोहराओ। अगले ५ घेरे सारे सीधे बुनो।

२२वाँ घेरा— * २ इ० सी०, २ सी०, * चिह्न से सारे घेरे तक दोहराओ। अगले ४ घेरे सारे सीधे बुनो।

२७वाँ घेरा—* २ इ० सी०, १ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। अगले ३ घेरे सारे सीधे।

३१वाँ घेरा—* २ इ० सी०, १ सी०, * चिह्न से सारे घेरे तक दोहराओ।

अगले २ घेरे—सारे सीधे।

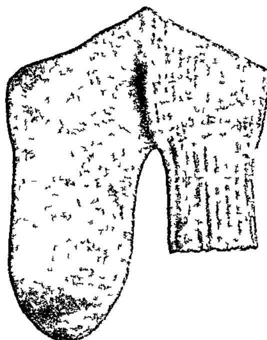
३४वाँ घेरा—२ इ० सी०, सारे घेरे में बुनो। (यहाँ केवल ८ फंदे रह जायँगे) अब रेशम तोड़ लो और सुई में पिरोकर सब फंदो मे डालो तथा सीकर पक्की गाँठ लगा कर रेशम तोड़ लो। तख्ते पर कपड़ा बिछा कर उस पर मोजा बिछा दो और ऊपर गीला कपड़ा डालकर इस्तिरी कर लो।

इसी प्रकार इसके साथ का दूसरा मोजा तैयार करो।

बढ़िया ऊनी मोज़े

(स्त्रियों की पसन्द के)

आवश्यक सामान
४ औंस के लगभग
४ तार की
सुन्दर रंगीन ऊन,
१३ नं० की ४ सलाइयाँ।



नाप
टाँग की लम्बाई (उपरले किनारे से एड़ी तक) १४ इंच,
पैर की लम्बाई ९½ इंच।

चि० सं० ५६

७६ फंदे ३ सलाइयों पर २६, २६, २४ के हिसाब से चढ़ाओ और ४८ घेरे २ सी०, २ उ० फंदोंवाली फलियो के बुनो।

अगले २ घेरे—सीधे बुनो।

५१वाँ घेरा—* १ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। अब अंतिम तीन (४९वें ५०वें तथा ५१वें) घेरे को ३२ बार और दोहराओ। तब एड़ी के लिये निम्न प्रकार से फंदे बाँटो।

पहली सलाई के १८ फदे तीसरी पर सीधे बुन लो, अब तीसरी पर ४२ होगये। तब चीज को उलटाओ, और १ सीधा तथा ३५ उल्टे बुनो। ४२ में से ये ३६ बुने जाने पर ६ शेष बचेंगे। अब इन ६ फदो को तथा दूसरी सलाई के २६ फदो को और पहली के ८ फदों को २०, २० के हिसाब से दो सलाइयो पर कर लो और पैर के ऊपर वाले भाग के लिए छोड दो। एड़ी के लिये ३६ फदों पर निम्नप्रकार से बार बार बुनना शुरू करो।

एडी की १ली सलाई—१ स०, ३५ सी०।

२री सलाई—१ स०, ३५ उ०। इन दो सलाइयों को १५ बार दोहराओ। अब एडी को इस प्रकार लौटाओ—२० सी०, २ इ० सी०, उल्टाओ, ५ उ०, २ इ० उ०, उलटाओ, ६ सी०, २ इ० सी०, उल्टाओ, ७ उ०, २ इ० उ०, उलटाओ, ८ सी०, २ इ० सी०, उल्टाओ, ९ उ०, २ इ० उ०, उल्टाओ, १० सी० २ इ० सी०, उलटाओ, ११ उ०, २ इ० उ०, उल्टाओ, १२ सी०, २ इ० सी०, उलटाओ, १३ उ०, २ इ० उ०, उलटाओ, १४ सी०, २ इ० सी०, उलटाओ, १५ उ०, २ इ० उ०, उलटाओ, १६ सी० २ इ० सी०, उलटाओ, १७ उ०, २ इ० उ०, उलटाओ, १८ सी०, २ इ०सी०, उल्टाओ, १९ उ०, २ इ० उ०, उल्टाओ, २० सी०। अब एक सलाई पर एडी की ढाल पर से १५ फदे उठालो और इसी सलाई पर जिस पर ये २० सी० बुने हैं, सीधे बुन लो। दूसरी सलाई पर पैर के लिए छोडे हुए ४० फदे सीधे बुनो। अब तीसरी सलाई से एडी की दूसरी ओर की ढाल के १५ फदे उठाओ और सीधे बुनो और १० फदे पहली सलाई के तीसरी पर सीधे बुन लो। २५, ४०, २५ फदे हो जायँगे।

पैर का १ला घेरा—पहली सलाई—सीधी बुनो जब अत में ३ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—सीधी। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

२रा घेरा—पहली सलाई—सारी सीधी। दूसरी सलाई—* १ सी० १ उ० * चिह्न से अत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—सारी सीधी।

३रा घेरा—१ले घेरे की भाँति।

४था घेरा—सारा सीधा।

५वाँ घेरा—पहली सलाई सीधी बुनो जब अत में ३ रह जायँ तब २इ०सी०, १सी०। दूसरी सलाई—

❀ १ सी०, १ उ०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ। तीसरी सलाई—१सी०, २इ०सी०, शेष सारी अंत तक सीधी।

अब ४था, १ला, २रा, १ला, ४था, ५वाँ, ४था, और १ला घेरा क्रम से दोहराओ। इससे तीन सलाइयों पर क्रम से १८, ४०, १८ फंदे हो जायँगे।

❀ १४वाँ घेरा—२रे घेरे की भाँति।

अगले २ घेरे—सारे सीधे। अब ❀ चिह्न से (अर्थात् तीनों घेरे) १६ बार दोहराओ। तब पंजे के लिए फंदे घटाओ।

पंजे का पहला घेरा—पहली सलाई—सीधी। दूसरी सलाई—* ८ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से ३ बार और दोहराओ। तीसरी सलाई—सीधी।

अगले ७ घेरे—सीधे बुनो।

९वाँ घेरा—❀ ४ सी०, २ इ०सी०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ६ घेरे—सीधे।

१६वाँ घेरा—❀ ३ सी०, २ इ०सी०, चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ५ घेरे—सारे सीधे।

२२वाँ घेरा—* २ सी०, २ इ०सी० * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

२७वाँ घेरा—❀ १ सी०, २ इ०सी०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

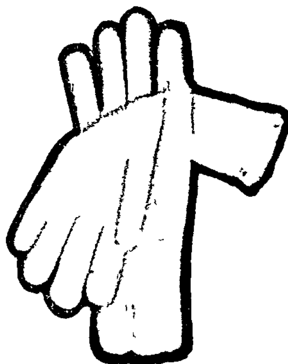
अगले ३ घेरे—सारे सीधे।

३१वाँ घेरा—२ इ०सी० पूरे घेरे में बुनो (१२ फंदे रह जायँगे)। फंदों को सलाई से उतार लो और एक सुई मे डोरा डालकर मोजा उलटा करके फंदो को सी लो और गाँठ लगा कर डोरा तोड़ लो। गीला कपड़ा मोजे के ऊपर बिछा कर इस्तिरी करलो और इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार करो।

सादे किन्तु आरामदायक दस्ताने

(छोटे नाप की मामूली स्त्री के लिए)

आवश्यक सामान
२ औंस
२ तार की पतली ऊन,
लोहे की दोनों ओर
नोक वाली १४ नं० की
४ सलाइयाँ ।



ये सादे [illegible]
बहुत ही गरम
कफों प[illegible]
२ सी०, २ उ०
फलियो
और शेष सा[illegible]
बुनाइ [illegible]
बुने जाते

चि० स० ९७

दाहिने हाथ का दस्ताना—तीन सलाइयो पर क्रम से १६, १६, १६ फंदे चढाकर निचले से शुरू करो। १ घेरा सीधा प्रत्येक फंदे में पिछली ओर बुनो जिससे किनारा मजबूत अब ३३ घेरे २ सी० २ उ० फंदोवाली फलियों के बुनो।

३५वाँ घेरा—पहली सलाई—१ सी०,अगले फंदे में २ सी०, शेष सारी सीधी। दूसरी और सलाई—पहली की तरह। (५१ फंदे)

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

४०वाँ घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा घेरा सीधा।

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

४५वाँ घेरा—१सी०, अगले फंदे में २ सी०, फिर अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा घेरा सी

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

५०वाँ घेरा—१सी०,अगले फंदे में २सी०,२सी० फिर अगले फंदे में २सी०,शेष सारा घेरा [illegible]

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

५९वाँ घेरा—१ सी०, अगले फदे में २ सी०, ४ सी०, फिर अगले फदे में २ सी०, शेष सारा घेरा सीधा बुनो।

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

६०वाँ घेरा—१ सी०, अगले फदे में २ सी०, ६ सी०, फिर अगले फदे में २ सी०, शेष सारा घेरा सीधा (६० फदे)।

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

६९वाँ घेरा—१ सी०, अगले १० फदे अँगूठे के लिए किसी चीज पर उतार कर रखलो, ९ फदे नये चढ़ाओ, शेष सारा घेरा सीधा बुनो।

अगले २२ घेरे—सारे सीधे बुनो। अब अँगुलियों के लिए इस प्रकार फदे बाँटो।

पहली अँगुली का—पहला घेरा—८ सी० बुनो,अब अन्तिम ८ फदो को एक सलाई पर अँगुली की पिछली ओर के लिए रहने दो। शेष बीच के सब फदे दूसरी अँगुलियो के लिए ऊन के एक टुकडे पर उतार लो। २ फदे अँगुली के अँदरले हिस्से के लिए नये चढ़ालो और इन १८ फदों को तीन सलाइयो पर क्रम से ४,६,८, के अनुसार कर लो। अब जितनी लम्बाई तक जरूरत हो सीधे घेरे बुनलो। फिर अँगुली की चोटी के लिए इस प्रकार फदे घटाओ।

**अगला घेरा—※ २ इ० सी०, २ सी०, ※ चिह्न से बार बार दोहराओ, अतिम २ सीधे बुनो। इस अतिम घेरे को एक बार और दोहराओ।

अगला घेरा—※ २ इ० सी०, १ सी०, ※ चिह्न से बार बार दोहराओ, अतिम २ सीधे (८ फदे) अब कुछ डोरा छोड कर ऊन तोड लो और इस डोरे को सुई में पिरो कर सब फदों में से निकाल कर पक्का करके दस्ताने की उलटी ओर सी लो।

दूसरी अँगुली—अब पहली अँगुली के आधार पर से २ फदे उठा लो (जहाँ पहली अँगुली के लिए २ फदे नए चढाये थे वही से) और ८ अगले फदे ऊन के एक सिरे से सलाई पर लेकर सीधे बुनलो। २ फदे नये अगुली की अदरली तरफ के लिए चढा लो तथा पिछली तरफ के लिए ऊन के अनिम सिरे से अतिम ८ फदे सलाई पर ले लो। कुल २+८+२+८ फदे होगए। इन २० फदों को क्रम से ७,८,५, करके तीन सलाइयो पर बाँट लो और इन पर आवश्यकतानुसार सीधे घेरे बुनओ। अब आगे दिये तरीके से फदे घटाओ।

अगला घेरा—* ३ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ ।

अगला घेरा—* २ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ ।

अगला घेरा—* २ इ० सी०, १ सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ, ८ फदे रह, गए इन्हें पहली अँगुली की तरह सी लो ।

तीसरी अँगुली—दूसरी अँगुली के आधार पर से २ फदे उठा लो । अब ऊन के टुकडे के एक सिरे से ७ फदे लेकर सीधे बुन लो, २ फदे अँगुली की अँदरली तरफ के लिए नए चढालो, तथा ऊन के दूसरे सिरे से ७ फदे लेकर सीधे बुनलो । अब इन सब १८ फदो को ४,६,८ के अनुसार तीन सलाइयो पर बाँट कर आवश्यकतानुसार सीधे घेरे बुनो । फिर पहली अँगुली में दिये गए * * के बाद के घेरे यहाँ दोहराओ और उसी प्रकार पक्का करके सी लो।

चौथी अँगुली—तीसरी अँगुली के आधार पर से २ फदे उठालो तथा ऊन पर बचे हुए शेष १३ फदे ले लो और तीन सलाइयों पर ६,४,५, के अनुसार बाँट कर आवश्यकतानुसार सीधे घेरे बुनलो । तब इस प्रकार घटाओ ।

अगला घेरा—* १ सी०, २ इ० सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ ।

अगला घेरा—* १ सी०, २ इ० सी०,* चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में १ रहेगा उसे सीधा बुनलो (७ फदे रहे) ।

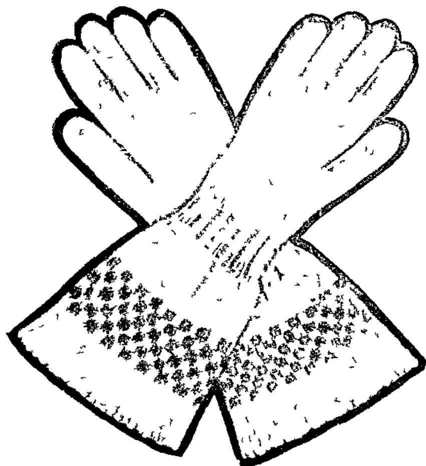
अगला घेरा—२ इ०सी०, १ सी०, २ इ० सी० २ सी० । ५ फदे रहे, इन्हे उलटी तरफ पहली अँगुली की तरह सीलो ।

अँगूठा—अँगूठे के लिए जो १० फदे रखे थे उन्हे २ सलाइयो पर ले लो । फिर जो ६५वें घेरे में ९ फदे नए चढाये थे उनके आधार पर से ८ फदे उठालो और सब फदो को तीन सलाइयों पर ४,६, ८ के अनुसार बाँट कर आवश्यकतानुसार घेरे बुनलो । तब पहली अँगुली वाले * * चिह्न के बाद का सब हिस्सा दोहराओ । दस्ताना समाप्त होगया ।

बाँए हाथ का दस्ताना—दाहिने दस्ताने की तरह ही बुनो पर अँगूठा पहली सलाई के शुरू मे बनाने के बजाय अतिम सलाई के अत में बनाओ और ४०वें घेरे से इस प्रकार फदे बढ़ाओ—पहली और दूसरी सलाई सारी सीधी बुनो,तीसरी सलाई के अतिम २ फदो के सिवाय सब सीधे,अगले फदे में २सी०, अतिम १सी०। अगले ४ घेरे—सीधे । फिर बढानवाले घेरों में उपर्युक्त रीति से पहली तथा दूसरी सलाई सीधी और तीसरी के अत में फदे बढ़ाते हुए बुनो तथा इसी प्रकार और सब बढानवाले घेरे बुनते हुए शेष सारा दस्ताना दाहिने की ही तरह बुनो ।

चैकदार किनारेवाले पतले दस्ताने

आवश्यक सामान
२ औंस ३तार की
सफेद ऊन,
१औंस तीन तार
की खाकी ऊन।



१२ न० की
दोनों ओर नोक
वाली लोहे की
४ सलाइयाँ।

चि० स० ९१

साकेतिक चिह्न—चैकदार किनारे पर खाकी और सफेद रग की ऊन लगाई जाती है अत खाकी ऊन के लिए=खा० और सफेद ऊन के लिए=स० लिखा जायगा।

दाहिने हाथ का दस्ताना—तीन सलाइयो पर सफेद ऊन मे ३२,३२,३२ के अनुसार ९६ फंदे चढ़ाओ और ८ घेरे सीधे बुनो।

९वाँ घेरा—* २ इ०सी०, १ ब०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। अब २० घेरे सीधे बुनो।

३०वाँ घेरा—यहाँ से चैकदार बुनाई शुरू होगी—अभी सारे घेरे सीधे ही बुने जायँगे इसलिए उनके लिये बार बार कुछ नहीं लिखा जायगा केवल रगो का मिलान बताया जायगा।

३ सफेद, खाकी ऊन जोड़ लो, ३ खा०, ❀३ स०, ३ खा०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

३१वाँ घेरा—* ३ स०, ३ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। अब इस अंतिम घेरे को एक बार और दोहराओ।

३३वाँ घेरा—* ३ खा०, ३ स०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। इस अंतिम घेरे को दो बार और दोहराओ। अब ३०वें घेरे से ३५वें घेरे तक के ६ घेरे २ बार और दोहराओ। तब खाकी ऊन तोड लो। १९ घेरे सीधे सफेद ऊन से बुनो।

६७वाँ घेरा—अब यहाँ कलाई के लिए फंदे घटाओ—पहली सलाई—२ इ०सी०, * १ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। दूसरी और तीसरी सलाई—पहली सलाई की तरह। (प्रत्येक सलाई पर २१ फंदे रहे)

६८वाँ घेरा—पहली सलाई—२ इ०सी०,शेष अंत तक सीधी। दूसरी और तीसरी सलाई—पहली सलाई की तरह। (प्रत्येक सलाई पर २० फंदे) अब १८ घेरों तक २ सी०, २ उ० फंदों वाली फलियाँ बुनो। फिर १२ घेरे सीधे बुनो (९८ घेरे होगये)

९९वाँ घेरा—(इस घेरे से अँगूठे के लिए फंदे बढ़ाने शुरू किये जायँगे)—१ फंदा सीधा, अगले फंदे में २ सी० (१ फंदा आगे बुनो १ पीछे तो एक फंदे में २ बुने जायँगे) २ सी०, अगले फंदे में आगे पीछे बुनकर २ सी० बुनो, शेष अंत तक सारा घेरा सीधा।

१००वाँ घेरा—सारा सीधा।

१०१वाँ घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ४ सी०, अगले फंदे मे २ सी०, शेष सारा सीधा।

१०२वाँ घेरा—सारा सीधा।

१०३वाँ घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ६ सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा सीधा।

१०४वाँ घेरा—सारा सीधा।

१०५वाँ घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, ८ सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा सीधा।

१०६वाँ घेरा—सारा सीधा।

१०७वाँ घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०,१० सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा सीधा।

१०८वाँ घेरा—सारा सीधा।

१०९वाँ घेरा—१ सी०, अगले फंदे में २ सी०, १२ सी०, अगले फंदे में २ सी०, शेष सारा सीधा।

११०वाँ घेरा—सारा सीधा।

१११वाँ घेरा—१सी०,अगले फंदे में २सी०,१४सी०,अगले फंदे में २सी०,शेष सारा अंत तक सीधा।

११२वाँ घेरा—सारा सीधा।

११३वाँ घेरा—२ सी०, अगले १६ फदे किसी ऊन के टुकड़े या सेफ्टीपिन पर उतार कर अँगूठे के लिए रख लो। २ फदे नये चढ़ाओ शेष सारे घेरे को सीधा बुन लो। अब २२ घेरे सीधे बुनो और अँगुलियो के लिए निम्न प्रकार से फदे बाँटो—

पहली अँगुली का पहला घेरा—९ सी०, अब अतिम ९ फदो के सिवाय बीच के सब फदे किसी चीज पर या ऊन के टुकड़े पर उतार कर रख लो, अतिम ९ अँगुली की पिछली ओर क लिए सलाई पर रहने दो। इस प्रकार २ सलाइयो पर ९,९ फदे हुए। अब एक तीसरी सलाई लेकर उस पर ३ फदे पहली पर से तथा ३ दूसरी पर से ले लो। तीनो पर ६,६,६, हो जायेंगे। अब इन पर चौथी सलाई से अँगुली के लिए जितनी लम्बाई की जरूरत हो उतने सीधे घेरे बुन लो। तब निम्न प्रकार से फदे घटा कर अँगुली की ऊपर की नोक बुनो।

अगला घेरा—* १ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (१२ फदे)। २ घेरे सीधे बुनो। अब कुछ लबा डोरा छोड़कर ऊन तोड़ लो और इस डोरे के किनारे को सुई में पिरो कर इन सब फदो में से निकाल लो। दस्ताने को उलटाकर उलटी तरफ को खीचकर पक्का करके सी लो और फालतू डोरा तोड दो।

दूसरी अगुली—जिस ऊन के टुकडे पर फदे रखे हुए हैं उसके दोनो सिरो से ८,८, फदे २ सलाइयो पर ले लो और २ फदे पहली अँगुली के आधार पर से उठा लो। इन १८ फदो को ३ सलाइयो पर एक सा बाँट लो तथा ऊन जोडकर जितनी लम्बाई की जरूरत हो, सीधे घेरे बुन लो। तब पहली अँगुली की तरह फदे घटा कर नोक बुनकर सीलो।

तीसरी अँगुली—ऊन के दोनो सिरो पर से ७,७ फदे दो सलाइयो पर लेलो और दूसरी अँगुली के आधार पर से २ फदे उठा लो। तब इन्हें ३ सलाइयो पर ६, ४, ६ करके बाँट लो तथा ऊन जोड़ कर जितनी लम्बाई तक जरूरत हो बुन लो। अब नोक के लिये निम्न प्रकार से फदे घटाओ।

अगला घेरा—१ सी०, * २ इ०सी०, १ सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (११ फदे रहे) अब पहली अँगुली की तरह नोक बुनकर उल्टी तरफ करके सी लो।

चौथी अँगुली—ऊन पर के शेष १२ फंदे २ सलाइयों पर ले लो और तीसरी अँगुली के आधार पर से २ फंदे उठा लो तथा ऊन जोड़ कर फंदों को ६,४,४ करके तीन सलाइयों पर बाँट कर जितनी लम्बाई तक जरूरत हो सीधे घेरे बुन लो। तब फंदे घटाओ—

अगला घेरा—*चिह्न १ सी०, २ इ०सी०,* चिह्न से दोहराओ, अंत मे जब २ फंदे रह जायँ तब २ सी०। (१० फंदे रहे) अब पहली अँगुली की तरह नोक बना लो।

अँगूठा—अँगूठे वाले १६ फंदों को दो सलाइयो पर बाँटो और तीसरी सलाई से ४ फंदे उठा लो (नये फंदे चढाने से जो छेद सा रह गया है वहाँ से फंदे उठाना) और १,१ फंदा पहली और दूसरी सलाई से तीसरी पर सरका लो। तीनो सलाइयो पर ७,६,७, फंदे हो गये। अब इन पर जितनी लम्बाई तक जरूरत हो सीधे घेरे बुन लो। तब निम्न प्रकार से फंदे घटाओ।

अगला घेरा—सारे घेरे में २ इ०सी० बुनो (१० फंदे रहे) अब पहली अँगुली की तरह नोक बुन कर सीलो।

बायें हाथ का दस्ताना—सारा दाहिने दस्ताने की तरह बुनो पर अँगूठा पहली अँगुली के शुरू में बनाने के बजाय तीसरी सलाई के अंत में बनाना होगा इस लिए ९९वें घेरे से इस प्रकार फंदे बढ़ाओ।

९९वाँ घेरा—पहली और दूसरी सलाई—सीधी। तीसरी सलाई—अंतिम ५ फंदों के सिवाय सब सीधे, अगले फंदे में आगे पीछे बुनकर २ सी०, २सी०, अगले फंदे मे फिर २ सी०, तब १ सी०।

अगला घेरा—सारा सीधा। इसी प्रकार सदा तीसरी सलाई के अंत मे फंदे बढ़ाओ जब तक कि अँगूठे के लिए दाहिने दस्ताने जितने फंदे न बढ जायँ। फिर उसी की तरह अँगूठे की तरफ से शुरू करके सब अँगुलियाँ बुन लो। दस्ताना तैयार हो जायगा। अब ऊपर गीला कपडा बिछा कर इस्तिरी कर लो और शुरू में किनारे पर जहाँ छेद है वहाँ तक का किनारा नीचे दोहरा कर उलटी तरफ उलेढी कर लो (जैसे रूमालो के किनारों पर हेम की जाती है वैसे ही सी लो।) जिससे छेदों से किनारे पर छोटे छोटे कगूरे से बन जायँगे। स्त्रियो के लिए सुन्दर से पतले पतले दस्ताने तैयार होगये।

स्त्रियों के तरह तरह के सुन्दर जम्पर

सुन्दर जालीदार जम्पर

(१४ से १६ वर्ष की लडकी या मामूली कद की स्त्री के लिये)

आवश्यक सामान
आवश्यकतानुसार
किसी सुन्दर
हल्के रंग की ऊन
१० न० की
२ सलाइयाँ,
१ लोहे का क्रोशिया
२ शुण्डाकार
(Cone shaped)
मोटे बटन (दोनों
कोनों पर टाँकने को)



नाप
कंधे से निचले
किनारे तक
२० इंच,
निचले किनारे
का घेरा
३६ इंच,
बाँह की लम्बाई
४ इंच।

चि० नं० ९९

यह सुन्दर जम्पर किनारों पर धनिये की बुनाई में और बीच में जालीदार बुनाई में बुना हुआ बहुत ही मनोहर मालूम होता है।

१०८ फंदे चढ़ाकर आगे के निचले किनारे से शुरू करो और एक सलाई फंदों के पिछले और सलाई डाल कर सीधी बुनो जिससे किनारा मजबूत बने।

अब ४१ सलाइयाँ धनिये की बुनाई (चि० स० २३ की तरह) की बुनो। ४१वीं सलाइ के अत में ७ फदे नए चढाओ।

४२वी सलाई—नए चढाए फदो में पिछली ओर को सलाई डालकर सीधा बुनो, * १उ०, १ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ। अब इस किनारे पर भी ७ फदे नए चढालो।

४३वीं सलाई—नए चढाए फदो मे पिछली ओर से सलाई डालकर सीधा बुनो, शेष सारी सलाई सीधी (१२२ फदे)।

४४वीं सलाई—२ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

४५वीं सलाई—२ उ०, * १ ब०, १ सी०, १ स०, २इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

४६वी सलाई—४४वी सलाई की तरह।

४७वीं सलाई—२ उ०, * ३ सी०, २ उ०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

४८वी सलाई—४४वी सलाई की तरह।

४९वीं सलाई—४७वी सलाई की तरह।

इन अतिम ६ सलाइयों को १९ बार और दोहराओ। (१६३ सलाइयाँ होगईं)

१६४वीं सलाई—२ सी० * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से ८ बार और दोहराओ। अब इन ४७ फदों को दाहिने कधे के लिए एक बड़े सेफ्टीपिन पर उतार लो। बीच के २८ फदे गले के लिए बुटकर उतार दो, शेष ४७ फदो पर २ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार बार अत तक दोहराओ।

१६५वीं सलाई—२ उ०, ※ १ ब०, १ सी०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, ※ चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब ५ फदे रह जायँ तब १ ब०, १ सी०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०।

१६६वी सलाई—२ इ० सी०, २ उ०, २ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

१६७वी सलाई—२ उ०, ※ ३ सी०, २ उ०, ※ चिह्न से बार बार दोहराओ, अत मे जब ३ रह जायँ तब १ सी०, २ इ० सी०।

१६८वीं सलाई—२ इ० सी०, २ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

१६९वीं सलाई—* २ उ०, ३ सी०,* चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब ३ रह जायँ तब

१ उ०, २ इ० उ०, (४२ फदे रहे)। अब ४४वीं सलाई से लेकर ४९वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से ७ बार यहाँ दोहराओ (कुल २११ सलाइयाँ होगई)।

२१२वीं सलाई—पहले फदे में आगे पीछे बुनते हुए २ फदे सीधे बुनो, १ सी०, ✽ ३उ०, २सी०, ✽ चिह्न से अत तक दोहराओ (इसमें १ फदा बढ़ जायगा)।

२१३वीं सलाई—२ उ०, * १ ब०, १ सी०, १ स०, २ इ० सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अत में जब १ फदा रह जाय तब इसमें आगे पीछे बुनते हुए २ फदे सीधे बुनो (अर्थात् एक फदा बढाओ)।

२१४वीं सलाई—पहले फदे में २ उ० बुनो, १ उ०, २ सी०, * ३ उ०, २ सी० * चिह्न से अत तक दोहराओ।

२१५वीं सलाई—२ उ०, * ३ सी०, २ उ० * चिह्न से बार बार दोहराओ अत में जब तीन रह जायँ तब २ सी०, अतिम फदे में २ सी० बुनो।

२१६वीं सलाई—पहले फदे में २ सी०, * ३ सी०, २ उ०, * चिह्न से अत तक दोहराओ (४७ फदे होगये)

२१७वीं सलाई—४७वीं सलाई की तरह। अब इन फदो को एक बडे सेफ्टीपिन पर उतार लो और दूसरे कधे के लिए सेफ्टीपिन पर रखे हुए फदे सलाई पर सरका लो। सलाई की नोक गले के किनारे की ओर रहे और इसी किनारे पर ऊन जोड़कर निम्नप्रकार से बुनो—

इस कधे की १६५वीं सलाई—२ इ०सी०, ✽ १ ब०, १ सी०, १ स०, २ इ०सी०, स०फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, ✽ चिह्न से अत तक दोहराओ।

१६६वीं सलाई—* २ सी०, ३ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अत में जब ६ रह जायँ तब २ सी०, २ उ०, २ इ०उ०।

१६७वीं सलाई—२ इ०सी०, १सी०, २ उ०, ✽ ३सी०, २उ०, ✽ चिह्न से अत तक दोहराओ।

१६८वीं सलाई—२ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अत में जब २ रह जायँ तब २ इ०सी०।

१६९वीं सलाई—२ इ०उ०, १ उ०, ✽ ३ सी०, २ उ०, ✽ चिह्न से अत तक दोहराओ (४२ फदे रहे) अब ४४वीं सलाई से लेकर ४९वीं सलाई तक की ६ सलाइयाँ क्रम से ७ बार यहाँ दोहराओ। (२११ सलाइयाँ होगईं)

२१२वीं सलाई—* २ सी०, ३ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अंत में जब २ रह जायँ तब १ सी०, अंतिम फंदे में २ सी०।

२१३वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २ उ०, ❀ १ ब०, १ सी०, १ स०, २ इ०सी० स०पा० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ।

२१४वीं सलाई—२ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब २ रह जायँ तब १ उ०, अगले फंदे में २ उ०।

२१५वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २ सी०, २ उ०, ❀ ३ सी०, २ उ० ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ।

२१६वीं सलाई—* २ सी०, ३ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब १ रह जाय तब उसमें २ सी० बुनो (४७ फंदे होगये)

२१७वीं सलाई—४७वीं सलाई की तरह।

२१८वीं सलाई—४४वीं सलाई की तरह। अब २८ फंदे गले के किनारे की ओर गले के लिए नए चढ़ाओ। तब सेफ्टीपिन पर रखे हुए बायें कंधे के फंदे पिन पर से एक सलाई पर सरका लो और ४४वीं सलाई की तरह इस सलाई पर बुन लो (अब फिर १२२ फंदे हो गये)

२१९वीं सलाई—पहले ४७ फंदों को ४५ वीं सलाई की तरह बुनो, बीच के नए चढ़ाये हुए फंदों को फंदों के पिछली ओर सलाई डाल कर सीधा बुनो, शेष ४७ फंदे ४५वीं सलाई की तरह। अब ४६ वीं सलाई से ४९ वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ एक बार दोहराओ। तब ४४वीं सलाई से लेकर ४९वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ (६ सलाइयाँ) क्रम से २० बार दोहराओ (३४३ सलाइयाँ हो गईं)।

३४४वीं सलाई—शुरू के ७ फंदे बुटकर उतार दो, शेष सारी अंत तक उलटी।

३४५वीं सलाई—शुरू के ७ फंदे बुट कर उतार दो, * १ सी०, १ उ०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

अगली ४१ सलाइयाँ—धनिये की बुनाई की बुनो।

बाँह—८७ फंदे चढ़ाकर एक सलाई सब फंदों में पिछली ओर बुनते हुए सीधी बुनो।

१० सलाइयाँ—धनिये की बुनाई की बुनो।

११वीं सलाई—सारी सीधी। अब जम्पर की ४४वीं सलाई से ४९वीं सलाई तक की सब सलाइयों को यहाँ दो बार दोहराओ। (२३ सलाइयाँ होगईं)

२४वीं सलाई—जम्पर की ४४वीं सलाई की तरह।

२५वीं सलाई—जम्पर की ४५ वीं सलाई की तरह।

२६वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, १ सी०, ❀ ३ उ०, २ सी०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ५ रह जायँ तब ३ उ०, १ सी०, अंतिम फंदे में २ सी०।

२७वीं सलाई—३ उ०, ❀ ३ सी०, २उ०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में १सीधा बुनो।

२८वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, २सी०, ❀ ३ उ०, २ सी० ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब १ रह जाय तब उसमें २ सी० बुनो।

२९वीं सलाई—२ सी०, * २ उ०, ३सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ४ रह जायँ तब २ उ०, २ सी०।

३०वीं सलाई—पहले फंदे में २ उ०, १ उ०, २ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब २ रह जायँ तब १ उ०, अन्तिम फंदे में २ उ०।

३१वीं सलाई—३ सी०, २ उ०, * १ व०, १ सी०, १ स०, २इ० सी०, स० फं० इस पर डालो, १ व०, १ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ३ रह जायँ तब ३ सी०।

३२वीं सलाई—पहले फंदे में २ उ०, २ उ०, * २ सी०, ३ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ५ रह जायँ तब २ सी०, २ उ०, अंतिम फंदे में २ उ०।

३३वीं सलाई—१ उ०, * ३ सी०, २ उ०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ४ रह जायँ तब ३ सी०, १ उ०।

३४वीं सलाई—पहले फंदे में २ सी०, * ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ४ रह जायँ तब ३ उ०, अंतिम फंदे में २ सी०, (९७ फंदे)

३५वीं सलाई—२ उ०, ❀ ३ सी०, २ उ०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ। अब घुटकर उतार लो। बाँह तैयार हो गई। ठीक इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

बटन-खोल—दो बटनों के लिये किरोशिये से निम्न प्रकार से बटन-खोल तैयार करो। सांकेतिक चिह्नों के लिए चित्र सं० ३१ से ३५ तक देखो। किरोशिये से ४ चेन बनाकर जोड़ लो जिससे चेन का छल्ला सा बन जाय।

पहला घेरा—छल्ले के अंदर ८ दुहरे फंदे बनाओ।

२रा घेरा—* पिछले घेरे के १ दु० फ० के ऊपर १ दु० फ० बनाओ, अगले दु० फ० में २ दु० फ० बुनो * चिह्न से अंत तक दोहराओ (१२ दु० फ० होगये)

३रा घेरा—* २ दु० फ० पर २ दु० फ०, अगले दु० फ० में २ दु० फ०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। (१६ दु० फ० होगये)

४था घेरा—* ३ दु० फ० पर ३ दु० फ०, अगले दु० फ० में २ दु० फ०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ (२० दु० फ० हो जायँगे)

५वाँ घेरा—* ४ दु० फ० पर ४ दु० फ०, अगले दु० फ० पर २ दु० फ० * चिह्न से अंत तक दोहराओ। (२४ दु० फ०)

६ठा घेरा—सारे घेरे में केवल २४ दु० फ० बुनो (यहाँ फंदे न बढ़ाना)

७वाँ घेरा—* ११ दु०फ० पर ११ दु०फ०, अगले फंदे में २ दु० फ०, * चिह्न से एक बार और दोहराओ। (२६ दु० फं०) अब यहाँ से घटाव शुरू होगा।

८वाँ घेरा—* ११ दु० फ०, १ फंदा बीच में बिना बुने छोड़ दो, अगले फंदे में १ दु० फ० * चिह्न से एक बार और दोहराओ। (२४ दु० फ०) यहाँ बटन इसके अन्दर रख लो, तब अगले फंदे घटाओ नहीं तो फिर बटन खोल के अन्दर नहीं जा सकेगा।

९वाँ घेरा—* १ दु० फ०, १ फंदा बिना बुने छोड़ दो, अगले फंदे में एक दुहरा फंदा * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (१६ दु० फ०)

१०वाँ घेरा—* १ फंदा बिना बुने छोड़ दो, अगले फंदे में १ दु० फ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ (८ दु० फ०)

११वाँ घेरा—दसवें घेरे की तरह (४ दु० फ०)। अब ६ चेन बुन कर कुछ लम्बा डोरा छोड़कर ऊन तोड़ लो। जम्पर में टाँकने लायक बटन तैयार होगया।

गले का किनारा—गले के चारो ओर २ घेरे दु० फ० के बुनो।

तीसरा घेरा—* १ दु० फ० पर १ दु० फ०, अगले ३ फंदो पर ३ टंडी, चिह्न * से पूरे घेरे तक दोहराओ और फिर अंत में पक्का करके तोड़ लो।

सीकर तैयार करना—प्रत्येक टुकड़े पर गीला कपड़ा बिछा कर अलग अलग इस्तिरी करो। अब आगे पीछे की नीचे की पट्टी और नए चढ़ाए हुए ७ फंदो को सी लो जिससे यहाँ बटन टाँकने के लिये एक कोना सा बन जाए। तब बगल की सीवन सी लो और फिर बाँह टाँक लो। इसी प्रकार

दूसरी ओर का सब हिस्सा सी लो। अब दोनो बटनो को (जो ऊन का डोरा छोड़ा था उसे सुई में पिरो कर उससे) दोनो ओर कोनों पर टॉक लो और सीवनो पर दबा कर इस्तिरी कर लो। सुन्दर सा जम्पर तैयार होगया।

चार रंग का तरह तरह के बेल बूटो वाला "लुभावना जम्पर"

(१६ वर्ष की लडकी या मामूली कद की स्त्री के लिए)

आवश्यक सामान
४ औंस खाकी,
१ औंस सफेद,
१ औंस काली,
और १ औंस गुलाबी ऊन,
९ न० की २ सलाइयॉ,
१ न० का लोहे का
मोटा किरोशिया।



नाप
कंध से निचले किनारे
तक की लम्बाइ
२० इच,
निचले किनारे का घेरा
३६ इच,
बॉहो की लम्बाइ
८ इच।

चि० स० १००

रंगों के लिए सांकेतिक चिह्न—सफेद ऊन के लिए—स०, काली के लिए—का०, खाकी के लिए—खा० और गुलाबी के लिए—गु० लिखा जायगा।

यह जम्पर ४ रंगों की ऊन से तरह तरह के बेल बूटे डालकर बनाया जाता है अत देखने म बहुत ही सुन्दर मालूम होता है। जहॉ जहॉ बेले पडती हैं वहाँ वहॉ गुलूबन्द की बुनाई म तथा शेष हिस्सा सीधी बुनाई मे (जिससे बेलें सीधी बुनाई की धारियों द्वारा एक दूसरे से अलग हो सकें) बुना जाता है।

पीछा—खाकी ऊन से १०९ फंदे चढ़ाकर १ सलाई प्रत्येक फंदे में पिछली ओर नोक डालकर सीधी बुनो। अब ९ सलाइयाँ गुल्बद की बुनाई की (चित्र सं० १४ की तरह) बुनकर निम्न प्रकार से बुनो।

छेदों की १ली सलाई—१ सी०, * १ च०, २ इ०सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

२री सलाई—सारी उलटी। अगली २ सलाइयाँ गुल्बद की बुनाई की बुनो।

५वीं सलाई—(गुलाबी ऊन जोड़कर) सारी सीधी—१ गु०, * १ खा०, १गु०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

६ठी सलाई—उलटी—१ खा०, * १ गु०, १ खा०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। अब गुलाबी ऊन तोड़ लो और २ सलाइयाँ खाकी ऊन से गुलूबंद की बुनाई की बुनो।

९वीं सलाई—छेदों की पहली सलाई की तरह।

१०वीं सलाई—उल्टी। अब ६ सलाइयाँ सीधी बुनो।

१७वीं सलाई—सीधी।

१८वीं सलाई—उल्टी।

१९वीं सलाई—(गुलाबी ऊन जोड़कर) सीधी—१गु०, * ३ खा०, १ गु०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

२०वीं सलाई—(काली ऊन जोड़कर) उलटी—१ का०, * १ गु०, १ खा०, १ गु०, १ का०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

२१वीं सलाई—सीधी—२ का०,* १गु०, ३ का०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब ३ रह जायँ तब १ गु०, २ का०।

२२वीं सलाई—२०वीं सलाई की तरह।

२३वीं सलाई—१९वीं सलाई की तरह। अब गुलाबी और काली ऊन तोड़ लो।

२४वीं सलाई—उलटी। अगली ६ सलाइयाँ सीधी बुनो। अब खाकी ऊन भी तोड़ लो और सफेद तथा काली जोड़ लो।

३१वीं सलाई—(काली तथा सफेद ऊन से) सीधी—१ का०, * ७ स०, १ का०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

३२वीं सलाई—उल्टी—२ का०, * ५ स०, ३ का०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंत में जब ७ रह जायँ तब ५ स०, २ का०।

५८वीं सलाई—उल्टी—३ खा०, * १ गु०, १ खा०, १ गु०, ३ खा०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

५९वीं सलाई—सीधी—२ खा०, * १ गु०, ३ खा०, १ गु०, १खा०, * चिह्न से दोहराओ, अत में जब १ रह जाय तब १ खा०।

६०वीं सलाई—उलटी—१ खा०, * १ गु०, ५खा०, * चिह्न से अत तक दोहराओ, अत में जब २ रह जायँ तब १ गु०, १ खा०।

६१वीं सलाई—५९वीं सलाई की तरह।

६२वीं सलाई—५८वीं सलाई की तरह।

६३वीं सलाई—५७वीं सलाई की तरह। अब गुलाबी ऊन तोड लो।

६४वीं सलाई—उलटी। ६ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। अब खाकी ऊन तोड लो।

७१वीं सलाई—(गलाबी और काली ऊन जोडकर) सीधी—* २ गु०, २ का०, * चिह्न से ११ वार दोहराओ, तब २ गु०, ५ का०, अब फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ वार दोहराओ, अत में २ गु०।

७२वीं सलाई—उलटी—१ का०, * २ गु०, २ का०, * चिह्न से ११ वार दोहराओ, तब २ गु०, ३ का०, फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ वार दोहराओ, तब २ गु०, २ का०।

७३वीं सलाई—सीधी—* २ का०, २ गु०, * चिह्न से * तक ११ वार और दोहराओ, तब १ का०, २ गु०, अब फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ वार दोहराओ, २का०।

७४वीं सलाई—उलटी—१ गु०, * २ का०, २ गु०, * चिह्न मे ११ वार दोहराओ, २ का०, २ गु०, * चिह्न से * चिह्न तक १२ बार और दोहराओ, २ का०, १ गु०।

७५वीं सलाई—सीधी—२ गु०, * २ का०, २ गु०, * चिह्न से ११ वार दोहराओ, २ का०, १ गु० * चिह्न से * चिह्न तक १३ बार दोहराओ। अतिम ४ सलाइयों को ३ वार और दोहराओ, अब काली और गुलाबी ऊन तोड़ लो।

८८वीं सलाई—खाकी ऊन जोड़ लो और सारी उलटी बुनो।

८९वीं सलाई—८८वीं सलाई जहाँ समाप्त होती है उसी किनारे पर १२ फदे नए चढ़ालो और नए फदों में पिछली ओर सलाई डालकर सीधा बुनो, शेष सारी सलाई भी सीधी बुनो। इस अन्तिम सलाई को ५ वार और दोहराओ जिससे हर सलाई में १२ फदे नए बढ़ते

जायँ और इस प्रकार बाँहों के लिए दोनों ओर ३६, ३६ फंदे बढ़ जायँगे और कुल १७७ फंदे हो जायँगे।

अब २ सलाइयाँ गुलूबंद की बुनाई की बुनो।

९७वीं सलाई—(सफेद ऊन जोड़ कर) सीधी—१ खा०, * १स०, ५खा०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब २ रह जायँ तब १ स०, १ खा०।

९८वीं सलाई—उलटी—१ स०, १ खा०, * १ स०, ३ खा०, १ स०, १ खा०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब १ रह जाय तब १ स०।

९९वीं सलाई—९७वीं सलाई की तरह।

१००वीं सलाई—उलटी—४ खा०, * १ स०, ५ खा०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब ५ रह जायँ तब १ स०, ४ खा०।

१०१वीं सलाई—सीधी—३ खा०, * १ स०, १ खा०, १ स०, ३ खा०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

१०२वीं सलाई—१००वीं सलाई की तरह। अब सफेद ऊन तोड़ लो और २ सलाइयाँ गुलूबंद की बुनाई की तथा ६ सीधी बुनाई की बुनो। अब खाकी ऊन भी तोड़ लो।

१११वीं सलाई—(काली और गुलाबी ऊन जोड़ कर) सीधी—४ का०, * १ गु०, ७ का०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब ५ रह जायँ तब १ गु०, ४ का०।

११२वीं सलाई—उलटी—३ का०, * ३ गु०, ५ का०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब ६ रह जायँ तब ३ गु०, ३ का०।

११३वीं सलाई—सीधी—२ का०, * ५ गु०, ३ का०, * चिह्न से दोहराओ, अंत में जब ७ रह जायँ तब ५ गु०, २ का०।

११४वीं सलाई—उलटी—१ का०, * ७ गु०, १ का०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

११५वीं सलाई—सीधी—१ का०, * ३ गु०, १ का०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ।

११६वीं सलाई—उलटी—१ का०, * २ गु०, १ का०, १ गु०, १ का०, २ गु०, १ का०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। अंतिम २ सलाइयों को एक बार और दोहराओ।

११९वीं सलाई—११५वीं सलाई की तरह।

१२०वीं सलाई—११४वीं सलाई की तरह।

१२१वीं सलाई—११३वीं सलाई की तरह।

१२२वीं सलाई—११२वीं सलाई की तरह ।

१२३वी सलाई—१११वीं सलाई की तरह । अब काली और गुलाबी ऊन तोड़ लो।

१२४वीं सलाई—खाकी ऊन जोड कर अंत तक उलटी बुनो । ६ सलाइयॉं सीधी बुनो, २ सलाइयॉं गुद्धबद की बुनाई की बुनो । अब ९७वीं सलाई से ६४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ १ वार दोहराओ । तब ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो ।

१४९वीं सलाई—६९ सी०, बुनकर इन्हें दाहिने कंधे के लिये एक बड़े सेफ्टीपिन पर उतार लो,बीच के ४७ फदे गले के लिये बुटकर उतार दो, शेष ६९ सीधे। अब इन्हीं (६९ फदो को) निम्न प्रकार से बार बार बुनो—

१४६वीं सलाई—सीधी । अगली दो सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुनो । अब १९वा से २४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ एक वार यहाँ दोहराओ । ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो । और ऊन तोडकर फदों को एक सेफ्टीपिन पर सरका कर रखदो । अब दाहिने कंधे के फदो को सलाई पर सरकालो और ऊन को गले के किनारे की ओर जोड कर सारी सलाई सीधी बुनो । अब २ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुनो। तब १९वीं से २४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ यहाँ दोहराओ। फिर ४ सलाइयाँ सीधी बुनो ।

१९९वीं सलाई—सीधी । अब गले के लिए ४७ फदे नए चढ़ा लो । तब सेफ्टीपिन पर रखे हुए बायें कंधे वाले फदे एक सलाई पर, सलाई की नोक को गले के किनारे की ओर रखते हुए, सरका लो और इसी सलाई पर सीधे बुन लो । अब फिर सलाई पर १७७ फदे होगए।

१६०वीं सलाई—सीधी । अब २ सलाइयॉं गुद्धबद की बुनाई की बुनो । तब ९७वीं सलाई से ६४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ एक बार दोहराओ । ६ सलाइयाँ सीधी बुनो । खाकी ऊन तोड़ लो। अब १११वीं सलाई से १२४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ यहाँ दोहराओ । फिर ६ सलाइयाँ सीधी बुनो । अब २ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुनो । तब ९७वीं सलाई से १०२वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ दोहराओ । फिर २ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई की बुनो । (२०६ सलाइयॉं होगई)

२०७वीं सलाई—शुरू के १२ फदे बुटकर उतार दो, शेष सारी सीधी । इस अंतिम सलाई को ९ वार और दोहराओ । अब खाकी ऊन तोड लो । (१०९ फदे रहे)

२१३वीं सलाई—(गुलाबी और काली ऊन जोड़ लो) सीधी—* २ गु०, २ का० * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, तब १ गु०, २ का०, फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ बार दोहराओ, २ गु० ।

२१४वीं सलाई—उल्टी—१ गु०, * २ का० २ गु०, * चिह्न से ११ बार और दोहराओ, तब २ का०, ३ गु०, अब फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ बार दोहराओ, २ का०, १ गु० ।

२१५वीं सलाई—सीधी—* २ का०, २ गु०, * चिह्न से १२ बार और दोहराओ, तब १ का० २ गु०, अब फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ बार दोहराओ, २ का० ।

२१६वीं सलाई—उलटी—१ का०, ※ २ गु०, २ का०, ※ चिह्न से ११ बार और दोहराओ, २ गु०, ३ का०, अब फिर ※ चिह्न से ※ चिह्न तक १२ बार दोहराओ, २ गु०, १ का०, अन्तिम ४ सलाइयो को ३ बार और दोहराओ ।

२२९वीं सलाई—सीधी * २ गु०, २ का०, * चिह्न से ११ बार और दोहराओ, २ गु०, ९ का०, अब फिर * चिह्न से * चिह्न तक १२ बार दोहराओ, २ गु० । अब काली तथा गुलाबी ऊन तोड़ लो ।

२३०वीं सलाई—(खाकी ऊन जोड़ लो) उलटी—६ सलाइयाँ सीधी बुनाई की और २ सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो । अब ५७वीं सलाई से ६४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ यहाँ दोहराओ । फिर ६ सलाइयाँ सीधी बुनकर खाकी ऊन तोड़ लो। अब ३१वीं से ४८वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ दोहराओ । फिर ६ सलाइयाँ सीधी बुनो । तब १९वीं से २४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ दोहराओ । फिर ६ सलाइयाँ सीधी बुनो। २८८ सलाइयाँ हो गई ।

२८९वीं सलाई—१ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ ।

२९०वीं सलाई—उल्टी—२ सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो ।

२९३वीं सलाई—(गुलाबी ऊन जोड लो) सीधी—१गु०, * १ खा०, १गु०, * चिह्न से अत तक दोहराओ ।

२९४वीं सलाई—उल्टी—१ खा०, ※ १ गु०, १ खा०, ※ चिह्न से अत तक दोहराओ । अब गुलाबी ऊन तोड़ दो और २ सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो ।

२९७वीं सलाई—२८९वीं सलाई की तरह ।

२९८वीं सलाई—उलटी—४ सलाइयाँ गुल्बद की बुनाई की बुनो। अब बुटकर उतार लो।

बॉह का किनारा—चीज़ की सीधी तरफ को अपनी ओर रखते हुए खाकी ऊन से बॉह के निचले किनारे पर से ६९ फंदे एक सलाई पर उठा लो और सीधे बुन लो।

२री सलाई—उलटी।

३री और ४थी सलाई—जम्पर की ५वीं और ६ठी सलाई की तरह। २ सलाइयाँ गुल्बद की बुनाई की बुनो।

७वीं सलाई—१ सी०, * १ ब०, २ इ०सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

८वीं सलाई—उलटी—अब ४ सलाइयाँ गुल्बद की बुनाई की बुनो। तब बुट कर उतार दो। इसी प्रकार दूसरी बॉह का किनारा बनाओ।

सीकर तैयार करना—उलटी तरफ के ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर खूब दबाकर इस्तिरी कर लो। अब बगलों की और बॉह के नीचे की सीवन सी लो। निचले घेरे के किनारे तथा बाहों के किनारे के छेदो की पहली लाइन तक के हिस्से को नीचे दोहरा कर रूमाल की तरह उलेढी (हेम) कर लो जिससे किनारो पर कगूरे से बन जायॅ। अब गले के किनारे से खाकी ऊन जोड कर क्रोशिये से निम्न प्रकार का किनारा बनाओ।

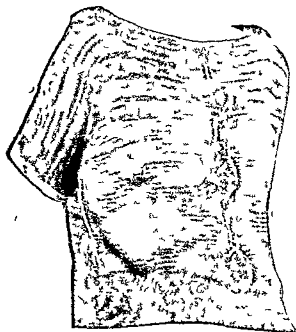
पहला घेरा—प्रत्येक फंदे में १ दु० फ० बुनो।

२रा घेरा—* ४ चेन बनाओ और चेन के ३रे फंदे में १इ०फ० बुनो। तब निचले घेरे के १ दु० फ० को बीच मे छोडकर दूसरे दु० फ० में १ दु० फ० बुनो, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ और अत में पक्की करके ऊन तोड लो। बेल बूटो वाला लुभावना जम्पर तैयार होगया।

———

सतरंगे रेशम का
मनोहर "इन्द्र धनुष" जम्पर

इस सतरंगे रेशम के जम्पर के गले और बाँहों के किनारे पर सफेद ऊन बहुत सुन्दर मालूम होती है



और क्रोशिये के बने गुलाब के फूल इस सादे किन्तु मनोहर जम्पर पर बहुत ही प्यारे लगते है।

चि० स० १०१

आवश्यक सामान

आवश्यकतानुसार सतरगा रेशम। ऊन का बनाना चाहो तो किसी सुन्दर मिश्रित रग की ४ तार की बढिया ऊन, १० न० की २ सलाइयाँ, लोहे का १ न० का १ मोटा क्रोशिया।

नाप

कधे से निचले किनारे तक की लम्बाई पट्टी सहित १९½ इच, निचली पट्टी के ऊपर का निचले किनारे का घेरा ३८ इच, बाँहो की लम्बाई ४ इच।

यह मनोहर जम्पर कुछ कुछ दूरी पर सीधी बुनाई की फलियाँ डालते हुए गुलूबद की बुनाई मे बुना जाता है और इसका निचला किनारा धनिये की बुनाई मे। आगा पीछा ब्लाउज़ की तरह तीन टुकड़ों में (१ पीछा और २ आगे) बुना जाता है जिन्हे कधो पर

जोड़ा जाता है। आगे के टुकड़े किरोशिये के छोटे से फीते से जोड़े जाते हैं। यह जम्पर देखने में बिलकुल ब्लाउज सा मालूम होता है। इन्द्र धनुष के समान सात रंग के रेशम का होने के कारण इसका नाम "इन्द्र धनुष" जम्पर रक्खा गया है। पर यदि ऐसा रेशम न मिले और ऊन का बनाना हो तो इसी तरीके से ऊन का भी बन सकता है।

पीछा—११२ फंदे चढ़ाकर पीठे के निचले किनारे से शुरू करो। १० सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो (नए चढ़ाये हुए फंदों में पिछली ओर बुनो जिससे किनारा मजबूत आवे)।

११वीं सलाई—सारी सीधी।

१२वीं सलाई—सारी सीधी।

१३वीं सलाई—सारी सीधी।

१४वीं सलाई—उल्टी।

❀ अगली १० सलाइयाँ—फिर गुद्दबद की बुनाई की बुनो।

२५वीं सलाई—सीधी।

२६वीं सलाई—सीधी।

२७वीं सलाई—सीधी।

२८वीं सलाई—उलटी। अब ❀ चिह्न से ३ बार और दोहराओ। (७० सलाइयाँ होगईं)

अगली ४ सलाइयाँ—गुद्दबद की बुनाई की।

अंतिम सलाई के अंत में २५ फंदे एक बाँह के लिए नये चढ़ालो।

७५वीं सलाई—नये चढ़ाये फंदों में पिछली ओर सीधा बुनो, शेष सारी सलाई भी सीधी। अब इसके अंत में भी २५ नये फंदे दूसरी बाँह के लिए चढ़ा लो। (१६२ फंदे हो गये)

७६वीं सलाई—नये फंदों में पिछली ओर को उल्टा बुनो, शेष सारी सलाई भी उलटी।

अगली ४ सलाइयाँ—गुद्दबद की बुनाई की।

* ८१वीं सलाई—सीधी।

८२वीं सलाई—सीधी।

८३वीं सलाई—सीधी।

८४वीं सलाई—उलटी।

अगली १० सलाइयाँ—गुद्दबद की बुनाई की ❀ चिह्न से अर्थात् ८१वीं सलाई से ३ बार और दोहराओ। (१२२ सलाइयाँ हो गईं)

१२३वीं और १२४वीं सलाई—दोनो सीधी। अब बुटकर उतार लो।

बायाँ आगा—६८ फदे चढाकर निचले किनारे से शुरू करो और १० सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो (पर नए फदों में १ सलाई पिछली ओर बुनो) और ७४ सलाइयो तक पीछे की तरह बुनो।
७४वीं सलाई के अन्त में २५ फदे नए एक बॉह के लिए चढा लो।

७५वीं सलाई—नए चढाये फदों में पिछली ओर सीधा बुनो, शेष सारी सलाई सीधी। (९३ फदे होगये)

७६वीं सलाई—उल्टी।

अगली ४ सलाइयाँ—गुद्दबद की बुनाई की।

* * ८१वीं सलाई—सारी सीधी।

८२वा और ८३वीं सलाई—सीधी।

८४वी सलाई—उलटी।

अब १० सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो। फिर **चिह्न से ** चिह्न तक २ बार और दोहराओ।

१२३वीं सलाई—सीधी।

१२४वीं सलाई—सीधी। अब बुट कर उतार लो।

दाहिना आगा—६८ फदे चढाकर निचले किनारे से शुरू करो और ७४ सलाइयाँ पीछे की तरह बुनो।

७५वीं सलाई—सीधी। अब २५ फदे दाहिनी बाँह के लिए नये चढालो।

७६वीं सलाई—नए चढाये फदो में पिछली ओर को उलटा बुनो, शेष सारी सलाई भी उलटी। (९३ फदे)। अब ४ सलाइयाँ गुद्दबद की बुनाई की बुनो और फिर बायें आगे की ८१वीं सलाई से १२४वीं सलाई तक का हिस्सा यहाँ दोहराओ। अब बुट कर उतार लो।

कमर पट्टी (अर्थात् निचली पट्टी)—२१ फदे चढा कर १ सलाई फदों में पिछली ओर को सीधी बुनो।

पहली सलाई—१ सी०, * १ उ०, १ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ। इस सलाई को तब तक दोहराओ जब तक कि पट्टी की लम्बाई ३६ इंच या आगे पीछे के घेरे की लम्बाई के बराबर न हो जाय। अब बुट कर उतार दो।

गुलाब के फूल—६ चेन बुन कर जोड़ लो जिससे छल्ला बन जाय।

पहला घेरा—५ चेन, १ डडी छल्ले के अदर, * २ चेन, १ डडी छल्ले के अदर, * चिह्न से ४ बार और दोहराओ। अब २ चेन बुनकर घेरे के शुरू में जो ५ चेन बुनी थी उस की तीसरी चेन में (अर्थात् चेन के तीसरे फदे में) १ इकहरा फदा बुनो।

२रा घेरा—१ दु० फ० और ३ डंडी पिछले घेरे के पहले छेद में, * १ दु० फ० और ३ डंडी अगले छेद में, * चिह्न से ९ बार और दोहराओ, अब घेरे के शुरू वाले पहले दुहरे फंदे पर १ इकहरा फंदा बुनो।

३रा घेरा—❀ ४ चेन, १ दुहरा फंदा पत्तियों को अगली ओर झुकाते हुए उनकी पीठ पर दुहरे फंदे में क्रिोशिया डालकर बुनो जिससे कि चेन पत्तियों की पीठ पर (पिछली ओर) आवे, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। अंत में चेन में क्रिोशिया डाल कर जोड़ लो (चित्र में फूलों को देखो पत्तियाँ कैसी उभरी हुई मालूम होती हैं और दूसरी पत्ती पहली के ऊपर न बन कर पीछे पीठ पर बनी है इससे बहुत ही सुन्दर मालूम हो रही है। ऐसा दूसरी पत्ती की चेन को पहली पत्ती की पीठ पर बुनने से ही हो सकता है)

४था घेरा—१ दु० फ०, ४ डंडी पिछले घेरे के पहले चेन वाले छेद में, * १ दु० फ०, ४ डंडी अगले चेन के छेद में, * चिह्न से ९ बार और दोहराओ, अब शुरू के पहले दु० फ० पर १ इ० फ० बुनो।

५वाँ घेरा—❀ ५ चेन, १ दु० फ० अगले दु० फ० पर (तीसरे घेरे की तरह पत्तियों को झुकाते हुए पत्ती की पीठ पर दु० फ० में क्रिोशिया डाल कर) ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ, अब चेन में जोड़ लो।

६ठा घेरा—चेन के पहले छेद में १ दु० फ०, ६ डंडी, * अगले छेद मे १ दु० फ०, ६ डंडी * चिह्न से ९ बार और दोहराओ, अब शुरू वाले पहले दु०फ० पर एक इ०फ० बुनो और डोरा तोड़कर डोरे को क्रिोशिये पर के फंदे में से निकाल कर खींच लो। पक्का हो गया। फालतू डोरे को काट दो। फूल तैयार हो गया। इसी प्रकार ६ फूल और तयार करो।

किरोशिये की जाली या फीता—कधे जोड़ने के लिये क्रिोशिये से ५७ फंदे ढीली-ढीली चेन के बना कर शुरू करो।

पहला फेरा या पहली सलाई—चेन का अंतिम फंदा क्रिोशिये पर लिए हुए, इस फंदे से चेन के ७वे फंदे मे १ डंडी, * १ चेन, नीचे वाली चेन का १ फंदा बीच में छोड़कर दूसरे में १ डंडी, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। अब ४ चेन बना कर फेरे को मोड़ लो।

दूसरा फेरा—चीज़ को मोड़ कर पिछले फेरे की दूसरी डंडी पर १ डंडी, तब १ चेन और १ डंडी प्रत्येक डंडी पर पूरे फेरे तक बुनो और अंत में दूसरी चेन के अन्दर १ डंडी बुनो

अब इसे कंधे के साथ जोड़ने के लिये लम्बा डोरा छोड़ कर ऊन तोड़ लो और क्रोशिये पर जो फंदा है उसमें से डोरे को निकाल कर खींच लो, पक्का होजायगा। इसी प्रकार दूसरे कंधे के लिये तैयार करो।

आगे के लिये जाली—८५ चेन बनाकर कंधे की जाली की तरह ही बना लो। चेन बना कर आगे के साथ नाप कर देख लो कि लम्बाई में चेन गले से निचले किनारे तक पेटी से ऊपर ठीक आती है या नहीं। यदि कम हो तो जितने अधिक फंदों की जरूरत हो डाल लो।

सीकर तैयार करना—आगे पीछे के ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर उलटी तरफ को दबाते हुए इस्तिरी कर लो। अब दोनों आगों के बीच में जाली सी दो जिससे आगे आपस में जुड़ जायें। आगे पीछे के कंधों में दोनों ओर दोनों जाली के टुकड़ों को टाँक लो जिससे कंधे आपस में जुड़ जायँ। पर आगे पीछे को नाप कर ठीक बीच में १२ इंच गले के लिये खुला रहने दो।

बाँह का किनारा—डोरा जोड़कर बाँह के किनारे पर क्रोशिये से इस प्रकार किनारा बनाओ।

पहला फेरा या पहली सलाई—पहले फंदे में १ डंडी, * १ चेन, अब ½ इंच जगह बीच में छोड़कर अगले फंदे में १ डंडी, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। अंत में ५ चेन बनाकर मोड़ लो।

२रा फेरा—पिछले फेरे की दूसरी डंडी पर १ डंडी, * १ चेन, अगली डंडी पर १ डंडी, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। अब डोरा तोड़कर क्रोशिये पर जो फंदा है उसमें से निकाल लो और खींच कर पक्का कर लो तथा सफेद ऊन जोड़कर प्रत्येक छेद में एक दु० फं० बुनो।

अब बाँह की और बगल की सीवन सीलो और इसी प्रकार दूसरी बाँह का किनारा बनाकर सी लो। पट्टी को जम्पर के साथ जोड़ लो तब पट्टी के किनारे आपस में सी लो।

अब सफेद ऊन से गले के चारों ओर १ घेरा पूरी डंडी का बुनो। तब ऊन पक्की करके तोड़ लो। तीन गुलाब के फूल आगे पर जाली के ऊपर टाँक लो, दो दोनों कंधों पर गले के दोनों ओर, और एक एक फूल निचली पट्टी के दोनों किनारों पर आगे की ओर टाँक लो।

ब्लाउजनुमा "इन्द्र धनुष" जम्पर तैयार हो गया।

पूरी बॉहो वाला धारीदार आकर्षक जम्पर

आवश्यक सामान
५ औंस हल्के
फाखतई (Fawn)
या प्याजी
रग की उन,
३ औंस
किरमची य लाल
रग की ऊन,
१ लोहे का
२ न० का
मोटा किरोशिया
८ न० की २ सलाइयॉ,
और
९ न० की २ सलाइयॉ,



माप
कधे से निचले
किनारे तक की
लम्बाई २५ इच,
निचले किनारे
का घेरा
४८ इच,
बॉहों की लम्बाइ
बिना कफ
११ इच।

चि० स० १०२

मन को आकर्षित करने वाला यह जम्पर हलके फाखतई और गहरे किरमची या प्याजी और गहरे लाल रग की ऊन से सीधी बुनाई की खडी धारियॉ (अर्थात् कधे से निचले किनारे की ओर चलती हुई लम्बी धारियॉ) डालकर तिकोन गला बनाते हुए बुना जाता है। इसकी फलियोंवाली कफे और तिकोन गले का चौडा चौड़ा किनारा इसकी धारियों की सुन्दरता को दुगना कर देता है।

खडी धारियॉ डालने के लिए इस जम्पर का आगा पीछा बगल की सीवन से शुरू करके सारा सीधी बुनाई में बारी बारी से दोनों रगो की धारियाँ डालते हुए एक ही टुकड़े में बुना जाता है।

इसलिए फाख्तई रंग की ऊन से ८ नं० की सलाइयों पर ९० फंदे डालकर बायें आगे के लिए बाईं बगल की सीवन से शुरू करो। १ सलाई नए चढाये हुए फंदो में पिछली ओर बुनो जिससे किनारा मजबूत आवे। अब ४ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। किरमची ऊन जोड़कर (ऊन सदा उसी किनारे पर जोड़ी जायगी जिससे बुनाई शुरू की थी) ६ सलाइयाँ सीधी बुनो।

१२वीं सलाई—फाख्तई धारी—पहले फंदे में २ फंदे सीधे (फंदे को बाँईं सलाई से उतारने से पहले उसमें पीछे आगे दो जगह बुन कर एक फंदे के दो बनालो) शेष सारी सीधी।

१३वीं सलाई—सीधी। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ (९९ फंदे होगए)। १२वीं से २१वीं तक की १० सलाइयों की धारी फाख्तई से बुनी जायगी।

२२वीं सलाई—किरमची धारी—पहले फंदे में २ सी०, शेष सारी सीधी।

२३वीं सलाई—सारी सीधी। इन अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

२८वीं सलाई—फाख्तई धारी—१२वीं सलाई की तरह।

२९वीं सलाई—१३वीं सलाई की तरह। इन अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ (१०३ फंदे)। इन फंदों को एक बड़े सेफ्टीपिन पर उतार लो। अब ९० फंदे चढ़ा कर ठीक इसी प्रकार का एक टुकड़ा पीछे का तैयार करो पर उसमें पहले फंदे मे फंदे न बढ़ाकर अंतिम फंदे में फंदे बढाओ (अर्थात सलाई के शुरू वाले फंदे में २ फंदे न बुन कर सदा अंतिम फंदे में २ फंदे बुनो) इस प्रकार बाईं ओर की बगल के आगे पीछे के दो टुकड़े तैयार होगए। अब निम्न प्रकार से कंधे के फंदे बढ़ाकर दोनों टुकड़ो को इकट्ठा कर लो।

३८वीं सलाई—किरमची धारी—सारी सीधी बुनो। अब यहाँ बायें कंधे के लिए ३६ फंदे नए चढ़ा लो। तब आगे वाले टुकड़े के सेफ्टीपिन पर रखे हुए १०३ फंदे भी इसी सलाई पर सीधे बुन लो (२४२ फंदे होगए)। यहाँ यह ध्यान रखो कि जिस किनारे पर फंदे चढाये थे उसी किनारे से शुरू करके १०३ फंदे सीधे बुने जायँगे जिससे बगलवाला किनारा बीच में आवे और सीधा किनारा नीचे। अब ९ सलाइयाँ सीधी बुनो।

अगली १० सलाइयाँ—फाख्तई धारी—सारी सीधी।

अगली ६ सलाइयाँ—किरमची धारी—सारी सीधी। इन अंतिम १६ सलाइयों को एक बार और दोहराओ। यहाँ कंधा समाप्त होगया और ७५ सलाइयाँ होगईं।

७६वीं सलाई—फाख्तई धारी—११२ फंदे सीधे बुन कर पीछे के लिए एक सेफ्टीपिन पर उतार

लो। अब गले के ऊपरवाले हिस्से के लिए १८ फंदे बुन कर उतार दो। शेष सारी सलाई सीधी। (यहाँ सलाई पर ११२ फंदे रहे)

अगली ओर के गले की काट—

७७वीं सलाई—अंतिम २ के सिवाय सब सीधे, अन्त में २ इ०सी०।

७८वीं सलाई—सारी सीधी। इन अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

८५वीं सलाई—७७वीं सलाई की तरह।

८६वीं सलाई—किरमची धारी—सारी सीधी (१०७ फंदे)

८७वीं सलाई—अंतिम २ के सिवाय सब सीधे, अन्त म २ इ०सी०।

अंतिम २ सलाइयाँ १ बार और दोहराओ। अगली २ सलाइयाँ सारी सीधी बुनो।

९२वीं सलाई—फाखतई धारी—सीधी।

९३वीं सलाई—७७वीं सलाई की तरह। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ (१०० फंदे)

१०२वीं सलाई—किरमची धारी—सीधी।

१०३वीं सलाई—७७वीं सलाई की तरह। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

१०८वीं सलाई—फाखतई धारी—सीधी।

१०९वीं सलाई—७७वीं सलाई की तरह। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ। (९२ फंदे)

११८वीं सलाई—किरमची धारी—सीधी।

११९वीं सलाई—७७वीं सलाई की तरह। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

१२४वीं सलाई—फाखतई धारी—सीधी।

१२५वीं सलाई—७७वीं सलाई की तरह। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ (८४ फंदे)

अगली ६ सलाइयाँ—किरमची धारी—सारी सीधी। गले का आधा हिस्सा होगया। अब निचली सलाई से फंदे बढ़ाये जायँगे।

१४०वीं सलाई—फाखतई धारी—पहले फंदे में आगे पीछे बुन कर २ सी०, शेष सारी सीधी।

१४१वीं सलाई—सारी सीधी। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ। (८९ फंदे)

१५०वीं सलाई—किरमची धारी—पहले फंदे में २ सी०, शेष सारी सीधी।

१५१वीं सलाई—सारी सीधी। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

१५६वीं सलाई—फाखतई धारी—पहले फंदे म २ सी०, शेष सारी सीधी।

१५७वीं सलाई—सीधी। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ। (९७ फंदे)

१६६वीं सलाई—किरमची धारी—पहले फदे में २ सी०, शेष सारी सीधी।

१६७वीं सलाई—सीधी। अन्तिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। (१०० फदे)

१७२वीं सलाई—फाख्तई धारी—पहले फदे में २ सी०, शेष सारी सीधी।

१७३वीं सलाई—सीधी। अन्तिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ। (१०५ फदे)

१८२वीं सलाई—किरमची धारी—पहले फदे में २ सी०, शेष सारी सीधी।

१८३वीं सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। (१०८ फदे)

१८८वीं सलाई—फाख्तई धारी—पहले फदे में २ सी०, शेष सारी सीधी।

१८९वीं सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ। अब २ सलाइयाँ सीधी। (११२ फदे और १९७ सलाइयाँ होगई)। फदो को एक सेफ्टीपिन पर उतार कर रख दो और ऊन तोड़ लो। अब पीछे के जो ११२ फदे रखे है सलाई की नोक को गले की ओर रखते हुए उन्हें सलाई पर ले लो तथा गले की ओर फाख्तई ऊन जोड़ कर अन्त तक सीधी सलाई बुनो। यह पीछे की ७७वीं सलाई होगई।

७८वीं सलाई—अतिम २ के सिवाय सब सीधे, अ त में २ इ०सी० (यहाँ भी गले की ओर फदे घटाये जायँगे)

७९वीं सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

अगली ६ सलाइयाँ—किरमची धारी—सारी सीधी।

अगली ६ सलाइयाँ—फाख्तई धारी—सीधी। इन अतिम १६ सलाइयो को ५ बार और दोहराओ। अब ६ सलाइयाँ किरमची ऊन से और फिर २ सलाइयाँ फाख्तई ऊन से बुनो। (१८९ सलाइयाँ होगई)

१९०वीं सलाई—अतिम १ फदे के सिवाय सब सीधे, अतिम फदे में २ सी०।

१९१वी सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ (११२ फदे होगए)

१९८वीं सलाई—किरमची धारी—११२ फदे सीधे बुनो। अब गले के लिए १८ फदे नए चढ़ाओ अब एक सलाई की नोक को गले की ओर रखते हुए इस पर सेफ्टीपिन पर रखे हुए आगे के फदे सरका लो तथा सीधे बुन लो (२४२फदे हो गए)। अब ५ सलाइयाँ सीधी बुनो।

अगली १० सलाइयाँ—फाख्तई धारी—सीधी।

अगली ६ सलाइयाँ—किरमची धारी—सीधी। अतिम १६ सलाइयों को एक बार और दोहराओ। (२३९ सलाइयाँ होगई)

२३६वीं सलाई—फाख़्तई धारी—१०३ फंदे सीधे बुन कर एक सेफ्टीपिन पर उतार कर रख लो, बीच के ३६ फंदे बाँह के छेद के ऊपर के हिस्से के लिए बुट कर उतार दो और शेष १०३ सीधे बुनो।

२३७वीं सलाई—अंतिम २ फंदों के सिवाय सब सीधे, अन्त में २ इ०सी०।

२३८वीं सलाई—सीधी। अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ (९९ फंदे)

२४५वीं सलाई—२३७वीं सलाई की तरह।

२४६वीं सलाई—क़िरमची धारी—सीधी।

२४७वीं सलाई—अंतिम २ फंदों के सिवाय सब सीधे, अन्त में २ इ० सी०। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। (९५ फंदे)

२५२वीं सलाई—फाख़्तई धारी—सीधी।

२५३वीं सलाई—अंतिम २ फंदों के सिवाय सब सीधे अन्त में २ इ०सी०।

इन अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ। (९० फंदे)

अगली ६ सलाइयाँ—क़िरमची धारी—सीधी।

अगली ५ सलाइयाँ—फाख़्तई धारी—सीधी। बुट कर उतार लो। अब सेफ्टीपिन पर जो १०३ फंदे रखे हैं उन्हें सलाई की नोक को गले की ओर रखते हुए सलाई पर सरकालो और उनके साथ गले के किनारे की ओर फाख़्तई ऊन जोड़ कर निम्न प्रकार से बुनो—

२३७वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी सीधी। (१०२ फंदे)

२३८वीं सलाई—सीधी, अंतिम २ सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

२४५वीं सलाई—२३७वीं सलाई की तरह।

२४६वीं सलाई—किरमची धारी—सीधी।

२४७वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी सीधी। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

२५२वीं सलाई—फाख़्तई धारी—सीधी।

२५३वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी सीधी। अन्तिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ।

अगली ६ सलाइयाँ—क़िरमची धारी—सीधी।

अगली ५ सलाइयाँ—फाख़्तई धारी—सीधी। अब बुट कर उतार लो। आगा पीछा तैयार होगया।

बाँह—फाख़्तई रंग से ५० फंदे चढ़ाओ। १ सलाई नए फंदों में पिछली ओर को सीधी बुनो।

४ सलाइयाँ और सीधी बुनो। अब किरमची ऊन जोड़ लो (ऊन सदा एक ही ओर—शुरू वाले किनारे की ओर जोडनी चाहिये)

अगली ६ सलाइयाँ—किरमची धारी—सीधी।

अगली १० सलाइयाँ—फाख़तई धारी—सीधी। अब यहाँ बाँह के ऊपर की ओर की काट के लिए निम्न प्रकार से फंदे बढ़ाओ।

२२वीं सलाई—किरमची धारी—पहले फंदे में २ सी०, शेप सारी सीधी।

२३वी सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयो को २ वार और दोहराओ।

२८वीं सलाई—फाख़तई धारी—पहले फंदे में २ सी०, शेप सारी सीधी।

२९वीं सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को ४ वार और दोहराओ। अब २२वीं और २३वीं सलाई को यहाँ ३ वार दोहराओ (६१ फंदे)। २८वीं तथा २९वी सलाई को ५ वार दोहराओ। फिर २२वी और २३वीं सलाई को ३ वार दोहराओ (६९ फंदे)। फिर २८वीं और २९वीं सलाई को ५ वार दोहराओ (७४ फंदे)। अब किरमची ऊन से ६ सलाइयाँ सीधी बुनो, फिर फाख़तई से १० सीधी बुनो। इन अतिम १६ सलाइयो को २ वार और दोहराओ। फिर किरमची से ६ सलाइयाँ सीधी बुनो। अब पिछली ओर की काट के लिए घटाना शुरू करो।

१२४वीं सलाई—फाख़तई धारी—२ इ०सी०, शेप सारी सीधी।

१२५वी सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को ४ वार और दोहराओ (६९ फंदे)।

१३४वीं सलाई—किरमची धारी—२ इ०सी०, शेप सारी सीधी।

१३५वीं सलाई—सीधी। अतिम २ सलाइयों को २ वार और दोहराओ। अब १२४वीं और १२५वीं सलाई को ५ वार दोहराओ (६१ फंदे)। १३४वीं तथा १३५वी सलाई को ३ वार दोहराओ। फिर १२४वीं तथा १२५वीं सलाई को ५ वार दोहराओ। तब फिर १३४वीं तथा १३५वीं सलाई को ३ वार दोहराओ (५० फंदे)।

अगली १० सलाइयाँ—फाख़तई धारी—सीधी।

अगली ६ सलाइयाँ—किरमची धारी—सीधी।

अगली ५ सलाइयाँ—फाख़तई धारी—सीधी। अब बुट कर उतार लो। बाँह बन गई। ठीक इसी तरह दूसरी बुन लो।

कफ—फाख़तई रंग से ४८ फंदे चढ़ाओ और पहली सलाई सब फंदो में पिछली ओर को सीधी बुनो।

अब ४० सलाइयाँ ३ सी०, ३ उ० फदोंवाली फलियों की बुनो। तब बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी कफ़ तैयार करो।

गले के लिए तिकोनी कॉलर या पट्टी—९ न० की सलाइयों से बुनो। फाख़तई रग से २ फदे चढाओ।

पहली सलाई—१ सी०, १ उ०।

दूसरी सलाई—पहले फदे में १ उ०, १ सी०, (आगे पीछे बुन कर १ फदा बढाओ), १ उ०।

तीसरी सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०।

चौथी सलाई—पहले फदे में १ सी०, १ उ०, शेष सारी सलाई १ सी०, १ उ० फदेवाली धारीदार (जो धारी शुरू से चल रही है)।

पाँचवीं सलाई—धारीदार।

६ठी सलाई—४थी सलाई की तरह (पहले फदे में एक फदा बढ़ा कर शेष धारियाँ बुनो)

७वीं सलाई—५वीं सलाई की तरह। अतिम २ सलाइयाँ तब तक दोहराओ जब तक सलाई पर २० फदे न हो जायँ। अब २३० सलाइयाँ फलियोवाली बुनो।

अगली सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी फलियोंवाली।

अगली सलाई—फलियोवाली। अतिम २ सलाइयो को १७ बार और दोहराओ (२ फदे रहे)। बुट कर उतार दो।

सीकर तैयार करना—ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर इस्तिरी कर लो। बगलों को सी लो। अब कफों को बाँहो के साथ टाँक लो। तब बाँहो की सीवन सी लो और बगल की सीवन के ऊपर सीवन को रखकर बाँह की जगह में बॉह लगा लो। गले की पट्टी के दोनों कोने आपस में उल्टी तरफ करके जोड़ लो और पट्टी को गले के साथ टॉक लो। अब क्रिरोशिये से एक फेरा गले के चारों ओर तथा एक फेरा निचले किनारे पर फाख़तई-ऊन से दुहरे फदे का बुन लो।

डोरी—फाख़तई ऊन से—क्रिरोशिये से २ गज लम्बी चेन बुन लो और मोटी सुई में चेन का डोरा पिरोकर चेन को जम्पर में निचले किनारे से ६½ इच ऊपर डाल दो तथा चेन के दोनों किनारों पर ऊन के फूल बना कर बाँध दो जिसमे चेन निकल न सके।

धनिये की बुनाई में जाली की टुकडियोंवाला "सुलभा" जम्पर

आवश्यक सामान—
आवश्यकतानुसार किसी
सुदर हल्के रग का रेशम
यदि ऊन का
बनाना चाहो तो
४ तार की ऊन,
८ नं० की २ सलाइयाँ,
एक दॉत का किरोशिया,



माप —
कंधे से निचले किनारे
तक की लम्बाइ
२१ इच,
निचले किनारे का घेरा
४४ इच,
बाँह की लम्बाइ
११ इच।

चि० सं० १०३

यह अति सुन्दर "सुलभा' जम्पर छोटी छोटी बूदों जैसी धनिये की बुनाई मे और जालीदार टुकड़ियों की धारियों में बनाया जाता है और देखने मे बहुत ही प्यारा मालूम होता है। यह पीछा, आगा, बॉहें, गले का किनारा, और कफ इन पाँच हिस्सों मे अलग अलग बनेगा।

पीछा—१२७ फदे चढ़ा कर एक सलाई सीधी सब फदों में पिछली ओर को बुनते हुए बुनो।

* * पहली ६ सलाइयाँ—१ सी०, * १ उ०, १ सी० * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अब यहाँ से नमूना शुरू होगा।

नमूने की पहली सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, * २ इ०सी०, १ व०, ५ सी०, १ व०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब २ इ०सी, १ व०, ५ सी०, १ व०, २ इ० सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी०।

दूसरी तथा नमूने की प्रत्येक सम सख्या की सलाई (अर्थात् २री, ४थी, ६ठी, ८वीं)—१ सी०, १ उ०, १ सी०, * ९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब ९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०। अब १ली और २री सलाई को एक बार दोहराओ। ४ सलाइयाँ होगईं।

नमूने की ५वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, * ३ सी०, १ व०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ व०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब १३ रह जायँ तब ३ सी०,१व०, १ स०,१सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ व०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०।

नमूने की ७वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, * १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ व०, १ सी०, १ व०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ व०, १ सी०, १ व०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब १२ रह जायँ तब १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ व०, १ सी०, १ व०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ व०, १ सी०, १ व०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी०।

नमूने की ८वीं सलाई—नमूने की दूसरी सलाई की तरह। इन आठ सलाइयो से १ नमूना बना। अब इस नमूने को (अर्थात् नमूने की इन आठ सलाइयो को) १० बार और दोहराओ। तब नमूने की १ली, २री, ३री, और ४थी सलाई को एक बार दोहराओ।

९३वां सलाई—पहले फदे में २ फदे सीधे, (फदे को बाईं सलाई पर उतारने से पहले उसमें पीछे आगे दो जगह बुन कर एक फदे के दो फदे बनाओ) १ उ०, अब पाँचवीं सलाई के * चिह्न से अन्त तक बार बार दोहराओ पर अंतिम फदे में २ फदे सीधे बुनना।

९४वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, * ९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब १३ रह जायँ तब ९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०।

९५वीं सलाई—पहले फंदे में पीछे आगे बुन कर २ सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, तब ७वीं सलाई के * चिह्न से अन्त तक यहाँ बार बार दोहराओ, केवल अंतिम फंदेमें २ सी० बुनो (१३१ फंदे)।

९६वीं सलाई—१सी०, १उ०, १सी०, १उ०, १सी०, * ९उ०,१सी०, १उ०,१सी०,१उ०,१सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। अब यहाँ ४२ फंदे बाँह के लिए नए चढ़ालो।

९७वीं सलाई—नए चढ़ाये हुए फंदों में पिछली ओर को सीधा बुनो, शेष सारी सलाई अन्त तक नमूनेदार बुनो। अब इस ओर भी दूसरी बाँह लिए ४२ फंदे नए चढ़ालो।

९८वीं सलाई—नए फंदों में पिछली ओर उल्टा बुनो, शेष सारी सलाई नमूने की उल्टी सलाई (नमूने की २री सलाई की तरह) बुनो (२१५ फंदे होगए)

यहाँ इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ९७वीं और ९८वीं सलाई में तथा आगे भी सब सलाइयों में, शुरू तथा अन्त में ३ फंदो के बदले ५ फंदे धनिये की बुनाई में बुने जायँगे।

अब नमूने की ३री सलाई से ८वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ क्रम से एक बार यहाँ दोहराओ * *। फिर नमूने की आठों सलाइयों को क्रम से ३ बार और दोहराओ। तब नमूने की १ली से लेकर ७वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ दोहराओ। १२९ सलाइयाँ होगई। अब बुट कर उतार लो।

आगा—१२७ फंदे चढ़ाओ और १ सलाई नए फंदों में पिछली ओर सलाई डाल कर बुनो। अब पीठ में * * चिह्न * * के बीच में जो १०४ सलाइयाँ बनाई हैं, वे बुनो और उसके बाद नमूने की ८ सलाइयों को २ बार दोहराओ, तब नमूने की १ली से ७वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ दोहराओ। १२७ सलाइयाँ होगई।

१२८वीं सलाई—९० फंदे नमूनेदार बुन कर दाहिने कंधे के लिए एक बड़े सेफ्टीपिन पर रखदो और गले के लिए बीच के ३५ फंदे बुट कर उतार दो, शेष ९० फंदे दूसरे कंधे के लिए नमूनेदार बुनो। अब केवल इसी कंधे को बुनो।

१२९वीं सलाई—अंतिम २ फंदों के सिवाय सब नमूनेदार बुनो, अंतिम २ इ०सी०।

१३०वीं सलाई—सारी नमूनेदार। इन अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। तब १२९वीं सलाई को एक बार फिर दोहराओ, और बुट कर उतार लो।

अब सेफ्टीपिन पर रखे हुए फंदों को, सलाई की नोक को गले की ओर रखते हुए, सलाई पर सरकालो। डोरे को गले की ओर जोड़ कर, * २ इ० सी०, शेष सारी सलाई नमूनेदार बुनो।

१३०वीं सलाई—सारी नमूनेदार। * चिह्न से २ वार और दोहराओ अर्थात् इससे पहली और इस सलाई को २ वार दोहराओ।

१३९वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी नमूनेदार। बुट कर उतार लो।

अब गले और बाहो के लिए फीता बनाओ। फीता एक बॉह के निचले किनारे से शुरू होकर सारी बॉह के बीचो बीच लगता हुआ और गले के आगे पीछे दोनों ओर होता हुआ दूसरी बॉह के निचले किनारे तक लगेगा और सारा एक ही टुकड़े में बनेगा।

गले और बॉहों के लिए इकट्ठा फीता—३० फदे चढ़ाओ और १ सलाई सब फदों के पिछली ओर सलाई की नोक डाल कर बुनो।

१ली सलाई—* १ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२री सलाई—* १ उ०, १ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। इन २ सलाइयों को २ वार और दोहराओ।

अब नमूने की पहली सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, * २ इ०सी०, १ ब०, ९ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, * १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, अब * चिह्न से * चिह्न तक एक वार दोहराओ, तब १ उ०, १ सी०, १ उ०।

नमूने की दूसरी सलाई—१ उ०, १ सी०, ११ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, ९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०। इन २ सलाइयों को एक वार और दोहराओ।

नमूने की ५वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, ❀ २ सी०, १ब०, १स०, १सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी, २ इ०सी०, १ब०, २सी०, ❀ १सी०, १उ०, १सी०, १उ०, १सी०, १उ०, अब ❀ चिह्न से ❀ तक एक वार दोहराओ तब १ उ०, १सी०, १उ०।

नमूने की ६ठी सलाई—नमूने की दूसरी सलाई की तरह।

नमूने की ७वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, ❀ १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, ❀ १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी० १ उ०, अब ❀ चिह्न से ❀चिह्न तक एक वार दोहराओ तब १उ०, १ सी०, १उ०,।

नमूने की ८वीं सलाई—नमूने की दूसरी सलाई की तरह। नमूने की इन ८ सलाइयों को ११ वार और दोहराओ (९६ सलाइयाँ होगई)। अब यह फीता एक बाँह की लम्बाई जितना लम्बा बन गया। यहाँ से यह गले की अगली और पिछली ओर के लिए

बाँटा जायगा अर्थात् १९ फदों पर गले की अगली ओर का किनारा बनेगा और १९ फदों पर गले की पिछली ओर का। गले के लिए बन जाने के बाद दूसरे कंधे के पास पहुँच कर फिर इन ३० फदो को इकट्ठा करके उन पर दूसरी बाँह के लिए उसकी लम्बाई के बराबर लम्बा फीता बनाया जायगा। अत गले के लिए १९ फदों पर निम्न प्रकार से बुनो—

९७वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ९ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी०। अब इन फदों को एक सेफ्टीपिन पर उतार कर गले की पिछली ओर के लिए रखदो और शेष १९ फदो पर अगली ओर के लिए निम्न प्रकार से बार बार बुनो—* १उ०, १ सी०, १उ०, २ इ०सी०, १ब०, ९सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०।

९८वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, ११ उ०, १ सी०, १ उ०।

९९वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ ब०, ९ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०।

१००वीं सलाई—९८वीं सलाई की तरह।

१०१वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, १ उ०, २ सी०, १ ब०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, २ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०।

१०२वीं सलाई—९८वीं सलाई की तरह।

१०३वीं सलाई—१ उ०, १ सी०, १ उ०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०।

१०४वीं सलाई—९८वीं सलाई की तरह *। अब * चिह्न से (जो ९७वीं सलाई में है) * तक की ८ सलाइयों को ८ बार और दोहराओ। गले की अगली ओर का फीता बन गया। अब इन फदो को एक सेफ्टीपिन पर रखलो। तागे को तोड़ कर पिछली ओर के १९ फदों में गले की तरफ जोड़ लो तथा उन फदों को सलाई पर लेकर निम्न प्रकार से बुनो।

९८वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, ९ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०।

९९वीं सलाई—१सी० १उ० १सी० २इ०सी० १ब० ९सी० १ब० २इ०सी०, १सी०, १उ०,१सी०।

१००वीं सलाई—९८वीं सलाई की तरह ।

१०१वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ ज०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ३ सी०, १ उ०, १ सी० ।

१०२वीं सलाई—९८वीं सलाई की तरह ।

१०३वीं सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, १ स०, १ सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ज०, १ सी०, १ ज०, १ स०, २ इ०सी०, स० फ० इस पर डालो, १ ब०, १ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी० ।

१०४वी सलाई—९८वी सलाई की तरह ।

* * १०५वी सलाई—१ सी०, १ उ०, १ सी०, २ इ०उ०, १ ब०, ५ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी० । अब ९८वीं, ९९वीं, १००वीं, १०१वीं, १०२वीं, १०३वीं, १०४वी सलाई को यहाँ क्रम से दोहराओ (११२ सलाइयाँ होगईं) * * ।

अब * * से * * चिह्न तक की ८ सलाइयों को ७ बार और दोहराओ। (१६८ सलाइयाँ)

१६९वी सलाई—(इस सलाई में दूसरी बाँह के लिए फीते को यहाँ से फिर इकट्ठा कर दिया जायगा)। १ सी०, १ उ०, १ सी०, २ इ०सी०, १ ब०, ५ सी०, १ ब०, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०, १ सी० । अब एक सलाई की नोक को केन्द्र की ओर करके उस पर सेफ्टीपिन पर रखे हुए १५ फंदे सरकालो और इस प्रकार बुनो—१ उ०, १ सी०, १ उ०, २ इ०सी०, १ ब०, ५ सी०, १ब०, २ इ०सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ० । अब फीते के नमूने की २री सलाई से ८वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ बुनो । तब नमूने की शुरू की ८ सलाइयों को ११ बार यहाँ दोहराओ जिससे पहली बाँह के बराबर ही इस ओर का फीता भी बन जाये। अब ६ सलाइयाँ धनिये की बुनाई की बुनो तथा बुट कर उतार लो ।

कफ—२० फंदे चढ़ाकर '१ सलाई फंदों की पिछली ओर सीधी बुनो तब १४ इंच तक धनिये की बुनाई बुन कर बुट कर उतार लो । इसी प्रकार दूसरी कफ तैयार करो ।

सीकर तैयार करना—आगे पीछे को बाँहों और गले के फीते के दोनों किनारों के साथ सी लो। (फीते के एक ओर आगा टाँक लो और दूसरी ओर पीछा,ध्यान रखना चाहिए कहीं कसा या ढीला न रहे नहीं तो झोल पड़ जायगा) अब बाँहो के निचले किनारो पर कफें टाँक लो। किसी समतल चीज पर रखकर ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर इस्तिरी करलो। अब आगे पीछे की धारियो को

ठीक ठीक रखते हुए बगलो और बाँहों के नीचे की सीवने सी लो। तागे को दुहरा या तिहरा करके क्रोशिये से ६० इंच लम्बी चेन बना लो तथा छेदों में पिरो दो। फिर चेन के दोनो ओर फूल (रेशम के फुदने) बना कर मजबूती से लगा दो तथा सीवनों पर फिर इस्तिरी कर लो। जाली का टुकड़ियोंदार "सुलभा" जम्पर तैयार हो गया।

स्त्रियों के लिये
गुलाब के फूलयुक्त बुनाई वाला सुहावना कोट

आवश्यक सामान

१ पौंड १० औंस के लगभग चार तार की कोई बढ़िया खाकी ऊन,
२ औंस चार तार की कोई बढ़िया फ़ाख़तई ऊन
८ नं० की २ सलाइयाँ
१२ नं० की दोनों ओर नोक वाली लोहे की ४ सलाइयाँ,
कुछ स्टिच बटन।



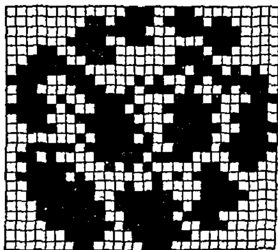
नाप

कंधे से निचले किनारे तक की लम्बाई ४० इंच,
निचले किनारे का चारों ओर का घेरा आगा नीचे दुहराये बिना ७२ इंच,
बाँहों की लम्बाई १६ इंच।

चि० सं० १०४

इस सुहावने कोट की पीठ, आगा और बाँहे, खाकी ऊन से गुलाब के फूल युक्त बुनाई मे और कॉलर तथा कफ फ़ाख़तई रंग की ऊन से गुल्बूबन्द की बुनाई में बुनी जाती हैं। शोभा बढ़ाने के लिए खाकी ऊन का कीलों पर बनाया गया फीता ऊपर टाँक दिया जाता है।

कोट बुनते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि गुलाब का फूल उलटी तरफ से सदा सीधी बुनाई में बुना जायगा और उसके आस-पास की जमीन उल्टी बुनाई में—अर्थात् कोट की सीधी तरफ गुलाब के फूलो की बुनाई उलटे फदों में दिखाई देगी और शेप जमीन की बुनाई सीधी होगी। फूल का नकशा साथ वाले चित्र में दिखाया गया है।



चि० स० १०५

कोट का पीछा—खाकी ऊन से १६८ फदे चढाकर पीछे के निचले किनारे से शुरू करो और ८ सलाइयाँ गुदबद की बुनाई में, पहली सलाई नए चढाए फदो के पिछली ओर बुनते हुए, बुनो।

नमूने की पहली सलाई—* ११ सी०, ३ उ०, ५ सी०, २ उ०, ७ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २री सलाई—* ६ उ०, ४ सी०, ३ उ०,६ सी०,९ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३री सलाई—* ५ सी०, ३ उ०, २ सी०, ६ उ०, १ सी०, ७ उ०, ४ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४थी सलाई—* ३ उ०, ७ सी०, २ उ०, ५ सी०, १ उ०, ४ सी०, ६ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ५वीं सलाई—* ४ सी०, ५ उ०, १ सी०, ७ उ०, १ सी०, ८ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ६ठी सलाई—* २ उ०, ७ सी०, २ उ०, ६ सी०, ३ उ०, ५ सी०, ३ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ७वीं सलाई—* ४ सी०, ४ उ०, ४ सी०, १ उ०, २ सी०, १ उ०, ३ सी०, ७ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ८वीं सलाई—* १ उ०, ५ सी०, १ उ०, १ सी०, ७ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, ४ सी०, ५ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ९वीं सलाई—* २ सी०, २ उ०, २ सी०, २ उ०, ५ सी०, १ उ०, १ सी० ,१ उ०, १ सी०, १ उ०, ३ सी०, ५उ०,२ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १०वीं सलाई—* १ उ०, २ सी०,१ उ०, १ सी०, ४ उ०, ५ सी०, १ उ०, ४ सी०, ४ उ०, ४ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ११वीं सलाई—* ६ उ०, १ सी०, ४ उ०, २ सी०, ७ उ०, १ सी०, ५ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १२वीं सलाई—* ७ उ०, १ सी०, १ उ०, ४ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, ५ सी०, २ उ०, ४ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १३वीं सलाई—* ४ उ०, २ सी०, ६ उ०, २ सी०, ६ उ०, ३ सी०, ३ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १४वीं सलाई—* १ उ०, ३ सी०, ३ उ०, ६ सी०, ४ उ०, ४ सी०, २ उ०, ४ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १५वीं सलाई—* १ सी०, ३ उ०, २ सी०, ६ उ०, २ सी०, १ उ०, १ सी०, ३ उ०, २ सी०,१ उ०, १ सी०, ५ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १६वीं सलाई—* १ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, २ उ०, ५ सी०, ४ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, ३उ०,३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १७वीं सलाई—* १ सी०, ३ उ०, १ सी०, १ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, ३ उ०, १ सी०, १ उ०,२सी०, ३ उ०, ४ सी०, २ उ०, १ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १८वीं सलाई—* ४ सी०, २ उ०, ३ सी०, ४ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, २ उ०, २ सी०, १ उ०, ६ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की १९वीं सलाई—* २ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, ३ उ०, १ सी०, २ उ०, ८ सी०, ७ उ०, १ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २०वीं सलाई—* २ उ०, ४ सी०, २ उ०, ३ सी०, ६ उ०, ४ सी०, ७ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २१वीं सलाई—* ५ सी०, २ उ०, १ सी०, ३ उ०, ६ सी०, ४ उ०, २ सी०, २ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २२वीं सलाई—* ६ उ०, ४ सी०, २ उ०, ३ सी०, ५ उ०, ४ सी०, ४ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २३वीं सलाई—* ४ सी०, ७ उ०, ३ सी०, ७ उ०, ७ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २४वीं सलाई—* ८ उ०, २ सी०, १ उ०, ४ सी०, १ उ०, ४ सी०, १ उ०, २ सी०, ५ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २५वीं सलाई—* ९ सी०, २ उ०, २ सी०, ३ उ०, १२ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। यहाँ फलों की १ लाइन समाप्त होगई। एक सलाई उल्टी बुनो। अब दूसरी लाइन शुरू होगी।

नमूने की २७वीं सलाई—* ५ सी०, २ उ०, १८ सी०, ३ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २८वीं सलाई—* ५सी०,१५उ०,४सी०,३उ०,१सी०,*चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की २९वीं सलाई—* २ उ०, १ सी०, ७ उ०, ९ सी०, ३ उ०, २ सी०, ४ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३०वीं सलाई—* ३ सी०, १ उ०, ४ सी०, ९ उ०, ७ सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३१वीं सलाई—* ३ उ०, १ सी०, ७ उ०, ७ सी०, ५ उ०, १ सी०, ४ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३२वीं सलाई—* ३ सी०, ३ उ०, ५ सी०, ५ उ०, ७ सी०, २ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३३वीं सलाई—* १ सी०, १ उ०, ३ सी०, ७ उ०, ६ सी०, ४ उ०, ४ सी० १ उ०, १ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३४वीं सलाई—* १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, ४ सी०, ६ उ०, ५ सी०, १ उ०, १ सी०, ६ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३५वीं सलाई—* १ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, ३ सी०, ५ उ०, ४ सी०, २ उ०, २ सी०,२ उ०, ५ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३६वीं सलाई—* १ सी०, ४ उ०, ४ सी०, ४ उ०, २ सी०, २ उ०, १ सी०, १ उ०, ४ सी०, ५ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३७वीं सलाई—❀ ६ उ०, १ सी०, ५ उ०, २ सी०, ६ उ०, १ सी०, ४ उ०, २ सी०, १ उ०, ❀ चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३८वीं सलाई—* १ सी०, १ उ०, ५ सी०, २ उ०, ४ सी०, ८ उ०, १ सी०, १ उ०, ४ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ३९वीं सलाई—* ६ उ०, ३ सी०, ३ उ०, २ सी०, ४ उ०, २ सी०, ६ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४०वीं सलाई—* ३ उ०, ४ सी०, २ उ०, ४ सी०, २ उ०, ३ सी०, ३ उ०, ६ सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४१वीं सलाई—* १ उ०, १ सी०, ३ उ०, २ सी०, १ उ०, १ सी०, ५ उ०, १ सी०, ३ उ०, २ सी०, ६ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४२वीं सलाई—* ३ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, ३ उ०, ३ सी०, १ उ०, ३सी, १उ०, १सी०, २उ०, ५सी०, १ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४३वीं सलाई—* १ सी०, १ उ०, २ सी०, ३ उ०, ४ सी०, २ उ०, २ सी०, ३उ०, १सी०, १उ०, ३सी०, १उ०, १सी०, ३उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४४वीं सलाई—* १ उ०, १ सी०, २ उ०, २ सी०, १ उ०, ६ सी०, १ उ०, ४ सी०, २ उ०, ३ सी०, ४ उ०, १सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४५वीं सलाई—* ६ सी०, ७ उ०, ३ सी०, १ उ०, १ सी०, १ उ०, १ सी०, ३ उ०, १ सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४६वीं सलाई—* ३ उ०, ४ सी०, ९ उ०, ४ सी०, २ उ०, ३ सी०, ३ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४७वीं सलाई—* ३ सी०, ४ उ०, २ सी०, २ उ०, ८ सी०, २ उ०, १ सी०, ३ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४८वीं सलाई—* १ सी०, ५ उ०, ४ सी०, १० उ०, ४ सी०, २ उ०, २ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ४९वीं सलाई—* ७ उ०, ११ सी०, ७ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ५०वीं सलाई—* १ सी०, १ उ०, ४ सी०, १ उ०, २ सी०, १३ उ०, २ सी०, १ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

नमूने की ५१वीं सलाई—* २ उ०, २१ सी०, २ उ०, ३ सी०, * चिह्न से अंत तक दोहराओ। यहाँ फूलों की २ लाइनें समाप्त होगई।

नमूने की ५२वीं सलाई—सारी उल्टी।

नमूने की ५३वीं सलाई—२ इ०सी०, बीच के सब फंदे नमूनेदार (फूलों की पहली लाइन की तरह) बुनो, अंत में २ इ०सी।

यहाँ इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि फंदे घटाने से फूलों में गड़बड़ न होने पावे। फूल ठीक एक दूसरे के ऊपर जैसे शुरू से आरहे हैं वैसे ही आते जायँ और इसके लिए सलाई के शुरू और अन्त में ही सीधे या उलटे फंदों में फर्क डाल लेना चाहिये, बीच में नहीं। जैसे—नमूने के अनुसार ५३वीं सलाई के शुरू में ११ सी० बुनने चाहिये थे पर यहाँ १ फंदा घटाना है इस लिए २ इ०सी०, ९ सी० इस प्रकार बुनने चाहिये और सलाई के अन्त में नमूने के अनुसार ७ सी० होने चाहिये पर फंदा घटाना है इसलिए ५ सी०, २ इ०सी० बुने जायँगे और ५४वीं सलाई (जो कि नमूने की २री सलाई की तरह होगी) के शुरू में ६ के बजाय ५ उलटे तथा अंत में ९ के बजाय ८ उलटे बुने जायँगे। इसी प्रकार आगे चलकर जहाँ कहीं भी फंदे घटाने हों वहाँ सलाई के शुरू तथा अंत में घटाये जाने वाले फंदे के पास ही उलटे सीधे फंदों में कमी कर लेनी चाहिये, सलाई के बीच में फूलों में गड़बड़ नहीं करनी चाहिये। यदि इस बात का ध्यान रक्खा जायगा तो फंदे घटाना बहुत आसान हो जायगा।

अगली ५ सलाइयाँ—नमूनेदार बुनो। (फूलों की यह तीसरी लाइन पहली की तरह बुनी जायगी अंत बुनाई उसी प्रकार होगी, केवल सलाई के शुरू तथा अंत में फंदे घटाने के कारण जो फर्क पड़ेगा उसे ठीक करती जाना) अब इन अंतिम ६ सलाइयों को २१ बार और दोहराओ (अर्थात् प्रत्येक छटी सलाई पर दोनों ओर फंदे घटाते हुए फूलों की लाइनें बनाती जाओ) (१२४ फंदे रह जायँगे)

अगली २४ सलाइयाँ—बिना घटाये नमूनेदार बुनो।

२०९वीं सलाई—(बाँह की काट की जगह पर पहुँच गई अत यहाँ से काट शुरू होगी) २ इ०सी०, बीच के सब नमूनेदार, अंतिम २ इ०सी०। इस अंतिम सलाई को ११ बार और दोहराओ (१०० फंदे रहे)।

२२१वीं सलाई—२ इ०सी०, बीच के सब नमूनेदार, अंतिम २ इ०सी०।

२२२वीं सलाई—नमूनेदार।

इन अंतिम २ सलाइयों को १९ बार और दोहराओ (६० फंदे रहे)

अगली ४४ सलाइयाँ—नमूनेदार बुनो।

३०९वीं सलाई—४ फंदे बुट कर उतार दो, शेष सारे नमूनेदार बुनो। इस अंतिम सलाई को ७ बार और दोहराओ। केवल २८ फंदे रहे, अब इन्हें भी बुट कर उतार दो।

दाहिना आगा—११२ फंदे चढ़ाकर निचले किनारे से शुरू करो। ८ सलाइयाँ गुद्धन्द की बुनाई में, पहली सलाई फंदों के पिछली ओर बुनते हुए बुनो।

नमूने की पहली ९२ सलाइयाँ—पीछे की पहली ९२ सलाइयों की तरह।

* * अगली १० सलाइयाँ—बिना घटाये नमूनेदार बुनो।

६३वीं सलाई—अंतिम २ फंदों के सिवाय सब नमूनेदार अंतिम २ इ०सी०।

अगली ९ सलाइयाँ—बिना घटाये नमूनेदार। इन अंतिम १० सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

१०३वीं सलाई—६३वीं सलाई की तरह।

१०४वीं सलाई—नमूनेदार * *। अब * * चिह्न से * * चिह्न तक की सब सलाइयाँ २ बार और दोहराओ (९७ फंदे रहे)

२०९वीं सलाई—अंतिम २ फंदों के सिवाय सब नमूनेदार, अंतिम २ इ०सी०।

२१०वीं सलाई—नमूनेदार। अंतिम २ सलाइयाँ १६ बार और बुनो (८० फंदे)

अगली ५० सलाइयाँ—बिना घटाये नमूनेदार।

२९३वीं सलाई—गले के लिए शुरू के ४८ फंदे बुट कर उतार दो, शेष नमूनेदार बनो।

२९४वीं सलाई—नमूनेदार।

२९५वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी नमूनेदार।

२०६वीं सलाई—सारी नमूनेदार। अंतिम २ सलाइयों को ४ बार और दोहराओ।

३०५वीं सलाई—२९५वीं सलाई की तरह। (२६ फंदे रहे)

३०६वीं सलाई—पहले ६ बुट कर उतार दो, शेष सब नमूनेदार बुनो।

३०७वीं सलाई—सारी नमूनेदार। अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। केवल ८ फंदे रहे। इन्हें बुट कर उतार दो।

बायाँ आगा—११२ फंदे चढ़ाकर नमूने की ९२ सलाइयों तक दाहिने आगे की तरह बुनो।

* * अगली १० सलाइयाँ—नमूनेदार बुनो।

६३वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी नमूनेदार।

अगली ९ सलाइयाँ—बिना घटाये नमूनेदार बुनो। अन्तिम १० सलाइयों को ३ बार और दोहराओ।

१०३वीं सलाई—९३वीं सलाई की तरह।

१०४वीं सलाई—नमूनेदार बुनो * *। अब * * चिह्न से * * चिह्न तक की सब सलाइयाँ २ बार और दोहराओ। (९७ फंदे रहे)

२०९वीं सलाई—२ इ०सी०, शेष सारी नमूनेदार।

२१०वीं सलाई—नमूनेदार। इन अन्तिम २ सलाइयों को १६ बार और दोहराओ (८० फंदे)

अगली ९० सलाइयाँ—नमूनेदार बुनो।

२९३वीं सलाई—नमूनेदार बुनो।

२९४वीं सलाई—गले के लिए ४८ फंदे बुट कर उतार दो, शेष सारी नमूनेदार।

२९५वीं सलाई—अंतिम २ के सिवाय सारी नमूनेदार, अंतिम २ इ०सी०।

२९६वीं सलाई—नमूनेदार। अन्तिम २ सलाइयों को ५ बार और दोहराओ।

३०७वीं सलाई—६ फंदे बुट कर उतार दो, शेष सारी नमूनेदार बुनो।

३०८वीं सलाई—नमूनेदार बुनो।

इन अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ। ८ फंदे रहे, इन्हें बुट कर उतार दो।

बाँहें—(दोनों एक सी बनाई जायँगी) ८४ फंदे चढ़ाकर निचले किनारे से शुरू करो और पहली सलाई फंदों के पिछली ओर बुनो जिससे किनारा मजबूत बने।

अगली सलाई—उल्टी। अब पहली ५२ सलाइयाँ आगे की तरह बुनो। अब फिर पहली से लेकर नमूने की २६वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ दोहराओ। (७८ सलाइयाँ होगईं)

७९वीं सलाई—पहले फंदे में २ फंदे सीधे (फंदे को बाँईं सलाई से उतारने से पहले उसमें पीछे आगे दो जगह बुन कर एक फंदे के दो फंदे बनाओ), बीच के सब नमूनेदार, अन्तिम फंदे में २ सीधे।

८०वीं सलाई—सारी नमूनेदार। अंतिम २ सलाइयों को १९ बार और दोहराओ। (१२४ फंदे)

११९वीं सलाई—२ इ०सी०, बीच के सब नमूनेदार, अंतिम २ इ०सी०। अन्तिम सलाई को ३७ बार और दोहराओ (४८ फंदे रहे)। अब इन ४८ फंदों को ढीला-ढीला बुट कर उतार दो।

कॉलर—फाख्तई रंग की ऊन से १३० फंदे चढ़ाओ और ९ इंच तक गुड्डनद की बुनाई बुनो अब बुट कर उतार दो।

कफ—७८ फंदे फाख़तई रंग की ऊन से चढ़ा कर ६ इंच तक गुड़बद की बुनाई बुनो तब बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी कफ तैयार करो।

पेटी—खाकी ऊन से छोटे की दोनों ओर नोक वाली ३ सलाइयों पर ३० फंदे (प्रत्येक पर १०, १०) चढ़ाओ और चौथी से सीधे घेरे बुनो। जब यह २० इंच लम्बी होजाय तब बुट कर उतार लो और इसी प्रकार एक दूसरा टुकड़ा तैयार करो। तब दोनों को इकट्ठा जोड़ लो जिससे एक लम्बी पेटी बन जाय। अब पेटी के दोनों किनारे (सिरे) सी लो।

कॉलर तथा कफों के लिए फीता—एक तागे की खाली रील ले लो और उसकी एक तरफ ६ छोटे छोटे कील (जिनके सिर भी छोटे हों) बराबर बराबर दूरी पर गाड़ लो। अब एक कील पर ऊन का एक फंदा (चित्र सं० १ की तरह सरकने वाली गाँठ) बनाकर डाल दो और ऊन का छोटा सिरा रील के छेद में डाल दो जो नीचे लटकता रहे। रील को बाँये हाथ में पकड़ लो और ऊन का गोला दाहिने हाथ की तरफ रहे। अब दाहिने हाथ से तागे का, शेष पाँचों कीलों के चारों ओर तथा छटे कील के फंदे के ऊपर से होता हुआ, एक चक्कर सा दे दो। तब एक मोटी सुई की नोक से पहले कील वाले फंदे को उठाकर ऊपर वाले तागे तथा कील के ऊपर से उतार दो। इसी प्रकार सब कीलों पर से बारी बारी से निचले तागे को सुई से उचका कर उतारती जाओ। जब तागा सब कीलों पर से उतर जाय तब फिर तागे का एक चक्कर दे दो और निचले तागे को प्रत्येक कील पर से सुई की नोक से उचका-उचका कर उतारती जाओ। इसी प्रकार बार बार बुनने से फीता तैयार हो जायगा। साथ ही रील के छेद में जो तागे का सिरा डाला था उसे नीचे को खींचती जाओ। फीता बनता जायगा और रील के छेद में से नीचे को लटकता जायगा। जितने लम्बे फीते की जरूरत हो बना लो।

सीकर तैयार करना—कोट के सब टुकड़ों पर गीला कपड़ा बिछाकर इस्तिरी कर लो। तब कंधों को आपस में जोड़ लो और बगलों की सीवन सी लो। अब बाँहों की सीवन सी लो और बगलों की सीवन के ऊपर बाँहों की सीवन रख कर बाँहों को बाँहों की जगह पर टाँक लो। दाहिने तथा बाँयें आगे को ४½ इंच (दोनों ओर छाती पर सामने के हिस्से के लिए) नीचे दोहराकर उलेदी कर लो। निचले किनारे (घेरे) की गुड़बद की बुनाई वाली ८ सलाइयाँ नीचे दोहराकर उल्टी तरफ को उलेदी कर लो।

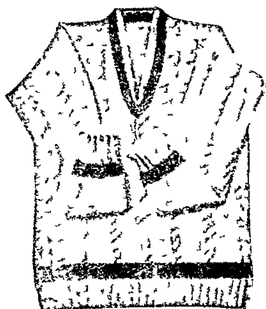
कॉलर तथा कफों को ठीक बीच से मोड़कर दुहरा कर लो जिससे दो तह होजायँ। तब उनके किनारे सी लो। यदि चाहो तो फाख़तई रंग का कपड़ा ले लो और उसके कफों और कॉलर

के बराबर टुकड़े काट कर उनमें (कफों तथा कॉलर में) अस्तर लगा लो। अब उनके ऊपर चित्र की तरह फीते के गोल गोल घेरेदार फूल बनाते हुए फीता टॉक लो। कफों तथा कॉलर को कोट के साथ जोड दो। पेटी को कोट के साथ टॉक लो और दाहिने आगे के नीचे तथा बॉयें आगे के ऊपर ६ या ८ स्टिच बटन अदाज से, जिससे कोट ठीक बैठ जाय, टॉक लो। चाहो तो पेटी पर भी ठीक नाप कर स्टिच बटन टॉक लो। सुहावना कोट तैयार होगया।

पुरुषों के भाँति-भाँति के कपड़े

मछली की बुनाई का पूरी बाँहों वाला पुल ओवर

आवश्यक सामान
मुख्य हिस्से के लिये
1 पौंड 3 औंस सफेद ऊन
तथा
किनारे पर धारियाँ डालने
के लिए
1 औंस लाल या नीली
या
जो रंग पसंद हो
उसकी ऊन
7 नं० की 2 सलाइयाँ।



नाप
कंधे से निचले
किनारे तक की लम्बाई
26 इंच,
बाँहों की लम्बाई
23 इंच
निचले घेरे की
चारों ओर की
चौड़ाई
40 इंच

चि० सं० 106

यह पुलओवर कोट पूरी बाँहोंवाला होने से सर्दी में खेलने या बाहर घूमने वालों के लिए बहुत लाभदायक है।

पीठ—सफेद ऊन से 112 फंदे डाल कर पीठ के निचले किनारे से शुरू करो और पहली 16 सलाइयाँ 2 सी०, 2 उ०, फंदोंवाली फलियों की बुनो। तब रंगीन ऊन जोड़ लो—और 8 सलाइयाँ गुड्डन्द की बुनाई की बुनो।

नमूने की 1ली सलाई—3 सी०, ❀ 1 उ०, 8 सी०, 1 उ०, 6 सी०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ।

2री सलाई—3 उ०, ❀ 1 सी०, 8 उ०, 1 सी०, 6 उ०, ❀ चिह्न से अंत तक दोहराओ।

3री सलाई—पहली सलाई की तरह।

4थी सलाई—दूसरी सलाई की तरह।

५वीं सलाई—३ सी०, * १ उ०, अगले ४ फदे किसी खाली सलाई पर या पिन पर बिना बुने उतार लो और सलाई को चीज के पीछे की ओर कर दो। अब अगले ४ फन्दे सीधे बुन लो। तब वे फदे जो खाली सलाई पर पीछे की ओर कर दिये थे सीधे बुनलो। इन आठ फदों से मछली का फदा बनता है इसी से इसे मछली की बुनाई कहते हैं। अब १उ०,६सी०, * चिह्न से सलाई के अत तक दोहराओ,अत में १ उ०,३सी० हों।

६ठी सलाई—३ उ०, * १ सी०, ८ उ०, १ सी०, ६ उ०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

७वीं सलाई—३ सी०, * १ उ०, ८ सी०, १ उ०, ६ सी०, * चिह्न से अत तक दोहराओ।

८वीं सलाई—६ठी सलाई की तरह।

९वीं सलाई—७वीं सलाई की तरह।

१०वीं सलाई—६ठी सलाई की तरह।

इन अतिम ६ सलाइयों से नमूना बनता है अत ५वीं सलाई से लेकर १०वीं तक की ६ सलाइयो को १५ बार दोहराकर १५ नमूने बनाओ। तब बाँह की जगह की काट निम्न प्रकार से शुरू करो।

अगली ४ सलाइयों के शुरू में ४ फदे बुट कर उतार दो। तब ८ बार हर दूसरी सलाई के शुरू तथा अत में एक एक फदा घटाओ। इस बात का ध्यान रहे कि केवल किनारो के फदे घटें, बीच की नमूने की लाइनें सदा ठीक आती रहें। अब शेष फदो पर बिना घटाये बुनती जाओ जब तक कि शुरू से लेकर २१ नमूने न बन जायँ।

अब जब २१वें नमूने की १०वीं सलाई समाप्त हो जाय तो बुट कर उतार लो। पीछा समाप्त होगया।

आगा—पीछे की तरह से १३वें नमूने तक बुनो, तब तिकोन गला बनाने के लिये निम्न प्रकार से फदे बाँटो।

आगे के बाँयें भाग के लिये पहले ५६ फदों पर,अन्दर की ओर (अर्थात् गले की ओर) वाले किनारे पर हर चौथी सलाई पर एक फदा घटाते हुए दो नमूने और बनाओ। अब इस ओर की बाँह का छेद आगया अत पीछे की तरह यहाँ भी बाँह का छेद बनाने के लिए बाईं बगल वाले किनारे पर फदे घटाओ। इधर गले के किनारे पर भी लगातार हर चौथी सलाई पर फदे घटाती जाओ जब तक कि कधे के लिए सलाई पर केवल ३३ फदे न रह जायँ और शुरू से कुल २१ नमूने न बन जायँ। अब बुट कर उतार लो और बड़ी सफाई से पीछे के कधे के साथ जोड़ लो। इसी प्रकार

आगे के दाहिने भाग का गला, और बाँह का छेद दोनों किनारो पर ठीक ढग से फदे घटाते हुए बना लो तथा बुट कर उतार लो और पीछे के कधे के साथ जोड लो।

गला—अब ३ सलाइयों पर गले के चारो ओर से १२६ फदे (२ सलाइयों पर दोनो ओर के आगे के और एक पर पीछे के) उठाकर रगीन ऊन से आगे के ठीक बीच से (केन्द्र से) बुनना शुरू करके निम्न प्रकार से गोल गोल घेरे बुनो।

पहले ५ घेरे केन्द्र पर के पहले और अतिम फदे को इकट्ठा बुनते हुए सारे सीधे बुनो तब सफेद ऊन से १ घेरा सीधा बुनो। अब सफेद ऊन से ही २ घेरे २ सी०, २ उ०, फदों वाली फलियों के बुनो। पर सब घेरों में पहले और अतिम फदे को इकट्ठा बनना जिससे सुन्दरसा तिकोन गला बन सके। तब बुट कर उतार लो।

बाँहें—सफेद ऊन से ८० फदे सलाई पर चढाकर कधे की तरफ अर्थात् चोटी से शुरू करो और निम्न प्रकार से बुनो।

१ली सलाई—३ सी०, * १ उ०, ८ सी०, १ उ०, ६ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

२री सलाई—३ उ०, * १ सी०, ८ उ०, १ सी०, ६ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

३री सलाई—३ सी०, * १ उ०, ८ सी०, १ उ०, ६ सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

४थी सलाई—३ उ०, * १ सी०, ८ उ०, १ सी०, ६ उ०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ।

अब हर आठवीं सलाई पर सलाई के दोनो ओर एक एक फदा घटाती हुई पीछे के नमूने की भाँति बुनो जब तक कि फदे घट कर ५४ न रह जायँ। अब बिना घटाये नमूना बुनती जाओ जब तक कि शुरू से लेकर १८ नमूने न हो जायँ। तब ३ सलाइयाँ नमूने की और बुनो।

अगली सलाई—चीज की सीधी तरफ को अपनी ओर करके * २ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से सलाई के अन्त तक दोहराओ पर अन्तिम ६ फदों को सीधा बुनो। ४२ फदे रह जायँगे।

अगली सलाई—सारी उलटी।

अब रगीन ऊन जोड़ लो और ८ सलाइयाँ गुद्धबद की बुनाई मे बुनो।

अगली सलाई—सफेद ऊन जोड़ लो और सारी सलाई सीधी बुनो। अब १५ सलाइयो तक २ सी०, २ उ०, फदोवाली फलियाँ बुनो। तब बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह तैयार करो।

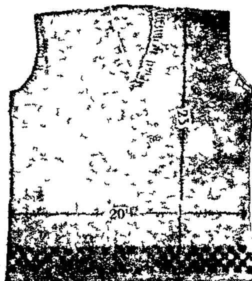
सीकर तैयार करना—बाँहों के छेद के साथ बाँहें सी लो और सीवन पर दबाकर इस्तिरी कर लो।

तब बॉह के नीचे की और बगलो की सीवन सी लो पर यह ध्यान रक्खो कि धारियों से धारियाँ मिलती जायँ। अब ऊपर गीला कपड़ा डाल कर इस्तिरी कर लो।

बिना बॉह का पुलओवर—यदि इसी पुलओवर को बिना बॉह का बनाना चाहो तो बाँह की जगह के चारो ओर से सफेद ऊन के साथ ८२ फदे उठालो और ४ सलाइयॉ २ सी०, २ उ०, फंदो वाली पल्लियो की बुनो। तब बुद कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरी बाँह का किनारा बना लो। बिना बाँह का पुलओवर तैयार होगया।

बिना बॉहो का सादा पुलओवर

आवश्यक सामान
८ औंस हल्के भूरे रग की बढ़िया ऊन
½ औंस इसी तरह की गहरे भूरे रग की या और जो कोइ रग पसन्द हो और पहले से मिलता हो उसकी ऊन
८ न की १ जोड़ा सलाइयॉ तथा १ बड़ा सेफ्टीपिन



नाप
कधे से निचले किनारे तक की लम्बाइ
२३ इच,
निचले किनारे की चौड़ाई
२०½ इच,
चारो ओर का घेरा
४१ इच

चि० स० १०७

यह पुलओवर निचले, गले के और बॉहों के किनारे के सिवाय सारा गुलूबद की बुनाई में बुना जाता है, किनारे सब सीधी बुनाई मे बुने जाते हैं। निचले किनारे पर गहरे रग के ½ इच लबे। ½ इच चौडे खाने बनते हैं जो बहुत ही सुंदर मालूम होते हैं। इसमे पीछे के निचले किनारे से बुनना शुरू किया जाता है और कधों पर बुनते हुए आगे के निचले किनारे पर आकर समाप्त किया जाता है—अर्थात् सारा पुलओवर एक ही टुकडे में बनता है। केवल बगलों की और गले की पिछली ओर की पट्टी की मिलाई करनी पडती है।

हल्के भूरे रग की ऊन से एक सलाई पर ६ फंदे चढाकर हर सलाई का पहला फदा उलटी ओर से सरकाते हुए २८ सलाइयॉ सीधी बुनाई की बुनो और इसके फदे एक सेफ्टीपिन

पर लेकर इसे गर्दन पर पिछली ओर लगाने के लिए अलग रख दो। अब पीठ के लिए १२० फदे इसी रग से चढाकर पहला फदा सरकाए बिना निम्न प्रकार से बुनना शुरू करो।

पहली ६ सलाइयाँ—सारी सीधी बुनो।

७वीं सलाई—सीधी—अब ३ फदे हलके और ३ फदे गहरे रग के बार-बार क्रम से सलाई के अत तक बुनो।

८वीं सलाई—उल्टी—३ फदे गहरे और ३ हल्के रग के बार बार क्रम से सारी सलाई तक बुनो।

७वीं और ८ वीं सलाई को एक बार और दोहराओ।

११वी सलाई—सीधी—३ गहरे और ३ हलके रग के क्रम से सारी सलाई तक बुनो।

१२वीं सलाई—उल्टी—३ हलके और ३ गहरे क्रम से सारी सलाई तक बुनो।

अब ११वीं और १२वीं सलाई एक बार और दोहराओ। तब ७वीं से लेकर १४वीं सलाई तक की सब सलाइयाँ एक बार फिर दोहराओ। इससे चैकदार रगीन किनारा समाप्त होगया। अत गहरे रग की ऊन पक्की कर के तोड़ लो। अब हल्के रग से गुलूबद की बुनाई में ९२ सलाइयाँ या जितनी लबाई रखना चाहो उस हिसाब से सलाइयाँ बुनलो जिससे बगल तक पहुँच सको।

बाँह की जगह की १ली सलाई—सारी सीधी बुनो। इस सलाई से बाँह का किनारा जो कि सीधी बुनाई में बुना जाता है, शुरू होगा।

२री सलाई—२ सी०, ११६ उ०, २ सी०।

३री सलाई—सारी सीधी।

४थी सलाई—४ सी०, ११२ उ०, ४ सी०।

५वी सलाई—(यहाँ से हर सलाई का पहला फदा सरकाना शुरू करो अर्थात् बिना बुने सलाई पर सरका लिया करो। जिससे जजीरदार सुन्दर किनारा बन सके) ४ सी०, २ इ० सी०, अतिम ६ फदो के सिवाय बीच के सब सीधे, २ इ० सी०, ४ सी०।

६ठी सलाई—४ सी०, २ इ० उ०, अतिम ६ फदों के सिवाय शेष सब फदे उल्टे। २ इ० उ०, ४ सी०।

जब तक दोनो ओर (अर्थात् दोनो किनारों पर) १२,१२ फदे न घट जाँए तब तक यह अतिम २ सलाइयाँ बार बार दोहराओ। ९६ फदे रह जायँगे। तब बिना घटाये ३२ सलाइयाँ

और बुनो। यह ३२वीं सलाई उलटी तरफ से किनारे के फंदों के सिवाय शेष सारी उल्टी बुनाई की होगी। अब कंधे की लाइन पर आगई।

अगली सलाई—४ सी०, २९ उ०, ❋ २ इ०उ०, १ उ०, ❋ चिह्न से १२ बार दोहराओ, तब २ इ० उ०, २९ उ०, ४ सी०। (यहाँ ८३ फंदे रह जायेंगे) यहाँ से आगे के लिए इस प्रकार फंदे बाँटो—२९ सी०, बुन कर किसी खाली सलाई पर या सेफ्टीपिन पर चढ़ाकर दाहिने कंधे के लिए रख दो। बीच के २५ फंदे पिछली ओर के गले के लिए बुन कर उतार दो और शेष २९ बायें कंधे के लिए सीधे बुनो।

बायाँ कंधा—१ली सलाई—४ सी०, २९ उ०, गले की पट्टी के लिए जो ६ फंदे सेफ्टीपिन पर रखे थे उन्हें यहाँ सीधा बुन लो (पट्टी को अभी पिछली ओर बिना सिये लटकते रहने दो)।

२री सलाई—५ सी०, अब तिकोन गला बनाने के लिए अगले फंदे में पीछे और आगे बुन कर एक फंदा बढ़ाओ, शेष सारी अन्त तक सीधी।

३री सलाई— ४ सी०, अंतिम ६ के सिवाय शेष सब उलटे, अंतिम ६ सीधे।

४थी सलाई—सारी सीधी। अब गले के किनारे की तरफ हर चौथी सलाई पर ६ठे फंदे में आगे पीछे बुन कर फंदा बढाते हुए इसी नमूने में बुनो जब तक कि ३७ सलाइयाँ पूरी न हो जायँ।

अब बगल की तरफ भी बाँह की जगह की काट के लिए हर सीधी सलाई पर अर्थात् हर सम संख्या की सलाई पर कंधे के किनारे के अंदर वाले अर्थात् ५वें फंदे में आगे पीछे बुन कर एक फंदा बढ़ाओ जब तक कि १२ फंदे न बढ जायँ। इधर गले के किनारे पर भी फंदे बढ़ाना जारी रखो जब तक कि इस किनारे पर कुल १४ फंदे न बढ़ जायँ। अब बाँह के किनारे पर बगल के लिए २ फंदे नए चढ़ा लो। कुल ६३ फंदे हो गये।

अगली सलाई—५ सी०, ५२ उ०, ६ सी०। अब इस आगे को पड़ा रहने दो और दाहिने आगे के लिए छोड़े गए फंदों को बुनना शुरू करो।

दाहिना आगा—गले के किनारे से शुरू करो और २५ फंदे उलटे तथा ४ सीधे बुनो।

२री सलाई—२८ सी०, अगले फंदे में आगे पीछे बुनकर एक फंदा बढ़ाओ, अब गले की पट्टी जो लटक रही है उस के दूसरे किनारे अर्थात् आरम्भिक छोर पर से ६ फंदे उठालो

और यहाँ सीधे बुनो पर इस बात का ध्यान रखो कि पट्टी सीधी रहे, उस में बल न पड़े। अब इसे बायें आगे की भाँति बुन लो पर बुनते समय यह ध्यान रखो कि यह उससे ठीक उलटा है अत कधे की ओर कधे की भाँति फदे बढ़ाओ और गले पर गले की भाँति।

अगली सलाई—यह सलाई दाहिने और बायें आगे को मिला कर एक करती है अर्थात् इस सलाई से सारा आगा इकट्ठा बुना जाता है और जजीरदार किनारा भी यहाँ समाप्त होजाता है। इसलिए अब बगलो की ओर पहला फदा सरकाने की जरूरत नही। अब दाहिने आगे के ५७ फदे सीधे बुनलो। फिर बाये आगे के फदो वाली सलाई को लेकर इस प्रकार रखो कि दाहिने गले के किनारे के सीधी बुनाई के जो ६ फदे हैं उनके ऊपर ही बायें गले के किनारे के सीधी बुनाई के ६ फदे आजायें। इस प्रकार दोनों सलाइयो को ऊपर नीचे रखने के बाद दोनो सलाइयों के एक एक फदे मे से सलाई एक दम निकाल कर इकट्ठा सीधा बुनो जिससे चित्र स० १०७ की तरह गले के केन्द्र पर की दाहिनी पट्टी के ऊपर बाँई पट्टी आजाय। अब बाँयें कँधे के शेष ५७ फदे भी सीधे बुनो। पीछे की भाँति कुल १२० फदे होगए।

अगली सलाई—४ सी०, अतिम ४ के सिवाय सब उल्टे, ४ सी०,।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—३ सी०, अतिम ३ के सिवाय सब उलटे, ३ सी०।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अगली सलाई—२ सी०, अतिम २ के सिवाय सब उल्टे, २ सी०।

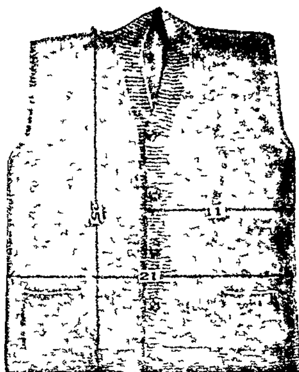
अगली सलाई—१ सी०, बीच के सब उलटे, अतिम १ सी०। यहाँ कधा समाप्त होगया अत पीछे की भाँति उतना ही लबा आगा बुनकर और वैसा ही चैकदार किनारा बुनकर बुट लो।

सीकर तैयार करना—ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर गमर इस्तिरी से अदर की ओर दबा कर इस्तिरी करलो। बगल की सीवन सी लो और उल्टा करके पिछली ओर के गले की पट्टी टाँक लो। तब सीवनों पर इस्तिरी करलो।

———

बिना बाँहों की सुंदर जरसी

आवश्यक सामान
१० औंस ५ तार की
बढ़िया ऊन,
रंग—
जो पसंद हो,
५ बटन,
बटनों की पट्टी
के लिये
मज़बूत देशी कपड़ा
और ८ नं० की
२ सलाइयाँ



नाप
लम्बाई २५ इंच
चौड़ाई २१ इंच
बुनाई का फैलाव—
६½ फंदों
से १ इंच चौड़ा
टुकड़ा बनेगा

चि० सं० १०८

यह प्रति दिन पहनने के लिए बड़ी लाभदायक है। १३० फंदे चढ़ाकर पीछे के निचले किनारे से शुरू करो और पहली सलाई में प्रत्येक फंदे में पिछली ओर सीधा बुनो (इससे निचला किनारा बहुत मजबूत हो जाता है) १९ सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो।

अगली सलाई—३ सी०, बीच के सब उलटे, अंतिम ३ फिर सीधे।

अगली सलाई—सारी सीधी।

अब इन दो सलाइयों को तब तक दोहराओ जब तक निचले किनारे के ऊपर ११० सलाइयाँ और न हो जायँ या बगल तक के लिए जितनी लम्बाई की जरूरत हो उतनी न हो जाय।

बाँह की जगह की काट—अगली १० सलाइयों के दोनों किनारों पर किनारे के ४थे और ५वें फंदे को इकट्ठा बुन कर (अर्थात् सीधी बुनाई के किनारे के ठीक ऊपर) बाँह के छेद की काट के लिए फंदे घटाओ। अब शेष बचे हुए फंदों पर ४८ सलाइयाँ और बुनो।

कंधे की काट—अगली ८ सलाइयों पर हर सलाई के शुरू में १० फंदे बुट कर कंधे की काट के लिए उतार दो। अब बीच में ३० फंदे पिछली ओर के गले के लिए रह गए, इन्हें भी बुट कर उतार दो।

बायाँ आगा—७७ फंदे चढ़ाकर १० सलाइयाँ सीधी बुनाई की बुनो। अगली सलाई पर पहला बटन का छेद इस प्रकार बनाओ—अंतिम ८ फंदों के सिवाय शेष सब सीधे बुनो, अब ४ फंदे छेद के लिए घुट कर उतार दो तब शेष ४ सीधे बुनो।

अगली सलाई—४ सीधे, जो फंदे घुट कर उतारे थे उनकी जगह ४ फंदे नए चढ़ाओ, शेष सारे सीधे। अगली सलाई बुनते समय जो ४ फंदे नए चढ़ाये हैं उनके पिछली ओर बुनो जिससे छेद मजबूत बने। अब सीधी बुनाई बुनो जब तक कि पीठे की भाँति निचले किनारे की २० सलाइयाँ पूरी न हो जायँ।

अगली सलाई—सारी सीधी।

२२वा सलाई—आगे के छेदों वाली पट्टी के लिए १२ सीधे, अंतिम ३ के सिवाय शेष सब उल्टे, ३ सीधे।

ये दोनों ओर के सीधी बुनाई के किनारे दोनों आगों के अंत तक चलेंगे। अत दोनों किनारों के फंदे उल्टी सलाई पर भी सीधे बुनते हुए शेष सारा हिस्सा गुलबंद की बुनाई में बुना जायगा। सारी पट्टी में ५ छेद बटनों के लिए बनेंगे और प्रत्येक बटन के बीच में सीधी बुनाई की १५ धारियाँ अर्थात् ३० सलाइयाँ बुनी जायँगी। अत बटनों के छेद और किनारा बनाते हुए आगा बुनती जाओ पर निचला किनारा समाप्त होने के बाद २५ सलाइयाँ और बुनने पर अर्थात् शुरू से ४५ सलाइयों के बाद जेब का किनारा इस प्रकार शुरू करो। यह किनारा बगल की तरफ से शुरू होगा। १२ सी०, तब २७ फंदों तक १ उ०, १ सी० फंदों वाली धारियाँ उल्टे फंदे पर समाप्त करते हुए बुनो, शेष सारी सलाई सीधी। जेब के लिए इसी प्रकार की धारियों वाली ५ सलाइयाँ और बुनो।

अगली सलाई—१२ सी०, धारियों वाले २७ फंदे घुट कर उतार दो, शेष सारी सलाई सीधी। अब इस आगे को यहीं छोड़ दो और ऊन के दूसरे गोले से लेकर सलाई पर २७ फंदे चढ़ाकर ३० सलाइयाँ अन्दर की जेब तैयार करने के लिए गुलबंद की बुनाई की बुनो।

अब बायें आगे को उठा लो और घुटे हुए फंदों तक बुनो। फिर जो जेब अलग बुनी है उसे उठाकर उसकी सीधी तरफ को सामने रखते हुए इसी सलाई पर उसके २७ फंदे सीधे बुन लो और आगे की शेष सलाई को पूरा कर लो। इस आगे को पट्टी पर छेद बनाते हुए तब तक बुनती जाओ जब तक कि आगे पर उतनी धारियाँ न हो जायँ जितनी पीठ पर बगल वाले किनारे

की तरफ बाँह की जगह की काट तक हैं। अब ठीक पीठ की ही भाँति बाँह वाले किनारे पर बाँह की जगह की काट के लिए १० सलाइयों तक फंदे घटाओ। तब इस किनारे को पीठ की भाँति उतना ही लम्बा बुन लो जितना पीठ का कना है पर दूसरी ओर निम्न प्रकार से गले के फंदे घटाते हुए गला भी बनाती जाओ।

बगल की काट के बाद जो सब से पहली सीधी सलाई होगी उस पर आगे के किनारे के सीधी बुनाई के जो १२ फंदे हैं उनके ठीक अगले दो फंदों को अर्थात् १३वें और १४वें फंदे को हर तीसरी सलाई पर इकट्ठा बुन कर गले की ढाल के लिए फंदे घटाना शुरू करो और तब तक घटाती जाओ जब तक कि इस तरफ १९ फंदे न घट जायँ (१० फंदे बगल की तरफ घटेंगे और १९ फंदे गले की तरफ, अत २९ फंदे घट कर ५२ शेष रह जायँगे) इन शेष ५२ फंदो पर १० सलाइयाँ बिना घटाये बुनो।

कंधे की काट—कंधे के किनारे पर ४ सीधी सलाइयो में हर सलाई पर १० फंदे बुट कर उतार दो जिससे पीठ की भाँति कंधे की काट बन जाय। अब केवल सीधी बुनाई के १२ फंदे रह जायँगे इन पर २० सलाइयाँ और बुनो तब बुट कर इन्हें भी उतार दो।

दाहिना आगा—इसे बायें आगे की भाँति ही ५ छेद बनाते हुए बुनो पर इस बात का ध्यान रक्खो कि इसकी आगे की पट्टी और बगलो का किनारा सलाई पर उससे ठीक उलटे किनारों पर शुरू हो(अर्थात् बायें आगे में सलाई के जिस किनारे पर गले की पट्टी बुनी थी उस किनारे पर इसकी बगल का किनारा बुना जाय और जिस किनारे पर बायें आगे की बगल का किनारा बुना था उस तरफ इसकी गले की पट्टी बुनी जाय। जेब के ऊपर का किनारा बगल की ओर से १२ फंदों के बाद शुरू होगा न कि गले की ओर से।

सीकर तैयार करना—किसी साफ पट्टे पर इसकी सीधी तरफ ऊपर करके बिछा दो और गीला कपड़ा ऊपर फैला दो और गरम इस्तिरी से उलटी तरफ को धीरे धीरे दबाकर इस्तिरी करलो। आगे और पीछे के कंधों को इकट्ठा सी लो और गले की पट्टी के दोनों किनारे आपस में जोड़ कर उसके किनारे को पिछली ओर के गले के साथ टाँक लो। अब दोनों बगलों की सीवन सी लो। चीज को उल्टा करके जेबों को ठीक जगह पर रखकर उनके दोनों किनारे और निचला हिस्सा आगे के साथ उलटी तरफ सफाई से इस प्रकार सी लो कि सिलाई ऊपर सीधी तरफ दिखाई न दे।

अब कपड़े की एक १½ इंच चौड़ी और बायें आगे की छेदोंवाली पट्टी के बराबर लम्बी पट्टी (जो छेदों की पट्टी के नीचे बिलकुल ठीक बैठ जाय ऊपर नीचे कहीं दिखाई न दे) सी लो और इस पट्टी पर उतनी उतनी दूरी पर जितनी जितनी दूरी पर छेदों वाली पट्टी पर छेद बनते हैं बटन टाँक

लो। अब इस पट्टी को दाहिने आगे की पट्टी के ठीक नीचे रखकर ऊपर के दोनों सिरो से इसके दोनो सिरे टाँक दो और बटनों को छेदो में से ऊपर निकाल लो (देखो चित्र स० १०९)

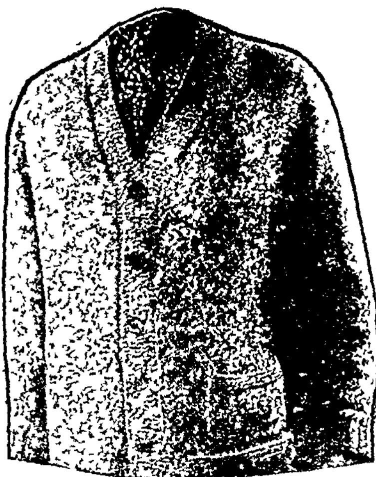


चि० स० १०९

सुगमता से बदली जाने वाली बटन-पट्टी—यह पट्टी जरसी पुलओवर सब के काम आ सकती है। किसी देसी मजबूत कपड़े की १½ इच चौड़ी पट्टी सीकर बराबर बराबर दूरी पर पाँच बटन टाँक दो और जिस पुलओवर या कोट में लगानी हो उसे बुनते समय दोनो ओर पाँच छेद बना लो तब इस पट्टी के दोनों किनारे कोट की पट्टी के ऊपर नीचे के दोनों किनारो के साथ अन्दर की तरफ सी दो और बटनो को उसमें से निकाल लो। इससे मुख्य लाभ यह है कि एक तो कपड़े धोते समय इसे उतार लेते हैं, अत बटन टूटने का भय नहीं रहता दूसरा कोट में बटन सीने से फंदे टूटने का और सीते समय खिंच जाने से कोट फटने का भय नहीं रहता। इस पट्टी पर मजबूती से सिले हुए बटन ढीले भी नहीं होते।

बाँहों वाला तीन रंग का अत्यन्त सुन्दर कोट

आवश्यक सामान
लगभग १½ पौंड
तिरंगी ५ तार की
मोटी ऊन,
८ नं० की
१ जोड़ा सलाइयाँ,
ऊन से मिलते हुए
गहरे रंग के,
हड्डी के ५ गोल बटन।



चि० नं० १०९

नाप
इस्तिरी करने के
बाद और सीने
से पहले
प्रत्येक आगे की
चौड़ाई १२½ इंच,
पीठ की चौड़ाई
बगलों पर से
२० इंच,
कंधे से निचले
किनारे तक
की लम्बाई
२५ इंच,
कंधे से कफ तक
बाँह की लम्बाई
२२ इंच,
कंधों पर से
बाँह की चारों
ओर की चौड़ाई
१८½ इंच।

यह कोट काले सफेद और भूरे रंग की मिली हुई अर्थात् मिश्रित ५ तार की मोटी सुन्दर एक सी कती हुई ऊन से बनता है। यदि ऊपर दिये गए नाप से अधिक या कम लम्बे चौड़े कोट की जरूरत हो तो आवश्यकतानुसार फंदे घटाये या बढ़ाये जा सकते हैं। यदि ऊन इससे पतली या मोटी होगी तो भी नाप में फरक आजायगा अतः इतनी मोटी ऊन होनी चाहिये कि उसके ६॥ फंदों को बुनने से १ इंच चौड़ा टुकड़ा बने।

पीठ—एक सलाई पर १३० फंदे चढ़ाकर पीठ के निचले किनारे से आरम्भ करो और किनारा मजबूत बनाने के लिये पहली सलाई फंदों के पिछली ओर बुनते हुए १६ सलाइयाँ सीधी बुनो।

१७वीं सलाई—सभी सीधी।

१८वीं सलाई—३ फंदे सीधे, अन्तिम ३ के सिवाय सारे उल्टे, ३ सीधे।

अब ११० सलाइयों तक या बगल तक जितनी लम्बाई की जरूरत हो उतनी लम्बाई तक इन दो सलाइयों को बार बार दोहराओ।

बाँह के छेद की काट—अगली दो सलाइयों के आरम्भ में ४,४ फंदे बुट कर उतार दो। तब अगली ८ सलाइयों तक सलाई के दोनों ओर एक एक फंदा घटाओ। फिर ५ सलाइयों तक हर सीधी सलाई के दोनों ओर एक एक फंदा घटाओ (२६ फंदे घटेंगे और ८ पहले घटाये थे अतः कुल ३४ फंदे घटे) अब ९६ फंदे रह जायँगे। इन फंदों पर ३४ सलाइयाँ बिना घटाये और बुनो। तब कंधों की काट इस प्रकार बनाओ—* अंतिम ५ फंदों को बिना बुने छोड़ दो, शेष सब को बुन कर चीज को उल-टाओ, * चिह्न से बार २ दोहराओ (अर्थात् प्रत्येक सलाई के अन्त में ५ फंदे बिना बुने सलाई पर छोड़ती जाओ)। इसमें बीच के फंदों पर अधिक सलाइयाँ बुनी जायँगी और दोनों किनारों पर कंधों के लिये काट बन जायगी। इसी प्रकार बुनती जाओ और जब बीच में केवल ३६ फंदे बुने हुए रह जायँ और शेष सब इधर उधर बिना बुने फंदों में होजायँ तब सारी सलाई अन्त तक सीधी बुनो। अब उलटाओ और दूसरी सलाई में सब फंदों को उल्टा बुनो। फिर सब फंदे बुट कर उतार दो।

बायाँ आगा—७७ फंदे चढ़ाकर १६ सलाइयाँ सीधी बुनो। पहली सलाई फंदों के पिछली ओर बुनी जायगी।

१७वीं सलाई—सारी सीधी।

१८वीं सलाई—१२ सी०, अगले गले वाले किनारे के लिए अंतिम ३ के सिवाय बीच के सब उल्टे, ३ सी०। अगली सलाई में इस प्रकार बटन का छेद बनाओ—

१९वीं सलाई—अंतिम ९ के सिवाय शेष सब सीधे, ५ बुट कर उतार दो, ४ सी०।

२०वीं सलाई—४ उ०, ५ फंदे नए चढ़ाओ (जो बुट कर उतारे थे उनकी जगह), अंतिम ४ के सिवाय सब उल्टे, ४ सी०। आगे चलकर सीधी बुनाई वाले गले के किनारे पर इसी प्रकार और ४ छेद हर २५वीं सलाई पर बनाने चाहिएँ। सीधी बुनाई वाले निचले किनारे के ऊपर गले का किनारा और बटन का छेद बनाते हुए जब २९ सलाइयाँ गुलूबंद की बुनाई की बन जायँ तब उलटी तरफ से इस प्रकार जेब बनाओ—१२ सी०, १८ उ०, २६ सी०, १८ उ०, ३ सी०।

अगली सलाई—सारी सीधी। इन अंतिम २ सलाइयों को २ बार और दोहराओ।

अगली सलाई—१२ सीधे, १८ उ०, अब जेब के लिए २६ फंदे बुट कर उतार दो, १८उ०, ३सी०,

अब किसी एक खाली सलाई पर ऊन के दूसरे गोले से २६ फंदे नये चढ़ा लो और ३२ सलाइयाँ गुलूबन्द की बुनाई की बुन कर जेब बनाओ। अब फिर आगे को उठालो और २१ फंदे सीधे बुनो। तब उस २६ फंदों वाली जेब की सलाई को बुटे हुए २६ फंदों के पीछे की ओर सीधी तरफ सामने रखकर पकड़ लो और इन २६ फंदों को आगे वाली सलाई पर ही (जिस पर अभी २१ सीधे बुने हैं) सीधे बुनो। फिर शेष सलाई बुन लो। अब इस पर उतनी सलाइयाँ और बुनो जितनी पीठ में बगल (बाँह के छेद) तक हैं। ये सलाइयाँ गिनकर पूरी करनी चाहिएँ नाप कर नहीं। नापने से छोटा बड़ा होने का डर रहता है। बगल के किनारे पर जो फन्नियाँ सी हैं उनसे यह बहुत जल्दी गिनी जा सकती हैं।

बाँह के छेद और गले की काट—६ फंदे बगल वाले किनारे पर के अगली सीधी सलाई पर बुट कर उतार दो। इधर गले की तरफ इसी सलाई पर किनारे के ठीक अन्दर वाले २ फंदों को (अर्थात् १३वें और १४वें फंदे को) इकट्ठा बुन कर फंदे घटाना आरम्भ करो और प्रत्येक ४थी सलाई पर घटाती जाओ जब तक कि इस ओर १२ फंदे न घट जायँ। पर ध्यान रखो कि १२ फंदों वाला किनारा सदा ठीक रहे उसमें फरक न पड़े। इसके साथ ही साथ उधर बगल वाले किनारे पर घटाव की पहली सलाई पर जो ६ फंदे बुट कर उतार चुकी हो उसके बाद ६ सलाइयों तक प्रति सलाई पर १ फंदा घटाती जाओ। फिर ५ सीधी सलाइयो पर (अर्थात् हर सम सलाई पर) १ फंदा घटाओ इस प्रकार इस किनारे पर कुल १७ फंदे घटाये जायँगे और बड़ी सुन्दर काट बन जायगी। इसके बाद यह छेद बिना घटाये ऊपर तक एक सा बुनती जाओ। उधर जब १२ फंदे घटाने के बाद गले की काट बद हो जायगी तब सलाई पर केवल ४८ फंदे रह जायँगे। इन पर २० सलाइयाँ बिना घटाये बुनो। तब हर उलटी सलाई के अंत में ९ फंदे बिना बुने छोड़ते हुए कंधे की काट बनाओ और जब सलाई पर केवल १८ फंदे बुने हुए रह जायँ तब अगले किनारे के १२ फंदों के सिवाय सब को बुट कर उतार दो (अर्थात कंधे की ओर के ६ फंदे बुट कर उतार दो)। अब किनारे के १२ फंदों पर ४० सीधी सलाइयाँ और बुनो तब इन्हें भी बुट कर उतार दो।

दाहिना आगा—यह बाँयें आगे की भाँति बनेगा और इस पर भी बटनों के लिए छेद बनेंगे किन्तु इस बात का ध्यान रखना कि वह आगा बाईं ओर का था यह दाहिनी ओर का होगा अतः उससे उलटी ओर इसका सब काम शुरू होगा, अर्थात् सलाई के जिस किनारे पर उसका गले का किनारा बना था उस किनारे पर इसकी बगल वाला किनारा बनेगा। बटन सदा सीधी सलाई के शुरू में ही इस प्रकार बनेंगे— ४सी०,५ बुट कर उतार दो शेष सारी सलाई सीधी। जेब आगे लिखी विधि से बनेगी और सीधी तरफ से

ही शुरू होगी—३० सी०, २६ बुट कर उतार दो, २१ सी०। बगल के किनारे पर बाँह के छेद की काट बनाने के लिए ६ फंदे उल्टी सलाई के शुरू में बुट कर उतारे जायँगे और अगले सब फंदे भी इसी भाँति ठीक इसी क्रम से घटाये जायँगे। इसके अंत में कंधे की काट पूरी हो जाने के बाद सारे १८ फंदे अर्थात् गले के १२ फंदे भी एक दम बुट कर उतार दिये जायँगे। गले के किनारे के फंदों पर ४० सलाइयाँ इसमें नहीं बुनी जायँगी।

बाँहें—६४ फंदे चढ़ाकर ३२ सलाइयों तक २ सी०, २ उ० फंदों वाली पट्टियाँ बुनो। अब गुड्डनद की बुनाई शुरू करो और हर छठी सलाई के दोनों किनारों पर एक एक फंदा बढ़ाती जाओ जब तक कि फंदे बढ़कर १०२ न होजायँ। अब जितनी लम्बी बाँह रखना चाहो उतनी सलाइयाँ इन फंदो पर बुन लो। तब निम्न प्रकार से बाँह के ऊपर की काट बनाओ—अगली २ सलाइयों के शुरू में ४, ४ फंदे बुट कर उतार दो, तब हर सलाई के हर किनारे पर एक एक फंदा घटाती जाओ जब तक कि सलाई पर केवल ३६ फंदे न रह जायँ। अब बुट कर उतार लो।

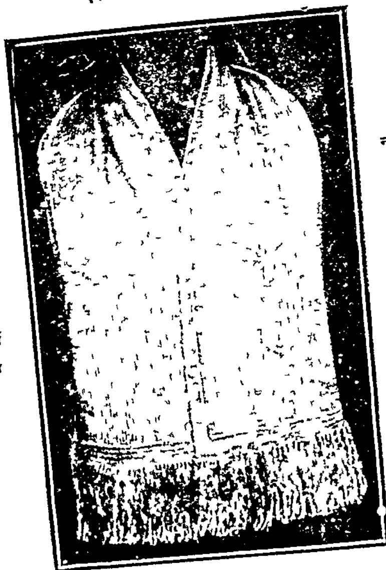
सीकर तैयार करना—कोट के प्रत्येक टुकड़े के ऊपर गीला कपड़ा बिछाकर उल्टी तरफ को खूब अच्छी तरह दबा कर इस्तिरी करलो। कंधे और बगलों की सीवन और बाँहों की सीवन सी लो। अब बाँहों को कंधों के साथ इस प्रकार मिलाकर रखो कि बाँह की सीवन बगल की सीवन के ठीक ऊपर आ जाय, तब बाँह को बाँह के छेद में टाँक लो। पिछली ओर की जो गले की पट्टी बची हुई है उसे गले की पिछली ओर दाहिने कंधे की पट्टी पर उल्टी ओर से जोड़ते हुए टाँक लो। चीज को उलटा करके जेब के तले को ठीक स्थिति में करके उसे भी टाँक दो। जेब की सिलाई बाहर की ओर अधिक दिखाई न दे।

सुगमता से बदली जाने वाली बटन पट्टी जैसी पिछली जरसी के लिए बनाई गई है बना लो और दाहिने आगे की पट्टी के नीचे उसी प्रकार टाँक दो। इसी कोट में बायें आगे के नीचे बटन टाँक देने से यह कोट स्त्रियों के पहनने लायक बन जायगा।

रेशम के सुन्दर गुलूबन्द

एक तरीके से तीन गुलूबन्द

आवश्यक सामान— ४ औंस के लगभग बुनने का रेशम, ९ नं० की १ जोड़ा सलाइयाँ और एक लोहे का क्रोशिया।



नाप और फैलाव— यह गुलूबन्द १० इंच चौड़ा और बिना डोरों के ४८ इंच लम्बा है। ६ फंदों के बुनने से १ इंच चौड़ा टुकड़ा बनेगा।

चि० सं० ११०

६० फंदे चढ़ाकर ६ सलाइयाँ सीधी बुनो। किनारा मज़बूत बनाने के लिये पहली सलाई में फंदों के पिछली ओर सलाई की नोक डालकर बुनना चाहिए।

७वीं सलाई—सीधी।

८वीं सलाई—२ सी०, अन्तिम २ फंदे के सिवाय बीच के सब उल्टे, अन्तिम २ सीधे। इन अन्तिम ७ सलाइयों को तब तक दोहराओ जब तक कि गुलूबन्द की लम्बाई ४६ इंच के लगभग न हो जाय। तब ६ सलाइयाँ सीधी बुन कर बुन कर उतार लो।

अब गुलबद के चारो ओर क्रोशिये से १ लाइन दुहरे फदे की चौडाई में दोनो किनारो पर प्रत्येक फदे में एक एक दुहरा फदा बुनते हुए और लम्बाई में दोनो ओर हर ४ सलाइयो में ३ दुहरे फदे तथा चारो कोनो पर कोने वाले १ फन्दे में ३ दुहरे फदे बुनते हुए बुनो।

डोरे—४½ इच ऊँचे एक गत्ते के टुकडे पर २२० बार रेशम लपेट दो और गत्ते के एक किनारे पर रेशम को काट दो। इससे एक से टुकडे कट जायेंगे। अब रेशम के २ टुकडे इकट्ठे ले लो और इन्हें दुहरा कर लो तथा पहले दुहरे फदे में से क्रोशिये की नोक से इस टुकडे का दुहरा मुडा हुआ किनारा जरा सा ऊपर को खीच लो। तब कटे हुए किनारे को दुहरे मुड़े हुए किनारे के छेद में से निकाल कर कस कर खीच लो। प्रत्येक दुहरे फदे मे से एक-एक रेशम का टुकडा निकाल कर गाँठ लगाते जाओ। तब गीला कपडा ऊपर बिछा कर इस्तिरी कर लो।

दूसरा गुलबद

यदि इस गुलबद से मोटा गुलबद बनाना चाहो तो ऊपर वाले गुलबद की तरह के दो टुकड़े बना कर एक के ऊपर दूसरा रखकर दोनो टुकड़ो को इकट्ठा सी लो, तब डोरे डालो। यह दो तह वाला गुलबद तैयार होगया। इसके लिये पहले से दुगने रेशम की आवश्यकता होगी।

तीसरा गुलबंद—दुहरी बुनाई में

यह एक ही सलाई पर एक ही बार बुना जाता है किन्तु बैग की तरह इसकी दो तहें बन जाती हैं इसीलिये इसे दुहरी बुनाई वाला कहते है। दुहरी बुनाई के लिए पृष्ठ सख्या १७ देखो।

पहले गुलबद से दुगना रेशम इसके लिये ले लो और दुगने अर्थात् १०८ फदे या अधिक चौडा करना चाहो तो अधिक फदे डाल लो (पर फदे सम सख्या मे होने चाहिए)।

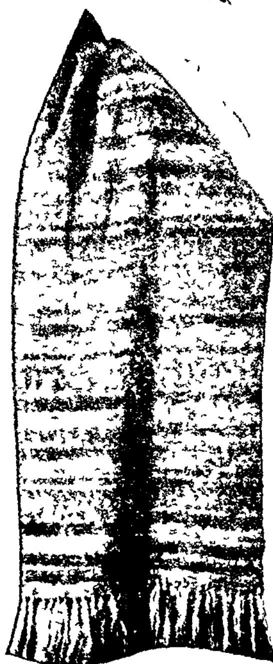
अगली सलाई—सारी सीधी।

दूसरी सलाई—किनारे के ४ फदे सी०, * १ सी०, तागे को सिलाई के आगे को लाओ और १ फदा जैसे उल्टा बुना जाता है उस तरह से ऊपर से नीचे सलाई डाल कर बिना बुने सरकालो तब तागे को पीछे की ओर ले जाओ, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ४ फदे रह जायें तब किनारे के लिये ४ सीधे बुनो। अब इस सलाई को तब तक दोहराती जाओ जब तक कि गुलबद की लम्बाई पूरी न हो जाय (इसमें तुम देखोगी कि एक सलाई में जो फदा बुना जाता है वह दूसरी मे बिना बुने सरका दिया जाता है)। अब अन्तिम सलाई सीधी बुनो, और घुट कर उतार लो। फिर पहले गुलबद की तरह दुहरे फदे की एक लाईन

बुन कर डोरे डाल लो। दुहरी बुनाई का गुलूबंद तैयार हो गया। यह मोटा होने से गले के लिये बहुत लाभदायक होता है।

खानेदार आकर्षक गुलूबंद

आवश्यक सामान—
४ औंस
२ तार की
बढ़िया ऊन जिसमें
१ औंस खाकी
२ औंस हरी
और
१ औंस नारंगी हो,
१२ नं० की
दोनों ओर नोकवाली
२ सलाइयाँ।



नाप
लम्बाई ६० इंच
चौड़ाई १४ इंच

रंगों के लिए सांकेतिक चिह्न—
सफ़ेद=स०, हरी=ह०,
खाकी=खा०,
और
नारंगी=ना०।

चि० सं० ११२

यह खानेदार गुलूबंद देखने में बहुत ही आकर्षक है और खूब गरम तथा हलका होता है।

सफेद ऊन से तीन सलाइयों पर ७२,७२,७२ फंदे चढ़ाकर एक घेरा सब फंदों में पिछली ओर को बुनो जिससे किनारा मजबूत बने। तब ९ घेरे सीधे बुनो।

* * ७वाँ घेरा—हरी और नारंगी ऊन जोड़कर—सीधा—* ४ ना०, २ ह०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। इस घेरे को ४ बार और दोहराओ।

अगले २ घेरे—केवल सफेद ऊन से—सारे सीधे।

१४वाँ घेरा—खाकी और सफेद ऊन से—सीधा—* ४ स०, २ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। इस अंतिम घेरे को ४ बार और दोहराओ।

अगले १० घेरे—केवल सफेद ऊन से—सारे सीधे।

२९वाँ घेरा—नारंगी और हरी ऊन से—सीधा—* ४ ह०, २ ना०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

३०वाँ घेरा—सीधा—१ ना०, * ४ ह०, २ ना०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब ४ ह०, १ ना०।

३१वाँ घेरा—सीधा—* २ ना०, ४ ह०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

३२वाँ घेरा—सीधा १ ह०, * २ ना०, ४ह०, * चिह्न से बार-बार दोहराओ, अन्त मे जब ५ रह जायँ तब २ ना०, ३ ह०।

३३वाँ घेरा—सीधा—२ ह०, * २ ना०, ४ ह०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायँ तब २ ना०, २ ह०।

३४वाँ घेरा—सीधा—३ ह०, * २ ना०, ४ ह०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ३ रह जायँ तब २ ना०, १ ह०।

अगले २ घेरे—सीधे—केवल सफेद ऊन से।

३७वाँ घेरा—सीधा—३ ह०, * २ना०, ४ ह०, * चिह्न से दोहराओ अन्त में जब ३ रह जायँ तब २ ना०, १ ह०।

३८वाँ घेरा—सीधा—* ४ ह०, २ ना०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

३९वाँ घेरा—सीधा—१ ना०, * ४ ह०, २ ना०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब ४ ह०, १ ना०।

अगले ६ घेरे—सीधे—* ४ स०, २ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अब २९वें घेरे से ३४वें घेरे तक के सब घेरे एक बार दोहराओ।

अगले २ घेरे—सीधे—केवल सफेद ऊन से। अब ३७वें घेरे से ३९वें घेरे तक के घेरे एक वार दोहराओ।

अगले १० घेरे—सीधे—केवल सफेद ऊन से * *। अब * * चिह्न से * * चिह्न तक के हिस्से को ८ वार और दोहराओ।

अगले ५ घेरे—सीधे—❀ ४ ना०, २ ह०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

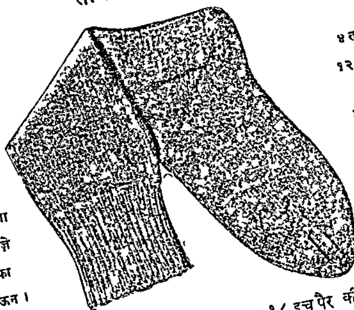
अगले २ घेरे—सीधे—सफेद ऊन से।

अगले ५ घेरे—सीधे—* ४ स०, २ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ६ घेरे—सीधे—केवल सफेद ऊन से। बुट कर उतार लो। अब उल्टा करके उस पर गीला कपड़ा बिछाकर इस्तिरी करलो। फिर सीधा करके दोनों किनारे सी डालो। तब सफेद ऊन से पहले गुलूबन्द में बताये गये ढग से ऊन के टुकड़े काट कर ४, ४ टुकडे इकट्ठे लेकर दोनों किनारों पर ३०, ३० डोरे डाल लो (अर्थात फुदने बाँध लो)।

तीन प्रकार के सादे मोज़े

आवश्यक सामान ४ औंस ४ तार का बटा हुआ बुनने का टसरी तागा या ऊन, तीन तार के मोज़े के लिये ३ तार का तागा और २ तार के मोज़े के लिए २ तार का टसरी तागा या ऊन।



४ तार के मोज़े के लिए १२ न० की और ३ तथा २ तार के मोज़े के लिए १३ न० की दोनों ओर नोक वाली लोहे की ४ सलाइयाँ

चि० स० १११

नाप—टाँग की लम्बाई घुटने के नीचे से ऐड़ी के नीचे तक १८ इच पैर की लम्बाई ऐड़ी से अगुलियों तक ९ या ९½ इच।

यह मोज़े बहुत जल्दी और सुगमता से बनते हैं और तीनों की बुनाई लगभग एक सी है।

१. चार तार की ऊन या तागे का मोज़ा

तीन सलाइयो पर ७२ फदे (२४, २४, २४) चढा कर बुनना शुरू करो और १ सी०, १ उ०, फदो वाली फल्यियो के ३८ घेरे बुनो।

अगले २० घेरे—सीधे बुनो। केवल सब का अन्तिम १ फदा उल्टा बुना जायगा।

९९वाँ घेरा—१ सी०, २ इ०सी०, अन्तिम ४ फदो के सिवाय बीच के सब सीधे, २ इ०सी०, १ सी०, १ उ०।

अगले ७ घेरे—सीधे बुनो, केवल अन्तिम १ फदा सब का उल्टा। अब इन अन्तिम ८ घेरो को ३ बार और दोहराओ (२०, २४, २० फदे रह जायँगे)

अगले ३० घेरे—सीधे बुनो, अन्तिम १ फदा सब का उल्टा। अब यहाँ ऐडी के लिये फदो को बाँटो। पहली सलाई के १९ फदे तीसरी पर सीधे बुन लो, उल्टाओ, १ स०, १४ उ०, १ सी०, १९ उ०, शेष ३३ फदो को २ सलाइयो पर पैर के लिए बिना बुने छोड दो और केवल ऐडी के फदो को निम्न प्रकार से बार बार बुनो।

१ली सलाई—१ स०, १४ सी०, १ उ०, १९ सी०।

२री सलाई—१ स०, १४ उ०, १ सी०, १९ उ०। इस पहली और दूसरी सलाई को १२ बार दोहराओ। अब एडी को इस प्रकार मोडो—२१ सी०,२इ०सी०, उल्टाओ * १२ उ०, २ इ०उ०, उल्टाओ १२ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से ७ बार और दोहराओ, १२ उ०, २ इ०उ०, उल्टाओ, १३ सी०। अब एड़ी की ऊँचाई की ढाल पर से १९ फदे दूसरी सलाई पर उठाओ और सीधे बुन लो। अब एक सलाई पर पैर के छोड़े हुए ३३ फदे सीधे बुनो। तीसरी सलाई से एड़ी की दूसरी ढाल से १९ फदे उठाओ और सीधे बुन लो और फिर पहली सलाई पर से एडी वाले फदो में से ६ फदे तीसरी पर और सीधे बुन लो। अब तीनो सलाइयो पर क्रम से २२, ३३,२१ हो जायेंगे।

पैर का १ला घेरा—पहली सलाई—अन्तिम ३ फदो को छोड़कर शेष सारी सीधी, २ इ० सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—सारी सीधी। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

दूसरा घेरा—सारा सीधा। अतिम २ घेरों को ४ वार और दोहराओ। (१७, ३३, १६ फदे रहेंगे)।

अगले ६० घेरे—सारे सीधे।

पैर की उगलियों का पहला घेरा—पहली सलाई—अतिम ३ फदों के सिवाय सारी सीधी, अन्त में २ इ० सी०, १ सी०,। दूसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, अतिम ३ फदों के सिवाय सब सीधे, अन्त में २ इ०सी०, १ सी०। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

दूसरा घेरा—सारा सीधा। अतिम २ घेरों को ११ बार और दोहराओ (९, ९, ४ फदे रहे) अब पहली सलाई के फदे तीसरी पर सरका लो और चित्र सं० १२ की तरह फदों को सी लो, मोजा तैयार हो गया। इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार कर लो और ऊपर गीला कपड़ा बिछा कर इस्तिरी कर लो।

२. तीन तार की ऊन या तागे का मोजा

इस मोजे के लिए १३ न० की सलाइयाँ चाहिएँ।

तीन सलाइयों पर क्रम से (२४, ३०, २४) कुल ७८ फदे चढ़ा कर शुरू करो और १ सी०, १ उ०, फदों वाली फलियों के ४२ घेरे बुनो।

अगले २४ घेरे—सारे सीधे, केवल अतिम १ फदा सब का उलटा हो।

६७वाँ घेरा—१ सी०, २ इ०सी०, अतिम ४ फदों के सिवाय बीच का सारा सीधा, अन्त में २ इ० सी०, १ सी०, १ उ०।

अगले ७ घेरे—सारे सीधे, अतिम १ फदा सब का उलटा।

इन अतिम ८ घेरों को ३ बार और दोहराओ (२०, ३०, २०,)

अगले ३४ घेरे—सारे सीधे, अतिम फदा सब का उलटा। यहाँ एड़ी के लिए निम्न प्रकार से फदे बाँटो—पहली सलाई के १७ फदे तीसरी पर सीधे बुन लो, अब चीज को उलटाओ। उलटा कर १ स०, १६ उ०, १ सी०, १७ उ०। अब इस सलाई के बचे हुए ३ फदों, दूसरी सलाई के ३० फदों तथा पहली सलाई के ३ फदों को २ सलाइयों पर १७ और १८ के हिसाब से चढ़ाकर पैर के लिए बिना बुने छोड़ दो और पहले एड़ी को निम्न प्रकार से बुन लो।

एड़ी की १ली सलाई—१ स०, १६ सी०, १ उ०, १७ सी०।

२री सलाई—१ स०, १६ उ०, १ सी०,१७ उ०। इन दो सलाइयों को १३ बार और दोहराओ। अब एड़ी को इस प्रकार मोड़ो—२२ सी०, २ इ०सी०, उलटाओ, * १२ उ०, २ इ०उ०, उल्टाओ, १२ सी०, २ इ०सी०, उल्टाओ * चिह्न से ९ वार दोहराओ, १२ उ०, २ इ०उ०, उलटाओ, १३ सी०। अब एड़ी की ढाल पर से १६ फंदे एक सलाई पर उठाओ और इसी सलाई पर सीधे बुन लो। इस सलाई पर (२९ फंदे हो जायँगे)।

२री सलाई से पैर वाले ३५ फंदों को सीधा बुन लो। ३री सलाई पर एड़ी की दूसरी ढाल पर से १६ फंदे उठाओ और सीधे बुन लो तथा पहली सलाई पर से इस पर ६ फंदे और बुन लो (२३, ३५, २२ फंदे हो जायँगे)

र का १ला घेरा—१ली सलाई—सीधी बुनो, जब अन्त मे ३ रह जायँ तो २ इ० सी०, १ सी०। २री सलाई—सारी सीधी। ३री सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

२रा घेरा—सारा सीधा। अब इन दो घेरों को चार वार और दोहराओ। (१८, ३५, १७ फंदे रह जायँगे)।

अगले ६८ घेरे—सारे सीधे। अब पैर की अंगुलियों के लिये चार तार वाली ऊन के मोजे (चि०स०१११) की भाँति बुनो। किन्तु पिछले २ घेरे जैसे उसमें ११वार बुने जाते हैं इसमें १२ वार बुनो। अन्त में उसी प्रकार ५, ९, ४ फंदे रह जायँगे। तब उन्हे चि० स० १२ की तरह सी लो। मोजा तैयार हो गया। इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार करके इस्तिरी कर लो।

३. दो तार वाली ऊन के मोजे

८४ फंदे तीन सलाइयों पर (३०, २४, ३०) चढ़ाकर शुरू करो और १ सी०, १ उ०, फंदो की फलियो वाले ४६ घेरे बुनो।

अगले २४ घेरे—सीधे बुनो, किन्तु अतिम १ फंदा सब का उलटा बुना जायगा।

७१वाँ घेरा—१ सी०, २ इ०सी०, बीच के सब सीधे, अन्त में जब ४ रह जायँ तब २ इ० सी०, १ सी०, १ उ०।

अगले ८ घेरे—सीधे बुनो (अतिम १ फंदा सब का उलटा)। अतिम ९ घेरों को ३ वार और दोहराओ (२६, २४, २६)।

अगले ३६ घेरे—सारे सीधे। अतिम १ फंदा सब का उलटा बुनो। अब यहाँ एड़ी के लिए इस

प्रकार फंदे बाँटो, पहली सलाई के १८ फंदे ३री पर सीधे बुनो । चीज को उल्टाओ १ स०, १७ उ०, १ सी०,१८ उ० उल्टाओ । अब शेष ३९ फंदों को दो सलाइयों पर करके पैर के अगले भाग के लिए बिना बुने छोड़ दो और एड़ी के लिये इन्हीं फंदों पर निम्न प्रकार से बार बार बुनो ।

१ली सलाई—१ स०, १७ सी०, १ उ०, १८ सी०, चीज को उल्टाओ ।

२री सलाई—१ स०, १७ उ०, १ सी०, १८ उ० । इन २ सलाइयों को १४ बार दोहराओ । अब एड़ी को इस प्रकार मोड़ो—२४ सी०, २ इ०सी०, उलटाओ, * १२ उ०, २ इ०उ०, उलटाओ, १२ सी०, २ इ०सी०, उलटाओ, * चिह्न से १० बार और दोहराओ । अब १२ उ०, २ इ०उ०, उलटाओ, १३ सी० बुनो । अब एडी की ढाल पर से १७ फंदे उठाओ और इसी सलाई पर सीधे बुन लो । दूसरी सलाई से पैर के ३९ फंदे सीधे बुनो । तीसरी सलाई से दूसरी ओर की ढाल पर से १७ फंदे उठा कर सीधे बुनो और इसी तीसरी सलाई पर पहली सलाई के ६ फंदे सीधे बुन लो । अब क्रम से २४,३९,२३ फंदे होगए । पैर के लिए ४ तार वाली ऊन के मोजे (चित्र स०११२) में बताये गए पैर के पहले २ घेरों को ४ बार दोहराओ (१९, ३९,१८ फंदे रहेंगे) ।

अगले ७४ घेरे—सीधे । अब यहाँ पैर की उँगलियों के लिए निम्न प्रकार से फंदे घटाओ ।

पैर की उँगलियों का १ला घेरा—पहली सलाई—सीधी । दूसरी सलाई—१सी०, २इ०सी०, बीच के सब सीधे अन्त में जब ३ रह जायँ तब २इ०सी०,१सी० । ३री सलाई—सीधी ।

२रा घेरा—सारा सीधा ।

३रा घेरा—१ली सलाई—सीधी बुनो पर अन्त मे जब ३ फंदे रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी० । २री सलाई—१सी०, २इ०सी०, बीच के सब सीधे अन्त में जब ३ रह जायँ तब २इ०सी०,१सी० । ३री सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी । इन अंतिम २ घेरों को १२ बार दोहराओ (६,११,९ फंदे रहें) । अब पहली सलाई के फंदों को दूसरी पर सरकालो और चित्र स० १२ की तरह आपस में सी लो और गीला कपड़ा ऊपर बिछाकर इस्तिरी करलो इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार करो।

धारीदार सुन्दर मोज़े

आवश्यक सामान ७ औंस ३ तार की खाकी और १ औंस सफेद ऊन, १२ न० की दोनों ओर नोक वाली लोहे की ४ सलाइयाँ।



नाप टाँग की लम्बाइ १६ इ०, पैर की लम्बाइ ९, ९½इ० दोहराव की गहराइ ४ इच

दि०प० ११२

यह दुहराव पर ग्वानों वाले धारीदार मोज़े देखने में वहुत ही सुन्दर मालूम होते हैं और पहनने पर पैरों के साथ चिपटे रहते हैं, जिससे वहुत आरामदायक होते हैं।

रंगों के लिए साकेतिक चिह्न—खा०—खाकी, स०—सफेद।

ऊपर के दोहराव से शुरू करो। ९० फदे खाकी ऊन से तीन सलाइयों पर (३०,३०,३०) फदे चढाओ और ४ सी०, १ उ०, फदों की धारियों के ७ घेरे बुनो।

८वाँ घेरा—४ सी०, * १ उ०, ४ सी०, * चिह्न से दोहराओ और अन्त मे जब १ रह जाय तो उस अंतिम फदे में २ सी०, बुनो। सफेद ऊन जोड़ लो।

नमूने का १ला घेरा—सफेद ऊन से सारा सीधा।

नमूने का २रा घेरा—सीधा, ❀ ३ खा०, १ स०, ३ खा०, ६ स०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

नमूने का ३रा घेरा—सीधा, * २ खा०, ३ स०, २ खा०, १ स०, १ खा०, २ स०, १ खा०, १ स०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

नमूने का ४था घेरा—सीधा, * १ खा०, ५ स०, १ खा०, १ स०, ४ खा०, १ स०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

नमूने का ५वाँ घेरा—सीधा, * ८ स०, १ खा०, २ स०, १ खा०, १ स०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

नमूने का ६ठा घेरा—चौथे घेरे की भाँति।

नमूने का ७वाँ घेरा—तीसरे घेरे की भाँति।

नमूने का ८वाँ घेरा—दूसरे घेरे की भाँति। इन ८ घेरों को २ बार और दोहराओ।

२५वाँ घेरा—नमूने के पहले घेरे की भाँति। अब सफेद ऊन तोड़ लो।

२६वाँ घेरा—❀ ४ सी०, १ उ०, ❀ चिह्न से दोहराओ और अन्त में जब ६ रह जायँ तब ४ सी०, २ इ०उ०। अब ४ सी०, १ उ०, फंदो की धारियों वाले ७ घेरे बुनो। ऊपर का दोहराव समाप्त हो गया। अत चीज़ को उलटा करलो और दोहराव के उलटी तरफ को टाँग की बुनाई शुरू करो। टाँग की उलटी ओर दोहराव की सीधी ओर होती है जो कि मोज़ा समाप्त हो जाने पर दोहराने से ठीक आती है। अर्थात् दोहराने से दोहराव की सीधी ओर टाँग की सीधी ओर के ऊपर आ जाती है।

टाँग के पहले ४१ घेरे—१ उ०, ४ सी० फंदो की धारियाँ सारे घेरे तक बुनो।

४२वाँ घेरा—अब टाँग के लिये निम्न प्रकार से फंदे बढ़ाओ—पहले १ फंदे में २ सी० बुनो, शेष सारे घेरे में पहले की भाँति धारियाँ बुनो और अंतिम १ फंदे में २ फंदे सीधे बुनो। फँदे घटाते या बढ़ाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि धारियाँ ठीक आती रहें टूटने न पावें।

अगले ४ घेरे—धारियों के बुनो। अब इन पिछले ५ घेरों को ४ बार और दोहराओ। इस प्रकार १० फंदे बढ़ जाने से कुल १०० फंदे हो जायँगे।

६७वाँ घेरा—धारीदार बुनो।

१८वाँ घेरा—२ इ०सी०, अब धारियाँ बुनो और जब अन्त मे २ फदे रह जायें तब यह २ इकट्ठे बुनो।

अगले ५ घेरे—धारीदार बुनो। अब यह अतिम ६ घेरे ९ बार और दोहराओ (८० फदे रहेंगे)।

अगले ५८ घेरे—धारीदार बुनो। अब यहाँ एड़ी के लिये फँदे बाँटो—पहली सलाई के २० फदे तीसरी पर सीधे बुनो और चीज को उल्टा कर १ स०, ३८ उ० बुनो, अब शेष ४१ फदो को २ सलाइयो पर बिना बुने पैर के अगले हिस्से के लिए छोड़ दो तथा केवल एड़ी के इन ३९ फदों पर ही निम्न प्रकार से बार बार बुनो।

१ली सलाई—१ स०, ३८ सी०।

२री सलाई—१ स०, ३८ उ०। अब इन दो सलाइयों को १३ बार और दोहराओ। तब एड़ी को इस प्रकार मोड़ो। २६ सी०, चीज को उलटाओ, १३ उ०, चीज को उलटाओ, १२ सी०, २ इ०सी०, चीज को उल्टाओ, १ स०, ११ उ०, २ इ०उ० उलटाओ, * १ स०, ११ सी०, २ इ०सी०, उल्टाओ, १ स० ११ उ०, २इ०उ०, उलटाओ, * चिह्न से तब तक दोहराओ जब तक कुल १३ फदे न रह जायँ। अब इन १३ को सीधा बुनलो और एड़ी की ढाल पर से १६ फदे एक सलाई पर उठाकर इसी सलाई पर सीधे बुन लो। दूसरी सलाई पर पैर के लिए छोडे हुए ४१ फदे धारीदार बुनो और तीसरी सलाई से एड़ी की दूसरी ओर की ढाल पर से १६ फदे उठालो और सीधे बुनो तथा पहली सलाई से ७ फदे भी तीसरी पर सीधे बुन लो। अब २२, ४१, २३ फदे हो जायेंगे।

पैर का १ला घेरा—पहली सलाई—सीधी बुनो किन्तु अन्त में जब ३ रह जायँ तब २ इ० सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—धारीदार बुनो। ३री सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, शेष सारी सीधी।

२रा घेरा—१ली सलाई—सारी सीधी। २री सलाई—धारीदार। ३री सलाई—सारी सीधी। अब इन अतिम २ घेरों को ६ बार दोहराओ। (७२ फदे)

अगले ४० घेरे—१ली सलाई—सारी सीधी। २री सलाई, धारीदार। ३री सलाई—सारी सीधी। अब यहाँ से अगुलियो के लिये फदे घटाओ।

अगुलियों का १ला घेरा—पहली सलाई—सीधी बुनो पर अन्त में जब ३ फदे रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, बीच के सब सीधे बुनो, अन्त में जब

३ फंदे रह जायें तब २ इ०सी०, १ सी०। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी सीधी।

२२वां घेरा—सारा सीधा। अब इन २ घेरों को १० बार दोहराओ।

२३वां घेरा—४ सी०, अब अगली सलाई के ३ फंदे इसी सलाई पर सीधे बुनो (७ हो गए) और थोड़ा सा लटकता हुआ छोड़ कर तागा तोड़ लो। अब दूसरी सलाई के अंतिम २ फंदे, तीसरी सलाई पर लेलो। इस प्रकार दूसरी पर १४ फंदे रह गए और ३री पर ७ होगए। अब इन ७ को पहली सलाई पर ले लो (१४,१४ होगए) और दोनों सलाइयों के फंदों को उलटी तरफ करके इकट्ठा बुट लो (बुटने के लिए चित्र संख्या ११ देखो)। अब मोजे पर गीला कपड़ा बिछाकर इस्तिरी कर लो और इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार करो।

बढ़िया चौखानेदार मोज़े

आवश्यक सामान
४ औंस खाकी
और २ औंस
सफेद
३ तार की
बढ़िया ऊन,
दोनों ओर
नोक वाली
१२ नं० की,
४ सलाइयाँ



नाप
टाँग की
लम्बाई
१८ इं०,
दोहराव की
गहराई ३½ इं०,
पैर की
लम्बाई
१० इंच

चि० सं० ११३

रंगों के लिए सांकेतिक चिह्न—सफेद ऊन के लिए—स०, खाकी ऊन के लिए—खा०।

खाकी ऊन से ८४ फंदे (२८, २८, २८) ३ सलाइयों पर चढ़ाकर दोहराव से शुरू करो और १ घेरा सारा सीधा बुनो।

२रा घेरा—* १ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

३रा घेरा—* १ उ०, १ सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। अब २रे और ३रे घेरे को २ बार और दोहराओ।

अगले ६ घेरे—सारे सीधे।

अगले ४ घेरे—उल्टे।

अगले ६ घेरे—सीधे। कुल २२ घेरे होगए। अब इन २२ घेरों को एक बार फिर दोहराओ। २२,२२ घेरे को ३ बार फिर दोहराओ। अब यहाँ दोहराव समाप्त होगया। इस दोहराव की सीधी ओर भीतर करलो, अर्थात् उल्टी ओर बाहर करके तब टाँग बुनना शुरू करो।

अगले ९ घेरे—सारे सीधे।

अगला घेरा—टाँग के लिये फंदे बढ़ाओ। * ६ सी०, अगले १ फंदे में पीछे आगे बुनकर २ फंदे बुनो, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। इस प्रकार १२ फंदे बढ़ जायँगे। अब सफेद ऊन जोड़ लो।

नमूने का १ला घेरा—सीधा—* १ स०, ७ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

नमूने का २रा घेरा—सीधा—❀ १ खा०, १ स०, ५ खा०, १ स०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

नमूने का ३रा घेरा—सीधा—२ खा०, ❀ १ स०, ३ खा०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब केवल २ रह जायँ तब १ स०, १ खा०।

नमूने का ४था घेरा—सीधा—३ खा०, ❀ १ स०, १ खा०, १ स०, ५ खा०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तब १ स०, १ खा०, १ स०, २ खा०।

५वाँ घेरा—सीधा—४ खा०, * १ स०, ७ खा०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अन्त में जब ४ रह जायँ तब १ स०, ३ खा०।

६ठा घेरा—चौथे घेरे की भाँति।

७वाँ घेरा—तीसरे घेरे की भाँति।

८वाँ घेरा—दूसरे घेरे की भाँति। इन ८ घेरो को ५ बार और दोहराओ।

४९वाँ घेरा—सीधा—(यहाँ से टाँग के लिए फंदे घटाना शुरू करो) २ इकट्ठे सफेद, ६ खा०, * १ स०, ७ खा०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब १ स०, ५ खा०, २ इकट्ठे खा०।

५०वाँ घेरा—सीधा—१ स०, ५ खा०, ❀ १ स०, १ खा०, १ स०, ५ खा०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

५१ वाँ घेरा—सीधा, १ खा०, १ स०, ❀ ३ खा०, १ स०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

५२वाँ घेरा—सीधा—२ खा०, १ स०, १ खा०, १ स०, * ५ खा०, १ स०, १ खा०, १ स०, * चिह्न से दोहराओ, अन्तिम १ खा०।

९३वाँ घेरा—सीधा—३ खा०, १ स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त मे जब २ रह जायॅ तो २ खा० । अब ९२वॉं, ९१वाँ और ९०वाँ घेरा क्रम से एक बार दोहराओ ।

९७वाँ घेरा—सीधा—२ इकट्ठे स०, ५ खा०, १ स०, * ६ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ६ रह जायॅ तब ४ खा०, २ इ०खा० ।

९८वॉं घेरा—सीधा—* ५ खा०, १ स०, १ खा०, १ स०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायॅ तब ४ खा० ।

९९वाँ घेरा—सीधा—* १ स०, ३ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

६०वॉं घेरा—सीधा—१ खा० १ स०, १ खा०, १ स०, ❀ ५ खा०, १ स०, १ खा०, १ स०, ❀ चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ ।

६१वॉं घेरा—सीधा—२ खा०, १ स०, ❀ ७ खा०, १ स०, ❀ चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्तिम १ खाली । अब ६०वॉं ५९वॉं और ५८वाँ घेरा क्रम से १ बार और दोहराओ।

६५वॉं घेरा—सीधा—२ इ०खा०, ४ खा०, १ स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ५ रह जायँ तो ३ खा०, २ इकट्ठे खा० ।

६६वाँ घेरा—सीधा—४ खा०, * १ स०, १ खा०, १ स०, ५ खा०, * चिह्न से दोहराओ, अन्त में जब ६ रह जायॅ तब १ स०, १ खा०, १ स०, ३ खा० ।

६७वॉं घेरा—सीधा—* ३ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में २ रह जायँ तो २ खा० ।

६८वॉं घेरा—सीधा—२ खा०, * १ स०,५ खा०, १ स०,१ खा०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ ।

६९वाँ घेरा—सीधा—१ खा०, १ स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। अब ६८वाँ,६७वाँ और ६६वाँ घेरा क्रम से एक बार दोहराओ ।

७३वाँ घेरा—सीधा—२ इ०खा०, ३ खा०, १ स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ४ रह जायँ तब २ खा०, २ इ० खा० । अब ४था, ३रा, २रा, १ला०, २रा, ३रा, और ४था, घेरा क्रम से एक बार दोहराओ ।

८१वाँ घेरा—२ इ०खा०, २ खा०, १ स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, जब अन्त में ३ रह जायँ तो १ खा०, २ इ०खा० । अब ९२वाँ ९१वाँ और ९०वाँ घेरा क्रम से एक बार दोहराओ ।

८९वाँ घेरा—* ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ अन्त में ६ खा० । ९०वाँ, ९१वाँ और ९२वाँ घेरा क्रम से एक बार और दोहराओ।

८९वाँ घेरा—२ इ०खा०, १ खा०, १ स०, * ७ खा०,१ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब २ रह जायँ तो २ इकट्ठे खा० । अब ६०वें, ९९वें और ९८वें घेरे को क्रम से एक बार दोहराओ ।

९३वाँ घेरा—६ खा०, १ स०, * ७ खा०,१ स०; * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्तिम ९ खा० । अब ९८वें, ९९वें और ६०वें घेरे को क्रम से एक बार दोहराओ।

९७वाँ घेरा—२ इ०खा०, * १ स०, ७ खा०, * चिह्न से बार बार दोहराओ,अन्त में २ इकट्ठे सफेद।

९८वाँ घेरा—सीधा—२ खा०, * १ स०, ९ खा०, १ स०, १ खा०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। ६७वें और ६६वें घेरे को क्रम से एक बार दोहराओ।

१०१वाँ घेरा—सीधा—९ खा०, १ स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में ४ खा० । अब ६६वें, ६७वें और ६८वें घेरे को एक बार दोहराओ।

१०९वाँ घेरा—२ इकट्ठे स०, * ७ खा०, १ स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अन्त में जब ८ रह जायँ तब ६ खा०, २ इकट्ठे खा० । अब नमूने के २रे, ३रे, ४थे, ९वें, ४थे, ३रे, और २रे, घेरे को क्रम से एक बार दोहराओ । अब ४९वें घेरे से लेकर ८०वें घेरे तक के सब घेरों को एक बार क्रम से दोहराओ।

१४९वाँ घेरा—४ खा०, १ स०, * ७ खा०, १स०, * चिह्न से बार बार दोहराओ, अंतिम ३ खा० । अब ४थे, ३रे और २रे घेरे को क्रम से एक बार दोहराओ। फिर नमूने के पहले घेरे से लेकर ८वें घेरे तक के सब घेरो को तीन बार और दोहराओ (८ घेरों से १ नमूना बनता है अत यहाँ इस प्रकार के तीन नमूने बनाओ)। टाँग के दोहरान से लेकर यहाँ तक २१३ नमूने बन गये। यहाँ एड़ी के लिये इस प्रकार फंदे बाँटो,सफेद ऊन को यहीं लटकते हुए छोड़ दो और केवल खाकी ऊन से बुनना शुरू करो। १ली सलाई के ६ फंदे ३री सलाई पर सीधे बुन लो। अब चीज को उलटाओ, ३२ उलटे बुन लो और बचे हुए ४० फंदों को २ सलाइयों पर २०, २० करके बिना बुने पैर के लिये छोड़ दो तथा एड़ी के इन ३२ फंदो को निम्न प्रकार से बार बार बुनो।

१ली सलाई—१ स०,(सरकाओ) अन्त तक सीधी।

२री सलाई—१ स० सरकाओ, अन्त तक उल्टी। इन २ सलाइयों को १४ बार दोहराओ। अब एडी को इस प्रकार मोडो—२० सी०, २ इ०सी०, चीज को उलटाओ, * १ स०, ८ उ०, २ इ०उ०, उलटाओ। १ स०, ८सी०, २ इ०सी०,उलटाओ, * चिह्न से तब तक दोहराओ जब तक कि केवल १० फदे रह जायँ। इन १० फदो को सीधा बुनो। एड़ी की ढाल पर से १७ फदे उठालो और इसी सलाई पर सीधे बुनो (इस सलाई पर २७ फदे होगए)। दूसरी सलाई से पैर के ४० फदो को नमूने के १ले घेरे में बुनो। अब सफेद ऊन तोड लो और तीसरी सलाई से एडी की दूसरी ओर के १७ फदे उठाओ और सीधे बुन लो। ५ फदे १ली सलाई के ३री सलाई पर बुन लो। यहाँ से १ली और ३री सलाइयाँ सारी सीधी खाकी ऊन मे बुनी जायँगी, केवल २री में सफेद से नमूना बुना जायगा, किन्तु सफेद ऊन प्रत्येक घेरे में तोड़ी नहीं जा सकती अत १ली और ३री सलाई बुनते समय सफेद ऊन को पीछे अर्थात् चीज की उल्टी ओर बुन लिया करो। अब यहाँ तीनों सलाइयों पर क्रम से (२२, ४०, २२ फदे) हो गए। यहाँ से पहली और तीसरी सलाई के विषय में जब फदे घटाने होंगे तभी लिखा जायगा, अन्यथा सारी सलाई सीधी ही बुनी जायगी, केवल दूसरी सलाई के विषय में ही लिखा जायगा क्योंकि वह नमूनेदार है।

पैर का १ला घेरा—१ली सलाई सीधी बुनो, जब अन्त मे ३ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०। २री सलाई—नमूने के दूसरे घेरे की भाँति। ३री सलाई—१ सी०, २ इ०सी०, शेष सारी अन्त तक सीधी।

२रा घेरा—२री सलाई, नमूने के तीसरे घेरे की तरह।

३रा घेरा—१ली सलाई—सीधी, जब अन्त में ३ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०। २री सलाई—नमूने के ४थे घेरे की भाँति। ३री सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, शेष सारी सीधी।

४था घेरा—२री सलाई—नमूने के ५वें घेरे की तरह।

५वाँ घेरा—पहली सलाई—सीधी, जब अन्त में ३ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई—नमूने के छठे घेरे की भाँति। तीसरी सलाई—१ सी०, २ इ० सी०, शेष सारी सीधी।

६ठा घेरा—२री सलाई—नमूने के ७वें घेरे की तरह।

७वाँ घेरा—पहली सलाई—सीधी, अन्त में जब ३ रह जायँ तब २इ०सी०, १ सी०। दूसरी सलाई, नमूने के ८वें घेरे की तरह। तीसरी सलाई—१ सी०, २इ०सी०, शेष सारी सीधी।

८वाँ घेरा—२री सलाई—नमूने के पहले घेरे की तरह।

९वाँ घेरा—पैर के पहले घेरे की तरह। अब पैर के २रे, ३रे, ४थे और ५वें घेरे को क्रम से १ बार दोहराओ (७० फदे)

१४वाँ घेरा—पैर के ६ठे घेरे की भाँति।

१५वाँ घेरा—२री सलाई—नमूने के ८वें घेरे की तरह। अब ४० घेरे और बुनो जिनकी पहली सलाई सीधी, दूसरी नमूनेदार और तीसरी सलाई सीधी होगी। अब सफेद ऊन तोड़ लो। यहाँ से पैर की उंगलियों के लिये निम्न प्रकार से फदे घटाओ तथा केवल खाकी ऊन से बुनो।

उंगलियों का १ला घेरा—१ली सलाई—सारी सीधी, २री सलाई—* २ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से अन्त तक दोहराओ। ३री सलाई—सारी सीधी।

अगले ६ घेरे—सारे सीधे।

८वाँ घेरा—* ३ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ५ घेरे—सारे सीधे।

१४वाँ घेरा—* २ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ४ घेरे—सारे सीधे।

१९वाँ घेरा—* १ सी०, २ इ०सी०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

अगले ३ घेरे—सारे सीधे।

२३वाँ घेरा—१९वें घेरे की तरह।

अगले २ घेरे—सारे सीधे।

२६ वाँ घेरा—सारे घेरे में २ इ० सी०, अर्थात् जोड़े जोड़े के हिसाब से बुनो। अब थोड़ा डोरा छोड़कर ऊन तोड़ लो और इस डोरे को सुई में पिरोकर सब फदों में सुई डालकर मजबूती से सी लो और गीला कपड़ा ऊपर बिछाकर इस्तिरी करलो। मोजा तैयार होगया। इसी प्रकार दूसरे पैर के लिए तैयार करो।

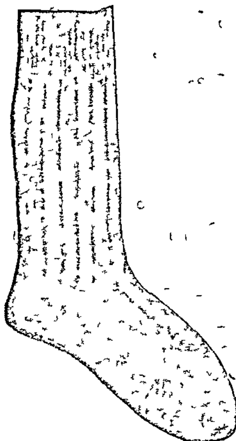
चौखानेदार मोजों के लिये सुन्दर झब्बेदार गैटिस

एक सलाई पर १४ फदे चढ़ाओ। १ सी०, १ उ० फदों की फलियों में ३ इंच तक बुनो और बुट कर उतार लो। इसी प्रकार दूसरा टुकड़ा बुनो। प्रत्येक टुकड़े के एक किनारे पर ऊन का

या उसी रंग के चमकीले रेशम का एक झब्बा सा बनाकर लटका दो और १½ इं० चौड़े गैटिस (लचकीले फीते) के ऊपर इन झब्बों सहित टुकड़ों को सी दो। इसी प्रकार दूसरा गैटिस तैयार करलो। देखो चित्र में मोज़े पर झब्बेदार गैटिस कैसे सुन्दर लग रहे हैं।

लाभदायक धारीदार मजबूत मोज़े

आवश्यक सामान
४ औंस ४ तार की
ऊन,
दोनों ओर नोक वाली
१३ नं० की
४ सलाइयाँ



माप
ऊपर चोटी से
एड़ी के तलुवे तक
टाँगों की लम्बाई
१४¾ इंच
पैर की लम्बाई
९ इंच

चि० सं० ११६

चार तार का धारीदार मोजा

३ सलाइयों पर (३०, २४, ३०) के हिसाब से ८४ फंदे चढ़ाओ और १ सी०, १ उ०, फंदों वाली फलियों में ३६ घेरे बुनो।

अगले ३० घेरे—* ५ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ।

६७वाँ घेरा—२ इ०सी०, बीच का सारा घेरा वैसा ही धारीदार, केवल अन्तिम २ इ०सी०।

अगले ११ घेरे—धारीदार। अब इन १२ घेरों को २ बार और दोहराओ, ७८ फंदे रह जायँगे।

अगले ४२ घेरे—धारीदार बुनो * * यहाँ से एड़ी के लिए फदे बाँटो। १ली सलाई के १८ फदे तीसरी सलाई पर सीधे बुन लो, अब चीज को उल्टाओ, उल्टाने के बाद ३७ उ०। अब शेष ४१ फदे पैर के लिए दो सलाइयों पर रहने दो और एड़ी के लिए इन ३७ फदों को निम्न प्रकार से बार बार बुनो। १ली सलाई—१ स०, (सरकाओ) ३६ सी०। २री सलाई—१ स०, ३६ उ०, अब इन दो सलाइयों को १२ बार और दोहराओ। तब एड़ी को इस प्रकार मोड़ो—२४ सी०, २ इ० सी०, चीज को उल्टाओ, * १२ उ०, २ इ० उ०, उल्टाओ, १२ सी०, २ इ०सी०, उलटाओ, * चिह्न से १० बार दोहराओ, फिर १२ उ०,२इ०उ०,उल्टाओ,* * १३ सी०। अब एड़ी की ढाल पर से एक सलाई पर १६ फदे उठाओ और इन १३ सीधे फदों वाली सलाई पर ही सीधे बुनो। अब दूसरी सलाई से पैर के लिए छोड़े हुए ४२ फदे धारीदार बुनो और ३ री सलाई से एड़ी की दूसरी ओर की ढाल पर से १६ फदे उठाओ और सीधे बुनो। अब पहली सलाई पर से ७ फदे तीसरी सलाई पर सीधे बुन लो। (२२, ४१, २२ फदे क्रम से तीनों सलाइयों पर हो जायँगे)

पैर का १ला घेरा—१ली सलाई—सीधी बुनो, अंत में जब ३ रह जायँ तब २ इ०सी०, १ सी०। २री सलाई—धारीदार। ३री सलाई—१ सी०, २इ०सी०, शेष अंत तक सीधी।

२रा घेरा—१ली सलाई—सारी सीधी। २री सलाई—धारीदार। ३री सलाई—सारी सीधी। अब इन दो घेरों को ४ बार दोहराओ (१७, ४१, १८ फदे रहे)।

अगले ६ घेरे—पैर के दूसरे घेरे की तरह। अब यहाँ से पैर की उंगलियों के लिए निम्न प्रकार से फदे घटाओ।

उंगलियों का १ला घेरा—१ली सलाई—सारी सीधी। २री सलाई—* ४ सी०,२ इ०सी०, * चिह्न से ५ बार दोहराओ ५ सी०। ३री सलाई—सारी सीधी।

२रा घेरा—सारा सीधा।

३रा घेरा—१ली सलाई—सीधी बुनो, अंत में जब ४ रह जायँ तब २ इ०सी०, २ सी०। २री सलाई—२ सी०, २ इ० सी०, अन्तिम ४ के सिवाय बीच के सब सीधे, अंत में २ सी०, २ इ० सी०। ३री सलाई—२ सी०, २ इ० सी०, शेष सारी सीधी।

४था घेरा—सारा सीधा। अब इन अन्तिम २ घेरों को ९ बार दोहराओ (९,११,६)। अब पहली सलाई के पाँचो फंदो को तीसरी सलाई पर सरकालो और अंगुलियो को चि० स०१२ की भाँति उलटी तरफ करके बुट लो और इस्तिरी कर लो। इसी प्रकार दूसरा मोजा बना लो।

तीन तार का धारीदार मोजा

आवश्यक सामान—४ औंस ३ तार की ऊन।

तीन सलाइयो पर (३०, ३०, ३०) के हिसाब से ९० फंदे चढ़ा कर चार तार वाले मोजे के समान ऊपर की चोटी से ६६ घेरे बुनो (चि० स० ११६)।

६७वाँ घेरा—२ इ०सी०, बीच के सब फंदे धारीदार बुनो, अन्तिम २ इ० सी०।

अगले ७ घेरे—धारीदार बुनो। अब इन ८ घेरो को ९ बार दोहराओ (२४, ३०, २४)।

अगले ४२ घेरे—धारीदार बुनो। अब चार तार वाले मोजे के * * चिह्न से * * चिह्न तक के हिस्से को यहाँ दोहराओ किन्तु एडी की २ सलाइयाँ १२ बार दोहराने की अपेक्षा १४ बार दोहराओ। अब १२सी० बुनो और एडी की ढाल पर से १८ फंदे उठा कर इसी सलाई पर सीधे बुन लो। दूसरी सलाई से पैर के लिए छोडे हुए ४१ फंदे धारीदार बुनो। ३री सलाई से एड़ी की दूसरी ढाल पर से १८ फंदे उठाओ और सीधे बुनो। फिर १ली सलाई से ७ फंदे तीसरी पर सीधे बुन लो (२४, ४१, २९) पैर के लिए चार तार के मोजे में जैसे बताया है वैसे ही बुनो किन्तु १ले और २रे घेरे को ४ बार के बदले ६ बार दोहराओ और ६८ घेरों के बदले ७४ घेरे बुनो। अंगुलियाँ भी उसी प्रकार बुनो। समाप्त हो जाने पर इस्तिरी कर लो तथा इसी प्रकार दूसरा मोजा तैयार कर लो।

आरामदायक दस्ताने पुरुषों के लिए

दाहिने हाथ का दस्ताना

आवश्यक सामान
३ औंस के लगभग
फ़ाख्तई रंग की
५ तार की
बढ़िया ऊन,
१२ नं० की
दोनों ओर
नोक वाली,
४ सलाइयाँ।



यह
आरामदायक
मोज़े
अंगुलियों पर
सादी बुनाई में,
तथा
शेष सारे
खूबसूरत
फलियोंदार
बुनाई में
बुने जाते हैं।

चि० सं० ११७

तीन सलाइयों पर २०, २०, २० के हिसाब से ६० फंदे चढ़ाओ और निम्न प्रकार से बुनो।

पहला घेरा—* १ सी०, १ उ०, * चिह्न से पूरे घेरे तक दोहराओ। इस घेरे को ४७ बार और दोहराओ। ४८ घेरे होगए।

४९वाँ घेरा—सारा सीधा।

५०वाँ घेरा—पहले घेरे की तरह। इन अन्तिम २ घेरों को ७ बार और दोहराओ।